वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2012-13

उद्यमी लभते सिद्धिम्
niesbud

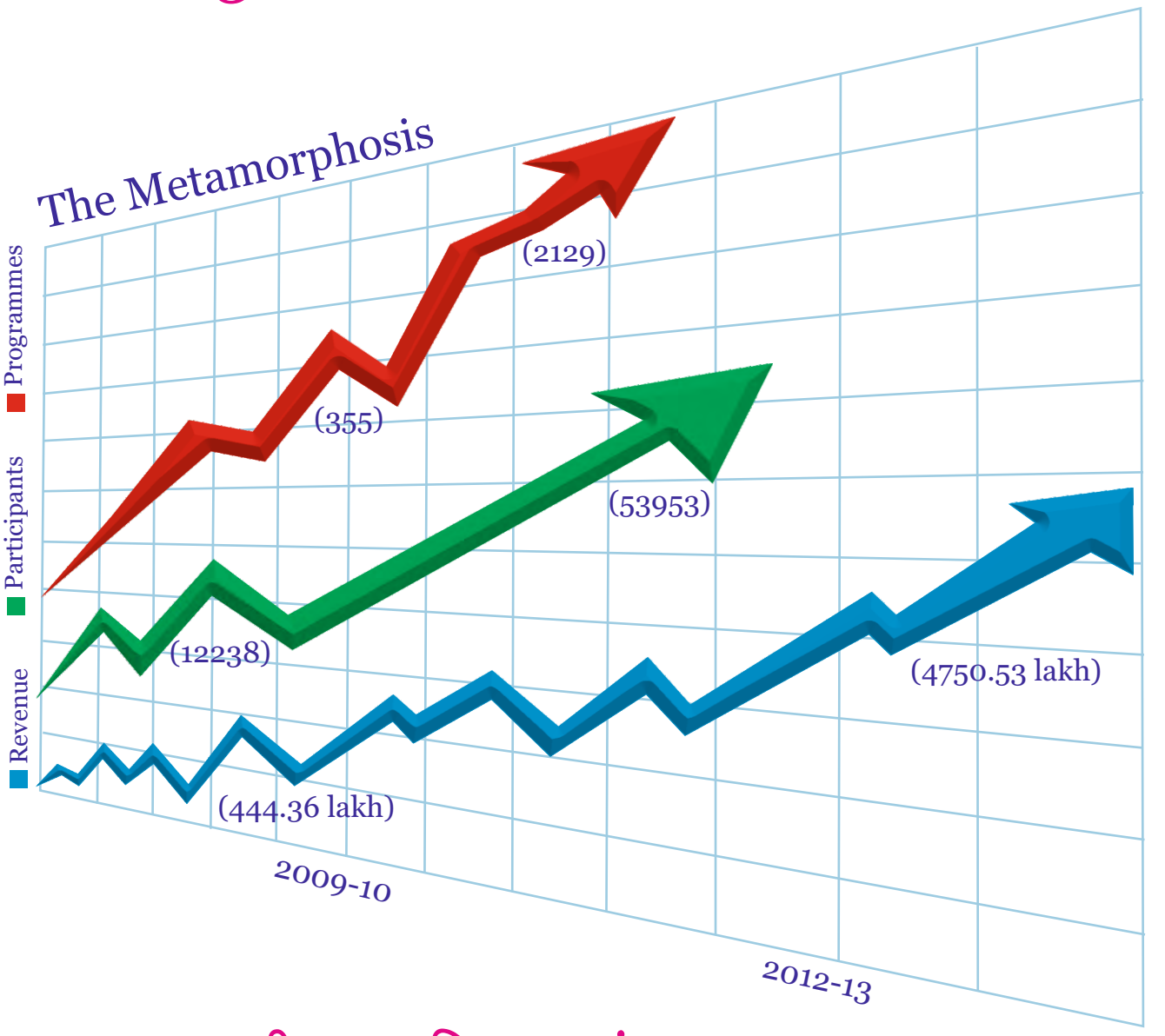

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development

www.niesbud.nic.in

The Guiding Force : Governing Council

(Ex-officio Members)

CHAIRMAN

SHRI K.H. MUNIYAPPA
Hon'ble Minister of State (Independent Charge)
Micro, Small and Medium Enterprises

VICE-CHAIRMAN

SHRI MADHAV LAL
Secretary
Micro, Small and Medium Enterprises

SHRI AMARENDRA SINHA
Additional Secretary & Dev. Commissioner (MSME)

SHRI VINOD KUMAR THAKRAL
Additional Secretary & Financial Adviser, MSME

SHRI SURENDRA NATH TRIPATHI
Joint Secretary
SME

SHRI B. H. ANIL KUMAR
Joint Secretary
ARI

PROF. G. BALACHANDRAN
Chairman
Coir Board

SHRI UDAI PRATAP SINGH
Chief Executive Officer
KVIC

SHRI N.K. MAINI
Chairman & M. Director (Off.)
SIDBI

SHRI H.P. KUMAR
Chairman-cum-M. Director
NSIC

SHRI DINESH N. AWASTHI
Principal Director
EDII

SHRI ARUN KUMAR JHA
Director General, NIESBUD
MEMBER-SECRETARY

विषय-सूची

3 परिचय

5 उद्यमीय तथा कला प्रशिक्षण

7 प्रशिक्षण गतिविधियाँ (2012-13)

19 अन्य गतिविधियाँ (2012-13)

25 नई पहलें (2012-13)

29 संगठन और प्रबंधन

35 सेवाएं और सूचना

39 वित्तीय स्थिति

40 लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और वार्षिक लेखे (2012-13)

56 *परिशिष्ट 'क'*: कार्यक्रमों तथा लाभार्थियों की संख्या का विवरण

64 *परिशिष्ट 'ख'* : संगठनात्मक चार्ट

परिसर

अध्याय - 1 परिचय

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड), जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 (1860 का XXI) के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है और जिसकी स्थापना तत्कालीन उद्योग मंत्रालय (अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा की गई थी, ने कार्य 6 जुलाई 1983 से आरम्भ किये। मूल उद्देश्य जिसके लिए संस्थान की स्थापना की गई है: उद्यमीय संस्कृति को जगृत करना तथा एक शीर्षस्थ संगठन के रूप में कार्य कर के, सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में इसी तरह के संस्थानों की सहायता करना। एम.एस.एम.ई. को स्थायित्व प्रदान करने के लिए उदारीकरण; निजीकरण एवं वैश्वीकरण के युग में उनकी क्षमताओं के निर्माण/सुदृढकरण द्वारा संस्थान उनकी मदद करता है।

1.1 संस्थान के मुख्य कार्यकलापों में शामिल हैं:-

- प्रशिक्षण आवश्यकताओं तथा उनके बीच दूरी का पता लगाकर तदनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में मदद करना।
- युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करना।
- सरकारी या निजी क्षेत्रों के उद्यमीय प्रशिक्षण देने में लगे हुए संस्थानों को सलाह एवं परामर्श देना।
- उद्यमिता तथा एम.एस.एम.ई. क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन देना।
- उद्यमिता तथा एम.एस.एम.ई. के क्षेत्र में सरकारों (केन्द्रीय और राज्यों दोनों को) तथा विदेशी सरकारों को सलाह देना।
- उद्यमिता तथा कला विकास कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को सप्रत्ययीकरण, डिजाइन तथा मानकीकृत करना।
- उद्यमिता तथा एम.एस.एम.ई. के क्षेत्रों में परामर्शी सेवाएँ देना।
- उद्यमिता/उद्यम विकास से संबंधित सूचना का प्रलेखन करना और उसका वितरण करना।
- उद्यमिता/उद्यम विकास/एम.एस.एम.ई. से संबंधित साहित्य और सूचना सामग्री तैयार करना और प्रकाशित करना।
- मुख्यत: सेमिनारों, कार्यशालाओं, कांफ्रेंसों आदि के तहत विभिन्न समूहों के लिये अंतक्रिया करने और विचारों/अनुभवों का आदान-प्रदान करने हेतु मंच उपलब्ध कराना।
- नये आर्थिक उद्यमों की स्थापना हेतु उद्यमिता विकास की गति को तेज करने के लिए ज्ञान सृजित करने हेतु समस्याओं का अध्ययन करना और अनुसंधान/समीक्षा अध्ययन करना।
- समाज के विभिन्न वर्गों के बीच उद्यमिता की संस्कृति के संवर्धन हेतु विभिन्न प्रकार के मीडिया की तैयारी करना, डिजाइन करना और इस्तेमाल करने में सहायता देना।
- निसबड ऐसे संगठनों की सहायता करके समर्थनात्मक और उत्प्रेरणात्मक भूमिका निभाता है जो देश में उद्यमिता और स्व-रोजगार के विकास और संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से लगे हुए हैं।

संस्थान के प्रशिक्षण कार्यकलाप उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करने, उसकी सहायता करने और संपोषित करने पर केन्द्रित हैं। निसबड द्वारा आरंभ किए / प्रायोजित किये गये कार्यक्रमों का सतत् मूल्यांकन और संशोधन किया जाता है ताकि उन्हें उद्यमिता और लघु उद्योग विकास की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया जा सके। यह संस्थान उद्यमिता के विकास के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने तथा उन व्यक्तियों के समर्थन के लिए, प्रचलित भ्रान्तियों को दूर करके आम जनता के बीच अनुकूल दृष्टिकोण विकसित करने में लगा है, जो उद्यमिता संबंधी जीवन-वृति अपनाना चाहते हैं।

1.2 ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार द्वारा बनाई गई रोजगार सृजन की विभिन्न योजनाओं की घोषणा ने मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करके, लाभग्राहियों तथा अनुदेशकों के लिए नियम-पुस्तकें बनाकर, नवीन प्रशिक्षण सहायक सामग्री, प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करके आदि, स्व रोजगार का व्यापक रुप से प्रचार करने में अपनी निर्णायक भूमिका प्रदर्शित करने के लिए, इस संस्थान को नई चुनौतियां प्रदान की हैं।

1.3 संस्थान के कार्यक्रमों की वित्त व्यवस्था अधिकांशतया सरकार द्वारा की जाती थी चूंकि उद्यमिता तथा कला विकास एक संवर्धनात्मक और औद्योगिक विस्तार कार्यकलाप हैं। तथापि बदलते हुए समय को ध्यान में रखते हुए और सरकारी नीति-निर्देशों के अनुरूप, अधिक कार्यक्रम आयोजित करके; शुल्क युक्त मार्किट उन्मुख प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन बढ़ा कर; प्रशिक्षण सामग्री की बिक्री बढ़ कर तथा आनुपतिक प्रशासनिक खर्चों में कमी करने के ठोस प्रयासो के परिणाम स्वरूप संस्थान आवर्ती व्यय के संबंध में वित्तीय आत्मनिर्भरता प्राप्त करने तथा बनाये रखने में सक्षम हुआ है।

1.4 संस्थान को दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन इसकी संचालन परिषद् द्वारा मुहैया कराया जाता है जिसके अध्यक्ष माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हैं और सचिव, भारत सरकार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, उपाध्यक्ष हैं । सचिव (सू.ल.म.उ.) अध्यक्ष, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.) उपाध्यक्ष और संस्थान के महानिदेशक सदस्य सचिव के तौर पर तथा 3 नामित सदस्यों सहित, कार्यकारिणी समिति के 9 सदस्य हैं । संचालन परिषद् की नीतियों और निर्णयों का निष्पादन कार्यकारिणी समिति द्वारा किया जाता है।

1.5 संस्थान के पास संकाय का प्रावधान है जोकि उद्यमिता सक्षमता तथा अभिप्रेरणा; परियोजना निर्धारण तथा तैयारी; वित्त तथा ऋण; लघु उद्यम प्रबंधन; महिला उद्यमिता; बौद्धिक संपदा अधिकार; विपणन प्रबंधन और उद्यमिता शिक्षा के क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले वरिष्ठ तथा अनुभवी व्यावसायिक व्यक्ति होने चाहिए । संस्थान, संकाय सदस्यों को जल्द ही नियुक्त करने के कदम उठा रहा है। संकाय के इन सदस्यों की सहायता अतिथि संकाय/विशेषज्ञों के पैनल द्वारा की जाती है।

1.6 संस्थान, सैक्टर-62, नोएडा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, स्थित एकीकृत परिसर से कार्य कर रहा है।

हमारी अभिलाषाएँ केवल हमारी
कल्पनाओं द्वारा ही सीमित होती है

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, विकसित या विकासशील दोनों ही तरह के देशों के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण तथा निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इन क्षेत्रों के यूनिटों द्वारा विभिन्न सामाजिक आर्थिक कर्तव्यों का निर्वाह करने के कारण इनको एक अर्थव्यवस्था का *"इंजन ऑफ ग्रोथ"* का नाम ठीक ही दिया गया है। वर्तमान की कठिन परिस्थितियों में इन यूनिटों की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो गई है। यह कहना अतिशियोक्ति नहीं होगी कि संसार की लगभग सभी अर्थव्यवस्थाएँ इस समय इन क्षेत्रों को राहत और बचाव के लिए देख रही है।

इस बारे में भारत भी अपवाद नहीं है। लगभग रूका हुआ कृषि उत्पादन क्षेत्र; लगभग नगण्य रोजगार सृजन के साथ मेन्यूफेक्चरिंग क्षेत्र में धीमी ग्रोथ तथा सेवा सेक्टर द्वारा वांछित विकास दरों को न प्राप्त करना, सभी वर्तमान मुश्किल आर्थिक स्थिति में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्रों को सबसे अच्छा माध्यम मानते हैं।

2.1 देश के धारणीय तथा समावेशी बढ़ोतरी के लिए, एम.एस.एम.ई. क्षेत्र को रीड़ की हड्डी ठीक ही माना गया है। क्षेत्र जिसको *"उद्यमिता की नर्सरी"* समझा जाता है, देश की जी.डी.पी. में 8%, मैन्यूफैक्चिरिंग उत्पाद में 45% तथा निर्यात में 36% से ज्यादा का योगदान करता है। यह 3 करोड़ 60 लाख उद्यमों द्वारा 6,000 से ज्यादा उत्पादों का उत्पादन करता है तथा 8 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

2.2 राष्ट्र द्वारा प्राप्त *डेमोग्राफिक डिवडैन्ड* को उपर्युक्त तरीके से एक आर्शीवाद में बदलने की जरूरत है। 65 करोड़ 30 लाख की सन् 2031 तक, मजदूर जनशक्ति तथा सन् 2025 तक, 20 करोड युवा मजदूर जनशक्ति में सम्मलित होते हुए, एक प्रगतिशील अर्थव्यवस्था को एक अभूतपूर्व ढांचागत लाभ/दूसरो के उपर ऐज प्रदान करते हैं तथा इससे कोई भी ईष्या कर सकता है।

2.3 आज की सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकता बिना शक के, *"उद्यम निर्माण"* तथा *"कला प्रशिक्षण"* है, दूसरे से न केवल बढ़ती हुई बेराजगारों के लिए रोजगार उत्पन्न होते हैं अपितु एम.एस.एम.ई. क्षेत्र को भी प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध कराकर सहयोग देता है। *"समावेश"* का इससे अच्छा स्वरूप नहीं हो सकता।

2.4 तदनुसार, वर्तमान सरकार एम.एस.एम.ई. क्षेत्रों के यूनिटों के लिए विस्तृत सेवाओं के पैकेज के माध्यम से, जिसमें प्रशिक्षण तथा हैंड-होलडिंग सहायता से लेकर वित्त, विपणन तथा तकनीकी सहायता शामिल हैं, समर्थ वातावरण सृजित करने तथा बेरोजगार युवाओं द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की स्थापना पर विशेष जोर दे रही है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय जोकि उद्यमीय प्रयत्नों को गति देने के लिए तथा इस क्षेत्र को स्थायित्व प्रदान करने के लिए एक नोडल एजेंसी है, को वित्त का आबटंन 11वीं पंचवर्षीय योजना के लगभग 11,000 करोड़ रुपये के मुकाबले 12वीं योजना में दुगने के बराबर लगभग 24,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। मंत्रालय ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) द्वारा देश भर के 650 से अधिक जिलों, प्रत्येक में 100 नई उपक्रम हर साल लगाने का लक्ष्य रखा है।

2.5 पिछले अनुभवों से यह पता चला है कि योजनाबद्ध प्रयत्नों के माध्यम से स्व-रोजगार, आय-सृजन तथा आर्थिक कार्यों को विकसित करना पूर्णतया संभव है। संभाव्य लाभर्थियों में सफलता की उच्चतर दर को प्राप्त करने के उद्देश्य से समुचित प्रशिक्षण की आवश्यकता भी बार-बार सिद्ध हो चुकी है। इसके लिए प्रोत्साहक परिवर्तन एजेंटों की ओर से विशेज्ञता प्राप्त सक्षमता की आवश्यकता है जिसका विकास प्रशिक्षण मध्यस्थता के माध्यम से किया जा सकता है

2.6 कला प्रशिक्षण का "उद्यम निर्माण" एवं "नियोजिता" में सुधार करने दोनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सरकार ने स्किल इंडिया मिशन की रूपरेखा तैयार की तथा उसका कार्यन्वयन कर रही है जिसमें 50 करोड़ युवाओं को सन् 2022 तक कलाओं का प्रशिक्षण देने/उनकी कलाओं में सुधार करने का लक्ष्य है। नेशनल कला विकास कारपोरेशन (एन.एस.डी.सी.) तथा कला विकास पर राष्ट्रीय कांउसिल की स्थापना, राष्ट्रीय कला विकास प्राधिकरण को योजना आयोग के एक अटेच्डड् कार्यालय के रूप में लेने के प्रयत्न जिससे देश भर में निजी जगत की मदद के साथ देश भर में कला प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा, राष्ट्रीय कला योग्यता रूपरेखा (एन.एस.क्यू.एफ.) का निर्धारण, सेक्टर स्किल कांउसिल का प्रचालन तथा राष्ट्रीय कला प्रमाण ीकरण और मोनिटरी इनाम योजना जिसका उद्देश्य 10 लाख युवाओं को हर साल प्रशिक्षण देने का है तथा जिसमें शर्त के अनुसार अधि कतम 10,000 रुपये का इनाम देने का प्रावधान है इत्यादि सभी कला प्रशिक्षण के लक्ष्यों की प्राप्ति में मील के पत्थर साबित होगें ।

व्यावहारिक अभीमुखीकरण

2.7 एम.एस.एम.ई. मंत्रालय ने अपने विशेषज्ञता प्राप्त संस्थानों के माध्यम से 12वीं योजना के अंदर लगभग 42 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने के साथ सन् 2022 तक 1 करोड़ 50 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना है।

कला प्रशिक्षण

अध्याय - 3 प्रशिक्षण गतिविधियाँ (2012-13)

उद्यमिता तथा लघु व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने के क्षेत्र में एक शीर्षस्थ निकाय होने के नाते यह संस्थान विभिन्न लक्ष्य समूहों - उद्यमियों, प्रशिक्षकों, प्रोत्साहकों, विकास पदाधिकारियों आदि के लिए नवीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पैकेज प्रस्तुत करता है। उनकी प्रभाविता को बनाये रखने के उद्देश्य से, संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वे प्रत्येक लक्ष्य-समूह की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। बदलते हुए परिवेश के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, इन कार्यक्रमों की पाठ्य-सामग्री में निरंतर संशोधन किया जाता है। संस्थान समय-समय पर उभरते हुए आर्थिक/उद्यमीय परिवेश का पुनरवलोकन करता रहता है ताकि तत्कालीन मूल्यों वाले तत्संगत तथा लाभकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शुरू किया जा सके।

यह संस्थान अपने नियमित प्रशिक्षण कार्यकलापों के अलावा इस क्षेत्र में विभिन्न संगठनों/एजेंसियों से प्राप्त अनुरोधों के अनुसार उनकी विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष रूप से बनाए गये तैयार-शुदा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

3.1 संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान 2,129 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे 53,953 व्यक्तियों को लाभ हुआ। यह कार्यक्रमों की संख्या की सदर्भ में 45% और लाभार्थियों की संख्या के सदर्भ में 49% अधिक थे। सभी श्रेणियों के कार्यकलापों में समग्र रूप से वृद्धि हुई।

बॉक्स 3.1 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या

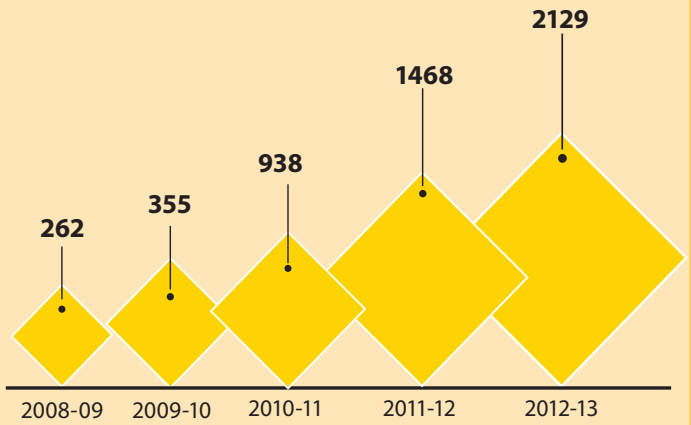

संस्थान ने वर्ष 2011-12 के दौरान आयोजित 1468 गतिविधियों की तुलना में वर्ष 2012-13 के दौरान 2129 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

3.2 यह प्रभावशाली प्रदर्शन, संस्थान के प्रबंधन द्वारा बहुविधि कार्यकलापों के विस्तार एवं विविधता के उद्देश्य से प्रगतिशील एवं नवनतीम नीतियां अपनाकर संभव हुआ, जिसमें समय-समय पर सहयोगी संगठनों का सहयोग भी लिया गया। यथापि अधिकांश प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वंय संस्थान द्वारा भिन्न-भिन्न राज्यों/संघ-शासित क्षेत्रों में आयोजित किए गए, 184 कार्यकलाप, प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत संस्थान के भागीदार संस्थाओं के माध्यम से आयोजित किए गए।

3.3 प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों/सहायक संगठनों के अधिकारियों/विभागाध्यक्षों/वरिष्ठ संकाय आदि को प्रशिक्षण/अभिमुखीकरण उपलब्ध कराने पर अपने जोर को जारी रखते हुए, संस्थान ने वर्ष के दौरान, 653 भागीदारों के लिए 32 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। हालांकि अधिकांश प्रशिक्षण कार्यकलाप प्रायोजित थे जोकि सम्बन्धित संगठनों के अनुरोध पर आयोजित किए गए, कई कार्यक्रम बाजार उन्मुखी स्व-प्रदत्त थे।

3.4 इंटरनेशनल फाईनेन्स कॉरपोरेशन (आई.एफ.सी.), विश्व बैंक समूह का एक सदस्य, से हुए अपने समझौता ज्ञापन के अंतर्गत कार्य शुरू करते हुए संस्थान ने 04 प्रशिक्षकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रंखला, नोएडा, पुणे, गुवाहटी तथा अहमदाबाद में, वर्ष के दौरान आयोजित की। इन चार कार्यक्रमों, जोकि प्रतिभागियों की क्षमताओं में सुधार करने जिससे वह अपने कार्यों को एक प्रभावी ढंग से कर सके के उद्देश्य से आयाजित किए गए, में 69 प्रशिक्षको/प्रोत्साहको/परामर्शदाताओं ने भाग लिया। इसके अलावा, वर्ष के दौरान, प्रथम कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए एक एल्यूमनी बैठक भी आयोजित की गई। इसी तरह जी.आई.जेड. के समझौता ज्ञापन के तहत संस्थान ने पहचान किए हुए बिजिनेस मेम्बरशिप संगठनों (बी.एम.ओ.) के कार्यालय प्रभारियों के लिए दो प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की। जबकि पहली गतिविधि देश भर से आए उद्योग संघों के अधिकारियों के लिए एक-दो दिवसीय कार्यशाला थी, दूसरी, एक 5 दिवसीय इन संघों के सचिवालय के लिए जर्मनी से आए एक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ की निगरानी में आयोजित, एक कैप्सूल कार्यक्रम थी।

3.5 राजीव गांधी उद्यमी मित्र योजना (आर.जी.यू.एम.वाई.) के अंतर्गत उद्यमी मित्रों के कार्यक्रम (05); रेशम विभाग, हौशंगाबाद, मध्य प्रदेश के अधिकारियों तथा कार्यकारियों (03) तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) के प्रधानाचार्यो एवं वरिष्ठ संकायों की क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 224 व्यक्तियों ने भाग लिया।

इसके अलावा, संस्थान ने अपने भागीदार संस्थाओं तथा आभारभूत संरचना उपलब्ध कर्ताओं के 87 समन्वयको/संकाय को अभिमुखीकरण प्रदान करने के लिए, एम.एस.एम.ई. की *प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ योजना* के अंतर्गत 03 प्रशिक्षकों प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रंखला का आयोजन किया ताकि वह योजना के अंतर्गत कार्यक्रम प्रभावी तौर पर आयोजित कर सके।

3.6 उद्यमीय आंदोलन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से, संस्थान ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम का एक ई-लर्निंग मॉडयूल उन व्यक्तियों, विशेषकर विद्यार्थियों के अधिक लाभ के लिए विकसित किया जोकि विभिन्न कारणों के चलते विधिवत तरीके से पूर्णकलिक ई.डी.पी. में भाग नहीं ले सकते। गुजरात, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान राज्यों में वर्ष के दौरान मॉडयूल को लागू करने के बाद 457 व्यक्तियों को मॉडयूल में पंजीकृत और प्रमाणित किया गया। संस्थान ने विशेष रूप से तैयार अपने परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन मॉडयूल जोकि भारतीय स्थितियों के उपयुक्त है, को भी

वर्ष के दौरान आरंभ किया। यह एक सर्वसार्विक सच है कि सरकारी एजेसियों, उद्योग जगत एवं लाभ के लिए नहीं संगठनों के उन व्यक्तियों को जोकि विभिन्न परियोजनाओं के नियोजन/कार्यान्वयन में शामिल है, के अभीमुखीकरण से अधिकतर समय एवं लागत वृद्धि को समाप्त किया जा सकता है।

3.7 वर्ष के दौरान, एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) से संबंधित विभिन्न स्कूलों के 73 अध्यापकों के लिए 03 पायलट अभिमुखीकरण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। इसके अलावा, विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय के तत्वाधान में बौद्धिक संपदा अधिकारो (आई.पी.आर.) पर 10 जागरूकता संवेदीकरण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला, विभिन्न औद्योगिक कलस्टरों, में आयोजित की गई।

3.8 संस्थान की उद्योगों को प्रशिक्षित जनशक्ति की पूर्ति बढ़ाने के प्रयत्नों के फलस्वरूप, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के मिशन कन्वर्जेन्स, सामाजिक सुविधा संगम के तत्वाधान में कला प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शुरू किया गया। तीन माह प्रत्येक वाले विभिन्न व्यवसायों/कलाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में चिन्नत: वर्गों के 425 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की, मांग पर आधारित देश भर में ई.डी.पी. आयोजित करने की पहल के रूप में, संस्थान ने एक पॉयलट उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे 24 लोगों ने भाग लिया। अन्यों के अलावा, एस.बी.आई. के अधिकारियों ने बैंक की विभिन्न सू.ल.म.उ. के लिए योजनाएँ/उत्पादों के बारे में प्रतिभागियों को बताया। पुर्नावास निदेशालय (डी.जी.आर.) द्वारा प्रायोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम में सशस्त्र बलों के तीनों अंगों से सेवानिवृत होने वाले 15 कर्मचारियों ने भाग लिया।

3.9 बाजार उन्मुखी शुल्क आधारित कला प्रशिक्षण कार्यक्रमों की डिजाइनिंग एवं आयोजन पर अपने बल को जारी रखते हुए, संस्थान ने वर्ष के दौरान 96 ऐसे उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें 1,924 लोगों ने भाग लिया। फूड प्रोसेसिंग, कम्प्यूटर एकाउंटिंग विद टैली, कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग तथा डेस्क-टॉप पब्लिशिंग पर कार्यक्रमों को अधिकतम प्रत्युचतर प्राप्त हुआ।

3.10 संस्थान के उद्यमिता को बनाए रखने के लिए लघु उद्यम सतत् शिक्षा कार्यक्रम (एस.ई.सी.ई.पी.) के अंतर्गत मौजूदा/संभवी उद्यमियों तथा उनके कार्यकारियों के लिए निर्यात प्रक्रिया एवं डोक्यूमेन्टेशन (प्रलेखन) पर 18 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला तथा रचनात्मक एवं नवीनता के माध्यम से संगठनात्मक विकास पर 04 कार्यक्रमों में क्रमश: 165 एवं 30 व्यक्तियों ने भाग लिया।

3.11 वर्ष के दौरान संस्थान ने एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत 46,469 व्यक्तियों के लिए 1,923 उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया। 100 घंटे से 300 घंटे वाले इन कार्यक्रमों द्वारा 64 विभिन्न व्यवसायों को शामिल किया गया जिसमें से 23 व्यवसायों/कलाएँ में कार्यक्रम वर्ष के दौरान पहली बार आयोजित किए गए थे। अधिकांश कार्यक्रम बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, ओडिसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में संस्थान द्वारा खुद से आयोजित किये गए। क्योकि अधिकांश कार्यक्रम, परिसर से बाहर हुए थे, इनकी नियमित रूप से मानीटरिंग हुई ताकि इनकी प्रभाविता को बनाया रखा जा सके। इन कार्यक्रमों की एक खास विशेषता यह थी कि इन गतिविधियों में मानकीकृत पर कोर ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर मानकीकृत पाठ्यक्रम अपनाया गया।

ग्राफ 3.1 **प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या**

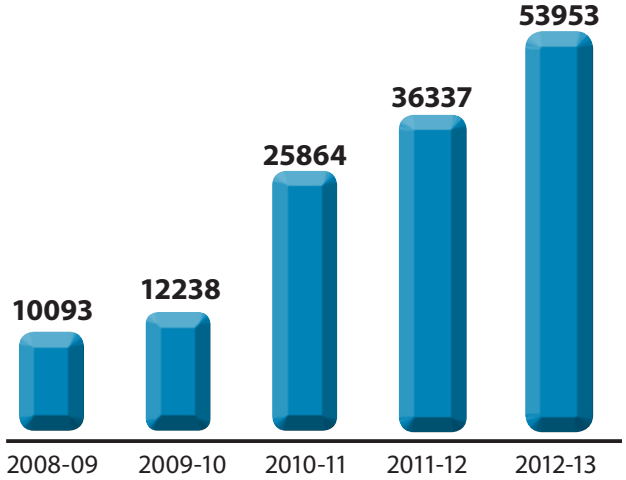

3.12 संस्थान द्वारा वर्ष में आयोजित 12 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 54 विभिन्न देशों से आए 245 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अन्य के अलावा आयोजित किये गये कार्यक्रमों में लघु व्यवसाय नियोजन एवं संवर्धन पर कोलंबो प्लान सचिवालय के 09 अधिकारियों के लिए एक अनुरोध कार्यक्रम तथा तीन कार्यक्रम: लीड लेखा-परीक्षकों एवं परामर्शदाताओं के लिए समग्र क्वालिटी प्रबंधन (टी.क्यू.एम.एल.ए.सी.); अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा (आई.एम.जी.सी.) तथा कलस्टर विकास-सू.ल.म.उ./उद्यमिता के लिए उभरती रणनीति (सी.डी.ई.एस.-एम.एस.एम.ई.) शामिल थे जोकि संस्थान द्वारा वर्ष में पहली बार आयोजित किये गए।

3.13 संस्थान द्वारा 2012-13 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे प्रस्तुत है:-

3.13.1 प्रशिक्षकों /प्रोत्साहको का प्रशिक्षण

संस्थान एक राष्ट्र स्तरीय उद्यमिता निकाय होने के नाते देश में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की उपलब्धता को बढ़ाने में अपना योगदान देता रहा है, जो लाभार्थियों को सीधे प्रशिक्षण प्रदान करते हैं या सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है। इस तरह, उद्देश्य है कि कार्यकलापों का कासकेडिंग प्रभाव हो। ऐसे प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की आवश्यकता हाल में प्रत्यक्ष

कारणों से बढ़ रही है: उद्यमिता कैरियर के लिए इच्छुक व्यक्तियों की बढ़ती संख्या और विभिन्न सरकारी स्कीमों के अंतर्गत लाभ प्रदान करने के लिए पूर्व-अपेक्षानुसार उद्यमी प्रशिक्षण पर जोर दिया जाना। इन प्रशिक्षण कार्यकलापों का मुख्य उद्देश्य भिन्न-भिन्न रूपों में प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों की क्षमताओं विकसित/मजबूत करना है ताकि वे अपनी संबंधित भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकें।

निसबड-आई.एफ.सी. के कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में (बाएं से दाएं) श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक, निसबड; श्री सी.के. मिश्रा, पूर्व सयुंक्त सचिव (सू.ल.म.उ.); श्री अनिल सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख, साऊथ एशिया एडवाईजरी सर्विसेस, आई.एफ.सी. तथा कु. जीवा पेरुमलपिलैई, ऐसक्स, क्षेत्रीय प्रबंधक, आई.एफ.सी

इंटरनेशनल फाईनेंस कोरपोरेशन (आई.एफ.सी.) विश्व बैंक समूह का एक सदस्य, से पूर्व में हुए अपने समझौता ज्ञापन के अनुसार, संस्थान ने वर्ष के दौरान, विभिन्न स्थानों पर, प्रशिक्षकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के 69 प्रतिभागी पहले एक कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरें। यह कार्यक्रम जोकि नोएडा; पुणे; गुवाहाटी एवं अहमदाबाद में, भारत में एम.एस.एम.ई./प्रशिक्षकों की उद्यमीय तथा व्यवसाय कलाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए, आई. एफ.सी.के. बिजिनेस ऐज™ कार्यक्रम पर आधारित थे जिसको अब तक 30 से भी ज्यादा देशों में 1,000 बिजिनेस कला प्रशिक्षकों की कलाओं को अपग्रेड तथा प्रमाणित करने के लिए प्रयोग में लाया जा चुका है। प्रथम कार्यक्रम के प्रशिक्षको के लिए एक एल्यूमनी बैठक भी आयोजित की गई जिसमें 13 प्रशिक्षको तथा निर्धारकों के सामने आए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा जिससे प्रशिक्षको तथा निर्धारकों को रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ।

संस्थान ने वर्ष के दौरान उद्यमीय मोटीवेंशनल प्रशिक्षकों के लिए 02 प्रत्यायन कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह कार्यक्रमों- एक प्रथम चरण तथा एक अंतिम चरण- में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतिम चरण के सफलतापूर्वक संपन्न करने के उपरान्त 08 प्रतिभागियों का प्रशिक्षको के रूप में प्रत्यायन हुआ। एक, एक सप्ताह वाला संगठन के विकास एवं उत्कृष्टता हेतु अभिनव नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व के मूलभूत कार्यों/तकनीकों तथा प्रतिभागियों को इनका, संगठन के विकास तथा विस्तारीकरण में उपयोग के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) के कार्यलय से आए 12 अधिकारियों सहित 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्य प्रतिभागी एन.एस.आई.सी.; के.वी.आई.सी., केनरा बैक तथा एस.टी.सी. से आए थे।

प्रशिक्षकों/प्रोत्साहको, वरिष्ठ कार्यकारियों आदि को उपलब्ध समय का कैसे अधिकतम उपयोग करें, कार्य की विभिन्न मदों में प्राथमिकता कैसे करे तथा अधिकतम नतीजों को प्राप्त करने के लिए कार्य संबंधी तनाव कैसे दूर करे, के बारे मे अभिमुख करने के उद्देश्य से संस्थान ने "तनाव एवं समय प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाईन किया तथा उसके दो बैचस् का प्रशिक्षण आयोजित किया। द्वारका, गुजरात तथा गोआ में आयोजित इन दो कार्यक्रमों में 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जबकि पहले बैच के 11 प्रतिभागी तथा दूसरे के 09 विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) के कार्यालय द्वारा प्रायोजित अधिकारी थे। दूसरे कार्यक्रम में विभिन्न पी.एस.यू. तथा कोरपोरेटस् से आए 13 वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

जी.आई.जेड. के साथ एम.एस.एम.ई. अमब्रेला कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में बिजिनेस मेम्बरशिप संगठनों (बी.एम.ओ.) की क्षमता निर्माण पर अपने समझौता ज्ञापन के अनुसार, संस्थान ने जी.आई.जैड के सहयोग से बी.एम.ओ. के सचिवालय के लिए, एक 5-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के 20 प्रतिभागियों को, एसोशिएशन प्रबंधन; राजस्व सृजन; सार्वजनिक सहायता योजनाओं; सर्मथन तथा बिजिनेस दायित्वों के क्षेत्रों में अभिमुख किया गया।

जिला उद्योग केन्द्र, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के साथ पंजीकृत विभिन्न उद्योग संगठनों के 70 सदस्यों के लिए, निर्यात प्रणाली एवं डोक्यूमेंटेशन पर एक दो-दिवसीय अभिमुखी कार्यक्रम संस्थान द्वारा, विशेष तौर पर डिजाईन तथा आयोजित किया गया।

रक्षा मंत्रालय के पुर्नावास निदेशालय से हुए अपने समझौते के अनुसार, संस्थान ने ड्रीम-व्हिस्लेर्ज एंटरटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड के सहयोग से, लघु/ग्रामीण उद्यमिता पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष के दौरान, अपने परिसर में आयोजित किया। 16-सप्ताह वाला कार्यक्रम जिसमें पुर्नावास निदेशालय द्वारा सशस्त्र बलों के तीनों अंगों-थल सेना, वायु सेना एवं नौ सेना से आए 15 प्रतिभागी थे, काफी गहन साबित हुआ। प्रतिभागियों के स्वभाव तथा चेतना और एक आर्थिक उद्यम की स्थापना एवं संचालन के बीच के अंतर को भरने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3.13.2 विकास अधिकारियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

उद्यमिता संवर्धन के विभिन्न पहलुओं में सहायक संगठनों के पदाधिकारियों को सतत् अभिमुखीकरण की उपलब्धता पर ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता है। वांछित लक्षित समूहों में उद्यमी संस्कृति के संवर्धन में इन चेंज एजेंटों की भूमिका संभावित लाभार्थियों के साथ पहले प्रत्यक्ष आदान-प्रदान के कारण, निर्णायक बन जाती है।

संस्थान इन पदाधिकारियों के लिए भिन्न-भिन्न अभिमुखीकरण/पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यकलापों को आयोजित करता रहा है, जिससे उनके कामों को प्रभावी ढंग से संपन्न करने में उनकी क्षमताओं में वृद्धि की जा सके। वर्ष 2012-13 में 178 व्यक्तियों की संयुक्त भागीदारी के साथ कुल ऐसे 10 कार्यकलापों को आयोजित किया गया।

एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की राजीव गांधी मित्र योजना (आर.जी.यू.एम.वाई.) के अंतर्गत, संस्थान ने 73 उद्यमी मित्रों के लिए 05 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को योजना का अवलोकन, कार्य तथा कर्तव्यों आदि के बारे में बताने ताकि वह अपना कार्य प्रभावी ढंग से कर सके, के उद्देश्य से आयोजित किये गए।

वर्ष के दौरान, रेशम विभाग, हौशंगाबाद, मध्य प्रदेश के 55 अधिकारियों/कार्यकारियों के लिए तीन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों की क्षमता निर्माण था ताकि वह लोगों की धारणाओं में अंतर को भर सके ताकि वह अपने कार्यों का प्रभावी ढंग से निर्वाह कर सके।

निसबड-जी.आई.जैड. के बिजिनेस मेम्बरशिप संगठनों के पदाधिकरियों के लिए आयोजित कार्यक्रम का एक सैशन

संस्थान ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) तथा जी.आई.जेड. के सहयोग से सी.बी.एस.ई.-निसबड-जी.आई.जेड. सेनिटेशन तथा ज्ञान विकास सैल के अधिकारियों के लिए, नई दिल्ली में एक 3-दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम जोकि प्रतिभागियों में सेनिटेशन तथा स्वास्थय/सफाई विशेषकर देश भर के विद्यालयों में, की महत्वत्ता एवं तकनीकों के बारे मे जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, में सी.बी.एस.ई., निसबड, जी.आई.जेड., ई.एस.एफ., आपदा प्रबंधन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली जल बोर्ड तथा विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकों ने भाग लिया।

इसके अलावा, व्यावसायिक नियोजन कलाओं पर विशेष रूप से डिजाइनड एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें अंग्रेजी भाषा, उद्यमिता, संप्रेषण कलाएं, क्वालिटी टूल्स तथा व्यवसायिक सुरक्षा जैसे विषय शामिल थे।

3.13.3 उद्यमिता को बनाये रखने के लिए लघु उद्यम सतत् शिक्षा कार्यक्रम (एस.ई.सी.ई.पी.)

लघु उद्यमों को संपोषण प्रदान करने तथा ऐसी इकाइयों को व्यवहार्य इकाई बनाने के लिए यह संस्थान अपने लघु उद्यम सतत् शिक्षा कार्यक्रम (एस.ई.सी.ई.पी.) के माध्यम से कार्यशील उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस श्रेणी के अंतर्गत अल्पावधि के कार्यक्रम चलाए जाते हैं ताकि उद्यम प्रबंधन के महत्वपूर्ण कार्यत्मक क्षेत्रों में कार्यदक्षता प्रदान की जा सके और गहन ज्ञान विकसित किया जा सके। संस्थान ने वर्ष के दौरान 71 व्यक्तियों के लिए परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन पर कार्यक्रमों के अलावा, जैसा कि बाद में बताया गया है, इस श्रेणी में 414 व्यक्तियों के लिए 26 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये।

वर्ष के दौरान निर्यात-आयात प्रक्रिया एवं प्रलेखन पर 18 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें 165 मौजूदा /संभावित उद्यमियों, एम.एस.एम.ई. के वरिष्ठ कार्यकारियों, परामर्शदाताओं आदि ने भाग लिया। एक सप्ताह वाले इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अन्य के अलावा निर्यात संगठन की स्थापना, विदेशी व्यापार नीति एवं अंतरराष्ट्रीय वातावरण, उत्पाद एवं देश का चयन, इन्कोटर्मस 2010, भुगतान की टर्मस, एवं लैटर ऑफ क्रेडिट, निर्यात वित्त तथा एफ.ई.एम.एस., प्रलेखन, इंटरनैट विपणन तथा ई-कार्मस इत्यादि विषयों को शामिल किया गया।

रचनात्मक एवं नवीनता के माध्यम से संगठनात्मक विकास पर 04 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण कलाओं पर कार्यक्रम में 09 स्कूली विद्यार्थियों/पास करने वाले ने भाग लिया। एम.एस.एम.ई. के लिए "वित्त कैसे जुटाएँ" पर दिन-भर के अभिमुखी कार्यक्रम में एम.एस.एम.ई के मालिको/कार्यकारियों/परामर्शदाताओं ने भाग लिया।

नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 अधिकारी उपस्थित थे जिनको नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया गया और जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के नेतृत्व के गुणों को उनकी अपनी संगठनों के विकास के लिए, सशक्त करना था।

संस्थान ने रचनात्मक बाधाओं पर पार पाने के लिए रचनात्मक एवं नवीनतम कलाएँ पर एक-दिवसीय अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम देहरादून में ऑयल एण्ड नेचरूल गैस कमीशन (ओ.एन.जी.सी.) के नए भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए था। इस का उद्देश्य रचनात्मक प्रक्रिया को नवीनता एवं उत्कृष्टता के लिए समझना तथा प्रतिभागियों की उनके अपने-अपने अवरोधों जोकि उनको रचनात्मक एवं नवीन होने से रोकते हैं, की पहचान करने में मदद करना था। अभिमुखीकरण के दौरान, प्रतिभागी उन अवरोधों की पहचान कर सके तथा समूह कार्यों के द्वारा उन पर विजय पाने के लिए रणनीति तैयार कर सके। कार्यक्रम को 168 प्रतिभागियों, जोकि देश के विभिन्न स्थानों पर अपने-अपने कर्तव्यों को ग्रहण करके अपने जीवन के एक नए अध्याय में प्रवेश करने ही वाले थे, द्वारा बहुत लाभकारी पाया गया।

3.13.4 विभागाध्यक्षों/वरिष्ठ संकायों/कार्यकारियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

संस्थान दोनो सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्रों के विभिन्न संगठनों के विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकायों/कार्यकारियों को अभिमुखीकरण उपलब्ध कराता आ रहा है। इन कार्यकलापों का उद्देश्य प्रतिभागियों की उनके संबंधित क्षेत्रों मे ज्ञान/समझ को अद्यतन करना है ताकि उनमें एक विश्वास की भावना आ सके तथा उनके कार्यो को प्रभाविता प्रदान हो सके।

संस्थान ने उक्त अवधि के दौरान आई.टी.आई. के 96 प्रधानाचार्यो एवं वरिष्ठ संकायों के लिए 05 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की एक श्रंखला आयोजित की जोकि पूर्व में, श्रम तथा रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से 1396 सरकारी आई.टी.आई. के अपग्रेडेशन" की स्कीम के अधीन, पहचान किये गये थे। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी जम्मू एवं कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा अरूणाचल प्रदेश से आए थे। क्योंकि आई.टी.आई. में प्रधानाचार्य केन्द्रीय बिन्दु होते हैं, जहां स्कीम के कार्यकलापों की संपूर्ण रेंज अभिसंचित होती है, इस बात की परम आवश्यकता है कि उनको आई.टी.आई. के वरिष्ठ संकायों के साथ विभिन्न क्षमता निर्माण/अभिमुखी कार्यक्रमों के द्वारा योजना की नवीनतम विशेषताओं से अवगत कराया जाए।

संस्थान ने अपने भागीदार संस्थाओं तथा आधारभूत संरचना उपलब्धकर्ताओं के, कार्यक्रमों निदेशकों/संकाय के लिए 03 अभिमुखी कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। कार्यक्रम जोकि एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओ की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत आयोजित किये गए, ने 87 व्यक्तियों को, योजना के अधीन प्रशिक्षण गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं, उद्देश्य, उद्यमिता विकास की योजनाओं तथा विद्यार्थियों को उद्यमीय जीवन की ओर कैसे प्रेरित करे, को मिलाकर, अभीमुखीकरण उपलब्ध कराया।

इसके अलावा, शिक्षण प्रणाली विज्ञान पर एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम, संस्थान के भागीदार संस्थाओं के 27 मुख्य संकाय के लिए आयोजित किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था, प्रतिभागियों को समकालिक शिक्षण तकनीकों; ग्रामीण/दूर-दराज इलाकों में सहायक समाग्री/टूल्स का उपयोग; आर.जी.यू.एम.वाई., पी.एम.ई.जी.पी. इत्यादि जैसे प्रशिक्षण के बाद वाली सहायता योजनाओं के प्रभावी निष्पादन आदि के बारे में अवगत कराना था, ताकि वह प्रतिभागियों को स्वरोजगार में प्रेरित/मार्गदर्शन को बेहतर ढंग से कर सके।

3.13.5 सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएं

वर्ष के दौरान, संस्थान ने इस वर्ग में 14 गतिविधियाँ 625 भागीदारों के लिए आयोजित की। संस्थान ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग से, एक, 3 दिवसीय अध्यापकों के लिए तीन पायलट अभिमुखीकरण कार्यशालाओं की श्रृंखला का आयोजन किया जिसमें 40 विभिन्न बोर्ड से संबंधित विद्यालयों के 73 अध्यापकों ने भाग लिया। एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत आयोजित इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य अध्यापकों को उद्यमिता शिक्षण एक विषय के रूप में, को कैसे प्रभावकारी तथा अर्थपूर्ण बनाए, में अभिमुखीकरण देना था। इन विशेष तौर पर बनाई हुई गतिविधियों की पाठ्यक्रम में अन्य के अलावा उद्यमिता के लाभ; एक उद्यमी के गुण तथा एक उद्यम को कैसे स्थापित करे, जैसे विषय शामिल थे। पायलट अभिमुखी कार्यशालाओं के परिणाम को देखते हुए निकट भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना है।

संस्थान ने जी.आई.जैड. के सहयोग से एक दो-दिवसीय कार्यशाला देश भर से आए 15 उद्योग संघो के 25 अधिकारियों के लिए आयोजित की। बी.एम.ओ./उद्योग संघ एक आर्थिक परिवेश में सरकार, उद्यमियों तथा दूसरे घटकों के बीच एक महत्वपूर्ण लिंक के रूप में सेवा/कार्य करते हैं। यह उद्यमों की आवश्यकताओं जैसे क्रेडिट व्यवसाय विकास सेवाओं (बी.डी.एस.), सार्वजनिक सहायता योजनाओं आदि को पूरा करने में प्रभावकारी सहायक तथा उपलब्ध कराने वाले चैनल हो सकते हैं।

संस्थान ने विभिन्न औद्योगिक क्लस्टरों में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) पर 10 जागरूकता संवेदीकरण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला, इन क्लस्टरों में कार्यरत उद्यमों के लाभ के लिए आयोजित की। विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) कार्यालय के तत्वाधान, मेरठ, सहारनपुर, अहमदाबाद, पानीपत, वाराणसी, आगरा, जयपुर, लखनऊ, अम्बाला तथा फिरोजाबाद, में आयोजित इन कार्यशालाओं में कुल 527 कलस्टर उद्यमियों ने भाग लिया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में अपने बिजिनेस कार्य के विस्तारण तथा बनाए रखने में, विभिन्न आई.पी.आर. टूल्स, की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता फैलाना था।

अफगानिस्तान

अरमिनिया

अर्जेनटीना

बंगलादेश

भूटान

बोत्सवाना

कोलंबिया

डी.आर. कोंगो

इथोपिया

फिजी आईलैंडस

घाना

गुनिया बीसाऊ

गुनिया

इंडोनेशिया

3.13.6 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की इंडिया टेक्निकल एंड ईकनामिक कोपरेशन (आई.टी.ई.सी.) तथा दूसरी फैलोशिप योजनाओं के अंतर्गत, संस्थान अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए, विदेश मंत्रालय द्वारा सूचीबद्ध है। संस्थान सामान्यता एक वर्ष में 10-12 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

आमतौर पर आठ-सप्ताह वाले इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक तकनीकों, कार्यप्रणालियों आदि से सुसज्जित करना होता है ताकि वे अपने-अपने देशों में लघु व्यवसाय का प्रशिक्षण / प्रोत्साहन देने का अपना कर्तव्य प्रभावी ढंग से निष्पादित कर सकें। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अधिकांश नामांकन आई.टी.ई.सी./एस.सी.ए.ए.पी. और कोलंबो प्लान फैलोशिपस् के अंतर्गत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से प्राप्त होते हैं।

अपने घोषित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, यह संस्थान विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों/एजेंसियों, प्रभुता-संपन्न सरकारों आदि से प्राप्त अनुरोधों के अनुरुप तैयार, प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। वर्ष के दौरान, लघु व्यवसाय नियोजन एवं संवर्धन (एस.बी.पी.पी.) पर इस तरह का एक विशेष कार्यक्रम कोलंबो प्लान सचिवालय के 09 प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया।

वर्ष 2012-13 के दौरान, संस्थान ने 12 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 54 देशों से आए 245 व्यक्तियों ने भाग लिया जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच उद्यमिता विकास में विभिन्न प्रकार के भारतीय अनुभवों के आदान-प्रदान करने का अद्वितीय अवसर मिला।

उभरते तथा समकालीन क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा को तैयार कर उनको आयोजित करने की अपनी परम्परा को जारी रखते हुए संस्थान ने वर्ष के दौरान टी.क्यू.एम.-एल.ए.सी.; आई.एम.जी.सी. तथा सी.डी.ई.एस-एम.एस.एम.ई. पर तीन नये प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आरंभ किया, जिनमें कुल 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वर्ष के दौरान आयोजित किये गये बारह कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:-

3.13.6 (क) व्यवसाय सलाहकारों का प्रशिक्षण (बी.ए.टी.)

बी.ए.टी. पर संस्थान के सत्तरवें प्रशिक्षण कार्यक्रम में भूटान, ईथोपिया, इराक, लॉओस, मालावी, मॉरीशस, मयंमार, नाइजीरिया और जिंबावे से आए 12 उद्यमी व्यक्तियों ने भाग लिया। आठ सप्ताह अवधि का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्यम प्रबंधन के विवेचनात्मक बिन्दुओं का निराकरण करने, लघु उद्योग के संबंध में नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी सुदृढ़ करने और व्यवसाय

मलावी

इराक

ईरान

आईवरी कोस्ट

जामाईका

कीनिया

किरिगस्तान

कजाकिस्तान

लाओ पी.डी.आर.

लीस्थो

लिथुवानिया

मैडगास्कर

मालद्वीवस

परामर्शन आदि की दक्षताओं को बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया। कक्षा की पढ़ाई की संपूर्ति करने की दृष्टि से प्रतिभागियों को आगरा, दिल्ली, जयपुर और चंडीगढ़ शहरों में स्थित विभिन्न लघु इकाइयों एवं सहायक संगठनों का अध्ययन दौरा भी कराया गया।

मॉरीशस

मंगोलिया

3.13.6 (ख) मानव संसाधन विकास और उद्यमिता शिक्षा (एच.आर.डी.ई.ई.)

संस्थान ने वर्ष के दौरान एच.आर.डी.ई.ई. पर अपना सातंवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उद्यमीय एवं प्रबन्धकीय शिक्षा में संलग्न वरिष्ठ अधिकारियों, कार्यपालकों और परामर्शदाताओं के लिए आठ सप्ताह का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रतिभागियों को मानव संसाधन की प्रक्रिया एवं उद्यमिता के साथ इसके संबंध को समझने; उद्यमिता-गुणों तथा मोटिवेशन को बढ़ाने एवं नवीन कार्यो के लिए प्रेरित करने; उद्यमों/संगठनो के निर्माण एवं प्रबंधन हेतु क्षमताओं तथा योग्यताओं का विकास करने और उद्यमिता के माध्यम से मानव संसाधन विकास संबंधी हस्तक्षेप हेतु कार्य योजना बनाने, के उद्देश्य से आयेजित किया गया। इस कार्यक्रम में घाना, इराक, किरिगस्तान, लॉओस, लिथुवानिया, मालावी, मॉरीशस, नाइजीरिया, सियारा लियोन, श्रीलंका, तंजानिया, उज्बेकिस्तान और जिंबावे से आए 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मयंमार

नॉबिया

नेपाल

नाइजीरिया

3.13.6 (ग) लघु व्यवसाय नियोजन एवं संवर्धन (एस.बी.पी.पी.)

एस.बी.पी.पी. पर वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित किए गए बाइसवें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अर्जेनटीना, बंगलादेश, लॉओस, लिथुवानिया, मालावी, मॉरीशस, मयंमार, नामिबिया, नाइजीरिया, पपुआ न्यू गुइनिआ, रूस, सियारा लिओन, श्रीलंका, सूडान, तजाकिस्तान, तंनजानिया, टोगो, यूगांडा और जिंबावे से आये 28 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम को व्यापक कवरेज देने के उद्देश्य से पूर्ण पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु को निम्नलिखित सात मुख्य मॉडयूलों में आबंटित किया गया - लघु व्यवसाय सृजन, लघु व्यवसाय नियोजन, लघु व्यवसाय अवसरों का मूल्यांकन, लघु व्यवसायक उद्यमियों के लिए उद्यमीय गुण, लघु व्यवसाय प्रबंधन दक्षताएं, लघु व्यवसाय संवर्धको की भूमिका एवं कार्य तथा अनेक लघु व्यवसाय उद्यमों और औद्योगिक उद्यमों के फील्ड दौरों के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के सहायक संगठनों का दिल्ली के अलावा राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्यों के फील्ड दौरे।

नाईजर

ओमान

पपुआ न्यू गुइनिआ

रूस

3.13.6 (घ) स्वयं सहायता समूहों का निर्माण, विकास और स्थायीत्व (एस.एच.जी.एफ.जी.एस.)

श्रीलंका

समाज के विभिन्न वर्गों विशेषकर महिलाओं में उद्यमिता और आर्थिक कार्यकलापों के संवर्धन में स्वयं सहायता समूहों की स्थापना के बढ़ते महत्व को समझते हुये, संस्थान ने एस.एच.जी.एफ. जी.एस. पर अपना छठा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया। आठ सप्ताह का कार्यक्रम सहभागियों को समूह निर्माण की

स्लोवाकिया

साउथ अफ्रीका

सूडान

सीरिया

तजाकिस्तान

तंजानिया

टोगो

तुनिशिया

यूगांडा

उज्बेकिस्तान

वियतनाम

यमन

ज़ाम्बिया

जिबांवे

प्रक्रिया और स्थायित्व की तकनीक और स्वयं सहायता समूहों के विकास की जानकारी देने के लिए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बंगलादेश, बोतस्वाना, इथोपिया, जामाईका, लॉओस, मॉरीशस, मयंमार, पपुआ न्यू गुइनिआ, रूस, श्रीलंका, सूडान, तजाकिस्तान और जिंबावे के 13 देशों के 18 सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सहभागियों को स्वयं सहायता समूहों और लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास हेतु भारतीय अनुभवों और अपनाई जा रही तकनीकों को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

3.13.6 (ड.) कोलंबों प्लान सचिवालय के लिए अनुरोध कार्यक्रमः लघु व्यवसाय नियोजन एवं संवर्धन (एस.बी.पी.पी.)

कोलंबों प्लान सचिवालय से प्राप्त अनुरोध के अनुसार एस.बी.पी.पी. पर 4 सप्ताह का यह अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिवालय के 6 विभिन्न देशों : फिजी, इंडोनेशिया, ईरान, मालद्वीवस, नेपाल और श्रीलंका से आए 9 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। मौजूदा उद्यमियों को वर्धन तथा विकास के लिए, आर्थिक कार्यकलापों का विस्तार, आधुनिकीकरण या विविधकरण के लिए सलाह देने तथा संभावित युवा उद्यमियों को अपना-अपना सूक्ष्म/लघु उद्यम को स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन/सहायता देने की, प्रतिभागियों की क्षमताओं का विकास करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूक्ष्म एवं लघु व्यवसाय के संवर्धन में भारतीय अनुभवों का प्रतिभागियों से विस्तृत आधार पर आदान-प्रदान किया गया क्योंकि वह भी लगभग इसी तरह की सामाजिक आर्थिक परिस्थितियों से आए थे।

3.13.6 (च) उद्यमिता तथा आय-सृजन कार्यकलापों का संवर्धन (ई.पी.आई.जी.ए.)

ई.पी.आई.जी.ए. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 देशों के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया जो बंगलादेश, बोतस्वाना, इथोपिया, गुनिया बीसाऊ, आईवरी कोस्टा, कीनिया, मालावी, रूस, श्रीलंका, युगांडा और जिंबावे से थे। इस कार्यक्रम का आयोजन आय-सृजन के लिए उद्यमिता विकास प्रक्रिया की पूरी जानकारी हासिल करने; उपयुक्त सूक्ष्म उद्यमों की पहचान एवं चयन करने के लिए क्षमताओं का विकास करने और सूक्ष्म उद्यमों की पहचान, सृजन, विकास एवं संचालन करने के लिए डिजाइन/नियोजन तकनीकों का ज्ञान/कुशलता प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया।

3.13.6 (छ) महिलाएं और उद्यम विकास (डब्ल्यु.ई.डी.)

डब्ल्यु.ई.डी. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में डी.आर. कोंगो, फिजी, गुनिया बीसाऊ, आईवरी कोस्ट, मयंमार, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, उज्बेकिस्तान और जिंबावे के 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आठ सप्ताह के इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को महिला उद्यमिता विकास के क्षेत्रों में प्रभावशाली प्रशिक्षक/प्रोत्साहक/परामर्शक बनाने में मदद करना था ताकि वे अपने-अपने

अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान

संबद्ध देशों में आर्थिक कार्यकलाप शुरु करने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को प्रोत्साहित कर सकें। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न आर्थिक स्तरों की महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे लघु उद्यमों के सृजन तथा उन्हें बनाए रखने के विशेष उद्देश्य से महिला उद्यमिता विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया गया। इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में उद्यम निर्माण में लिंग मुद्दों; माइक्रो क्रेडिट; ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वं-सहायता समूहों के गठन; ग्रामीण विपणन आदि पर विशेष ध्यान दिया गया।

3.13.6 (ज) लघु व्यवसाय प्रशिक्षकों/प्रोत्साहको के लिए उद्यमिता (ई.एस.बी.-टी.पी.)

ई.एस.बी.-टी.पी. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भूटान, इथोंपिया, घाना, गुनिया बीसाऊ, गुनिया, इन्डोनेशिया, आईवरी कोस्ट, लाओ पी.डी.आर., लिथुवानिया, मालावी, मॉरीशस, मयंमार, नाईजर, नाईजीरिया, श्रीलंका, तजाकिस्तान, तंनजानिया, वियतनाम, यमन, जांबिया और जिंबावे से आए 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया था कि विकासशील देशों के प्रशिक्षक और प्रोत्साहक, उद्यमिता विकास प्रक्रिया को समझ सकें, भावी उद्यमियों के लिए उद्यमिता प्रेरणा प्रशिक्षण (ई.एम.टी.) कार्यक्रम तैयार करना एवं आयोजित करना सीख सकें, सक्षम उद्यमियों की पहचान करने हेतु दक्षता हासिल कर सकें और उनको स्थापित करने के लिए समुचित चयन तकनीकों/साधनों का इस्तेमाल कर सकें, उद्यम शुरु करने संबंधी प्रक्रिया को समझ सके, अवसरों को भांप सके, परियोजना तैयार कर सकें, संसाधनों का मूल्याकंन और एकत्र कर सके, उद्यमों को सफलतापूर्वक चलाने के संबंध में लाभानुग्राहियों का मार्गदर्शन करने की क्षमता प्राप्त कर सकें और

उद्यमियों द्वारा अपने उद्यमों की स्थापना करने के संबंध में उन्हें योजना बनाने संबंधी पूरी जानकारी दे सकें और तत्संबंधी सहायता प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में अन्य विषयों के अलावा भावोत्तेजक समझ, बी. पी. आर. एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) अनुप्रयोग विषयों को भी शामिल किया गया था।

3.13.6 (झ) संगठन की ग्रोथ तथा उन्नयन के लिए अभिनव नेतृत्व (आई.एल.ओ.जी.ई.)

संस्थान ने आई.एल.ओ.जी.ई. पर अपना दूसरा 8-सप्ताह का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भिन्न-भिन्न 23 देशों अर्थात अफगानिस्तान, बंगलादेश, भूटान, कोलंबिया, इन्डोनेशिया, कजाकिस्ताान, केन्या, लीस्थो, लिथुवानिया, मेडागास्कर, मॉरीशस, मयंमार, नाईजर, नाईजीरिया, ओमान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, तजाकिस्तान, तुनिशिया, यूगांडा, उजबेकिस्तान और जिंबावे से आए कुल 40 भागीदारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विचारों के उत्पन्न, समझने की कला तथा विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिए विकास योजनाओं तथा कार्यक्रमों के डिजाइनिंग तथा कार्यान्वयन के सदंर्भ में लीडरस्/इनोवेटरस् के रूप में विकसित करना था। कार्यक्रम अन्य बातों के साथ-साथ संगठनों की वृद्धि, उत्तमता एवं स्थायित्व सुनिश्चित करने हेतु सकारात्मक अभिमुखीकरण एवं व्यावसायिक कला विकसित करने पर केन्द्रित था।

3.13.6 (ञ) लीड लेखापरीक्षको तथा परामर्शदताओं के लिए सम्रग क्वालिटी प्रबंधन (टी.क्यू.एम.-एल.ए.सी.)

संस्थान ने अपना पहला टी.क्यू.एम.-एल.ए.सी. पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम डिजाईन तथा सफलतापूर्वक आयोजित किया। 05 विभिन्न देशों से आए 08 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया: मंगोलिया, तंजानिया, उजबेकिस्तान, यमन और जिंबावे। आई.एस.ओ.: 9000 प्रमाणन प्रक्रिया की अंतराष्ट्रीय स्तर पर पूरी जानकारी देने; प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी प्रबंधन मानकों की जानकारी तथा उपयोग विकसित करने; क्वालिटी प्रबंधन सिस्टमस् के नियमों, तरीकों तथा तकनीकों; अंतरराष्ट्रीय गाईडलाईन्स के अनुसार एक लेखापरीक्षा का नियोजन तथा आयोजन; निष्पक्ष साक्ष्य विभिन्न तरीकों से एकत्र करने तथा विभिन्न क्वालिटी मानक धारणाएँ जैसे कि स्टेस्टीकल तकनीकें, 5 एस, बिजिनेस प्रोसेस इंजीनियरिंग (बी.पी.आर.), सी.एम.एम., सिक्स सिगमा तथा अन्य टी.क्यू.एम. हस्तक्षेपों को सीखने के मूलभूत उद्देश्यों से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

3.13.6 (ट) अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा (आई.एम.जी.सी.)

05-सप्ताह वाले आई.एम.जी.सी. पर प्रथम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 15 विभिन्न देशों से आए 24 अधिकारियों ने भाग लिया: अफगानिस्तान, भूटान, इथोपिया, फिजी, लिथुवानिया, मॉरीशस, मंगोलिया, सरबिया, सीयारा लिओन, सलोव्क, सुडान, सीरिया, तंजानिया, उजबेकिस्तान एवं जिंबावे। कार्यक्रम का आयोजन प्रतिस्पर्धात्मकता पर भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का आदान-प्रदान करने; निर्यात विपणन तथा कलाओं का ज्ञान प्राप्त करने; अंतरराष्ट्रीय विपणन संवर्धन हेतु नीतियों एवं नियोजन को समझने तथा विश्वीय प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए कार्य योजना बनाने पर जानकारी देने के मुख्य उद्देश्यों से किया गया।

3.13.6 (ठ) क्लस्टर विकास- उद्यमिता के लिए/ सू.ल.म.उ. उभरती रणनीति (सी.डी.ई.एस.-एम.एस.एम.ई.)

संस्थान के 05 सप्ताह के सी.डी.ई.एस.-एम.एस.एम.ई. पर पहले अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में अरमिनिया, घाना, मॉरीशस, ओमान, सरबिया, तंजानिया, और जिंबावे से आये 09 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मूलभूत धारणाओं के साथ परिचय करने के अलावा प्रतिभागियों को क्लस्टर विकास; लघु व्यवसायों के विकास के लिए क्लस्टर रणनीतियों; क्लस्टर विकास की प्रक्रिया तथा उसमें शामिल विभिन्न पक्षों के बारे में भी परिचित कराया गया। व्यावहारिक पूर्वाभिमुखीकरण प्रदान करने के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न औद्योगिक कलस्टरों का दौरा कराया गया। कार्यक्रम के अंत में, प्रत्येक प्रतिभागी अपने-अपने देश में कलस्टर विकास के लिए एक कार्ययोजना बना सका।

3.13.7 उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ई.डी.पी.)

विभिन्न लक्षित समूहों विशेष रूप से विद्यार्थियों में उद्यम संस्कृति के संवर्धन के उद्देश्य से संस्थान उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। ये कार्यकलाप प्रतिभागियों को उद्यमिता के विभिन्न मूलभूत बातों के बारे में भी बताती है।

अपने नए चलाए हुए ई.डी.पी. पर ई-लर्निंग मॉडयूल के 18 विभिन्न कार्यक्रमों, जैसा कि बाद में बताया गया है, में 457 विद्यार्थियों को पंजीकृत करने के अलावा संस्थान ने भारतीय स्टेट बैंक का पायलट उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दिल्ली तथा नोएडा में रहने वाले 24 व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम, बैंक की देश भर में मांग पर आधारित उद्योग विशिष्ट ई. डी.पी. आयोजित करने का पहल के रूप में, आयोजित किया गया। इस तरह के कार्यक्रम, बैंक की विकास गतिविधियों के हिस्से के रूप में, संबंधित क्षेत्रों में सूक्ष्म एवं लघु व्यवसायों के संवर्धन हेतु, आयोजित किये जाएगें। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरे कर लेने के बाद, प्रतिभागियों को अपना उद्यम स्थापित करने के उद्देश्य से भी मदद की गई।

इसके अलावा उद्यमिता तथा निर्यात पर 03 कैपसूल कार्यक्रम वर्ष के दौरान 71 विद्यार्थियों के लिए आयोजित किये गए। 2-2 दिन वाले 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम, विद्या बिजिनेस स्कूल, मेरठ के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के अंतिम साल के 50 विद्यार्थियों, उद्यमिता एंव बिहार से निर्यात के अवसरों पर एक 4-दिवसीय कैप्सूल कार्यक्रम, बिहार सेन्ट्रल विश्वविद्यालय, पटना के मास्टर ऑफ साइंस के 21 विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए गये।

3.13.8 उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रम (ई.एस.डी.पी.)

संस्थान, सू.ल.म.उ. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। 100 घंटे से 300 घंटे वाली यह प्रशिक्षण गतिविधियां उत्तरी क्षेत्र के छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की जाती है।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने 49,469 लाभार्थियों के लिए 1,923 ई.एस. डी.पी., योजना के अंतर्गत आयोजित किये। इनमें से 11,841 प्रतिभागियों के लिए 538 ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम थे जोकि पिछले वित्तीय वर्ष में शुरू कर, 2012-13 में पूर्ण किये गये। 13 राज्यों: बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में फैले, यह कार्यक्रम मुख्यत: संस्थान द्वारा खुद किये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 60 से अधिक व्यवसाय शामिल किये गए जिनमें प्रमुख थे-ए.सी. रेफ्रीजिरेटर एण्ड वाटर कूलर रिपेयर (71); सी., सी++ एण्ड ओओपीस (83); कैड/कैम (58); कम्प्यूटर एकाउंटिंग विद टैली (137); कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्किंग (158); डीजल फ्यूल इंजेक्शन टैकनिशियन (93); इलैक्ट्रीकल गैजट रिपेयर (100); फैशन डिजाईनिंग (71); फूड प्रोसेसिंग (86); हाउसकिपिंग एण्ड हॉस्पीटैलिटी (50); मोबाइल रिपेरिंग (99); पलम्बिग एण्ड सैनेटरी फिटिंगस् (68); रिपेयर एण्ड मेंटेनेस ऑफ पावर सप्लाई, इनवर्टर एण्ड यू.पी.एस. (163); रिटेल मनेजमेंट (89) तथा वैब डिजाईनिंग (156)। विभिन्न भौगौलिक क्षेत्रों

एक ई.एस.डी.पी. के प्रतिभागी

में प्रशिक्षित व्यक्तियों की प्रभावी आवागमन सुनिश्चित करने के लिए, प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने सभी जगहों पर एक मानकीकृत कोर्स पाठ्यक्रम का अनुसरण किया।

सरकारी नीतियों के अनुरूप, संस्थानों ने समाज के विभिन्न कमजोर वर्गों के व्यक्तियों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया। इस तरह 3,550 महिलाएं; 10,683 अ.ज.; 8,132 अ.ज.जाति; 680 अल्पसंख्यको तथा 3,053 अ.पि.व. को वर्ष के दौरान प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष के दौरान, अतिरिक्त उपायों के द्वारा इन कैंपस के बाहर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्राभविता को सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा मानीटरिंग ढांचा और मजबूत किया गया। इसके अलावा एम.एस.एम.ई. काल सैंटर के कार्यकारियों ने भी इन कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को समय-समय पर फोन करके उनसे इन गतिविधियों की फीड बैक प्राप्त की।

प्रशिक्षण समाप्त हो जाने पर, इन कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को सूक्ष्म उद्यमों को उनके द्वारा स्थापित करने के उद्देश्य से या विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों, जैसा कि बाद में बताया गया है, में वेतन-रोजगार ढूढ़ने के लिए, विधिवत् सहायता की गई।

ए.टी.आई. योजना के अंतर्गत ई.एस.डी.पी. के अलावा, संस्थान शुल्क आधारित बाजार उन्मुखी जिनमें उच्च रोजगार की संभावनाएं होती हैं, ऐसे कार्यक्रम भी आयोजित करता है। ऐसे कार्यक्रम सामान्यत: ऐसे स्कूल/कॉलेजो की शिक्षा समाप्त कर बाहर आने वालों के लिए आयोजित किये जाते हैं जोकि उपयुक्त रोजगार के मौको को खोज रहे होते हैं। संस्थान ने वर्ष के दौरान, इस तरह की 96 प्रशिक्षण गतिविधियां 1,924 प्रतिभागियों के लिए आयोजित की। अधिकतर कार्यक्रम संस्थान के सहयोगियों के समन्वय से विभिन्न स्थानों पर आयोजित किये गये।

3.14 आरंभ से संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या और भिन्न-भिन्न श्रेणियों के अंतर्गत कुल लाभार्थियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण *"परिशिष्ट क"* पर है।

संस्थान में विदेशी प्रतिनिधिमंडल

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने परिसर में निम्नलिखित प्रतिनिधि मंडलों/दौरों, की मेजबानी की:-

- मालावी के एक उच्च स्तरीय 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मालावी में सू.ल.म.उ. के विकास तथा उद्यमिता के संर्वधन में सहयोग की संभावना का पता लगाने के लिए दौरा (अप्रैल 11, 2012)।
- भारत में अन्वेषणात्मक दौरे पर आए, कंधार प्रोविंशियल गवर्नेट, अफगानिस्तान, के एक 10 वरिष्ठ अधिकारियों की टीम द्वारा संस्थान की सेवाओं को, कंधार का औद्योगिक सर्वे करने तथा प्रोविन्स में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना हेतु, उपयोग करने में गहरी रूचि दिखाना (अप्रैल 12, 2012)।
- डी.टी.आई. (ई.ई.डी.डी.) दक्षिण अफ्रीका सरकार के द एम्पावरमैंट एंड एंटरप्राइज डेवलपमेंट डिविजन की एक तीन-सदस्यीय अध्ययन टीम एक विस्तृत रेंज के विषयों/मुद्दों को कवर करते हुए, बातचीत करती है अनौपचारिक क्षेत्र के लिए नीति ढांचा; नियामक पर्यावरण; विपणन, प्रोत्साहन तथा प्रशिक्षण आदि सहित सहायता कार्यक्रम; क्षेत्रीय एजेसियों एवं प्राईवेट क्षेत्र को केन्द्र की सहायता आदि; प्रौद्योगिकी, आर्थिक इंटेलीजेंस तथा प्रोत्साहन आदि; चैम्बर्स सहायता; सहायता तंत्र तथा विशिष्ठ वित्तीय संस्थानों की सहायता (मई 22, 2012)।
- विश्व बैंक की सामाजिक विकास इकाई की एक दो-सदस्यीय टीम, संस्थान की सहायता मांगती है, महिला उद्यमिता से संबंधित उन संभावित क्षेत्रों/ परियोजनाओं की पहचान करने में जिनका भारत सरकार के तत्वाधान में उनके द्वारा वित्त पोषण किया जा सके। (जुलाई 20, 2012)।
- एल.एस.ई.स तथा सू.ल.म.उ., केन्या की एक्सपोर्ट प्रोमोशन कांउसिल (ई.पी.सी.) तथा केन्यीन इंस्टीटूयूट ऑफ बिजिनेस ट्रैनिंग (के.आई.बी.टी.) के अधिकाारियों का एक नौ-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, के.आई.बी.टी. के सकांय एंव वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित करने; विभिन्न श्रेणियों के पाठ्यक्रम के विकास तथा दोनो के बीच संकाय एक्सचेंज कार्यक्रम के बारे में, चर्चा करता है (सितम्बर 13, 2012)।
- दक्षिण अफ्रीका की एक उच्चस्तरीय टीम, ट्रेड तथा उद्योग उपमंत्री (डी.टी.आई.) के नेतृत्व में, दक्षिण अफ्रीका में कला विकास के संवर्धन हेतु, संस्थान की सलाह लेती है (नवम्बर 15, 2012)।
- केन्या उच्चायोग, नई दिल्ली के प्रथम सेक्रटरी (पोलिटिकल) के साथ आए केन्या एक्सपोर्ट प्रोमोशन कांउसिल के एक दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को ट्रैड/उद्योग आधारित एक्सपोर्ट प्रोमोशन कांउसिलस् के स्थापना सहित केन्या से निर्यात बढ़ाने के लिए काउंसिल द्वारा उठाये जा सकने वाले कदमों के बारे में, सलाह दी जाती है (फरवरी 25, 2013)।

Study Material Series on Entrepreneurship Development
Be an Entrepreneur
Entrepreneurship Development
Study Material Series on Desktop Publishing
Desktop Publishing
Food

बहुआयामी गतिविधियाँ

4.0 कलस्टर मध्यस्थता

एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के विकास के लिए कलस्टर का रास्ता, पूरे संसार में, बहुत किफायती पाया गया है। संस्थान, विभिन्न रूपों में, कलस्टरों में विकास कार्यक्रमों (साफ्ट तथा हार्ड इंटरवेन्शन) को करने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। संस्थान ने अभी तक 24 औद्योगिक कलस्टरों में काम किया है।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने कार्यान्वयन एंजेसी के रूप में, सीजरस् कलस्टर, मेरठ, में सामान्य सुविधा केन्द्र (सी.एफ.सी.) की स्थापना हेतु, फिर से निविदाएँ आमंत्रित की। प्रक्रिया के पूरे हो जाने पर, केन्द्र के लिए प्लांट एवं मशीनरी सप्लाई/लगाने का कार्य, टर्नकी आधार पर मैसर्स ओरियन्टल कलेक्शन, कानपुर को प्रदान किया गया। संस्थान ने केन्द्र की स्थापना में सरकारी हिस्से को रिलीज करवाने के लिए विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) के कार्यालय को भी आग्रह किया।

विभिन्न कलस्टरों के लिए अपनी विपणन पहलों के रूप में संस्थान ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, 2012 में भाग लिया। मेले के दौरान चार कलस्टरों: सीजरस् कलस्टर, मेरठ; ब्रासवेयर कलस्टर, मुरादाबाद; बोनक्राफ्ट कलस्टर, लोनी तथा टेक्सटाईल प्रिंटिगं कलस्टर, पिलखुआ, के उत्पाद प्रदर्शित किये गये। इससे कलस्टरों के उद्यमियों को भावी क्रताओं से सीधे मिलने तथा बाजार संपर्कों को विकसित करने का अवसर मिला। इससे कारीगरों को विपणन के रूझानों/ग्राहकों विशेषकर अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों की उम्मीदों से अपने आपको अवगत कराने का भी मौका मिला। तत्कालीन व्यवहारों के अनुसार उत्पाद विवधीकरण की और भी, इसने कलस्टरों उद्यमियों को अभिमुख कराया।

प्राईस वाटर कूपर द्वारा एम.एस.ई. सी.डी.पी. की प्रभाविता निर्धारण अध्ययन के एक हिस्से के रूप में, संस्थान ने प्लास्टिक पैकेजिंग सामान कलस्टर, गाजियाबाद में एक इंटरऐक्टीव सैशन आयोजित किया। कलस्टर वैबसाईट *craftvilla.co.in* के लाभों को अधिकतम तथा उच्चतम सीमा तक पहुंचने के उद्देश्यों से उसके प्रचालन तथा रख-रखाव को एन्सर वेलफेयर सोसायटी को सौंप दिया गया। वैबसाईट को पहले विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) कार्यालय के तत्वाधान में, संस्थान द्वारा विकसित किया गया था।

कुछ मामूली सी टिप्पणियों के साथ एम.एस.ई.-सी.डी.पी. की संचालन समिति ने संस्थान द्वारा तैयार टेक्सटाईल प्रिंटिंग कलस्टर, पिलखुआ तथा इनगोट मेंकिग ब्रास कलस्टर की विस्तृत परियोजनाओं रिपोर्टस् पर विचार कर अनुमोदन किया। ब्रास कलस्टर, मुरादाबाद में टूल रूप सुविधाएँ स्थापित करने वाली विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के बारे में समिति ने महसूस किया कि प्रोजेक्ट को रेपिड प्रोटोटाईप मशीनों तथा डिजाईन सुविधा शामिल करके, बदलने की जरूरत है।

4.1 अनुसंधान

वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम (एन.एम.डी.एफ.सी.), अल्पसंख्यक मामले का मंत्रालय की अवधि ऋण और लघु वित्त योजनाओं के प्रभाव मूल्याकंन अध्ययन तथा कृपाल शिक्षण संस्थान, हरिद्वार, उत्तराखंड के डेयरी परियोजना का तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की प्रशिक्षण तथा रोजगार कार्यक्रम को सहायता (एस.टी.ई.पी.) के तहत मूल्याकंन के बारे में रिपोर्ट्स को अंतिम रूप दिया तथा प्रस्तुत किया गया।

विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय ने प्रतिस्पर्धात्मक प्रणाली के द्वारा अपनी विभिन्न योजनाओं के मूल्याकंन करने का कार्य, उनकी प्रभाविता को परखने के लिए, ताकि वह 12वीं पंच-वर्षीय योजना में चालू रखी जा सके, संस्थान को सौंपा। संस्थान ने वर्ष के दौरान, इन योजनाओं के

श्री के.एच. मुनियप्पा, माननीय राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार), सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम (सबसे दाएं) आई.आई.टी.एफ., 2012 के दौरान निसबड के स्टाल पर पहुँचते हुए

मूल्याकंन को अंतिम रूप देकर मसौदा रिपोर्टस् प्रस्तुत की। सू.ल.म.उ. क्षेत्र को डिजाइन विशेषज्ञता के लिए डिजाइन क्लीनिक; राष्ट्रीय पुरस्कार; सू.ल.म.उ. के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारो (आई.पी.आर.स) के प्रति जागरूकता निर्माण; सू.ल.म.उ.-प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र (टी.डी.सी.): केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण संस्थान (सी.एफ.टी.आई.) आगरा तथा चेन्नई; सू.ल.म.उ.-प्रो.वि.के.: प्रक्रिया-सह-उत्पाद विकास केन्द्र (पी.पी.डी.सी.) मेरठ तथा ट्रीड (टी.आर.ई.ए.डी.),

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने वर्ष के दौरान स्टैप (एस.टी.ई.पी.) के अंतर्गत दो अन्य परियोजनाओ के मूल्यांकन करने का कार्य संस्थान को सौंपा। संस्थान ने इन परियोजनाओं का मूल्याकंन पूरा करने के बाद, मसौदा रिपोर्टस् प्रस्तुत की: जन कल्याण संस्थान, नागांव, असम की डेयरी परियोजना तथा वीनस विकास संस्थान, लखनऊ, उ.प्र. की हैन्डीक्राफ्ट परियोजना। इसी तरह, संस्थान ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त लाभर्थियों, (2010-11) के सत्यापन का कार्य पूर्ण किया तथा सत्यापन के बारे में रिपोर्ट, निगम को वर्ष के दौरान, सौंपी।

वर्ष के दौरान, संस्थान को सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अपनी सी.पी.एस.ई. से अलग हुए कर्मचारियों की कांउसलिंग, पुन: प्रशिक्षण तथा पुन: नियोजन (सी.आर.आर.) योजना के अंतर्गत नोडल एजेंसियों के कार्यनिष्पादन का मूल्याकंन करने हेतु, एक तृतीय पक्ष आकंलन एजेंसी (टी.पी.एस.) के रूप में नियुक्त किया।

राष्ट्रीय भवन संगठन, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय ने 12वीं पंचवर्षीय योजना में जारी रखने के उद्देश्य से अपनी चल रही मानव संसाधन और आकंलन के लिए, शहरी सांख्यिकी (यू.एस.एच.ए.) योजना के मूल्याकंन का कार्य भी संस्थान को प्रदान किया। विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय द्वारा संचालित आई.एस.ओ.-9000/आई.एस.ओ.-14001/एच.ए.सी.सी.पी. प्रमाणन प्रतिपूर्ति योजना का मूल्यांकन भी संस्थान को करना है।

संस्थान ने दिल्ली मुम्बई इन्डस्ट्रियल कोरीडोर (डी.एम.आई.सी.) डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड से बातचीत शुरू की क्योंकि संस्थान डी.एम.आई.सी. क्षेत्र में कला विकास संस्थाओं (एस.डी.आई.) के स्थापना हेतु टेक्नीकल सर्विस प्रोवाईडर के रूप में रखे-जाने की प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया में सबसे कम बोलीकर्ता था।

4.2 भागीदार संस्थाओं के माध्यम से उद्यमिता विकास केन्द्रों की योजना

संस्थान अपनी प्रशिक्षण गतिविधियों की पहुँच को बढ़ाने के उद्देश्य से ऐसी ग्रास रूट स्तर की संस्थाओं को जोकि उद्यमीय शिक्षा/विकास से संबधित गतिविधियों को मिलाकर शैक्षिक गतिविधियों, में कार्यरत हों, जिनके पास पर्याप्त संरचना उपलब्ध हो, समक्ष/अनुभवी संकाय तथा विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय क्षमता हो, को भागीदार संस्थाओं के रूप में अपनी भागीदार संस्थाओं के माध्यम से उद्यमिता विकास केन्द्रों की योजना के अंतर्गत, सूचीबद्ध करता है।

वर्ष के दौरान संस्थान की कार्यकारिणी समिति ने यह सलाह दी कि भागीदार संस्थाओं को सूचीबद्ध करते हुए संस्थान को सावधानी बरतनी चाहिए ताकि उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और संस्थान को इस बाबत, पूर्ण जांच पड़ताल भी करनी चाहिए ताकि केवल विश्वसनीय संस्थाएं ही भागीदार संस्थाओं के रूप में शामिल हो सकें। संस्थान को यह भी सलाह दी गई कि वह आई.आई.टी. तथा ऐसी ही प्रसिद्ध संस्थाओं/संगठनों को अपना भागीदार संस्था के रूप में लेने की संभावनाओं का पता लगाए।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित दो संगठनों को योजना के तहत् अपने भागीदार संस्थाओं के रूप में सूचीबद्ध किया:-

- शारदा ऐजुकेशनल ट्रस्ट, (शारदा विश्वविद्यालय), आगरा, उत्तर प्रदेश
- दाश इन्फोटेक, भरतपुर, राजस्थान

इसके अलावा, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई.आई.एम.) रांची को संस्थान के माने हुए भागीदार संस्था के रूप में लिया

गया। वर्ष के दौरान, रतनसिंह चेरीटेबल एण्ड एजूकेशनल सोसाइटी को, अपनी प्रार्थना के अनुसार, योजना से अपना नाम वापिस लेने की मंजूरी दी गई। इस तरह मार्च 31, 2013 को योजना के अंतर्गत भागीदार संस्थाओं की कुल संख्या 41 है।

संस्थान ने वर्ष के दौरान, एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत, भागीदार संस्थाओं के माध्यम से 4,750 लाभार्थियों के लिए 184 उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया।

4.3 क्षमता निर्माण

अन्य संस्थानों, दोनों सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने ताकि वह विभिन्न उद्यमीय कार्यकलापों को प्रभावी ढंग से कर सके जिससे उद्यमीय संस्कृति का फैलाव समाज के विभिन्न वर्गों में हो सके और अपने स्वयं की गतिविधियों की पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से, संस्थान ने निम्नलिखित संगठनों के साथ उनके संबंधित उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रमों में सहायता हेतु, वर्ष के दौरान, सहयोग किया:-

- इंटरनेशनल फाईनेंस कोरपोरेशन (आई.एफ.सी.) विश्व बैंक समूह का एक सदस्य, से अपने पूर्व में हुए समझौता ज्ञापन के अगले कदम के रूप में सहयोग अनुबंध जिसमें एम.एस.

एम.ई. प्रशिक्षकों की प्रशिक्षण कलाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिससे वह प्रशिक्षण देने के लिए एक बेहतर स्थिति में हो और इस तरह भारतीय अर्थव्यवस्था के इस महत्त्वपूर्ण घटक को स्थायीत्व प्रदान कर सकने के लिए, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) कार्यक्रम आयोजित करनी की रीतियों का वर्णन किया गया।

- इन्नोवेटिव ट्रेनिंग एवं मनेजमैंट सर्विसिस (आई.टी.एम.एस.), नई दिल्ली, एक प्रबंधन कंसलटेंसी प्रशिक्षण, शिक्षण तथा अनुसंधान, संगठन के साथ, विभिन्न उभरते हुए क्षेत्रों में सहयोगी प्रशिक्षण गतिविधियों को करने के लिए समझौता।
- बिजिनेस मेम्बरशिप संगठनों (बी.एम.ओ.) विशेषकर देश में एम.एस.एम.ई. उद्योग संघों की क्षमता निर्माण के लिए जोकि भारत में एम.एस.एम.ई. के संवर्धन हेतु अम्ब्रेला कार्यक्रम (एम.एस.एम.ई. यू.पी.) का एक फोकस क्षेत्र है और जिसका कार्यन्वयन एसईक्यूयूएजीजीएमबीएच, विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यलय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एम.एस.एम.ई.) तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (एस.आई.डी.बी.आई) के सहयोग के साथ कर रहा है, दूयूत्से गेसलचाफ्ट फॉर इंटरनेशनले जुसागेनार बेहट जी.एम.बी. एच. (जी.आई.जैड.) के साथ हाथ मिलाना।
- सन ऑनलाईन लर्निंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (कैरियर स्ट्रोक्स), श्रीक्रिस श्रीकांथ, भूतपूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान तथा 1983 में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का एक सदस्य का उपक्रम/ब्रेनचाईल्ड के साथ, इसके कैरियर नियोजन, कैरियर बढ़ाव तथा सफलता वाली ई-लर्निंग पहल का, संस्थान के प्रशिक्षण गतिविधियों के लाभार्थियों तथा भागीदारी संस्थाओं के संकाय/कर्मचारियों में, लोकप्रिय बनाने के लिए समझौता ज्ञापन।
- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) के साथ बोर्ड को निम्नलिखित गतिविधियाँ करने के सहायता देने के उद्देश्य से, समझौता ज्ञापन जिससे स्कूली छात्रों में उद्यमिता का संवर्धन हो सके तथा सी.बी.एस.ई. के अंतर्गत विद्यालयों में इस विषय का शिक्षण प्रभावकारी हो सके:-
  - उद्यमिता मॉडयूल के पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देना और पुनरीक्षण करना;
  - विद्यालयों के लिए तैयारशुदा कार्यक्रम विकसित करना;
  - सी.बी.एस.ई. के अंतरराष्ट्रीय विद्यालयों के लिए देश-विशेष व्यवसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम डिजाईन करना;
  - सामाग्रियों इत्यादि के विकास के माध्यम से संकाय विकास करना तथा

- रिफ्रेशर कार्यक्रमों का आयोजन करना एवं चिन्हित विद्यालयों को उद्यमिता विकास कार्यक्रमों/आंदोलनो/कार्यशालाओं को आयोजित करने में आराम तथा सहयोग देना।

- नीडबेस्ड टेक्नोलोजी इंस्टीटियूट फॉर हुयूमन रिसोर्स प्राईवेट लिमिटेड के साथ उसकी सहयोगी *todayjob.org* के द्वारा संस्थान या उसके सहयोगियों द्वारा बिहार राज्य में प्रशिक्षित व्यक्तियों को या तो सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने या लाभकारी वेतन रोजगार प्राप्त करने में हैंड-होल्डिंग सहायता देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन।

- एशिया पेसिफिक इंस्टीटियूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली के साथ सहयोगी गतिविधियों को, उद्यमिता विकास की गति को तेज करने तथा संबधित सफलता रेट्स में सुधार करने के बृहत उद्देश्य से, करने के लिए समझ।

4.4 उद्यम निर्माण के लिए सहायता

संस्थान द्वारा आयोजित उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों का प्राथमिक उद्देश्य प्रशिक्षित प्रतिभागियों में उद्यमीय संस्कृति का विकास करना है जिससे अधिक से अधिक प्रतिभागी स्व-रोजगार की तरफ जाए। संस्थान इन प्रशिक्षित व्यक्तियों को उनके अपने-अपने प्रयत्नों में इस प्रोयजानार्थ, विभिन्न सेवाओं से समर्थन भी प्रदान करता है। संस्थान द्वारा प्रदत हैंड-होल्डिंग सेवाओं में परियोजना बनाने से लेकर ऋण प्राप्त करना तथा बाद में स्थानीय निकायों की मदद से, अगर जरूरत है तो, उनके यूनिटों को चालू करवाना, शामिल है।

एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की राजीव गांधी उद्यमी मित्र योजना (आर.जी.यू.एम.वाई.) के अंतर्गत एक राजीव मित्र होने के नाते, संस्थान अपने प्रशिक्षण गतिविधियों के सभी इच्छुक व्यक्तियों को हैंड-होल्डिंग सेवाओं उपलब्ध कराने के लिए, योजना के अंतर्गत पंजीकृत करता है।

योजना के तहत्, संस्थान की वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ निम्न है:-

क्रम संख्या	स्टेज	विवरण	लाभार्थियों की संख्या
1.	I	उद्यम चयन से लेकर ई.एम.-1 फाईल करने तक	509
2.	II	सांविधिक अनुवृत्तियों से लेकर मशीनरी/उद्यम का तसल्ली बख्श संचालन तक	2,456

इस प्रकार, संस्थान ने वर्ष के दौरान, ए.टी.आई. योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों में से 2.44% को अपनी उद्यम स्थापित करने में मदद की। यह संख्या आर.जी.यू.एम.वाई. के अधीन पंजीकृत व्यक्तियों के संदर्भ में चल रही प्रक्रिया समाप्त होने पर, बढ़ने की संभावना है। मदद प्राप्त व्यक्तियों द्वारा स्थापित उद्यम अपैरल, आई. टी. तथा लाईट इंजीनियरिंग क्षेत्रों में है।

श्री क्रिस श्रीकांथ, राष्ट्रीय क्रिकेट चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष तथा भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान, पटना में आयोजित नौकरी मेले का उद्घाटन करते हुए। इस अवसर पर उपस्थित अन्य (बाऐं से दाऐं) है: श्रीमती रेणू कुमारी कुशवाहा, बिहार सरकार के माननीय उद्योग एवं आपदा प्रबंधन मंत्री; श्रीमती उषा सिंह, जे.डी. महिला कॉलेज, पटना की प्राधनाचार्य तथा श्री अरुण कुमार झा, निसबड के महानिदेशक

4.5 रोजगार सहायता

ऐसा नहीं है कि संस्थान के उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों द्वारा प्रशिक्षित सभी प्रतिभागी आवश्यक रूप से स्व-रोजगार के लिए जाते हैं। विभिन्न कारणों के चलते, जिनमें प्रतिभागियों की सामाजिक एवं आर्थिक परिवेक्ष सबसे महत्त्वपूर्ण है, कई प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण के बाद वेतन-रोजगार को अपनाते हैं। इन कार्यक्रम में भाग लेने से, कहने की आवश्यकता नहीं है कि, उनकी नियोजिता में काफी सुधार आता है।

संस्थान अपने द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों को प्रशिक्षण के बाद लाभकारी वेतन-रोजगार पाने में पद्धतिबद्ध प्रयत्नो द्वारा सहायता करता है। इसे उद्देश्य से किए गए विभिन्न कदमों में अन्य के अलावा शामिल है, उद्योग संघों/संगठनों से कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम बनाने में तथा उनके सदस्यों द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों को नियोजित करने के लिए विचार-विर्मश: प्लेसमेंट ऐजसिंयो को प्रशिक्षण गतिविधियों के आयोजन में शामिल करना, संस्थान की वैबसाइट पर तथा संभावित नियोक्ताओं द्वारा पहुँचने वाले सभी जगहों पर प्रशिक्षित व्यक्तियों के विवरण, प्रदर्शित करना।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने प्रशिक्षित व्यक्तियों के बृहद हित में नौकरी/प्लेसमेंट मेलों को आयोजित करने की भी शुरूवात की, जिससे प्रशिक्षित व्यक्तियों/संस्थान को संभावित नियोजकों, प्लेसमेंट एजेंसियों तथा दूसरे घटकों से मिलने-जुलने का एक अनूठा अवसर

प्राप्त हुआ। संस्थान को भी ऐसे कार्यक्रमों से लाभ लेता है क्योंकि इससे संस्थान को प्रशिक्षित व्यक्तियों से कंपनियों की उम्मीदों के बारे में पता चलता है जिससे संस्थान की भविष्य की गतिविधियों में तदनुसार परिवर्तन किया जा सके।

इस तरह का पहला मेला, संस्थान के परिसर में मिटकोन (एम.आई.टी.सी.ओ.एन.) के सहयोग से अप्रैल 02, 2012 को आयोजित किया गया। मैसर्स वालमार्ट, मैसर्स के.एस. इंटरप्राईजेस, मैसर्स यूनीटोन मीडिया प्रा. लि., मैसर्स इंटेक इनफोनेट, मैसर्स नौकरी.कॉम तथा मैसर्स राजाक इंटरप्राईजेस सहित 31 कंपनियों ने इसमें भाग लिया जिसमें लगभग 100 व्यक्तियों को इन कंपनियों द्वारा रोजगार मिला।

दूसरा नौकरी मेला संस्थान ने अपने बिहार के भागीदार संस्थाओं तथा स्थानीय सहयोगकर्ताओं के सक्रिय सहभागिता से दिसम्बर 15, 2012 को पटना में आयोजित किया। मेले के दौरान, पटना, सीवान, मुजफ्फरपुर, वेस्ट चंपारण तथा भागलपुर में पिछले 2 सालों में प्रशिक्षित 1,700 विद्यार्थियों को परखा गया। अवीवा; आई.सी.आई.सी.आई. पुडेन्शल; टी.सी.एस., बिग बाजार, लिविंग स्पेस्स, टी.वी.एस. तथा वर्लपूल सहित कुल 23 कंपनियों ने 632 प्रशिक्षित व्यक्तियों को रोजगार के मौके उपलब्ध कराए। मेले ने, जिसका उद्घाटन जादूगर क्रिकेटर श्रीक्रिस श्रीकांथ द्वारा किया गया था, ने गर्म तथा सकारात्मक प्रत्युत्तर उत्पन्न किया।

इसके अलावा संस्थान ने इंवरटीस् सेवा संस्थान द्वारा अक्तूबर 16, 2012 को नोएडा में आयोजित चयनकर्ताओं की बैठक को प्रायोजित किया। कुल 500 प्रतिभागियों को जिन्होंने पूर्व में संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया था, 15 कंपनियों द्वारा जिन्होंने बैठक में भाग लिया, द्वारा जांचा गया।

संस्थान ए.टी.आई. योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान अपने प्रशिक्षित प्रतिभागियों में से 27% को, लाभकारी रोजगार दिलाने में सक्षम हुआ। यह प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है जैसे ही वर्ष के दौरान प्रशिक्षित सभी व्यक्तियों के लिए चल रही रोजगार दिलाने की प्रक्रिया संपूर्ण हो जाती है।

4.6 अकादमी सहायता

"भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों द्वारा टेक्नोलोजी अपनाने में रूकावटों को समझना तथा दूर कराना: डिजिटल डिवाइड को दूर करने के लिए रोडमैप बनाना" विषय पर अध्ययन को करने के लिए इंन्टूयूट इंक की सहायता। स्टडी की प्राप्तियों को वर्ष के दौरान जारी किया गया।

कॉमनवेल्थ यूथ कार्यक्रम (एशिया सेंटर) द्वारा युवा मामलों के विभाग, भारत सरकार के सहयोग से उद्यमिता पर संशोधित मैनुअल के बिहेवियर मॉडयूल की पायलट टेसटिंग में मदद।

प्रारंभिक मैनुअल जोकि संस्थान के सहयोग से 1990 के दशक में विकसित किया गया था, को फरवरी, 2012 में एक विशेषज्ञ समूह के द्वारा जिसमें संस्थान का प्रतिनिधि भी था, पूर्व में संशोधित किया गया।

4.7 नीति सहायता

• पी.एम.ई.जी.पी. के तहत् सहयोग

एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार जेनेरेशन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.) के कार्यन्वयन में, संगठनों जैसे एन.एस.आई.सी., निसबड इत्यादि के बीच, सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से गठित कमेटी की अध्यक्षता संस्थान के महानिदेशक ने की। कमेटी के अन्य सदस्य विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय, के.वी.आई.सी. तथा एन.एस.आई.सी. के प्रतिनिधि थे।

कमेटी ने बैठकों की एक श्रृंखला के माध्यम से एन.एस.आई.सी. के मसौदे के आधार पर, विस्तृत कार्य-रीतियां तैयार की तथा अपनी सिफारिशों को, अपने क्षेत्रीय संस्थानों को इस उद्देश्य हेतु उपयुक्त निर्देश जारी करने के लिए, के.वी.आई.सी. को सौंप दिया।

• मानकीकरण पर कोर समूह की सहायता

संस्थान द्वारा, एम.एस.एम.ई. मंत्रालय के विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे कॉमन पाठ्यक्रमों के मानकीकरण पर कोर समूह को सक्रिय सहायता देना जारी रखा। संस्थान के महानिदेशक की अध्यक्षता में कोर समूह वर्ष के दौरान, तीन विभिन्न मौको पर मिला।

• ए.टी.आई. योजना की गाईडलाइंस में संशोधन

संस्थान ने एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा अपनी प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) का पूर्व में हुए एक स्वतंत्र पुनर्निरीक्षण की प्राप्तियों के परिपेक्ष में, योजना के कार्यत्मक गाईडलाइंस के संशोधन में, मंत्रालय की सहायता की।

एक उज्जवल भविष्य की ओर

5.0 प्रशिक्षण

• ई.डी.पी. के ई-लर्निंग मॉडयूल की पुर:स्थापना

समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों के बीच उद्यमिता संस्कृति को लोकप्रिय बनाने संबंधी पहल कार्यों को जारी रखते हुए, संस्थान ने वर्ष के दौरान एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम पर ई-लर्निंग मॉडयूल (हिन्दी तथा अंग्रेजी) विकसित करके शुरू किया। इस मॉडयूल की पाठ्यक्रम सामग्री एक सी.डी. में तैयार की गई है जिसकी कीमत बहुत ही वाज़िब है। यह मॉडयूल विशेषत: उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी है जो औपचारिक कक्षा में पूरे समय के लिए आने में असमर्थ है।

इस मॉडयूल में एक दिवसीय परिचयात्मक क्लासरूम प्रशिक्षण शामिल है जिसके बाद 7 दिन की ऑन-लाइन प्रशिक्षण है। ऑन-लाइन परीक्षा/मूल्याकंन के बाद, प्रतिभागियों को ऑन-लाइन प्रमाण-पत्र दिए जाते हैं। यह मॉडयूल उच्चतर शिक्षण के प्रबंधन एवं तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों में बहुत लोकप्रिय है।

यह मॉडयूल वर्ष के दौरान गुजरात, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में शुरू किया गया। इस अवधि के दौरान 18 कार्यक्रमों के माध्यम से 457 व्यक्तियों को मॉडयूल के अंतर्गत नामांकित करके प्रमाणित किया गया।

• परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन मॉडयूल का प्रारंभ

उभरती जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नए-नए स्वरूपों (फार्मेट्स) को तैयार करके उन्हें शुरू करने की अपनी परंपरा के अनुरूप, संस्थान ने वर्ष के दौरान, भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल 5-दिवसीय पूर्णकालिक परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन मॉडयूल तैयार करके शुरू किया।

यह मॉड्यूल उद्योग विशेषज्ञों तथा परियोजना प्रबंधन सुविज्ञों के घनिष्ठ सहयोग से तैयार किया गया है ताकि निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की मौजूदा कंपनियों, सरकार, गैर-सरकारी संगठनों, उद्यमीय और लघु उद्योग समुदाय तथा साथ ही विद्याथी समुदाय की जरूरतों की पूर्ति हो सके।

इस मॉडयूल का मूलभूत उद्देश्य उस अंतर को पाटना है जिसका समाधान प्रमुख वैश्विक प्रमाणिक निकायों ने नहीं किया और परियोजना प्रबंधन प्रमाणन, इस प्रयोजनार्थ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ली जाने वाली शुल्क से कम अर्थात बीस प्रतिशत लागत पर उपलब्ध कराना है। इसका उद्देश्य यह भी है कि जो विद्यार्थी समुदाय और गैर-सरकारी संगठन ऐसे प्रमाणन से, सभी व्यवहार्य प्रयोजनों के लिए, वंचित रह गए हैं उन्हें यह सुविधा मुहैया कराना है। यह मॉडयूल में 35 घंटे का संकाय से विचार-विमर्श है और इन 35 घंटों को 5 दिनों में बांटा गया है तथा पांचवे दिन के अंत में एक परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने 71 प्रतिभागियों की सहभागिता से इस मॉडयूल के 04 बैचों को सफलतापूर्वक पूरा किया। हालांकि पहले तथा दूसरे बैच के 28 प्रतिभागी, गैर-सरकारी संगठनों, निगमों, सरकारी संगठनों, रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र, विद्यार्थी आदि थे, तीसरा व चौथे बैचो में 43 प्रतिभागी विकासआयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय के विभिन्न फील्ड कार्यालयों से आए, विभिन्न सरकारी/गैर-सरकारी संगठनों, कारपोरेट क्षेत्रों, से आए कार्यपालक से लेकर विद्यार्थी थे, जोकि आयोजन तथा विभिन्न योजनाओं/स्कीमों/सामाजिक उपायों आदि के सरकारी निष्पादन में संलग्न थे।

• माइक्रोसॉफ्ट के साथ डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम की शुरूआत

संस्थान ने, माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर माइक्रोसॉफ्ट डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम (डी.एल.सी.) शुरू किया है। इस कार्यक्रम में पांच मॉडयूल हैं जिन्हें इस मूल उद्देश्य से लाया गया है कि लोग रोजमर्रा की जिंदगी में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर सके और अपने लिए, अपने परिवारों के लिए और समाज के लिए, नए सामाजिक तथा आर्थिक रास्ते विकसित कर सके।

श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक (बाएं से दुसरे) तथा श्री सुनील भारद्वाज, संयुक्त निदेशक (इन्क्यूबेशन) (दाएं से दुसरे) अन्यों के अलावा, ई-लर्निंग मॉडयूल के लांच समारोह मे

• स्वर्ण जंयती शहरी रोजगार योजना के तहत कला प्रशिक्षण

संस्थान को सामाजिक सुविधा संगम: मिशन कन्वर्जेन्स, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है ताकि संस्थान कला

''वेव्ज ऑफ चेंज'' के लांच समारोह पर उपस्थित प्रतिष्ठित व्यक्ति

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर, प्रशिक्षित व्यक्तियों को आश्वस्त रोजगार के अवसर प्रदान कर सके।

तदनुसार, संस्थान ने वर्ष के दौरान स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना (एस.जे.एस.आर.वाई.) के तहत 17 प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शुरू किया। जिनमें कुल 425 युवा दिल्ली निवासी प्रतिभागी हैं जोकि बी.पी.एल./ए.ए.वाई. श्रेणी/दलित एवं अति दलित के रूप में सर्वेक्षित हैं।

तीन-तीन महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम वैब डिजाइनिंग, जीवन-शैली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, विद्युत उपकरणों की मरम्मत, खुदरा प्रबंधन, मीडिया एवं मनोरंजन और खाद्य प्रसंकरण संबंधी व्यवसायों में हैं। प्रशिक्षण के पूरा होने के बाद, यह आशा की जाती है कि कम से कम 70% प्रतिभागियों को इस योजना के मानदंडों के अनुसार, लाभप्रद रोजगार मिलेगा।

5.1 अकादमिक

- **अकादमिक परिषद् का गठन**

संस्थान की कार्यकारिणी समिति की सलाह के अनुसार और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि संस्थान के प्रशिक्षण एवं अन्य अकादमी गतिविधियों की लगातार समीक्षा की जाए ताकि बदलते/उभरते परिदृश्य में उनकी प्रभावशीलता/प्रासंगिता बनी रहे, संस्थान ने एक अकादमिक परिषद् का गठन किया जिसमें सेवारत/सेवा निवृत अकादमी विद, उद्यमिता और विकास के क्षेत्रों के विशेषज्ञ, नीति बनाने वाले आदि शामिल हैं। संस्थान की कोर फैकल्टी के अलावा, 08 बाह्य विशेषज्ञ वाली परिषद् ने संस्थान को "ट्रेंड स्पाटिंग" तथा "ट्रेंड एवं एनालिसस्" में भी मदद करनी है।

वर्ष के दौरान परिषद् की दो बैठके हुई।

- **"वेव्ज आफ चेंज" का लांच**

केंद्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.), जी.आई.जैड. और संस्थान की संयुक्त पहल, 'वेव्ज ऑफ चेंज' 28 नवंबर, 2012 को नई दिल्ली में लांच किया गया। द वेव्ज ऑफ चेंज *(पुस्तकों के इतर शिक्षा)* में पांच विषयवस्तुगत क्षेत्र हैं और उनका उद्देश्य मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के कहने पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल में किए गए शैक्षिक पहलों के पूरे कार्यों के साथ-साथ शैक्षिक एवं संस्थानिक सुधारों की गुणवत्ता एवं किस्म के बारे में देश को अवगत कराना है।

यह संस्थान वेव्ज ऑफ चेंज के विषयवस्तुगत क्षेत्र 5 'विचारों एवं अभिनव पहलों' के तहत विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। संस्थान ने कार्यक्रम शुरू करने से पहले आयोजित विभिन्न गहन विचार-विमर्श सत्रों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी की, जिनमें से एक सत्र का आयोजन संस्थान के कैंपस में भी किया गया था और इसमें अन्य के अलावा सी.बी.एस.ई., जी.आई.जैड. के प्रतिनिधियो, दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सी.बी.एस.ई. स्कूलों के प्रधानाचार्यों/अध्यापको ने भाग लिया।

- **बी.बी.ओ.एस.ई. के साथ विचार-विमर्श**

संस्थान ने बिहार ओपन स्कूलिंग और परीक्षा बोर्ड (बी.बी.ओ.एस.ई.) के साथ पूरे राज्य भर में व्यावसायिक एवं कला उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए विचार-विमर्श किया। बोर्ड द्वारा संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। संस्थान ने राज्य में कला एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बोर्ड की मदद करने की पेशकश की।

5.2 अन्य

5.2.1 विभिन्न मंचों पर संकाय (फैकल्टी)

- **शहरी गरीबी पर यू.एन.डी.पी. परामर्श**

संस्थान के दो संकाय सदस्यों, यथा, डॉ. ऋषि राज सिंह और

श्री ए. मिश्रा ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) द्वारा नई दिल्ली में 19 जुलाई, 2012 को आयोजित परामर्श कार्यक्रम में जोकि उसकी आगामी पांच वर्षों (2013-2017) के लिए देश कार्य योजना कार्यक्रम (कंट्री प्रोग्राम एक्शन प्लान) को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित किया था, में भाग लिया।

- **एशिया उद्यमिता सम्मेलन**

संस्थान की श्रीमती रीता सेनगुप्ता "सामाजिक अभिनव कार्य और उद्यमिता सामाजिक परिपथ" सत्र की एक पैनलिस्ट थी। यह सत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, इंटेल और एशिया पैसिफिक इनक्यूबेशन नेटवर्क (ए.पी.आई.एन.) द्वारा 8-9 अगस्त, 2012 को बंगलूरू में आयोजित दो- दिवसीय एशिया उद्यमिता सम्मेलन के अभिन्न अंग के रूप में आयोजित किया गया था।

- **राष्ट्रीय कला कॉनफ्रेंस**

श्रीमती रीता सेनगुप्ता ने 20-25 सितंबर, 2012 के दौरान तिरूअनंतपुरम, केरल में एफ.वी.टी.आर.एस. द्वारा आयोजित छठे राष्ट्रीय कला कॉनफ्रेंस में "उद्यमिता विकास हेतु प्रशिक्षण एवं मेंटोरिंग के जरिए अंत:क्षेप" सत्र की एक पैनलिस्ट के रूप में भी भाग लिया।

- **यू.एन.ई.एस.सी.ए.पी. परामर्शदायी कार्यशाला**

संस्थान की श्रीमती सरिता चौहान ने विषयवस्तुगत सत्र "महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु भागीदारी एवं सहयोग" में एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की नीतियों व स्कीमों के बारे में, व्याख्यान दिया। यह सत्र, संयुक्त राष्ट्र ई.एस.सी.ए.पी. (एशिया और पैसिफिक हेतु आर्थिक एवं सामाजिक आयोग) और फिक्की (एफ.आई.सी.सी.आई.) द्वारा 19 फरवरी, 2013 को नई दिल्ली में संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु अनुकूल वातावरण का सृजन" पर परामर्शदायी कार्यशाला के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था।

5.2.2 वैब आधारित प्रशिक्षण डेटाबेस

संस्थान ने वैब-आधारित एक प्रशिक्षण डेटाबेस तैयार किया है। यह डेटाबेस मौजूदा मैनुअल/माइक्रोसॉफ्ट आधारित डेटाबेस के स्थान पर 1 जनवरी, 2013 से संस्थान में प्रयोग में लाया जा रहा है। हालांकि, इस समय, पाठ्यक्रम प्रतिभागियों, उनके हित-क्षेत्रों आदि से संबंधित सभी मूलभूत सूचना, नए डेटाबेस में रखी जा रही है, तथापि प्रतिभागियों की प्रशिक्षणोत्तर गतिविधियों से संबंधित सूचना भी यथा समय इस नए डेटाबेस में विधिवत् रूप से मिला दी जाएगी।

5.2.3 उत्तर प्रदेश सरकार के लिए डेटाबेस

इस संस्थान ने उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रशिक्षित व्यक्तियों का डेटाबेस तैयार करने में उत्तर प्रदेश सरकार की सहायता की।

संकाय के दौरे

- श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक ने, रिपब्लिक ऑफ उज्बेकिस्तान के आमंत्रण पर सितम्बर 12-14, 2012 में ताशकंद में आयोजित "रोल एंड इम्पोर्टेंस ऑफ स्मॉल बिजिनेस एंड एंटरप्रेन्यूरशिप इन इम्प्लीमेंटशन ऑफ सोशियो-इकोनोमिक पॉलेसी इन उज्बेकिस्तान" विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन में अन्यों के अलावा कई विख्यात अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा बहु-देशीय वित्त संस्थाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व बैंक, इंटरनेशनल फाईनेन्स् कॉरपोरेशन, एशियन विकास बैंक, इस्लामिक विकास बैंक के प्रतिनिधियों तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, चीन, साऊथ कोरिया, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, भारत आदि 45 से अधिक देशों से आए, अग्रणी विशेषज्ञों तथा व्यवसाय जगत के लोगों ने, भाग लिया।

श्री झा ने सम्मेलन के मौके का उपयोग विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं के इस महत्त्वपूर्ण घटक के विकास के लिए, विभिन्न सरकारी पहलों/योजनाओं तथा आर्थिक उद्यमों के संवर्धन में विविध भारतीय अनुभवों का आदान-प्रदान करने के लिए किया।

उजबेक सरकार तथा सहायता संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के दौरान जिन क्षेत्रों में निसबड जैसे संस्थान उजबेक सरकार को मदद कर सकते हैं: प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित करने में; विभिन्न कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम डिजाईन करने में; प्रशिक्षण सहायक सामाग्री के विकास में; राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर ई.डी.आई. स्थापित करने में तथा उज्बेकिस्तान में निजी उद्यमिता के विकास में सहायक नीतियों के निर्धारण में, का भी उल्लेख किया गया।

- श्रीमती रीता सेनगुप्ता, निदेशक (बी./एस.) ने भारतीय उच्चायोग, लंदन द्वारा मई 28, 2012 को आयोजित 'इंडिया-यू.के.स्किल्स एंड ट्रैनिंग पार्टनशिप' सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन जिसे भारतीय विश्वविद्यालयो तथा कलाएँ उपलब्धकर्ता संगठनों को यू.के. विश्वविद्यालयों तथा शैक्षिक संस्थानों से बातचीत करके यू.के. संस्थानों से संभावित भागीदारों की पहचान करने के उद्देश्य से, संयुक्त मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजित किया गया था, में भारत तथा यू.के. से आए 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

निदेशक (बी./एस.) ने मौके का उपयोग पूर्व में पहचान किये हुए स्थानीय (यू.के.) संस्थाओं से एक-से-एक बैठके करने के लिए भी किया जिससे उनके साथ परस्पर लाभों के लिए संयोजिता विकसित की जा सके।

नेतृत्व एवं मार्गदर्शन

श्री के.एच. मुनियप्पा
माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
एवं
अध्यक्ष, सचांलन परिषद्

श्री माधव लाल
सचिव
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
एवं
उपाध्यक्ष, सचांलन परिषद्

6.0 विभिन्न निकायों की बैठके

क: संचालन परिषद्: चर्चाएं तथा फैसले

संस्थान को संचालन परिषद् की 29वीं बैठक नवम्बर 26, 2012 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री के.एच. मुनियप्पा, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, ने की।

माननीय मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात को कहा कि स्थानीय उद्योगों की आवश्यकता, संसाधनों की उपलब्धता तथा क्षेत्र के लोगों की अपेक्षताओं आदि के अनुसार कुछ विशेष कलाओं में प्रशिक्षण देना चाहिए। माननीय मंत्री ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफलता का निर्देशाचिन्ह, उद्यम स्थापन तथा रोजगार उत्पन्न संदर्भ में, जोकि मंत्रालय के सभी संगठनों द्वारा अपनाया जा सके, के बारे में पूछा। माननीय मंत्री ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा प्रशिक्षित व्यक्तियों की पूरे संसार में कही भी कार्य करने की क्षमता पर भी जोर दिया। इस संदर्भ में सचिव (सू.ल.म.उ.) एवं परिषद् उपाध्यक्ष ने यह सलाह दी कि संस्थानों को 30% स्व-रोजगार तथा 20% वेतन रोजगार को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए जोकि उत्तरोत्तर बढ़नी चाहिए। परिषद् ने महसूस किया कि उद्यम निर्माण का प्रभाव चौहतरफा होगा। परिषद् का एकमत विचार था कि विभिन्न संगठनों में पी.एम.ई.जी.पी. के कार्यान्वयन में तालमेल से अधिक सफलता मिलेगी।

परिषद् ने संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अन्य गतिविधियों तथा हाल की पहलों के संदर्भ में, कार्यनिष्पादन का अवलोकन तथा सराहना की। परिषद् ने संस्थान की वर्ष 2011-12 की मसौदा वार्षिक प्रतिवेदन, लेखापरीक्षित लेखाओं सहित, पर विचार कर उसे अपनाया। परिषद् ने मैसर्स डी. भाटिया एंड कंपनी का 16,500/- रुपए पारिश्रमिक के अलावा सेवाकर तथा अन्य स्वीकार्य खर्चों पर, संस्थान के 2012-13 के लेखाओं की लेखापरीक्षा करने के लिए नियुक्ति पर भी विचार तथा अनुमोदन किया।

परिषद् ने कार्यकारिणी समिति की विभिन्न बैठकों में लिए गए निर्णयों तथा सिफारिशों पर विचार कर नोट किया। परिषद् ने भारतीय उद्यमिता संस्थान (आई.आई.टी.) के क्षेत्रीय शाखा, देहरादून का अप्रैल 01, 2013 से मौजूदा कर्मचारी सहित, संस्थान में विलय पर भी विचार करके अनुमोदन किया।

ख: कार्यकारिणी समिति: विचार-विमर्श तथा फैसले

(अ) समिति की 65वीं बैठक अप्रैल 25, 2012 को उद्योग भवन, नई दिल्ली में हुई। श्री आर.के. माथुर, तत्कालीन सचिव (सू.ल.म.उ.) ने बैठक की अध्यक्षता की। अध्यक्ष ने सलाह दी कि मानकीकरण पर कोर समूह, सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए मूल्याकंन तथा परीक्षा पद्धति निर्धारित करे। अध्यक्ष ने यह भी निर्देश दिया कि सभी मानकीकृत कार्यक्रमों में उद्यमिता पर एक भाग होना

श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक, संस्थान की संचालन परिषद् की बैठक के अवसर पर श्री के.एच. मुनियप्पा, माननीय मंत्री जी का स्वागत करते हुए

चाहिए ताकि मंत्रालय का उद्यम निर्माण का लक्ष्य पूरा किया जा सके।

सूक्ष्म उद्यमों के संवर्धन के अपने आधारभूत लक्ष्यों को दोहराते हुए, अध्यक्ष ने इच्छा व्यक्त की कि संस्थान को उच्च स्तर के मानकों को प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए जिससे संस्थान भावी उद्यमियों को अपने उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित कर सके। संस्थान को बेरोजगार लोगों में कला अपग्रेडेशन तथा उद्यमिता के प्रसार के कार्य को जारी रखने की भी सलाह दी गई।

संस्थान को अपने विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने की भी सलाह दी गई जिससे संस्थान अपने आपको अगले 3-4 सालों में एक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित कर सके। समिति को बताया गया कि हाल में गठित अकादमी परिषद्, इसको "ट्रैंड स्पॉटिग" तथा "ट्रैंड एनालिसस्" करने में भी मदद करेगी। समिति ने संस्थान के लिए 25 करोड़ रुपए के प्राम्भिक कोरपस् के साथ, कोरपस् फंड उत्पन्न करना का अनुमोदन किया।

संस्थान द्वारा वर्ष 2012-13 में 36,325 व्यक्तियों को प्रशिक्षण के प्रयासों की प्रंशसा करते हुए, समिति ने यह सलाह दी कि संस्थान अंर्तराष्ट्रीय एजेसिंयों जैसे सिसको, माइक्रोसाफ्ट आदि से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन करने के लिए सबंध स्थापित करें।

समिति ने संस्थान के वर्ष 2012-13 के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अन्य गतिविधियों तथा बजट अनुमानों का विचार कर अनुमोदन किया। परन्तु संस्थान को सलाह दी गई कि वह वर्ष के दौरान 40,000 व्यक्तियो को प्रशिक्षण दे। संस्थान को यह भी सलाह दी गई कि वह एन.आई.एफ.टी; आई.आई.टी.; एन.आई.टी.; विज्ञान एवं टेक्नोलोजी विभाग आदि से कैपसूल उद्यमिता मोड्यलूस आयोजित करने के लिए गठजोड़ करे।

प्रतिष्ठित संगठनों जैसे आई.आई.टी. तथा इसी तरह के संस्थानों/संगठनों को अपना भागीदार बनाने की संभावनाओं का पता लगाने की सलाह देते हुए समिति ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान सावधानीपूर्वक ही भागीदार संस्थाएं बनाए जिससे कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। समिति ने इस बात पर भी जोर दिया कि संस्थान की वर्तमान जनशक्ति (कर्मचारी) तंत्र को सुदृढ़ करना चाहिए। संस्थान को यह सलाह दी गई की ए.टी.आई. योजना के सरप्लस राशि को योजना के अंर्तगत प्रशिक्षण गतिविधियों पर ही खर्च करना चाहिए।

(ब) समिति की अगस्त 31, 2012 को उद्योग भवन में हुई 66वीं बैठक की अध्यक्षता, श्री आर.के.माथुर, तत्कालीन सचिव (सू.ल.म.उ.) ने की। संस्थान द्वारा बढ़ती हुई संख्या में फीस वाले कार्यक्रमों के आयोजन पर संस्थान को बधाई देते हुए यह सलाह दी गई कि वह इन तरह के कार्यक्रमों पर अपना ध्यान बनाए रखें क्योंकि इससे संस्थान की बाजार से प्रतिभागियों को आकृर्षित करने की समक्षता/योग्यता का पता चलता है। संस्थान को अपनी महत्ता तथा खुलाव बढ़ाने के लिए, देश तथा विदेशों के उत्तम संस्थाओं से सबंध/सहभागिता बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

पूर्ण विचार करने के बाद समिति ने यह फैसला किया कि संस्थान हॉस्टल की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए, विद्यमान 7 कमरों को 16 होस्टल कमरों में बनाने/पुन: डिजाईन करने का कार्य, स्वंय ही करें। संस्थान के अनुसंधान/मूल्याकंन अध्ययनों करने के प्रयत्नों का ध्यान करते हुए समिति ने यह सलाह दी कि संस्थान को प्रशिक्षण तथा उससे सबंधित क्षेत्रों पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। समिति का विचार था कि संस्थान को सोफ्ट कलाओ में प्रशिक्षण शुरू करना चाहिए क्योंकि इस तरह के प्रशिक्षण से सामान्य व्यक्तियों की नियोजिता बढ़ाने की आवश्यकता है। समिति ने सलाह दी कि संस्थान को सीधी भर्ती के मामलों में अपनी वर्तमान में खाली अनुमोदित पदों को 5 वर्षों के लिए अनुबंध आधार पर भरना चाहिए।

समिति ने मिनी बस (टाटा 407) नम्बर डी.एल. 1वी. 3181 के कन्डम्नेशन तथा स्थानीय तौर पर उसकी नीलामी/बेचने पर विचार करके अनुमोदन किया। समिति ने निदेशक (एस.आई.एन्ड एस.बी.एम.) की अनुबंध आधार पर नियुक्ति को आगे ने बढ़ाने के निर्णय की पुष्टि की।

(स) समिति की 67वीं बैठक नवम्बर 19, 2012 को उद्योग भवन, नई दिल्ली, में हुई। श्री विवेक रै, तत्कालीन सचिव (सू.ल.म.उ.) ने बैठक की अध्यक्षता की। आयोजित किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर संतोष व्यक्त करते हुए, समिति ने इच्छा व्यक्त की कि संस्थान को विभिन्न गतिविधियों को करते हुए अपने आधारभूत लक्ष्य/उद्देश्य तथा कार्यक्रमों की गुणवत्ता पर ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए। समिति ने संस्थान को यह सलाह दी कि संस्थान को एक-दो अच्छे विदेशी संस्थानों से, उनकी विश्वसनीयता को अच्छी तरह जांच-पड़ताल करके, सबंध स्थापित करने चाहिए। संस्थान को यह सलाह दी गई कि वह एक सहायक इंजीनियर स्तर के सी.पी.डब्लू.डी. आदि से सेवानिवृत को परामर्शदाता, होस्टल ब्लाक में कार्य करने तथा परिसर के रख-रखाव के लिए नियुक्त करें। संस्थान नागर विमानन के क्षेत्र में तथा ऐयरपोर्ट संबधित सेवाओं में प्रशिक्षण देने की संभावनाओं का पता लगाए क्योंकि यह बढ़ता हुए क्षेत्र है।

विभिन्न पदो के भर्ती नियमों का पुनरवलोकन होना चाहिए क्योंकि नियुक्तियां पांच वर्ष के लिए अनुबंध आधार पर होगी जिसके पश्चात संबधित व्यक्तियों को संतोषजनक कार्य-निष्पादन होने पर, नियमित रूप से नियुक्त किया जा सकता है। संस्थान को सलाह दी गई कि वह हमेशा अपनी परामर्शदायी सेवाओ/मार्गदर्शन/सलाह के लिए विभिन्न एजेसिंयो से शुल्क प्राप्त करे। यह कहते हुए कि दि मेमैट ऑफ ग्रेच्चूटी एक्ट, 1972 संस्थान के सभी कर्मचारियों (पुराने तथा वर्तमान) पर लागू है, समिति ने संस्थान को यह सलाह दी कि वह भारतीय जीवन बीमा निगम जैसी एंजेसियों की ग्रुप ग्रेच्यूटी योजनाओं के अधीन आने की संभावना का पता लगाए।

समिति ने संस्थान की वर्ष 2011-12 की मसौदा वार्षिक प्रतिवेदन, लेखापरीक्षित लेखाओं के साथ का अवलोकन तथा अनुमोदन किया। समिति ने मैसर्स डी. भाटिया एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली को 16,500 रुपये के पारिश्रमिक, सेवा कर के अतिरिक्त पर वर्ष 2012-13 के लिए संस्थान की लेखा पुस्तकों की लेखापरीक्षा करने हेतु नियुक्ति पर भी विचार तथा अनुमोदन किया। संस्थान की जनशक्ति (कर्मचारी) तंत्र को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को समझते हुए, समिति का यह विचार था कि संस्थान का संगठनात्मक ढांचा *फ्लैट* होना चाहिए

समिति ने भारतीय उद्यमिता संस्थान, गुवाहाटी की देहरादून स्थित क्षेत्रीय इकाई का संस्थान में विलय पर विचार तथा अनुमोदन किया। समिति ने कॉपस फंड पर अर्जित ब्याज का विभिन्न उद्देश्यों पर खर्चा करने का भी अनुमोदन किया।

श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक, हिन्दी प्रतियोगिताओं के एक विजेता को पुरस्कार राशि देते हुए। श्री मुकेश कुमार गुप्ता, सयुंक्त निदेशक (बी.डी. एवं एम.) तथा हिन्दी अधिकारी भी दिखाई दे रहें है

6.1 स्टाफ स्थिति

श्रीमती रीता सेनगुप्ता, निदेशक (व्यावहार विज्ञान), संस्थान में तकरीबन 26 वर्षों की सेवा तथा सेवानिवृति की आयु को अक्तूबर 31, 2012 को प्राप्त करने के बाद, संस्थान की सेवाओं से सेवा निवृत हुई। परंतु श्रीमती सेनगुप्ता की सेवाएँ, एक सलाहकार के रूप में जारी रखी गई। इसी प्रकार श्री बंसी लाल बिजलानी, लेखा अधिकारी भी मार्च 31, 2013 को सेवानिवृत हुए। श्री बिजलानी, नवम्बर 06, 1984 से संस्थान की सेवा कर रहे थे। श्री वाई.पी. खुबर, निदेशक (एस.आई. एंड एस.बी.एम.) को संस्थान में अपना कार्यकाल पूर्ण करने के उपरांत अगस्त 28, 2012 को भार-मुक्त कर दिया गया।

वर्ष के दौरान, संस्थान के दो नये उत्पन्न पदों को अनुबंध आधार पर भरा गया। संयुक्त निदेशक (इंक्यूबेशन सैल) श्री सुनील भारद्वाज तथा सहायक निदेशक (होस्टल एवं प्रोटोकोल) (श्री महेन्द्र कुमार)। इसके अलावा विधिवत् गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति के सिफारिशों पर श्री कैलाश चन्द्र, एम.टी.एस. को टकंक-लिपिक (हिन्दी) के पद पर पदोन्नत किया गया।

वर्ष के दौरान, मंत्रालय द्वारा संस्थान के तीन निदेशकों के पदो के भर्ती नियमों को अनुमोदित किया गया तथा इन पदों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ की गई। संस्थान ने अपनी अन्य रिक्त पदों को भी भरे जाने के लिए कदम उठाए।

मंत्रालय के साथ विभिन्न पदों के सृजन के मामले का अनुसरण करने के साथ-साथ, संस्थान ने विभिन्न योजनाओं, अनुसंधान अध्ययनो आदि के अंतर्गत कार्यों को पूरा करने हेतु, संबंधित परियोजनाओं या कार्यों की समाप्ति के साथ कार्यकाल समाप्त होने तथा अनुंबध आधार पर परामर्शको, अनुसंधान एसोसिएटस, समन्वयकों आदि को नियुक्त करना जारी रखा।

संस्थान ने सभी कर्मचारियों, विशेष रूप से महिला कर्मचारियों जोकि कुल कर्मचारियों की लगभग 30% भाग हैं, के कार्य वातावरण सुधारने हेतु प्रभावी कदम उठाए।

मार्च 31, 2013 को विभिन्न श्रेणियों में संस्थान के नियमित कर्मचारियों को प्रभावी संख्या 26 थी।

संस्थान का संगठनात्मक चार्ट *परिशिष्ट-'ख'* पर दिया गया है।

6.2 राजभाषा का प्रयोग

भारत सरकार की नीति के अनुसार सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग हेतु सभी प्रयास किये गये। संस्थान की वर्ष 2011-12 की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषिक रूप में छपवाई गई। संस्थान ने निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार देश के विभिन्न क्षेत्रों में पत्राचार हिन्दी में बढ़ाने के लिए सक्रिय उपाय भी किये। राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संवैधानिक, विधिक तथा प्रशासनिक कर्तव्यों का वहन करने हेतु राजभाषा से संबधित जारी निर्देशों को, संस्थान के सभी कर्मचारियों में उपयुक्त कार्यवाही के लिए वितरित किया गया।

संस्थान ने वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के प्रयास किये। 14 सितम्बर, 2012 से शुरू सप्ताह को हिंदी सप्ताह के रूप में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक ने अपने संबोधन में, कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में, आंतरिक टिप्पणियों एवं अन्य सभी सम्भव स्थानों पर अधिक से अधिक हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा दी। इसके अतिरिक्त, "राजभाषा

नीति तथा प्रशासनिक शब्दावली" पर एक कार्यशाला; टिप्पण एवं आलेखन, निबंध लेखन, वाद-विवाद एवं राजभाषा नीति के बारे में सामान्य जानकारी की प्रतियोगिताएं सप्ताह के दौरान आयोजित की गईं जिनमें संस्थान के कुल 36 कर्मचारियों ने भाग लिया।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने दो हिन्दी पदों: कनिष्ट अनुवादक तथा टकंक-लिपिक, को भरने के लिए प्रभावी कदम उठाए। जबकि पहले वाले पद के लिए कोई उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिला, दूसरे पद को विधिवत गठित की गई विभागीय पदोन्नत समिति की सिफारिश के अनुसार पदोन्नति द्वारा भरा गया। प्राज्ञ पाठ्यक्रम की मई 2012 में हुई परीक्षा में, संस्थान के तीन कर्मचारियों ने भाग लिया।

राजभाषा के संस्थान द्वारा कार्यन्वयन से संबधित प्रगति की निर्धारित रिर्पोटस/सूचनाओं को नियमित तथा समयबद्ध रूप से मंत्रालय को भेजा गया। संस्थान के कुल 36 कर्मचारियों ने भाग लिया।

6.3 मानव संसाधन विकास

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने मानव संसाधनों के विकास और मौजूदा बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में उनके ज्ञानाधार को बढ़ाने पर जोर देना जारी रखा। संस्थान के संकाय सदस्यों/अधिकारियों और कर्मचारियों को समय-समय पर उनके संबंधित क्षेत्रों में अपने-अपने ज्ञान को अद्यतन बनाने के लिए विभिन्न सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं, के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। संस्थान से दो संकाय सदस्यों को बिजिनेस मैम्बरशिप संगठनों (बी.एम.ओ.) के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर प्रशिक्षक और वैकल्पिक प्रशिक्षक के रूप में कार्य करने हेतु, जी.आई.जैड. द्वारा आयोजित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टी.ओ.टी.) में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।

परियोजना तैयार करने के क्षेत्र में, संस्थान के कनिष्ठ संकाय सदस्यों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक विशेष अभीमुखी कार्यक्रम तैयार करके 4 दिनों के लिए आयोजित किया गया जिससे 17 पदधारियों को लाभ हुआ। संस्थान ने वर्ष के दौरान अपने कर्मचारियो के लिए तीन विशेष सत्रों का आयोजन किया ताकि उन्हें उनके व्यक्तित्व एवं कार्यकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया जा सके। पहला सत्र नेतृत्व और टीम तैयार करने के बारे में था जिस पर व्याव्यान दक्षिणी अफ्रीका के क्रिएटिविटी फाउंडेशन के सह-संस्थापक द्वारा दिया गया था। दूसरा और तीसरा सत्र, मिल-जुल कर काम करने का महत्त्व/स्वयं को जानना और दबाव एवं समय प्रबंधन तथा पौराणिक ज्ञान के जरिए मानव संभाव्यता का पता लगाना, विषयों पर थे जिन पर व्याख्यान दक्षिण अफ्रीका के एक विशेषज्ञ और श्रीधर विश्वविद्यालय, राजस्थान के उप-कुलपति, ने दिया।

कर्मचारियों के कार्यकरण में सुधार लाने और उनके ज्ञान/ओरिएंटेशन को सतत् रूप से अद्यतन बनाने के लिए, संस्थान ने अपने सभी कर्मचारियों के लिए मासिक क्षमता निर्माण सत्रों का एक तंत्र विकसित किया। इन सत्रों का संचालन संस्थान के ही संकाय सदस्यों/अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इस प्रकार, वर्ष के दौरान 4 सत्रों का आयोजन एम.एस.एम.ई. मंत्रालय कार्यक्रम और नीतियां; वित्तीय प्रक्रियाएं; परियोजना वित्त-पोषण और प्रशासनिक प्रक्रियाएं: संचार का महत्त्व और प्रकार, के क्षेत्रों में किया गया

6.4 रिजल्ट फ्रेमवर्क दस्तावेज (आर.एफ.डी.)

संस्थान ने मंत्रालय के साथ वर्ष 2012-13 के लिए अपने रिजल्ट फ्रेमवर्क दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। इस दस्तावेज के अनुसार, संस्थान को वर्ष के लिए विभिन्न गतिविधियाँ हेतु लक्ष्य दिए गए थे। अपने अथक प्रयासो से संस्थान ने वर्ष के लिए निर्धारित विभिन्न लक्ष्य समूहों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लक्ष्यों को सामान्यत:, लक्ष्यों से ज्यादा कार्य किया, जैसा कि नीचे विवरण दिया गया है:-

क्रम सं.	उद्देश्य/गतिविधि	लक्ष्य	उपलब्धियां
1.	उद्यमिता और कला विकास *(प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या)*	38,000	49,564
2.	फीस आधारित बाजारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम *(कार्यक्रमों की संख्या)*	50	149
3.	विभिन्न देशों से आए प्रशिक्षकों/संवर्धकों की कार्यकुशलता में सुधार लाना *(प्रतिभागियों की संख्या)*	220	245
4.	आर.जी.यू.एम.वाई. के तहत उद्यमी मित्रों का ओरिएंटेशन *(उद्यमी मित्रों की संख्या)*	100	73

इसके अलावा, संस्थान ने सीजर्स कलस्टर, मेरठ में हार्ड इन्टरवेन्शन जारी रखा। संस्थान ने विभिन्न सांविधिक अनुपालन सुनिश्चित करने; आंतरिक कुशलता/सेवा डिलीवरी में सुधार; आर.एफ.डी. सिस्टम का कुशल कार्यकरण और आंतरिक कुशलता/जवाबदेही/सेवा डिलीवरी में सुधार सुनिश्चत करने के लिए प्रभावी कदम भी उठाए। वर्ष के दौरान, संस्थान ने आई.एस.ओ.: 9001 कार्य-योजना तैयार की और आर.एफ.डी. में निर्धारित लक्ष्य तिथियों के अनुसार इसके कार्यान्वयन के लिए कदम उठाने की व्यवस्था की। प्रमाणन के अधिग्रहण की प्रक्रिया के एक अंग रूप में, संस्थान के कर्मचारियों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यशाला भी आयोजित की गई। इसके अलावा, संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी को इस प्रयोजनार्थ प्रबंधन प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए नामित किया गया।

6.5 सर्तक एवं पारदर्शी प्रबंधन

संस्थान के मौजूदा मुख्य सतर्कता अधिकारी *(पार्ट टाइम)* की सेवा-निवृत्ति के परिणामत: श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक को संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी की भूमिका एवं कार्यों को करने के लिए नियुक्त किया गया।

कैंपस से बाहर प्रशिक्षण गतिविधियों के आयोजन का मूल्याकंन तथा प्रभावी पर्यवेक्षण करने के लिए, संस्थान द्वारा पूर्व में तैयार किए गए मॉनटरिंग तंत्र को कार्यक्रम के चालू रहने के दौरान, प्रत्येक भागीदार को चार-चार एस.एम.एस भेजने की प्रणाली शुरू करके ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने संबंधी कतिपय अभिज्ञात पहलुओं पर उनसे फीडबैक प्राप्त करके प्रतिभागियों से प्राप्त प्रत्युत्तरों का विश्लेषण करने के बाद वांछित संशोधनों को लागू किया जा सके और *'स्काईपेय'* के माध्यम से वैब वीडियो कॉनफ्रेंसिंग इत्यादि से इसे और सुदृढ़ बनाया गया। इसके अलावा, संस्थान ने प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों में अवसंरचना प्रदाताओं की सेवाएं प्राप्त करने की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी बनाने हेतु प्रभावी कदम उठाए। संस्थान ने और पहल कार्य भी किए ताकि विभिन्न शैक्षिक/प्रशासनिक मुद्दों पर संस्थान की निर्णय लेने संबंधी प्रक्रिया ज्यादा परामर्शदायी और पारदर्शी हो।

संस्थान ने अक्तूबर 29 से 3 नवम्बर, 2012 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों ने सर्तकता संबंधी शपथ ली। इस अवसर का लाभ उठाते हुए संस्थान के कार्यकरण में पारदार्शिता आदि के बारे में चर्चा की गई और उन साधनों पर विचार-विमर्श किया गया जिनके माध्यम से कार्यकरण और भी ज्यादा पारदर्शी बन सके।

वर्ष के दौरान लंबित अनुशासनिक मामलों और अन्य सतर्कता मामलों की स्थिति पर अपेक्षित सूचना/रिपोर्ट समय पर व नियमित रूप से मंत्रालय को भेजी गई।

6.6 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

विशिष्ट गतिविधियों से संबंधित सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नागरिकों को सूचना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को युक्तिसंगत बनाने के लिए, संस्थान ने वर्ष के दौरान दो और जन सूचना अधिकारियों की नियुक्ति की। एक अधिकारी को प्रशिक्षण से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी बनाया गया और दूसरे को लेखों से संबंधित मामलों के लिए। अधिनियम के तहत, वर्ष के दौरान, संबंधित अधिकारी की सेवा-निवृत्ति के परिमाणत: संस्थान के महानिदेशक ने अधिनियम के तहत अपीलीय प्राधिकारी (प्रथम) के कार्यों का निर्वाह किया।

वर्ष के दौरान, इस प्रयोजानार्थ संस्थान को प्राप्त सभी 16 आवेदन पत्रों के संबंध में उन्हे इस अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराई।

6.7 अशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारो का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995

बारहवीं पंचवर्षीय योजना तैयार करने के लिए अशक्त व्यक्तियों के सशक्तिकरण पर कार्यकारी समूह (वर्किंग ग्रुप) की रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार, संस्थान ने अधिनियम के उपबंधों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, वर्ष के दौरान, निम्नलिखित पहल कार्य किए:-

- संस्थान के भागीदार संस्थानों के माध्यम से आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की ए.टी.आई. स्कीम के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत, विभिन्न अशक्ताओं वाले कम से कम 3% व्यक्तियों को कवर करने का प्रयास।
- संस्थान की वैबसाइट को पुन: तैयार करने संबधी मामला एन.आई.सी. के साथ उठाया जा रहा है ताकि इसे पी.डब्लू.डी. अनुकूल बनाया जा सके तथा
- ऑर्थोपैडिक रूप से अशक्त संस्थान के एक कर्मचारी का पदनाम अशक्ता सलाहकार रखा गया है ताकि वह अशक्ता स्कीमों और उनके प्रभावी निष्पादन से संबंधित सभी मामलों पर संस्थान को सलाह दे सके।

संस्थान ने यह पता लगाने का भी प्रयास कर रहा है कि कौन-कौन से पद अशक्त व्यक्तियों द्वारा भरे जा सकते हैं।

राजदूतों/उच्चायुक्तों के साथ विचार-विमर्श बैठक

सामान्यत: संस्थान के उद्यमिता परक पहल कार्यों और विशेषत: अपने अतंरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में राजधानी स्थित विदेशी फ्रैटर्निटि प्रतिनिधियों को अवगत कराने तथा इस बारे में उनकी आवश्यकता जानने करने के लिए, संस्थान ने 26 अप्रैल, 2012 को अपने कैंपस में राजदूतों/उच्चायुक्तों की एक विचार-विमर्श बैठक आयोजित की।

यह बैठक जोकि विभिन्न महाद्वीपों के प्रतिनिधियों का अनूठा समागम थी, मैं दिल्ली स्थित 15 राजदूतों / उच्चायुक्तों / मिशनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर का उपयोग संस्थान की परामर्शदात्री सेवाओं के बारे में अवगत कराने में भी किया गया। संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में और सुधार करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दिए गए सुझावों पर फौरन अमल किया।

Study Material Series on Skill Development
Computer Hardware & Networking
Study Material Series on Entrepreneurship Development
Be an Entrepreneur
Entrepreneurship Development
Study Material Series on Desktop Publishing
Desktop Publishing
Study Material Series on Food Processing
Food Processing
Published by NIESBUD, MSME, Govt. of India
In association with
JITM SKILLS, Jalandhar

उद्यमी लभते सिद्धिम्
niesbud
उद्यमिता विकास कार्यक्रम
पाठ्य सामग्री
राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान
(सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
www.niesbud.nic.in / www.niesbud.org / www.niesbud.net

7.0 प्रकाशन

एक अग्रणी राष्ट्रीय स्तर वाली उद्यमीय संगठन होने के नाते, संस्थान उद्यमिता तथा उससे संबंधित क्षेत्रों में शिक्षण तथा ज्ञान को उद्देश्यपूर्ण एंव प्रभावकारी बनाने के लिए प्रकाशन आदि लाता रहा है। संस्थान के प्रयत्न इस और भी होते हैं कि मौजूदा प्रकाशनों तथा क्षेत्र में उपलब्ध अन्य सहायक सामाग्री को सशक्त किया जाए। संस्थान के अधिकतर मौजूदा प्रकाशन इसके खुद के अनुसंधान, सर्वे आदि का नतीजा है।

इस संदर्भ के अपने प्रयत्नों को पुन:जीवित करते हुये, संस्थान ने वर्ष के दौरान, एक पुस्तिका लर्न टू अर्न- "स्कूली विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता से परिचय" प्रकाशित की। पुस्तिका "वैव्ज ऑफ चैंज" के थीम 5 "विचारों एवं अभिनव पहलो" के अंतर्गत माध्यमिक स्तर के स्कूली छात्रों में उद्यमिता के प्रति रूचि उजागर करने के उद्देश्य से निकाली गई।

प्रशिक्षकों तथा प्रतिभागियों दोनों को विभिन्न ट्रैडस/कलाओं में सरल तथा व्यावाहारिक पाठ्यक्रम पुस्तके उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, संस्थान ने जाहनवी इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलोजी एंड मनेजमैंट, दिल्ली के सक्रिय सहयोग से, वर्ष के दौरान कंम्प्यूटर हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग; फूड प्रोसेसिंग; डेस्क टॉप पब्लिशिंग तथा उद्यमिता विकास पर पाठ्य पुस्तको की, एक श्रृंखला का प्रकाशन किया।

इसके अलावा, संस्थान ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अपने समझौते ज्ञापन के हिस्से के रूप में, बोर्ड की 11वीं तथा 12वीं कक्षाओं के लिए उद्यमिता पर पाठ्यक्रम पुस्तकों के संशोधन का कार्य, सी.बी.एस.ई. विद्यालयों के प्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग से, शुरू किया।

संस्थान अपने द्वारा प्रशिक्षित विशेषकर एम.एस.एम.ई. मंत्रालय की ए.टी.आई. योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित व्यक्तियों के संदर्भ में, सफलता की कहानियों का एक संग्रह प्रकाशित करने की प्रक्रिया में है।

संस्थान ने नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा भारतीय व्यापार प्रोमोशन संगठन के सहयोग से प्रगति मैदान में फरवरी 4-10, 2013 को आयोजित विश्व पुस्तक मेले में भाग लिया। अपने हाल के प्रकाशनों तथा अन्य प्रशिक्षण सामग्रियों के प्रदर्शन के अलावा, संस्थान के स्टालों में आगुंतकों को संस्थान की बहु-आयामी गतिविधियों के अलावा, उद्यमीय कैरियर के लाभों के बारे में बताया गया।

7.1 न्यूजलैटर

वर्ष के दौरान, संस्थान ने अपने बंद पड़े न्यूजलैटर का प्रकाशन पुन: शुरू किया। न्यूजलैटर को एक त्रैमासिक प्रकाशन बना दिया गया है तथा इसके तीन संस्करण वर्ष के दौरान निकाले गये। न्यूजलैटर, संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अकादमी/अन्य गतिविधियों तथा आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों के बारे में सूचना देता है। सुन्दरता से डिजाइन किये हिस्सों के द्वारा, यह एम.एस.एम.ई तथा संबंधित क्षेत्रों की विभिन्न योजनाओं, घटनाओं, खबरों आदि के बारे में लाभकारी जानकारी उपलब्ध कराता है। क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न मशहूर व्यक्तियों/संगठनों के योगदान को उजागर करने के अलावा न्यूजलैटर, युवा

श्री माधव लाल, सचिव, (सू.ल.म.उ.) (मध्य) संस्थान के न्यूजलैटर का विमोचन करने के बाद। इस अवसर में उन्य उपस्थित (दाएं से बाएं) हैं: श्री बी.एन. नन्दा, आर्थिक सलाहकार, सू.ल.म.उ.; श्री सी. के. मिश्रा, तत्कालीन सयुंक्त सचिव, सू.ल.म.उ.; श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक तथा श्री आर.के. सिन्हा, अवर सचिव (आई.एफ.डब्लू.)

पाठकों को विभिन्न व्यवहार्य कैरियर विकल्पों के बारे में भी सूचित करता है। न्यूजलैटर इस क्षेत्र में इच्छुक विभिन्न संगठनों, संघों तथा व्यक्तियों को निशुल्क भेजा जाता है।

जबकि न्यूजलैटर के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष, श्री अरूण कुमार झा, संस्थान के महानिदेशक है, संपादकीय टीम का नेतृत्व, श्री मुकेश कुमार गुप्ता, संयुक्त निदेशक (व्यवसाय विकास एवं प्रबंधन) द्वारा किया जाता है।

7.2 बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र

बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) को एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के विकास और इकाइयों के संचालन में एक बड़ा और महत्वपूर्ण क्षेत्र पाया गया है।

वर्ष के दौरान, संस्थान ने विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय के तत्वावधान में अपने परिसर में एक बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (आई.पी.एफ.सी.) की स्थापना की। यह केंद्र, आई.पी.आर. को एक व्यवसाय औजार के रूप में पहचान, सुरक्षा और प्रबंधन की बेहतरीन व्यवहारों तक पहुंच हासिल करने में एम.एस.एम.ई और भावी उद्यमियों की सहायता करता है। यह केंद्र पेटेंटस, औद्योगिक डिजाइनों, आदि के संबंध में अन्वेषण/मानचित्रण; पेटेंट, औद्योगिक डिजाइन के अनुदान के लिए आवेदन दाखिल करने; भौगोलिक संकेतों और ट्रेडमार्क के पंजीकरण आदि की सुविधाएं भी प्रदान करता है और एम.एस.एम.ई. द्वारा प्रौद्योगिकियों के सफल हस्तांतरण और वाणिज्यीकरण को भी सक्षम बनाता है।

केंद्र के कार्यकलापों में सहायता/परामर्श देने के लिए एक नौ सदस्यीय संचालन समिति भी गठित की गई हैं, जिसमें शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधि, विशेषज्ञ (आई.पी.आर.), प्रबंधन संघ (नोएडा), उद्यमी तथा उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि शामिल हैं।

संस्थान ने वर्ष के दौरान, बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) पर 10 जागरूकता संवेदीकरण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला भी आयोजित की। विकास आयुक्त (एम.एस.एम.ई.) का कार्यालय के तत्वाधान में ये कार्यशालाएं मेरठ, सहारनपुर, अहमदाबाद, पानीपत, वाराणसी, आगरा, जयपुर, लखनऊ, अंबाला और फिरोजाबाद के विभिन्न औद्योगिक क्लस्टरों में खासकर संबंधित क्लस्टरों में चल रही इकाइयों के लिए, आयोजित की गई।

7.3 उद्यमिता अभिप्रेरणा प्रशिक्षण (ई.एम.टी.) किट्

उद्यमिता अभिप्रेरणा प्रशिक्षण किट जो इस संस्थान द्वारा तैयार की गई है, छः खेलों तथा अभ्यासों का एक संग्रह है। उद्यमिता व्यवहार तथा अभिप्रेरणा विकसित किये जाने हेतु यह एक टेस्टड सहायक सामग्री है। किसी एक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के दौरान, ये अभ्यास एवं टूलस उन उपयोगी आंकड़ों के सृजन में महत्वपूर्ण होते हैं, जो किसी उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए उद्यमियों/प्रशिक्षणार्थियों के न केवल अभिनिर्धारण तथा चयन में प्रशिक्षकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, अपितु उद्यमीय क्षमताओं को सुदृढ़ करने में भी सहयोग देती हैं। अभिप्रेरणा विकास में प्रशिक्षण संस्थानों के मानव संसाधन प्रैक्टीशनरस् तथा कॉरपोरेटस्, द्वारा इस किट का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है।

7.4 प्रलेखन

वर्ष के दौरान, प्रलेखन केन्द्र की विभिन्न सेवाएं अर्थात् प्रचलित जानकारी सेवा, एस.डी.आई. और प्रेस क्लिपिंग्स आदि नियमित रुप से उपलब्ध कराई गई। संस्थान ने अपने पुस्तकालय के विभिन्न कार्यों को कंप्यूटरीकृत किया है जिसमें बड़ी संख्या में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स तथा पत्रिकाओं सहित उद्यमिता, परियोजना, वित्त, मानव संसाधन, विपणन, व्यवहार विज्ञान एवं संबद्ध विषयों के लगभग 5,300 वाल्यूम उपलब्ध हैं।

7.5 उद्यमियों को परामर्श/सलाह

संस्थान मौजूदा और संभावित उद्यमियों तथा ई.डी.पी. संगठनों को उनके बहु-आयामी कार्यकलापों में सलाह एवं परामर्श प्रदान करने में संलग्न हैं। इस प्रकार संस्थान समाज में उद्यमिता के विकास/संवर्धन में सहायता करता है। वर्ष के दौरान, संस्थान द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से 500 से अधिक मौजूदा/संभावित उद्यमियों, विकास संगठनों / संस्थानों को लाभ प्राप्त हुआ। संस्थान द्वारा मार्गदर्शित अधिकांश भावी उद्यमियों ने अपने स्वंय के आर्थिक व्यवसाय शुरू करने में गहन रूचि दिखाई।

7.6 वेबसाइट

संस्थान की वैबसाइट को और अधिक सूचनाप्रद और उपयोग मैत्रिक बनाने हेतु नये स्क्रीन (संस्थान द्वारा स्वयं) डिजाइन करके इसका फैस्लिफ्ट किया गया। वैबसाइट (*www.niesbud.nic.in/www.niesbud.org/www.niesbud.net*) संस्थान के बहुआयामी कार्यकलापों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना देने के अलावा, गतिविधियों में उत्तरोतर बढ़ती भागीदारी के लिए, इसके भावी कार्यकलापों के बारे में भी सूचना दी जाती है। वैबसाइट को सूक्ष्म, लघु और मध्यम, उद्यम मंत्रालय, विकास आयुक्त (सू.ल.म.उ.), के.वी.आई.सी., कॉयर बोर्ड और एन.एस.आई.सी. के कार्यालयों की वैबसाइटों के साथ 'हाइपर-लिंक्ड' किया गया है।

सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार वैबसाईट को नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर के डौमेन पर होस्ट किया गया है, परंतु वैबसाइट का अद्यतन तथा रख-रखाव संस्थान के अपने द्वारा किया जाता है।

सचिव (एम.एस.एम.ई.) द्वारा संस्थान का दौरा

श्री विवेक रै, तत्कालीन सचिव (एम.एस.एम.ई.) ने 9 नवम्बर, 2012 को संस्थान के परिसर का दौरा किया और उनके साथ तत्कालीन संयुक्त सचिव, श्री सी. के. मिश्रा भी थे। संस्थान की बहु-आयामी गतिविधियों और उनका विस्तार एवं विविधीकरण करने संबंधी हाल ही के पहल कार्यों के बारे में एक प्रस्तुतीकरण गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष प्रस्तुत किया किया गया। दोनों अधिकारियों ने संस्थान के कैंपस में तत्समय चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों से भी बातचीत की।

श्री अरुण कुमार झा, महानिदेशक, (मध्य में) श्री विवेक रै, पूर्व सचिव (सू.ल.म.उ.) का संस्थान के दौरे के अवसर पर स्वागत करते हुए। श्री मुकेश कुमार गुप्ता, संस्थान के सयुंक्त निदेशक (बी.डी. एवं एम.) भी फोटो मे देखे जा सकते है

संकाय सदस्यों/अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान, एम.एस.एम.ई. मंत्रालय के विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों के प्रशिक्षणोत्तर सहायता सेवाएं देने हेतु दोनों अधिकारियों ने अनेक सुझाव दिए।

वैशाली कार्य योजना

एम.एस.एम.ई. मंत्रालय द्वारा लिए गए एक निर्णय के अनुसार, संस्थान ने एक गाँव स्तरीय कार्ययोजना तैयार करने और उसका कार्यान्वयन करने के लिए, बिहार के वैशाली जिले को अंगीकृत किया: स्थानीय प्रशासन/गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिल कर किए गए जिले के बेसलाइन सर्वेक्षण के अलावा इस योजना में शामिल अन्य गतिविधियां थी: जिलों एवं इसके घटक गांवों की प्रोफाइल तैयार करना; प्राकृतिक एवं मानवीय दोनों प्रकार के उपलब्ध संसाधनों की स्केनिंग ताकि उन्हें उपयोग में लाया जा सके; गाँव स्तर पर उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रमों का आयोजन; प्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा उद्यम स्थापित करना और छ: माह तक नए उद्यमों की हैंड-होलडिंग मदद करना; एम.एस.एम.ई. मंत्रालय और/अथवा राज्य सरकार की विभिन्न स्कीमों के अंतर्गत यथा उपलब्ध लाभ, उद्यमियों को मुहैया कराना; नए उद्यमों को पर्याप्त ऋण, प्रौद्योगिकी और विपणन सहायता प्रदान करना।

इस कार्ययोजना का कार्यान्वयन, हाजीपुर में 17 दिसम्बर, 2012 को आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ शुरू किया गया, जिसकी अध्यक्षता वैशाली के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा की गई थी। इस उद्घाटन समारोह में अन्य लोगों के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी, यूनिसेफ; डी.डी.सी., वैशाली, जी.एम., जिला उद्योग केंद्र; के.वी.आई.सी. के प्रतिनिधि और संस्थान के महानिदेशक उपस्थित थे।

संस्थान ने, पहले चरण के रूप में, उन व्यवसायों में जिले के 500 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया, जिनकी पहचान पूर्व में, इस क्षेत्र की समाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कार्ययोजना के तहत की गई थी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

संस्थान ने सभी कर्मचारियों के लिए एक विशेष समारोह आयोजित करके 8 मार्च, 2013 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। दो घंटे के इस समारोह में अन्य बातों के साथ-साथ महिलाओं विशेषत: कामगार महिलाओं से संबधित समसायिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस समारोह में महिलाओं व पुरुषों सहित 65 व्यक्तियों, ने भाग लिया जिनमें संस्थान में कार्यरत एक अशक्त (दृष्टिहीन) महिला भी शामिल थी, जिन्होंने संस्थान के साथ संबधों के अपने अनुभव के बारे में भी बताया।

सद्भावना दिवस

हिंसा को त्याग करने और लोगों में सद्भावना पैदा करने के उद्देश्य से, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के जन्म दिवस को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों को सद्भावना-शपथ भी दिलाई गई।

आतंकवाद विरोधी दिवस

संस्थान ने 21 मई, 2012 को आतंकवाद-विरोधी दिवस के रूप में मनाया। संस्थान के कर्मचारियों को इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक द्वारा आतंकवाद-विरोधी शपथ दिलाई गई।

सेक्स वर्करों के पुनर्वास हेतु उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त पैनल को सहायता

संस्थान ने सेक्स वर्करों के पुनर्वास के संबंध में सिफारिशें करने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित पैनल की सहायता की। यह सहायता उन्हें आर्थिक रूप से व्यवहार्य विकल्प का पता लगाने में दी गई थी यथा नए जीवन में पदार्पण करने वाले ऐसे वर्करों के लिए स्व-रोजगार एवं वेतन रोजगार।

महिला सैल की गतिविधियां

संस्थान में कार्यरत इस सैल ने महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए वर्ष के दौरान अपने सदस्यों की 3 बैठकें आयोजित की। सैल ने, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन करने के अलावा, संस्थान में कार्यरत महिला पदाधिकारियों के बीच उनके अधिकारों और कार्य-करण एवं पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन कायम करने की वांछनीयता के बारे में जागरूकता पैदा की। सैल अपनी स्थापना के समय से संस्थान की महिला कर्मचारियों के लिए अवसंरचना सुविधाओं में सुधार लाने के लिए भी जिम्मेदार रहा है।

वित्तीय सुदृढ़ीकरण

मजबूत आंकडे

2012-13 के दौरान राजस्व 101% से बढ़ा

- 2011-12 के 23.66 करोड रुपये के राजस्व के मुकाबले 47.51 करोड रुपये का कुल राजस्व
- घोषित (बाजार-उन्मुखी) कार्यक्रमों से प्राप्त राजस्व में 50% से भी अधिक की वृद्धि
- अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों से राजस्व 20% के दर से बढ़कर 3.56 करोड रुपये हुआ
- दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए 7.39 करोड़ रुपये कॉरपस फंड में अंतरित किया जाना

राजस्व के स्रोतों का विविधकरण

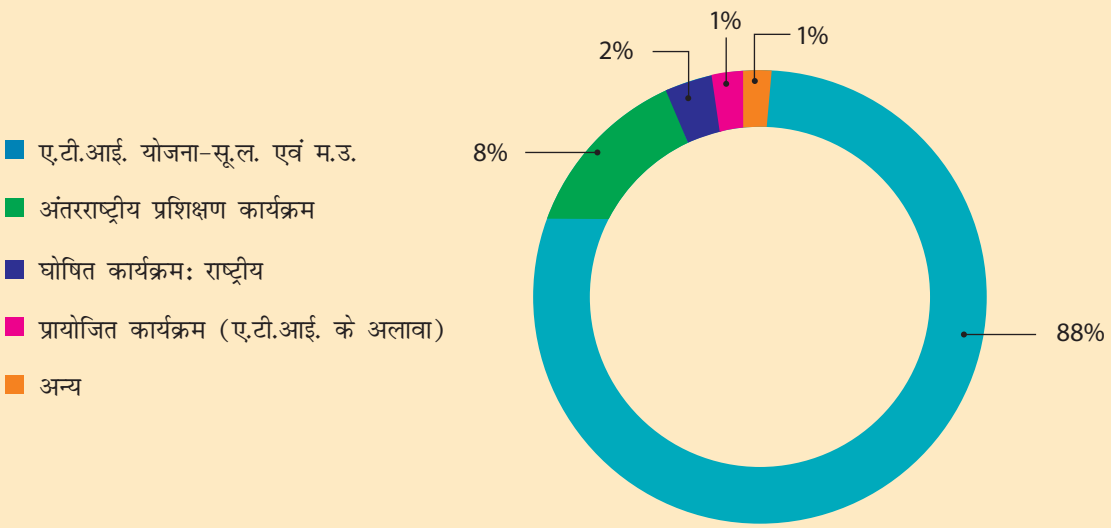

वर्ष 2012-13 संस्थान के लिए वित्तीय दृढ़ीकरण तथा समृद्धि का एक दूसरा समय साबित हुआ, जिसके दौरान संस्थान का राजस्व तेजी से बढ़कर, पिछले वर्ष (2011-12) के 23.66 करोड़ रुपए के दुगने से भी अधिक बढ़कर 47.51 करोड़ रुपए हो गया। यह संस्थान की बहु-आयामी गतिविधियों के विविधकरण एवं दृढ़ीकरण के लक्ष्य से ध्यानपूर्वक बनाई गई तथा कुशलता से संपादित नीतियों का परिणाम था। संस्थान के प्रयत्नों के फलस्वरूप, वर्ष के दौरान, राजस्व के स्रोतों का विविधकरण एवं आधार भी विस्तृत हुआ जिससे प्रयोजित गतिविधियों पर निर्भरता कम हुई।

ग्राफ 8.1 राजस्व सृजन (लाख ₹ में)

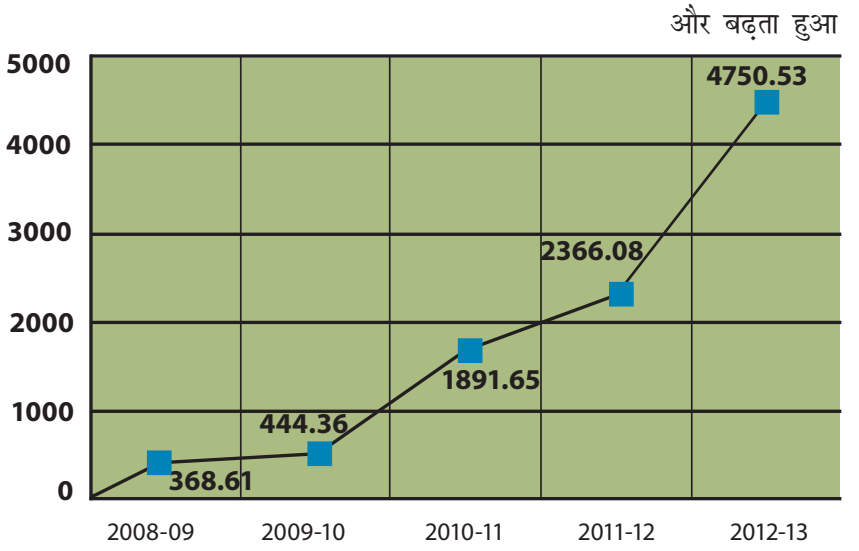

8.1 क्योंकि वर्ष के दौरान, संस्थान का खर्चा 40.11 करोड़ रुपए था, संस्थान अपने सभी खर्चों को अपने स्वयं के साधनों से पूरा करने में सक्षम हुआ तथा वर्ष के दौरान 118% का रिकवरी अनुपात दर्ज किया। इस प्रकार वर्ष के दौरान 7.39 करोड़ रुपए का सरप्लस उत्पन्न हुआ जिसको संस्थान के कॉरपस फंड में हंस्तारित किया जाएगा जिसमें 31 मार्च, 2013 को 3.64 करोड़ रुपये का शेष था (उपचित ब्याज मिलाकर)।

8.2 संस्थान ने वर्ष 2010-11 के सैट अर्पाट फंड में से 0.58 करोड़ रुपये का खर्चा किया जिससे इस फंड का शेष शून्य हो गया। संस्थान की वर्ष 2012-13 की आय के मद्देनजर, 7.13 करोड़ रुपये को फिर से सैट अर्पाट किया गया जिसको संस्थान के विभिन्न उद्देश्यों पर अगले 5 वर्षों में खर्च किया जाएगा।

8.3 संस्थान को वर्ष के दौरान, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से प्रशिक्षण संस्थाओं की सहायतार्थ (ए.टी.आई.) योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित करने के लिए 22.78 करोड़ रुपए प्राप्त हुये। 9.04 करोड़ रुपए जोकि पिछले साल का बचा हुआ धन तथा उस पर अर्जित ब्याज को दर्शाता है, का समायोजन करने के बाद, संस्थान को मंत्रालय से 10.24 करोड़ रुपये योजना के अंतर्गत वर्ष के दौरान पूरी की गई गतिविधियों के लिए, प्राप्त होने है।

तालिका 8.1 तुलनात्मक राजस्व सृजन (लाख ₹ में)

वर्ष	राशि	ग्रोथ %
2008-09	368.61	-
2009-10	444.36	21
2010-11	1,891.65	326
2011-12	2,366.08	25
2012-13	4,750.53	101

8.4 अपने नियंत्रणों एवं संतुलनों की मौजूदा प्रणाली को और सुदृढ़ करने के लिए, संस्थान ने वर्ष के दौरान, मैसर्स एस.के. हांडा, चार्टड लेखाकार की सेवाओं को समय-समय पर तथा लगातार संस्थान के सभी बड़े सौदों की मानटरिंग/निरीक्षण करने हेतु आंतरिक लेखा-परीक्षक के रूप में रखा। फर्म से यह भी निवेदन किया गया कि वह इस उद्देश्य से और उपायों की भी सिफारिश करें जिनको वर्ष के दौरान लागू भी कर लिया गया।

8.5 वर्ष के दौरान, संस्थान के प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच संबंध काफी सौहार्दपूर्ण रहे। इसके परिणाम स्वरूप कर्मचारियों का उत्पादकता वर्ष 2011-12 के 35.34 लाख रुपये की तुलना में, वर्ष के दौरान बढ़कर 62.50 लाख रुपये हो गई।

8.6 कार्यकारणी समिति द्वारा स्थिति के स्पष्टीकरण के बाद कि "दि पैमेंट ऑफ ग्रेच्यूटी एक्ट, 1972" सभी वर्तमान और भूतपूर्व कर्मचारियों पर लागू है, संस्थान ने लाभ को अपने भूतपूर्व पात्र कर्मचारियों को देने के लिए कदम उठाए। संस्थान ने भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप ग्रेच्यूटी योजना के अंतर्गत आने की संभावना का भी पता लगाया। यह कार्यकारिणी समिति की सलाह के अनुसार था जिससे सही समय पर इस बाबत प्रर्याप्त राशि उपलब्ध हो सके।

डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार

25, लक्ष्मी इनशोरेंस बिल्डिंग
आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002
वैबसाइट: *www.dbhatia.net*

फोन: 91-011-23238686, 23233508, 23230780
फैक्स: 91-011-23239702
ई-मेल: *dbcoca@gmail.com*

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, नौएडा के सदस्यों को लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, नौएडा के संलग्न 31 मार्च, 2013 के हमारे द्वारा हस्ताक्षरित इस रिपोर्ट के अधीन, तुलन-पत्र और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए संस्थान के संबंधित आय तथा व्यय लेखा की, लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन के दायित्व हैं। हमारा दायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में सामान्यतया स्वीकार्य लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है । इन मानकों के अनुसार अपेक्षा की जाती है कि, हम लेखापरीक्षण कार्य का नियोजन एवं निष्पादन इस तरह से करें कि हमें इस बात के संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त हो कि, वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलत विवरणों से मुक्त हैं। एक लेखापरीक्षा कार्य में परीक्षण आधार पर लेखों के समर्थन तथा वित्तीय विवरणों के खुलासों के साक्ष्यों की जाँच शामिल है। एक लेखापरीक्षण कार्य में लागू किये गये सिद्धान्तों, प्रबंधन द्वारा किये गये महत्वपूर्ण आंकलन और समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय व्यक्त करने के उचित आधार प्रदान करते हैं।

हम रिपोर्ट करते है कि :-

(क) हमने वे सभी सूचनायें तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार, इस लेखापरीक्षा के उद्देश्य से आवश्यक थे।

(ख) हमारी राय में, जहां तक पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, संस्थान ने नियमानुसार यथापेक्षित लेखों की उचित पुस्तिकायें रखी हैं।

(ग) इस रिपोर्ट के साथ संलग्न किये गये तुलन-पत्र और आय तथा व्यय लेखा, संस्थान की लेखा पुस्तिकाओं से मेल खाते हैं।

(घ) हमारी राय में, तुलन-पत्र और आय तथा व्यय लेखा, आई.सी.ए.आई. द्वारा यथा निर्धारित लेखांकन मानकों (ए.एस.) जोकि संस्थान के मामले में लागू समझे गये हैं, के अनुरूप हैं।

(ड.) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण अनुसूची 15: महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स के, नोट्स की शर्त पर तथा उनके साथ पठित, भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखाकरण सिद्धान्तों के अनुरूप, सत्य और सही स्थिति प्रस्तुत करते हैं:

डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार

(i) 31 मार्च, 2013 को संस्थान के मामलों की स्थिति को, तुलन-पत्र के मामले में और

(ii) 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आय तथा व्यय लेखा के मामले में, व्यय की तुलना में अधिक आय को।

हस्ता /-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 27 सितबंर, 2013

(₹)

		अनुसूची संदर्भ		31 मार्च 2013 की यथास्थिति		31 मार्च 2012 की यथास्थिति
	धन के स्रोत					
क	**संचित अधिशेष:**					
	आदि शेष		3,83,88,628.00		5,82,48,244.00	
	जमा: वर्ष के अधिशेष/(घाटा)		7,24,23,792.00		3,32,75,725.00	
	कम: सैट ऐपार्ट फंड 2010-11 में हस्तांरित		-		(1,98,59,616.00)	
	शेष संचित अधिशेष			11,08,12,420.00		7,16,64,353.00
	कॉर्पस फंड		3,32,75,725.00			
	कॉर्पस फंड पर ब्याज		31,66,936.00			
				3,64,42,661.00		
	सैट ऐपार्ट फंड 2010-11		58,06,243.00			1,98,59,616.00
	कम: वर्ष के दौरान खर्च		58,06,243.00	-		(1,40,53,373.00)
				-		58,06,243.00
	योग			**14,72,55,081.00**		**7,74,70,596.00**
	धन का उपयोग					
ख	**स्थाई परिसंपत्तियां:**					
	सकल ब्लाक	1	65,99,883.00		59,89,187.00	
	कम: आज तक का मूल्यह्रास		27,94,650.00		29,84,868.00	
	निबल ब्लाक			**38,05,233.00**		**30,04,319.00**
ग.	**चालू परिसंपत्तियां, ऋण तथा पेशगियां:**					
	सामान	2	2,17,342.00		2,53,889.00	
	विविध देनदार	3	12,40,14,574.00		2,04,59,519.00	
	रोकड़ तथा बैंक शेष	4	7,46,13,685.00		16,52,32,232.00	
	प्रतिभूति जमा	5	30,64,155.00		10,89,155.00	
	ऋण तथा पेशगियाँ	6	45,52,309.00		60,29,102.00	
	योग: चालू परिसंपत्तियां		**20,64,62,065.00**		**19,30,63,897.00**	
घ.	*कम:* **चालू देयताएं**	7	**6,30,12,217.00**		**11,85,97,620.00**	
ङ.	**निबल चालू परिसंपत्तियां (ग-घ)**			**14,34,49,848.00**		**7,44,66,277.00**
	योग			**14,72,55,081.00**		**7,74,70,596.00**
	लेखाकंन नीतियां तथा लेखों पर नोट्स	15				

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/-
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/-
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

(₹)

		अनुसूची संदर्भ	31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष
क.	**आय**			
	प्रशिक्षण आय	8	47,04,38,376.00	23,23,49,068.00
	अन्य आय	9	46,15,210.00	42,58,117.00
	योग		**47,50,53,586.00**	**23,66,07,185.00**
ख.	**व्यय**			
	कर्मचारियों का पारिश्रमिक एवं लाभ	10	2,64,28,909.00	1,81,48,526.00
	प्रशिक्षण व्यय	11	35,88,86,752.00	17,50,99,661.00
	अनुसंधान तथा प्रकाशन व्यय	12	19,89,303.00	4,94,052.00
	प्रशासन व्यय	13	1,33,90,268.00	1,01,32,215.00
	मूल्यह्रास		4,34,089.00	3,32,944.00
	योग		**40,11,29,321.00**	**20,42,07,398.00**
ग.	अनुदान सहायता से पूर्व वर्ष के लिए अधिशेष (घाटा) (क-ख)		7,39,24,265.00	3,23,99,787.00
घ.	*जोड़:* सरकारी अनुदान सहायता		–	–
ङ.	अनुदान सहायता के बाद अधिशेष (घाटा) (ग-घ)		7,39,24,265.00	3,23,99,787.00
च.	पूर्व अवधि समायोजन	14	(15,00,473.00)	8,75,938.00
छ	**तुलन-पत्र में ले जाया गया निबल अधिशेष (घाटा) (च+छ)**		**7,24,23,792.00**	**3,32,75,725.00**
	लेखाकंन नीतियां तथा लेखो पर नोट्स	15		

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/-
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/-
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

अनुसूची-1 स्थाई परिसंपत्तियां, 31मार्च 2013 की यथास्थिति

क. आवर्ती अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां :

परिसंपत्तियों का विवरण	सकल ब्लाक				मूल्यह्रास				निबल ब्लाक	
	31.03.2012 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान बिक्री/ समायोजन	31.03.2013 को योग	31.03.2012 तक	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन	31.03.2013 तक	31.03.2013 को	31.03.2012 को
पुस्तकालय पुस्तकें	13,39,032.00	38,780.00	–	13,77,812.00	11,28,967.00	30,858.00	–	11,59,825.00	2,17,987.00	2,10,065.00
फर्नीचर तथा फिक्सचर	3,47,761.00	56,850.00	73,400.00	3,31,211.00	77,302.00	27,283.00	60,874.00	43,711.00	2,87,500.00	2,70,459.00
कार्यालय उपस्कर	7,03,241.00	1,99,416.00	–	9,02,657.00	2,47,068.00	53,469.00	–	3,00,537.00	6,02,120.00	4,56,173.00
प्रशिक्षण उपस्कर	2,65,205.00	3,52,310.00	–	6,17,515.00	2,51,942.00	25,754.00	–	2,77,696.00	3,39,819.00	13,263.00
इलैक्ट्रिकल्स	8,79,574.00	3,06,200.00	–	11,85,774.00	2,52,798.00	72,062.00	–	3,24,860.00	8,60,914.00	6,26,776.00
कंम्प्यूटस	11,68,169.00	3,23,627.00	–	14,91,796.00	3,72,021.00	1,43,911.00	–	5,15,932.00	9,75,864.00	7,96,148.00
वाहन	12,83,833.00	-	5,93,087.00	6,90,746.00	6,54,770.00	80,752.00	5,63,433.00	1,72,089.00	5,18,657.00	6,29,063.00
योग (₹) (क)	**59,86,815.00**	**12,77,183.000**	**6,66,487.00**	**65,97,511.00**	**29,84,868.00**	**4,34,089.00**	**6,24,307.00**	**27,94,650.00**	**38,02,861.00**	**30,01,947.00**

ख. विशिष्ट अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां:

परिसंपत्तियों का विवरण	सकल ब्लाक			मूल्यह्रास			निबल ब्लाक	
	01.04.2012 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	31.03.2013 को योग	31.03.2012 तक	वर्ष के लिए	31.03.2013 तक	31.03.2013 को	31.03.2012 को
भवन लेखा	7,28,88,109.00		7,28,88,109.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	7,28,88,108.00	–	7,28,88,108.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
पटटे पर भूमि	3,57,89,768.00	–	3,57,89,768.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	3,57,89,767.00	–	3,57,89,767.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
पुस्तकालय पुस्तकें	1,20,103.00	-	1,20,103.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	1,19,904.00	-	1,19,904.00	–	–	–	–	–
	199.00	-	199.00	–	–	–	199.00	199.00
फर्नीचर एवं फिक्सचर	33,58,721.00	-	33,58,721.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	33,57,764.00	-	33,57,764.00	–	–	–	–	–
	957.00	-	957.00	–	–	–	957.00	957.00
कार्यालय उपकरण	1,01,05,466.00	-	1,01,05,466.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	1,01,04,599.00	-	1,01,04,599.00	–	–	–	–	–
	867.00	-	867.00	–	–	–	867.00	867.00
प्रशिक्षण उपकरण	8,43,106.00	–	8,43,106.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	8,43,101.00	–	8,43,101.00	–	–	–	–	–
	5.00	–	5.00	–	–	–	5.00	5.00

अनुसूची-1 स्थाई परिसंपत्तियां, 31मार्च 2013 की यथास्थिति

ख. विशिष्ट अनुदान से अधिप्राप्त परिसंपत्तियां: *(जारी)*

परिसंपत्तियों का विवरण	सकल ब्लाक			मूल्यह्रास			निबल ब्लाक	
	01.04.2012 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	31.03.2013 को योग	31.03.2012 तक	वर्ष के लिए	31.03.2013 तक	31.03.2013 को	31.03.2012 को
इलैक्ट्रिकल्स	22,76,653.00	–	22,76,653.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	22,76,465.00	–	22,76,465.00	–	–	–	–	–
	188.00	–	188.00	–	–	–	188.00	188.00
कम्प्यूटर मदें	32,52,006.00	–	32,52,006.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	32,51,853.00	–	32,51,853.00	–	–	–	–	–
	153.00	–	153.00	–	–	–	153.00	153.00
वाहन	4,33,715.00	–	4,33,715.00	–	–	–	–	–
कम: भारत सरकार से अनुदान	4,33,714.00	-	4,33,714.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
योग (₹) (ख)	**2,372.00**	**–**	**2,372.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2,372.00**	**2,372.00**
योग (₹) (क+ख)	**59,89,187.00**	**12,77,183.00**	**65,99,883.00**	**29,84,868.00**	**4,34,089.00**	**27,94,650.00**	**38,05,233.00**	**30,04,319.00**
पिछला वर्ष (₹)	**44,71,083.00**	**15,18,104.00**	**59,89,187.00**	**26,51,924.00**	**3,32,944.00**	**29,84,868.00**	**30,04,319.00**	**18,19,159.00**

टिप्पणी : *भारत सरकार के अनुदानों से खरीदी गई परिसंपत्तियों को 1.00 ₹ प्रति मद दर्शाया गया है ।*

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

हस्ता/-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/-
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/-
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

(₹)

	31 मार्च 2013 की यथास्थिति	31 मार्च 2012 की यथास्थिति
अनुसूची '2' माल		
ई.एम.टी. किट्स	70,434.00	1,02,297.00
प्रकाशन स्टॉक	8,199.00	6,714.00
पाठ्यक्रम सामग्री का स्टॉक	81,905.00	34,052.00
लेखन-सामग्री का स्टॉक	56,804.00	1,10,826.00
योग	**2,17,342.00**	**2,53,889.00**
अनुसूची '3' विविध देनदार		
छह माह से अधिक बकाया:		
- अच्छे समझे गए*	57,04,273.00	45,98,165.00
- संदेहास्पद समझे गए	–	–
	57,04,273.00	**45,98,165.00**
अन्य-छह माह से कम बकाया**	11,83,10,301.00	1,58,61,354.00
योग	**12,40,14,574.00**	**2,04,59,519.00**
**छह माह से अधिक बकाया-अच्छे समझे गए*		
– बी.ई.सी.आई.एल.	12,000.00	–
– के.वी.आई.सी. मुम्बई	8,02,500.00	–
– विदेश मंत्रालय	22,18,388.00	45,98,165.00
– वित्त मंत्रालय	1,85,091.00	–
– ग्रामीण विकास मंत्रालय	10,00,000.00	–
– सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	6,07,500.00	–
– एन.बी.सी.एफ.डी.सी.	23,200.00	–
– एन.एस.आई.सी.	1,05,499.00	–
– पैरी एण्ड कम्पनी	16,000.00	–
– जिला पंचायत, शियोपुर	7,34,095.00	–
योग	**57,04,273.00**	**45,98,165.00**
***अन्य-छह माह से कम बकाया*		
– आल इंडिया बोर्ड ऑफ एजुकेशन	7,500.00	–
– सी. टैक क्यूरा	9,100.00	–
– आई.एम.एस. गाजियाबाद	5,700.00	–
– कमला नेहरू सेवा संस्थान	4,050.00	–
– विदेश मंत्रालय	1,53,99,860.00	1,17,07,786.00
– एम.एस.एम.ई. मंत्रालय	10,23,54,381.00	–
– एन.आई.ओ.एस.	27,005.00	–
– साईन वर्ड इंक	4,000.00	–
– स्टेट बैंक ऑफ इंडिया	1,50,000.00	–
– आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मनेजमैंट एण्ड टैक्नोलोजी	2,40,975.00	–
– सेंट्रल रेलवे इनफोरमेशन सिस्टमस्	1,07,730.00	–
– बी.ई.सी.आई.एल.	–	12,000.00
– के.वी.आई.सी. मुम्बई	–	14,02,500.00
– वित्त मंत्रालय	–	1,85,091.00
– ग्रामीण विकास मंत्रालय	–	10,00,000.00
– सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	–	6,07,500.00
– एन.बी.सी.एफ.डी.सी.	–	23,200.00
– एन.एस.आई.सी.	–	1,73,182.00
– पैरी एण्ड कम्पनी	–	16,000.00
– जिला पंचायत, शियोपुर	–	7,34,095.00
योग	**11,83,10,301.00**	**1,58,61,354.00**
अनुसूची '4' नकदी तथा बैंक शेष		
हस्त नकदी	5,42,920.00	1,83,352.00
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स-आर.जी.यू.एम.वाई	54,421.00	5,40,762.00
कामर्शियल इंटरनेशनल बैंक, (मिस्र) (यू.एस.डी. 978 के बराबर)	42,152.00	42,152.00
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स बचत फंड खाता-2654	1,62,80,205.00	21,94,352.00
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स बचत फंड (ओजोन)	18,472.00	17,753.00
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स बचत फंड खाता-2982	54,65,929.00	8,20,48,335.00
एच.डी.एफ.सी. बचत फंड खाता	2,09,586.00	2,05,526.00
एच.डी.एफ.सी. के साथ सवधि जमा रसीद	-	5,00,00,000.00
ओरियंटल बैंक आफ कामर्स के साथ सवधि जमा रसीद	5,20,00,000.00	3,00,00,000.00
योग	**7,46,13,685.00**	**16,52,32,232.00**

(₹)

	31 मार्च 2013 की यथास्थिति	31 मार्च 2012 की यथास्थिति
अनुसूची '5' प्रतिभूति जमा		
टेलीफोन	6,500.00	6,500.00
जल	89,425.00	89,425.00
विद्युत	2,73,230.00	2,73,230.00
डी.जी.ई. एवं टी.	50,000.00	50,000.00
निफ्टम	-	5,20,000.00
एन.एम.एफ.डी.सी.	-	1,50,000.00
प्रतिभूति जमा (निविदा)	22,45,000.00	-
प्रतिभूति-प्रिंटर	20,000.00	-
प्रतिभूति जमा (एस.एस.एस. दिल्ली)	3,50,000.00	-
प्रतिभूति जमा (वाशिंग मशीन)	30,000.00	-
योग	**30,64,155.00**	**10,89,155.00**
अनुसूची '6' ऋण तथा अग्रिम		
अन्य को अग्रिम	–	71,628.00
स्टाफ को अग्रिम	–	24,500.00
त्यौहार अग्रिम-स्टाफ	9,000.00	10,800.00
पूर्वदत्त व्यय	2,85,630.00	1,71,515.00
यात्रा भत्ता अग्रिम	6,000.00	55,660.00
स्रोत पर कर कटौती वापसी योग्य / वसूली योग्य	30,35,716.00	23,87,857.00
धनराशि वसूलनीय-श्री विनेश छाबड़ा	74,825.00	74,825.00
देय उपचित ब्याज-एम.एस.एम.ई.	11,41,138.00	32,32,317.00
योग	**45,52,309.00**	**60,29,102.00**
अनुसूची '7' चालू देनदारियां		
विभिन्न लेनदार	2,03,09,200.00	81,00,014.00
देय राशि	41,18,312.00	27,47,636.00
देय वेतन	73,622.00	–
योग	**2,45,01,134.00**	**1,08,47,650.00**
सरकारी क्षेत्र से अग्रिम:		
सी.आर.आर. कार्यक्रम हेतु अग्रिम	7,20,000.00	–
साझेदार संस्थाओं हेतु अग्रिम	–	7,46,00,687.00
योजना का मूल्यांकन अध्ययन करने हेतु अग्रिम	3,11,000.00	–
अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय हेतु अग्रिम	10,75,000.00	–
आर.जी.यू.एम.वाई हेतु अग्रिम	–	5,00,000.00
दक्षता विकास कार्यक्रमों हेतु अग्रिम	–	1,55,105.00
एस.जे.एस.आर.वाई. कार्यक्रम हेतु अग्रिम	13,50,000.00	–
ट्रीड कार्यक्रम हेतु अग्रिम	1,80,000.00	–
हुपा (एच.यू.पी.ए.) हेतु अग्रिम	4,35,000.00	–
आई.पी.एफ.सी. कार्यक्रम हेतु अंशदान	23,23,331.00	–
पूंजीगत परिसंपत्तियों हेतु अंशदान	51,619.00	51,619.00
आई.पी.एफ.सी. कार्यक्रम अग्रिम पर ब्याज	1,05,205.00	–
आर.जी.यू.एम.वाई. अग्रिम पर ब्याज	96,477.00	–
साझेदार संस्थाओं के लिए ब्याज-सू.ल.म.उ.	–	1,10,39,111.00
योग	**66,47,632.00**	**8,63,46,522.00**
अन्यों को देय राशि :		
देय प्रतिभूति जमा	2,06,90,698.00	1,44,43,818.00
योग	**2,06,90,698.00**	**1,44,43,818.00**
प्रावधान :		
सेवानिवृत्ति लाभों हेतु प्रावधान	1,11,04,075.00	68,30,952.00
संदेस्यापद ऋणों हेतु प्रावधान	68,678.00	68,678.00
व्यय हेतु प्रावधान	–	60,000.00
योग	**1,11,72,753.00**	**69,59,630.00**
कुल योग	**6,30,12,217.00**	**11,85,97,620.00**

(₹)

	31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष
अनुसूची '8' प्रशिक्षण आय		
पाठ्यक्रम शुल्क	98,70,572.00	61,24,850.00
अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क	3,56,29,286.00	2,97,65,853.00
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से प्राप्तियां	4,10,400.00	11,80,000.00
सू.ल.म.उ. मंत्रालय से प्राप्तियां	42,06,79,741.00	18,87,14,313.00
ट्रीड कार्यक्रम हेतु प्राप्तियां	–	4,68,750.00
आई.पी.एफ.सी. से प्राप्तियां	1,76,669.00	–
क्लस्टर हेतु प्राप्तियां	–	39,38,000.00
रेशम विभाग, म.प्र. से प्राप्तियां	–	4,25,896.00
एस.जे.एस.आर.वाई. से प्राप्तियां	–	10,45,501.00
के.वी.आई.सी. से प्राप्तियां	–	1,75,000.00
मूल्याकंन अध्ययन म.प्र. के लिए प्रतिपूर्ति	–	1,91,000.00
मूल्याकंन अध्ययन से प्राप्तियां	9,24,000.00	–
आई.पी.आर.प्रशिक्षण कार्यकमों से प्राप्तियां	5,00,000.00	–
दक्षता विकास कार्यक्रम मध्य प्रदेश से प्प्तियां	1,55,105.00	–
आर.जी.यू.एम.वाई. से प्राप्तियां	20,19,000.00	–
प्रकाशनों/ई.एम.टी. किटों की ब्रिकी	43,603.00	1,24,905.00
ई.डी.सी. आय	30,000.00	1,95,000.00
योग	**47,04,38,376.00**	**23,23,49,068.00**
अनुसूची '9' अन्य आय		
वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	55,000.00
छात्रावास आय	15,55,477.00	9,05,990.00
अग्रिम राशि पर ब्याज	14,736.00	3,876.00
बचत पर ब्याज	19,14,827.00	32,16,946.00
कार्यालय किराया आय	10,44,100.00	73,105.00
भर्ती शुल्क	42,250.00	700.00
निविदा दस्तावेजों की बिक्री	–	2,500.00
स्थाई परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ	43,820.00	–
योग	**46,15,210.00**	**42,58,117.00**
अनुसूची '10' कर्मचारियों का पारिश्रमिक एवं लाभ		
ए.सी.पी. एरियर (कर्मचारी)	5,21,273.00	1,50,940.00
मूल वेतन (अधिकारी)	36,97,491.00	30,82,295.00
मूल वेतन (कर्मचारी)	18,95,656.00	25,73,170.00
स्टाफ को बोनस	69,080.00	72,222.00
महंगाई भत्ता (अधिकारी)	31,77,188.00	20,67,205.00
महंगाई भत्ता (कर्मचारी)	16,76,290.00	17,65,864.00
प्रतिनियुक्ति भत्ता (महा)	37,067.00	–
महंगाई भत्ता एरियर	1,21,844.00	2,13,561.00
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान	17,12,221.00	17,02,488.00
ग्रेड वेतन (अधिकारी)	8,34,048.00	6,49,133.00
ग्रेड वेतन (कर्मचारी)	5,00,961.00	7,04,400.00
स्टाफ को मानदेय	90,500.00	16,000.00
मकान किराया भत्ता (अधिकारी)	13,94,690.00	11,19,429.00
मकान किराया भत्ता (कर्मचारी)	7,16,033.00	9,80,181.00
कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण	23,18,704.00	15,605.00
अवकाश यात्रा रियायत व्यय	1,46,257.00	13,743.00
चिकित्सा लाभ व्यय	21,60,493.00	4,42,349.00
ओवरटाईम व्यय	6,225.00	23,496.00
वेतन एवं भत्ते	2,99,032.00	13,73,920.00
विशेष भत्ता	7,500.00	7,875.00
स्टाफ एवं निकाय विकास व्यय	1,300.00	67,700.00
स्टाफ कल्याण व्यय	1,06,657.00	1,22,300.00
परिवहन भत्ता (डी.ए.)	2,77,355.00	3,57,320.00
परिवहन भत्ता (अधिकारी)	1,83,148.00	2,24,000.00
परिवहन भत्ता (कर्मचारी)	2,04,773.00	4,03,330.00
उपदान लाभ	42,73,123.00	–
योग	**2,64,28,909.00**	**1,81,48,526.00**

(₹)

	31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष
अनुसूची '11' प्रशिक्षण व्यय		
बोर्डिगं एवं लोजिंग व्यय - प्रशिक्षण	1,36,35,421.00	1,25,83,420.00
ब्रोशर व्यय	–	67,000.00
व्यवसाय संवर्धन व्यय	9,35,155.00	9,26,740.00
क्लस्टर विकास कार्यक्रम व्यय	3,56,657.00	4,57,664.00
परामर्शदाताओं का शुल्क तथा व्यय	3,47,000.00	36,500.00
पाठ्यक्रम सामग्री	7,94,207.00	9,31,014.00
समन्वयक शुल्क एवं व्यय	2,13,000.00	–
डी.जी.आर. कार्यक्रम व्यय	1,60,178.00	–
ई.डी.पी.-एस.बी.आई कार्यक्रम व्यय	20,000.00	–
ई.एम.टी. किट् व्यय	31,863.00	46,551.00
मूल्याकंन अध्ययन सू.ल.म.उ.	6,38,750.00	–
मूल्याकंन अध्ययन एन.एम.डी.एफ.सी.	3,90,000.00	–
विदेश यात्रा व्यय	1,30,116,00	1,57,235,00
आई.एफ.सी. कार्यक्रम व्यय	77,548.00	–
आई.पी.एफ.सी. कार्यक्रम व्यय	5,24,061.00	–
आई.पी.आर.कार्यक्रम व्यय	4,71,240.00	–
बाह्य संकाय व्यय	10,77,150.00	8,10,268.00
प्रचार व्यय - प्रशिक्षण	15,31,491.00	9,07,219.00
आर.जी.यू.एम.वाई. कार्यक्रम व्यय	–	72,459.00
दक्षता विकास कार्यक्रम व्यय	75,000.00	–
अध्ययन दौरा व्यय	61,22,699.00	56,09,450.00
ट्रीड कार्यक्रम व्यय	–	1,68,000.00
वाहन किराया व्यय	3,52,286.00	5,34,518.00
संकाय यात्रा व्यय	6,11,488.00	2,09,820.00
म.प्र. कार्यक्रम व्यय	–	32,603.00
एम.एस.एम.ई. समन्वयक/विविध व्यय	6,07,83,467,00	4,36,85,674,00
एम.एस.एम.ई. संकाय व्यय	6,68,13,900.00	3,03,29,940.00
एम.एस.एम.ई.पी.आई कार्यक्रम व्यय	7,46,10,264.00	1,12,09,000.00
एम.एस.एम.ई. कार्यक्रम व्यय	1,06,03,550.00	40,17,786.00
एम.एस.एम.ई. किराया व्यय	11,74,61,000.00	6,00,85,652.00
पी.आई (168) कार्यक्रम व्यय	–	9,45,000.00
पी.आई. (39575) कार्यक्रम व्यय	–	12,66,148.00
निविदा शुल्क	1,14,500.00	10,000.00
क्षतिग्रस्त विविध देनदार (एम.ई.ए.)	4,761.00	–
योग	**35,88,86,752.00**	**17,50,99,661.00**
अनुसूची '12' अनुसंधान तथा प्रकाशन व्यय		
न्यूजलैटर व्यय	1,79,000.00	–
अनुसंधान / प्रकाशन व्यय	18,10,303.00	4,94,052.00
योग	**19,89,303.00**	**4,94,052.00**
अनुसूची '13' प्रशासन व्यय		
विज्ञापन व्यय	16,728.00	–
वार्षिक सदस्यता शुल्क	22,060.00	22,060.00
लेखापरीक्षा शुल्क	18,539.00	18,539.00
बैंक प्रभार	833.00	1,189.00

(₹)

	31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष
अनुसूची '13' प्रशासन व्यय *(जारी.....)*		
उपभोग्य मदों पर व्यय	8,876.00	20,571.00
वाहन व्यय	2,30,469.00	2,19,509.00
विद्युत अनुरक्षण व्यय	94,933.00	69,200.00
विद्युत एवं जल व्यय	25,28,063.00	19,12,878.00
जेनरेटर व्यय	4,94,793.00	2,97,644.00
बागवानी व्यय	7,82,842.00	5,79,297.00
होस्टल व्यय	94,815.00	1,57,091.00
हाउस कीपिंग व्यय	10,63,171.00	6,80,598.00
बीमा व्यय	45,014.00	57,339.00
पुस्तकालय हेतु जार्नलस्	13,056.00	425.00
विधिक एवं व्यवसायिक व्यय	39,356.00	1,06,930.00
बैठक व्यय	38,169.00	50,565.00
समाचार-पत्र तथा पत्रिकाएं	93,315.00	66,199.00
डाक एवं तार व्यय	1,61,905.00	1,13,617.00
पैट्रोल, आयल एवं लूब्रिकेटंस	2,73,992.00	1,62,481.00
भर्ती व्यय	2,31,563.00	57,499.00
मरम्मत तथा रखरखाव - अचल परिसंपत्तियां	8,99,700.00	6,24,078.00
मरम्मत तथा रखरखाव - कार्यालय	29,15,958.00	20,31,765.00
सुरक्षा व्यय (कार्यालय)	5,11,402.00	4,96,656.00
लेखन सामग्री तथा मुद्रण व्यय	17,49,553.00	15,19,434.00
टेलीफोन व्यय	9,12,242.00	6,90,100.00
वाहन परिचालन तथा अनुरक्षण व्यय	57,771.00	78,769.00
धुलाई व्यय	91,150.00	97,782.00
योग	**1,33,90,268.00**	**1,01,32,215.00**
अनुसूची '14' पूर्वावधि समायोजन		
पूर्वावधि आय:		
व्यय वसूली खाता	12,020.00	1,53,489.00
पूर्वावधि आय	3,54,117.00	9,76,088.00
योग (क)	**3,66,137.00**	**11,29,577.00**
पूर्व अवधि व्यय:		
पूर्व अवधि व्यय	18,66,610.00	2,53,639.00
योग (ख)	**18,66,610.00**	**2,53,639.00**
निबल पूर्वाधिक समायोजन (क-ख)	**(15,00,473.00)**	**8,75,938.00**

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

हस्ता/-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/-
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/-
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

क. महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियां

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण गोईंग कनर्सन एज़म्शन के आधार पर तथा ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत बनाये गये हैं।

संस्थान द्वारा, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टड एकाउन्टेन्टस् द्वारा अधिसूचित सामान्यत: स्वीकार्य लेखाकंन मानकों का, प्रयोग किया गया है।

संस्थान सामान्यतया लेखाकंन की वाणिज्यिक प्रणाली (मर्केंटाइल सिस्टम) का अनुपालन करता है और महत्वपूर्ण अनिश्चितताओं वाले आय तथा व्यय को छोड़कर, प्रोदभवन आधार पर, आय तथा व्यय को मान्यता देता है।

2. स्थाई परिसंपत्तियां

i) स्थाई परिसंपत्तियों का मूल्याकंन अधिग्रहण और तदनन्तर तत्संबंधी सुधार-कार्यों की लागत के आधार पर किया जाता हैं, जिनमें अधिग्रहण एवं संस्थापना से संबंधित कर, शुल्क, भाड़ा तथा अन्य अनुषंगिक व्यय (विशिष्ट उधारी की लागत सहित) शामिल होते हैं।

ii) परिसम्पतियों पर मूल्यह्रास, प्रबंधन द्वारा आकंलित परिसम्पतियों की आयु के आधार पर ''स्ट्रेट लाइन मैथड'' (एस.एल.एम.) पर प्रदान किया गया है।

iii) लीजहोल्ड का परिशोधन नहीं किया गया है क्योंकि यह दीर्घ-कालिक (अर्थात 99 वर्ष) के लिए है और इनका मूल्य संवर्धित रुझान के अनुसार है।

3. सामान

कोर्स सामग्री का मूल्याकंन लागत या निबल वसूली योग्य मूल्य दोनों में से जो कम हो, के आधार पर किया जाता है । लागत में सभी सीधे व्यय शामिल होते हैं परन्तु प्रशासन, वित्तीय और बिक्री व्यय शामिल नहीं होते हैं।

4. आय तथा व्यय का निर्धारण

आय तथा व्यय का निर्धारण प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

5. सरकारी अनुदान

(क) विशिष्ट स्थाई परिसंपत्तियों से संबंधित सरकारी अनुदान को, तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों का खाता-मूल्य निकालने के लिए संबंधित परिसंपत्तियों के सकल मूल्य से, कटौती करके दर्शाया जाता है। जब इस प्रकार का अनुदान सहायता परिसम्पत्तियों की संपूर्ण लागत मूल्य के बराबर होता है तो परिसम्पति को तुलन-पत्र में एक रुपये प्रत्येक के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया जाता है।

(ख) राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान, आय तथा व्यय लेखा में अलग से दर्शाई जाती हैं।

6. आकस्मिक देयताएं

ऐसी आकस्मिक देयताएं जिनका उल्लेख खातों में नहीं किया जाता है, उन्हें लेखाओं पर नोट्स में अलग से दर्शाया जाता है।

7. पूर्व अवधि के समायोजन

वर्ष के दौरान अभिनिश्चित तथा निर्धारित समायोजनों सहित पूर्व-अवधि के सभी समायोजन, संबंधित लेखा शीर्ष के अन्तर्गत दर्शाए गए हैं।

ख. लेखों पर नोट्स

1. संस्थान अप्रैल, 2004 से वर्तमान परिसर से अपने कार्यकलाप चला रहा है। भवन पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु 7,33,581/- ₹ का कम्पाउंड शुल्क नोएडा प्राधिकारण में 6 सितम्बर, 2012 को जमा, करा दिया गया है।

2. संस्थान के रुपए 57,04,273/- के छ: महीने से ज्यादा पुराने विविध डैबटरसो से जोकि अधिकशत: सरकारी क्षेत्र के हैं, से शेष पुष्टि नहीं ली गई है।

3. कामर्शियल इंटरनेशल बैंक, मिस्र में 42,152/- का बैंक शेष पड़ा हुआ है प्रबंधन ने खाता बंद करने के लिए, बैंक से प्रार्थना की है।

4. संस्थान के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास एक्ट 2006, के अंदर आने वाले किसी भी पूर्तिकर्ता को कोई भी धनराशि देय नहीं है। इस कारण से कोई भी ब्याज का प्रावधान/भुगतान नहीं किया गया है

5. डैबटरों, ऋणों तथा अग्रिमों, क्रेडिटरों/व्ययों के प्रति देयताओं का बकाया कनफेरमेशन और समाधान (रिकांसिलिएशन) के अधीन है।

6. आकस्मिक देयताएं: संस्थान के एक कर्मचारी द्वारा दायर विधायी मामला दिल्ली उच्च न्यायलय में लंबित

है जिसके संबंध में, उच्च पद/अधिक वेतन की मांग के कारण, देनदारी की मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सकता।

7. 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए लेखाओं में सभी ज्ञात देयताएं दर्शाई गई हैं।

8. संस्थान सदस्यता शुल्क का निर्धारण नकदी आधार पर कर रहा है।

9. संस्थान के प्रबंधन की राय में तथा उनकी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार, लेखों पर नोटस में उल्लिखत को छोड़कर, सामान्य व्यवसाय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों एवं एडंवासस् की वसूली का मूल्य, उस राशि से कम नहीं होगा जिन पर उनको तुलन-पत्र में दिखाया गया है।

10. पूर्व अवधि के समायोजनों में निम्नलिखित शामिल हैं:-

		2012-13	2011-12
(क)	पिछले वर्ष की आय चालू वर्ष में शामिल	3,66,137/-	11,29,577/-
(ख)	व्यय मानी हुई राशि	(-) 18,66,610/-	(-) 2,53,639/-
	निबल:	(-)15,00,473/-	8,75,938/-

11

लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक:	चालू वर्ष (₹)	पिछला वर्ष (₹)
लेखापरीक्षा शुल्क (सेवा कर सहित)	18,539/-	18,539/-

12 जहां कहीं आवश्यक था पिछले वर्ष के आंकडों को पुन: समूहित (रिग्रुप्ड)/पुन: व्यवस्थित (रिअरेंज) किया गया है। पैसों को निकटतम रुपयों में किया गया है।

13. अनूसूचियां 1 से 8, 31 मार्च 2013 के तुलन-पत्र और अनुसूची 15, नोटस् एवं लेखाकंन नीतियां तथा अनुसूचियां 9 से 14, आय तथा व्यय लेखा का हिस्सा है।

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
हस्ता/-
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/-
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/-
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
आदि शेष		सी.पी.एफ देय	12,784.00
कामर्शियल इंटरनेशनल बैंक	42,152.00	देय आय कर (अन्य)	2,21,53,030.00
सवधि जमा खाता-एच.डी.एफ.सी.	5,00,00,000.00	देय आयकर (वेतन)	4,494.00
सवधि जमा खाता-ओ.बी.सी.	3,00,00,000.00	सन्देहास्पद ऋणों के लिए प्रावधान	1,713.00
एच.डी.एफ.सी ब/खा.-ए.न. 03941450000114	2,05,526.00	वी.सी.पी.एफ देय	1,235.00
ओ.बी.सी. (ओजोन) ब/खा.-ए.न. 09312011002678	17,753.00	देय राशि	40,42,824.00
ओ.बी.सी. (पी.आई) ब/खा.-ए.न. 09312011002982	8,20,48,335.00	देय प्रतिभुति जमा	82,88,640.00
ओ.बी.सी. ब/खा.-ए.न. 09312011002654	21,94,352.00	विविध लेनदार	28,90,85,503.00
ओ.बी.सी. (आर.जी.यू.एम.वाई) ब/खा.-ए.न. 09312151009476	5,40,762.00	स्थाई संपत्तियां - कंम्प्यूटर	80,625.00
हस्त नकदी	1,83,352.00	स्थाई संपत्तियां - इलैक्ट्रिकल्स	2,66,850.00
ए.टी.आई. हेतु अग्रिम (पी.आई. के अलावा)	8,79,52,500.00	स्थाई संपत्तियां - फर्नीचर एवं फिक्सचस्	49,350.00
ए.टी.आई. के लिए अग्रिम (पी.आई.)	1,29,77,500.00	स्थाई संपत्तियां - लाईब्रेरी किताबें	38,780.00
सी.आर.आर. कार्यक्रम हेतु अग्रिम	7,20,000.00	स्थाई परिसंपत्तियाँ-कार्यालय उपस्कर	85,416.00
योजना का मूल्याकंन अध्ययन करने हेतु अग्रिम	3,11,000.00	स्थाई परिसंपत्तियाँ:प्रशिक्षण उपस्कर	3,52,310.00
हुपा (एच.यू.पी.ए.) हेतु अग्रिम	4,35,000.00	पूर्व भुगतान व्यय	1,67,278.00
अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय हेतु अग्रिम	10,75,000.00	टी.डी.एस. वसूलनीय/प्राप्तनीय	4,12,693.00
पी.आई. कार्यक्रम खर्चे हेतु अग्रिम	5,76,02,250.00	स्टाफ को अग्रिम	4,63,834.00
आई.पी.एफ.सी. हेतु अग्रिम	25,00,000.00	अन्यों को अग्रिम	39,43,377.00
आई.पी.आर..कार्यक्रम हेतु अग्रिम	5,00,000.00	स्क्योरिटी जमा	17,94,000.00
एस.जे.एस.आर.वाई हेतु अग्रिम	13,50,000.00	यात्रा भत्ता अग्रिम	2,66,440.00
ट्रीड (टी.आर.ई.ए.डी.) कार्यक्रम हेतु अग्रिम	1,80,000.00	बोर्डिगं एवं लोजिंग व्यय	90,31,517.00
साझेदार संस्थाओ-सू.ल.म.उ. हेतु ब्याज	21,61,249.00	व्यवसाय संर्वधन व्यय	8,61,354.00
देय वेतन	81,247.00	कलस्टर कार्यक्रम व्यय	2,88,849.00
उपचित ब्याज	32,32,317.00	कोर्स सामाग्री (प्रशिक्षण) व्यय	7,76,595.00
त्यौहार अग्रिम	1,800.00	मूल्याकंन अध्ययन सू.ल.म.उ.	96,250.00
विविध डैबटरस	7,92,77,025.00	मूल्याकंन अध्ययन एन.एम.डी.एफ.सी.	3,90,000.00
कोर्स शुल्क	93,02,017.00	संकाय यात्रा व्यय	5,37,562.00
ई.डी.सी. आय	30,000.00	विदेश यात्रा व्यय	7,012.00
अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुल्क	2,49,09,586.00	आई.एफ.सी. कार्यक्रम व्यय	14,635.00
मूल्याकंन अध्ययन से प्राप्ति	8,96,280.00	आई.पी.एफ.सी. कार्यक्रम व्यय	87,579.00
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से प्राप्ति	4,10,400.00	आई.पी.आर. कार्यक्रम व्यय	11,240.00
आर.जी.यू.एम.वाई. से प्राप्ति	15,19,000.00	एम.एस.एम.ई.-पी.आई. कार्यक्रम व्यय	82,11,229.00
फर्नीचर एवं फिस्चर की बिक्री	12,526.00	ब्राहय संकाय व्यय	1,04,500.00
वाहनों की बिक्री	29,654.00	प्रचार व्यय (प्रशिक्षण)	48,020.00
ई.एम.टी. किट्स की बिक्री	24,900.00	अनुसंधान एवं प्रकाशन व्यय	2,89,546.00
		दक्षता विकास पी.आई. व्यय	75,000.00
		अध्ययन दौरा व्यय	30,03,527.00

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्ति	राशि (₹)
प्रकाशनों की बिक्री	1,400.00
होस्टल आय	15,55,477.00
अग्रिम के विरूद्ध ब्याज	14,330.00
बचत पर ब्याज	50,48,236.00
कार्यालय किराया आय	10,44,100.00
स्थिर परिसंपत्तियों के बिक्री पर लाभ	43,820.00
भर्ती शुल्क	42,250.00
व्यय वसूली खाता	12,020.00
पूर्व अवधि आय	1,20,272.00

भुगतान	राशि (₹)
निविदा शुल्क	1,00,000.00
वाहन किराया व्यय	1,17,169.00
विज्ञापन	14,562.00
बैंक प्रभार	1,733.00
उपभोग्य वस्तुयें	6,445.00
वाहन व्यय	2,30,039.00
विद्युत एवं जल व्यय	25,13,003.00
विद्युत अनुरक्षण व्यय	94,933.00
जनरेटर व्यय	4,42,123.00
बागवानी व्यय	21,000.00
होस्टल व्यय	94,815.00
हाउस कीपिंग व्यय	67,247.00
बीमा व्यय	21,505.00
पुस्तकालय के लिए जर्नल्स	13,056.00
विधायी एवं व्यावसायिक व्यय	39,356.00
बैठक व्यय	38,169.00
समाचारपत्र और पत्रिकायें	93,315.00
पैट्रोल, आयल और लुब्रिकेटंस	2,70,138.00
डाक व्यय	93,079.00
प्रिटिंग एवं स्टेशनरी व्यय	9,12,397.00
भर्ती व्यय	91,291.00
मरम्मत एवं रख-रखाव (कार्यालय)	19,18,558.00
मरम्मत एवं रख-रखाव (वाहन)	38,560.00
मरम्मत और रख-रखाव (स्थाई संपत्तियां)	3,79,378.00
टेलीफोन व्यय	8,35,946.00
धुलाई व्यय	96,120.00
ए.सी.पी. (स्टाफ एरियरस)	5,21,273.00
मूल वेतन (अधिकारी)	36,97,491.00
मूल वेतन (कर्मचारी)	18,95,656.00
बोनस (कर्मचारी)	69,080.00
सी.पी.एफ अंशदान	17,05,829.00
म.भ. (एरियरस)	1,21,844.00
म.भ. (अधिकारी)	31,77,188.00
म.भ. (कर्मचारी)	16,76,290.00
प्रतिनियुक्ति भत्ता-(महा.)	37,067.00
ग्रेड वेतन (अधिकारी)	8,34,048.00
ग्रेड वेतन (कर्मचारी)	5,00,961.00

प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्ति	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
		स्टाफ को मानदेय	90,500.00
		म.कि.भ.–अधिकारी	13,94,690.00
		म.कि.भ.–कर्मचारी	7,16,033.00
		अवकाश नकदीकरण (स्टाफ)	23,18,704.00
		एल.टी.सी. व्यय	1,46,257.00
		चिकित्सा लाभ व्यय	21,60,493.00
		ओवर टाइम व्यय	5,313.00
		वेतन एवं भत्ते व्यय	3,00,532.00
		विशेष भत्ता	7,500.00
		स्टाफ एवं संकाय विकास व्यय	1,300.00
		स्टाफ कल्याण व्यय	58,850.00
		परिवहन भत्ता (अधिकारी)	1,83,148.00
		परिवहन भत्ता (कर्मचारी)	2,04,773.00
		परिवहन भत्ता (डी.ए.)	2,77,355.00
		अंतशेष	
		कामर्शियल इंटरनेशनल बैंक, मिस्र	42,152.00
		सवधि जमाखाता–ओ.बी.सी.–2654	5,20,00,000.00
		एच.डी.एफ.सी.–ब./खा. ए.न. 03941450000114	2,09,586.00
		ओ.बी.सी. (ओजोन) ब./खा. ए.न. 09312011002678	18,472.00
		ओ.बी.सी. (पी.आई.) ब./खा. ए.न. 09312011002982	54,65,929.00
		ओ.बी.सी. ब./खा. ए.न. 09312011002654	1,62,80,205.00
		ओ.बी.सी.(आर.जी.यू.एम.वाई.) ब./खा. ए.न. 09312151009476	54,421.00
		हस्त नकद	5,42,920.00
योग	**46,06,05,388.00**	**योग**	**46,06,05,388.00**

इसी तारीख की हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

हस्ता/–
सुनील भाटिया
साझीदार
एम. संख्या 16495
की ओर से
डी. भाटिया एंड कम्पनी
चार्टर्ड लेखाकार
पंजीकरण संख्या 000971N

कृते **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान**

हस्ता/–
(विनोद कुमार शर्मा)
लेखा अधिकारी (प्रभारी)

हस्ता/–
(अरुण कुमार झा)
महानिदेशक

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 27 सितम्बर, 2013

परिशिष्ट 'क'

कार्यक्रमों तथा लाभार्थियों की संख्या का विवरण

कार्यक्रम की श्रेणियां	1983-1992		1992-2011		2011-2012		2012-2013		कार्यक्रमों/लाभ-भोगियों की कुल सं.
	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	कार्यक्रमों की सं.	लाभभोगीयों की सं.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम									
क) प्रत्यायन कार्यक्रम:									
i) प्रथम चरण	14	228	33	472	3	58	1	17	
ii) अंतिम चरण	11	130	21	252	2	31	1	8	
ख) उद्यम शुरू करना तथा प्रबंधन	10	160	7	106	–	–	–	–	
ग) लघु उद्यम प्रबंध सहायकों के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	–	–	3	40	–	–	–	–	
घ) स्वैच्छिक संगठनों के परियोजना अधिकारियों के लिए सूक्ष्म उद्यम विकास पर उन्मुखी कार्यक्रम	–	–	3	37	–	–	–	–	
ड.) स्वरोजगार (प्र.म.रो.यो.)/आय-सृजन के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	–	–	17	299	–	–	–	–	
च) परियोजना पहचान, तैयारी, तथा मूल्यांकन	–	–	13	186	3	45	–	–	
छ) ई.डी.पी. नियोजन तथा आयोजित करना	–	–	10	189	1	13	–	–	
ज) एस.आर.डी.टी. संकाय प्रशिक्षकों हेतु टी.टी.पी.	–	–	3	47	–	–	–	–	
झ) लघु व्यवसाय नियोजन और संवर्धन	–	–	4	57	–	–	–	–	
ञ) व्यवसाय सलाहकार प्रशिक्षण	–	–	1	07	–	–	–	–	
ट) उद्यमिता के माध्यम से मानव संसाधन विकास	–	–	2	44	–	–	–	–	
ठ) उद्यमिता विकास में क्षमता निर्माण	–	–	4	49	–	–	–	–	
ड) क्षमता निर्माण कार्यक्रम (निसबड-आई.एफ.सी.)	–	–	–	–	–	–	5	82	
ढ़) संगठन के विकास एवं उत्कृष्टता हेतु अभिनव नेतृत्व	–	–	–	–	–	–	1	20	
योग	**35**	**518**	**121**	**1,785**	**9**	**147**	**8**	**127**	**173/2,577**
2. प्रशिक्षक/प्रोत्साहक उन्मुखी कार्यक्रम									
क) जि.उ.के. और अन्य मध्यवर्गीय प्रबंधन	20	443	8	173	–	–	1	70	
ख) सीडो अधिकारी	12	181	4	63	2	35	–	–	
ग) स्वैछिक संगठनों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	12	1	17	–	–	–	–	

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10
	घ) महिला प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम/आय-सृजक कार्यकलापों का संवर्धन	4	81	7	100	–	–	–	–	
	ड.) आई.आई.टी प्रोफेसरों के लिए उन्मुखी कार्यक्रम	1	8	–	–	–	–	–	–	
	च) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षकोन्मुखी कार्यक्रम/ई.डी.पी. नियोजन एवं आयोजन	11	390	3	87	–	–	–	–	
	छ) औद्योगिक स्वास्थ्य के मूल्यांकन और मानीटरिंग पर पाठ्यक्रम	1	8	–	–	–	–	–	–	
	ज) संभावित उद्यमियों की पहचान तथा चयन की तकनीके	2	33	–	–	–	–	–	–	
	झ) औद्योगिक/व्यवसाय परियोजना मूल्यांकन तकनीकों पर टी.टी.पी	–	–	4	49	–	–	–	–	
	ञ) खादी ग्रामोद्योग आयोग के/सेवा निवृत्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों/ आई.एल.एफ.एस./बेसिल के लिए उद्यमिता उन्मुखी प्रशिक्षण/डी.जी.आर.	–	–	10	189	–	–	1	15	
	ट) उन्नत निष्पादन हेतु निजी प्रभावित क्षमता निर्माण विकसित करना	–	–	10	167	2	30	–	–	
	ठ) उद्यमिता प्रेरणा पर संकाय विकास कार्यक्रम	–	–	13	225	–	–	–	–	
	ड.) एस.एम.ई. प्रबंधन विकास कार्यक्रम/एम.डी.पी.-तनाव प्रबंधन	–	–	9	210	–	–	2	33	
	ढ़) परियोजना पहचान, चयन, नियोजन, अनुसूचीकरण और मानिटरिंग	–	–	6	91	–	–	–	–	
	ण) बौद्धिक संपदा अधिकार	–	–	7	209	–	–	–	–	
	त) स्वयं सहायता समूहों का स्थायीकरण तथा विकास	–	–	2	50	–	–	–	–	
	थ) प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्फूर्ति)/ लीअन मैनुफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धा	–	–	3	50	–	–	–	–	
	द) कार्यशील पूंजी आंकलन और प्रबंधन	–	–	1	13	–	–	–	–	
	ध) व्यवसाय विकास सेवा प्रदायकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/बी.एम.ओ.	–	–	1	25	–	–	1	20	
	योग	**52**	**1,156**	**89**	**1,718**	**4**	**65**	**5**	**138**	**150/3,077**
3.	**लघु व्यवसाय प्रोत्साहक कार्यक्रम**									
	क) लघु व्यवसाय प्रोत्साहकों/उद्यम विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण/नियोज्य कलाएँ	4	66	17	464	–	–	1	20	
	ख) ट्रायसम तथा आई.एस.बी. लाभग्राही/कॉलसैंटर अधिकारी/ उद्यमी मित्र	3	64	11	317	5	135	5	73	
	ग) अ.जा./अ.ज.जा. के प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों के लिए उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण	3	45	–	–	–	–	–	–	
	घ) स्व-रोजगार प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम	1	22	–	–	–	–	–	–	
	ड.) स्वैच्छिक संगठनों की उद्यमिता विकास परियोजनाओं पर उन्मुखी कार्यक्रम	1	6	9	233	1	16	–	–	
	च) डी.डब्ल्यू.ए.सी.आर.ए. कार्यकर्ताओं/कमजोर वर्गों/एस.एच.जी./आई.जी.पी./ सूक्ष्म उद्यम विकास के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम	–	–	44	1,062	4	78	3	55	
	छ) उद्यम सहायता दलों का प्रशिक्षण/ ग्रासरूट प्रबंधन प्रशिक्षण (जी.एम.टी.)-वेमटॉप परियोजना	–	–	36	814	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ज) सूक्ष्म ऋण कार्यक्रम/अभिनव व्यवसाय अवसर	–	–	2	41	–	–	–	–	
ञ) उद्यम विकास के माध्यम से लिंग समानता	–	–	2	120	–	–	–	–	
ट) प्रोत्साहकों के लिए अधिष्ठापन कार्यक्रम (सी.बी.एस.ई.-निसबड-जी.आई.जेड)	–	–	–	–	–	–	1	30	
योग	**12**	**203**	**121**	**3,051**	**10**	**229**	**10**	**178**	**153/3,661**
4. उद्यमिता को बनाये रखने के लिए लघु उद्यम सतत् शिक्षा (एस.ई.सी.ई.पी.)									
क) लघु उद्यमियों के लिए सामान्य प्रबंधन पाठ्यक्रम	2	48	–	–	–	–	–	–	
ख) लघु उद्यम प्रबन्ध कार्यक्रम तैयारी/कार्यान्वयन	1	20	–	–	–	–	–	–	
ग) कार्यशील पूंजी का आकंलन और प्रबन्धन	3	22	6	90	–	–	–	–	
घ) विपणन (निर्यात) के लिए उन्मुखी कार्यक्रम/निर्यात के लिए वैब प्रोमोशन	1	27	17	337	17	214	18	165	
ड.) लघु उद्यमियों के लिए औद्योगिक/ वाणिज्यिक विधि प्रबोधन कार्यक्रम/लघु उद्यमियों के लिए कम्प्यूटर	15	445	1	9	–	–	–	–	
च) रचनात्मक बाधाओं पर पार पाने के लिए रचनात्मकता एवं नवनीतम कलाएँ	–	–	–	–	–	–	1	168	
छ) लघु उद्योगों के लिए वित्तीय नियोजन और नियंत्रण/वित्त कैसे जुटाएँ	4	49	6	63	–	–	1	17	
ज) लघु उद्यमों के विस्तारण, विविधिकरण और आधुनिकीकरण के लिए अवसर तथा सहायता	4	91	1	12					
झ) उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार करना	1	28	2	14					
ञ) लघु उद्यम प्रबंधन सहायता कार्यक्रम (बेयरफुट प्रबंधक)	–	–	2	35					
ट) समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (लघु व्यवसाय तथा उद्योग)	–	–	5	61					
ठ) लघु उद्योगों तथा व्यवसायों के लिए विपणन	–	–	10	106					
ड) लघु व्यवसाय लेखो का प्रबंधन तथा नियंत्रण	–	–	4	46					
ढ) अवसरों का पता लगाना तथा मार्गदर्शन करना	–	–	5	68					
ण) प्रबंधन निर्णयों के लिए विपणन अनुसंधान / सृजक बिक्री तथा प्रभावी विज्ञापन/ प्रभावी विक्रय कला	–	–	10	115					
त) व्यवसाय शुरू करने के लिए बाजार आकंलन पद्धतियां	–	–	2	19					
थ) लघु व्यवसाय हेतु कार्यनीतिक प्रबंधन	–	–	3	19					
द) लघु तथा मध्यम उद्यमों के लिए प्रभावी व्यवसाय संप्रेषण	–	–	5	79					
ध) परियोजना प्रबंधन/परियोजना प्रबंधन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन	–	–	1	10	–	–	4	71	
न) एन.एस.आई.सी. में ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	–	–	2	63	–	–	–	–	
प) उन्नत व्यावसायिक निष्पादन हेतु प्रभावी विपणन नीतियां	–	–	4	57	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
फ) उन्नत उद्यम ग्रोथ एवं विकास हेतु नेतृत्व एवं टीम निर्माण कौशल	–	–	3	40	5	98	1	25	
ब) एच.सी.एल. के नव नियुक्तों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण (एन.आई.आई.टी.)/व्यक्तित्व विकास तथा सम्प्रेषण कलाएँ	–	–	2	59	–	–	1	9	
भ) 8/8 बीयोंडर नेतृत्व/बीयोंडर-I समझ/होल ब्रेन थिकिंग	–	–	–	–	3	29	–	–	
म) वीडियो एडिटिंग तथा साउंड-रिकार्डिंग/ फिल्म प्रोडक्शन एवं डारेक्शन/टीवी. पत्रकारिता	–	–	–	–	3	19	–	–	
य) क्रेता-विक्रेता मीट/रचनात्मकता एवं नवीनता के माध्यम से संगठनात्मक विकास	–	–	–	–	1	25	4	30	
योग	**31**	**730**	**91**	**1,302**	**29**	**385**	**30**	**485**	**181/2,902**
5. विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए उद्यमिता-उन्मुखी कार्यक्रम									
क) एस.आई.एस.आई. के निदेशकों के लिए उद्यमिता में उभरते रूझानों पर कार्यशाला	1	14	–	–					
ख) राज्य स्तर के उच्च/मध्य स्तरीय अधिकारियों के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम	3	102	1	42					
ग) रोजगार कार्यालय निदेशक/श्रमिक विद्यापीठ के अधिकारी	3	41	–	–					
घ) वरिष्ठ अधिकारियों के लिए नैदानिक एवं परामर्शदायी कौशल	1	15	–	–					
ड.) पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्व-रोजगार और उद्यमिता विकसित करने में अनुभवों का आदान-प्रदान करने पर क्षेत्रीय सम्मेलन	3	128	–	–					
च) उत्तर प्रदेश के स्कूल प्रधानाचार्यों/प्रशिक्षकों/ अध्यापकों के लिए उद्यमिता उन्मुखी कार्यक्रम/भागीदार संस्थाएं	1	16	1	17	–	–	4	114	
छ) संस्थानों के अध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों का वार्षिक सम्मेलन-लघु उद्योग मंत्रालय	–	–	2	215					
ज) अभिनव नेतृत्व और भावोत्तेजक समझें/उद्यमिता निष्पादन संवर्धन	–	–	16	288					
झ) आई.आई.टी. के प्रिंसिपल/वरिष्ठ संकाय के लिए क्षमता/सक्षमता निर्माण	4	125	20	323	5	93	5	96	
योग	**16**	**441**	**40**	**885**	**5**	**93**	**9**	**210**	**70/1,629**
6. राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं									
क) विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियां/कार्यशालाएं	17	950	201	10,741	1	35	1	25	
ख) आई.आई.टी., दिल्ली के लिए उद्यमिता विकास पर कार्यक्रम	1	41	–	–	–	–	–	–	
ग) विश्व व्यापार संगठन: लघु उद्योग के मुद्दे तथा समस्याएं	–	–	1	55	–	–	–	–	
घ) विश्व व्यापार संगठन एंव आई.पी.आर./स्फूर्ति/ कलस्टर पर सुग्राही कार्यशाला	–	–	25	1,050	2	55	10	527	
ड.) प्रशिक्षकों की बैठक/से.बो.सै.ए. की ब्रेनस्ट्रोम बैठक/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यापकों की कार्यशालाएँ	–	–	1	68	1	31	3	73	
च) अंतराष्ट्रीय कांफ्रेंस	–	–	1	150	–	–	–	–	
योग	**18**	**991**	**229**	**12,064**	**4**	**121**	**14**	**625**	**265/13,801**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
7. अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और प्रशिक्षण									
क) महिला उद्यमियों के लिए अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	1	42	1	43	–	–	–	–	
ख) उद्यमिता विकास के क्षेत्र में एक माह का व्यक्तिगत प्रशिक्षण	1	1	2	21	–	–	–	–	
ग) लघु व्यवसाय सृजन और विकास पर महिला उद्यमियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम/डब्ल्यू.ई.डी.	5	46	21	264	1	38	1	16	
घ) विदेशी उद्यमिता विकास नीतियां और कार्यक्रम	1	2	1	22	–	–	–	–	
ड.) राष्ट्रमंडल देशों के प्रतिभागियों के लिए उद्यमिता विकास और उद्यमिता दक्षता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2	11	–	–	–	–	–	–	
च) लघु व्यवसाय प्रशिक्षकों/प्रोत्साहकों हेतु उद्यमिता पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (ई.एस.बी.-टी.पी.)	5	49	21	391	1	33	1	37	
छ) व्यवसाय प्रवेशकों हेतु उद्यमिता विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (यूनाडो कार्यक्रम)	1	14	–	–	–	–	–	–	
ज) लघु व्यवसाय नियोजन और संवर्धन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम(एस.बी.पी.पी.)	1	8	20	336	2	37	2	37	
झ) भारत में सूक्ष्म उद्यम विकास पर अनुरोध कार्यक्रम	–	–	5	36	–	–	–	–	
ञ) मामला विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	–	–	1	1	–	–	–	–	
ट) पाठ्यक्रम विकास पर अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	–	–	1	1	–	–	–	–	
ठ) उद्यमिता विकास और आय सृजक कार्यकलापों का संवर्धन (ई.डी.-पी.आई.जी.ए.)	–	–	22	396	1	24	1	20	
ड) व्यवसाय परामर्शक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बी.ए.टी.पी.)	–	–	16	180	1	11	1	12	
ढ) उद्यमिता शिक्षा के माध्यम से मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.-ई.ई)	–	–	5	64	1	28	1	24	
ण) स्वयं सहायता समूहों का स्थायीत्व और विकास (एस.एच.जी.एफ.जी.एस.)	–	–	4	62	1	13	1	18	
त) संगठन की ग्रोथ तथा उनयन्न के लिए अभिनव नेतृत्व (आई.एल.ओ.जी.ई.)	–	–	–	–	1	34	1	40	
थ) लीड लेखा-परीक्षकों एवं परामर्शदाताओं के लिए समग्र क्वालिटी प्रबंधन (टी.क्यू.एम.-एल.ए.सी.)	–	–	–	–	–	–	1	8	
द) अंतरराष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक प्रतिस्पर्दा (आई.एम.जी.सी.)	–	–	–	–	–	–	1	24	
ध) क्लस्टर विकास-सूल.म.उ./उद्यमिता के लिए उभरती रणनीति (सी.डी.ई.एस.-एम.एस.एम.ई)	–	–	–	–	–	–	1	9	
योग	**17**	**173**	**120**	**1,817**	**9**	**218**	**12**	**245**	**158/2,453**
8. उद्यमिता विकास कार्यक्रम/उद्यमिता-सह-कला विकास कार्यक्रम									
क) सामान्य श्रेणी/ई.लॅनिंग माडयूल	27	731	45	1,225	64	1,764	18	457	
ख) महिला उद्यमी	9	262	4	103	–	–	–	–	
ग) विज्ञान और प्रौद्योगिकी युवा/निर्यात	5	107	1	40	–	–	3	71	
घ) एस.ई.ई.यू.वाई/एस.ई.ई.पी.	2	58	14	360	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ड) भूतपूर्व सैनिक/स्वैच्छिक सेवा निवृति योजना कर्मचारी	6	158	8	129	–	–	–	–	
च) स्कूल छोड़ने वाले/विद्यार्थी	1	24	4	132	–	–	–	–	
छ) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्गों के युवा	4	103	2	41	–	–	–	–	
ज) खाद्य/उत्पाद/प्रसंस्करण उन्मुखी ई.डी.पी.	7*	228	110	2,778	–	–	–	–	
झ) एकीकृत उद्यमिता विकास	26*	770	191	4,775	–	–	–		
ञ) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर हार्डवेयर	–	–	39	1,128	–	–	–	–	
ट) कैरियर मार्गदर्शी कार्यशाला/उद्यमिता/कला जागरुकता कार्यक्रम	–	–	140	9,643	–	–	–	–	
ठ) एपीजे डिजाईन संस्थान/जी.जी.एस.आई.पी. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों/एस.बी.आई. के लिए ई.डी.पी.	–	–	3	147	_	_	1	24	
ड.) ब्रिकी/शोरूम प्रबंधन/माल प्रबंधन/खुदरा प्रंबधन	–	–	14	345	44	1,089	89	2,326	
ढ़) विपणन संपर्क	–	–	51	1,249	_	_	_	_	
ण) लेखाकंन और सामग्री प्रबंधन/कम्प्यूटरस लेखाकंन	–	–	37	940	_	_	1	25	
त) सिलाई मशीन आपरेशन/कटाई तथा सिलाई	–	–	350	9,487	_	_	3	50	
थ) मोबाईल रिपेयरिंग	–	–	149	3,463	237	5,947	99	2,584	
द) आर्टिफिसियल जैमस एंड ज्वैलरी/आर्टिफिसियल ज्वैलरी की डिजाईनिंग एवं निर्माण	–	–	19	478	12	254	10	272	
ध) बाय-तकनौलाजी	–	–	20	500	8	200	6	150	
न) वैल्डिगं प्रक्रिया और गुणवत्ता नियत्रंण/बिजली उपकरण मरम्मत	–	–	32	796	46	1,150	139	3,469	
प) एनिमेशन/सी.डी.आई./एंड्रयोड/बिजली यंत्रो की डिजाईनिंग एवं सज्जीकरण	–	–	12	289	_	_	12	305	
फ) होसपिटलिटी/रिशेपशनिस्ट/हाउस किपिंग पर ई.एस.डी.पी.	–	–	113	2,680	29	725	56	1,375	
ब) रूम बॉयज	–	–	8	200	–	–	–	–	
भ) वेस्ट यूटीलाईजेशन/मशरूम जुताई	–	–	12	323	2	50	10	265	
म) डैस्कटॉप पब्लिशिंग	–	–	4	100	238	5,933	52	1,454	
य) ट्रैक्टर/दो पहिया मरम्मत	–	–	6	140	4	100	26	667	
i) कपड़ा ड्राफ्टिंग एवं निर्माण	–	–	–	–	8	196	2	35	
ii) सौदंर्य एवं हेल्थकेयर/कॉसमिटोलौजी	–	–	–	–	22	533	21	525	
iii) वैब डिजाईनिंग	–	–	–	–	53	1,406	156	4,067	
iv) फैशन डिजाईनिंग	–	–	–	–	123	3,079	71	1,863	
v) चमड़ा उत्पाद/फूटवियर डिजाईनिंग	–	–	–	–	18	450	4	84	
vi) प्रो-इंजीनियरस् के साथ सी.ए.डी.	–	–	–	–	32	800	_	_	

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10
vii)	इल्कट्रोपलेटिंग/इलक्ट्रोनिक मैकनिक	–	–	–	–	4	100	7	157	
viii)	टैली के साथ कंम्प्यूटर ऐकुटिंग	–	–	–	–	89	2,225	137	3,610	
ix)	खेल का सामान	–	–	–	–	4	100	–	–	
x)	पावर सप्लाई, इनवर्टर एवं यू.पी.एस./ बैट्रीज की मरम्मत तथा रखरखाव	–	–	–	–	24	603	163	4,070	
xi)	पंलम्बर एवं सैनटरी फिटि्ग्स	–	–	–	–	6	150	68	1,703	
xii)	टी.आई.जी./एम.आई.जी. वैलडिंग	–	–	–	–	5	125	6	133	
xiii)	मोडलिंग एवं पैट्रन कटिंग/निर्माण	–	–	–	–	2	50	7	157	
xiv)	खाद्य प्रसंस्करण	–	–	–	–	38	953	106	2,552	
xiv)	सी.ए.डी. के साथ इंजीनिरिंग ड्राईंग	–	–	–	–	4	102	–	–	
xvi)	टी.वी. मरम्मत	–	–	–	–	2	50	25	549	
xvii)	वायरमैन प्रशिक्षण	–	–	–	–	2	50	6	134	
xviii)	सी.ए.डी./सी.ए.एम./सी.एन.सी. प्रोग्रामिंग	–	–	–	–	24	600	61	1,584	
xix)	फिटर फैब्रिकेशन/सामान्य फिटर रख-रखाव	–	–	–	–	4	100	34	789	
xx)	इंटीरियर डिजाईनिंग	–	–	–	–	3	75	7	156	
xxi)	सुरक्षा गार्डस	–	–	–	–	4	100	10	276	
xxii)	कंम्प्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग	–	–	–	–	233	5,829	158	4,157	
xxiii)	सी.एन.सी. लैथ वायर कट मिलिंग	–	–	–	–	4	100	2	50	
xxiv)	एप्रैल निर्माण एवं मरचैनडाईनिंग	–	–	–	–	1	5	2	50	
xxv)	कंम्प्यूटर-बेसिक	–	–	–	–	2	11	4	78	
xxvi)	कंम्प्यूटराइज्ड एम्ब्रायडरी प्रकिया	–	–	–	–	3	75	–	–	
xxvii)	ए.सी., रेफ्रीजिरेटर तथा वाटर कूलर की मरम्मत	–	–	–	–	–	–	71	1,826	
xxviii)	ऑटो बॉडी पेनटिंग	–	–	–	–	–	–	4	120	
xxix)	बेकरी उत्पाद	–	–	–	–	–	–	4	101	
xxx)	सी. सी$^{++}$ एवं ओ.ओ.पी.एस.	–	–	–	–	–	–	83	2,207	
xxxi)	बढ़ईगिरी	–	–	–	–	–	–	2	42	
xxxii)	कोर जावा/जावा एवं जे.2ई.ई./ जावा द्वारा ओ.ओ.पी.एस.	–	–	–	–	–	–	19	557	
xxxiii)	डेयरी	–	–	–	–	–	–	2	46	
xxxiv)	डीजल फ्यूल इंजक्शन	–	–	–	–	–	–	93	2,295	

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10
xxxv)	डिजिटल विपणन/माइक्रो-स्ट्रिप पेच एंटीना डिजाइन एवं तकनीकें	–	–	–	–	–	–	3	44	
xxxvi)	.नैट प्रौद्योगिकी/एम्बैडिड प्रणाली	–	–	–	–	–	–	2	43	
xxxvii)	ड्राटस्मैनशिप	–	–	–	–	–	–	44	1,136	
xxxviii)	फिनिशिंग तथा पैकिंग सुपरवाईजर	–	–	–	–	–	–	3	64	
xxxix)	ग्लास कटिंग एवं पोलिशिंग	–	–	–	–	–	–	4	90	
XI)	होजरी एवं ऊनी कपडे	–	–	–	–	–	–	4	89	
Xli)	लाईनक्स प्रशासन	–	–	–	–	–	–	2	43	
Xlii)	एम.सी.पी. तथा सी.सी.एन.ए.	–	–	–	–	–	–	4	104	
Xliii)	मेहंदी	–	–	–	–	–	–	2	30	
Xliv)	मोटर एवं ट्रांसफर्मर रिवाईडिंग/मोटर वाईडिंग	–	–	–	–	–	–	6	135	
Xlv)	मोटर वाईडिंग एवं पम्पसैट मरम्मत	–	–	–	–	–	–	45	1,153	
Xlvi)	एम.एस.ऑफिस एवं इंटरनेट/एम.एस.ऑफिस एवं इंटनरेट-सह-क्योसक आपरेटर /एम.एस. आफिस एवं नेट/एम.एस.ऑफिस उपयोग एवं इंटरनेट	–	–	–	–	–	–	6	152	
Xlvii)	मल्टीमिडिया तथा एनिमेशन	–	–	–	–	–	–	18	502	
Xlviii)	कार्यलय क्मयूनिकेशन/कार्यलय प्रबंधन	–	–	–	–	–	–	3	45	
Xlix)	ओरक्ल/पी.सी.बी./पी.एल.सी./वी.एच.डी.एल.	–	–	–	–	–	–	4	76	
L)	रूटिंग टेक्नोलॉजी सी.सी.एन.ए.	–	–	–	–	–	–	6	150	
Li)	शीशे पर स्क्रीन पेंटिग तथा हस्त पेंटिग	–	–	–	–	–	–	1	21	
Lii)	एस.क्यू.एल. सर्वर डैटाबैस प्रशासन	–	–	–	–	–	–	14	380	
Liii)	टूल एवं डाई निर्माण	–	–	–	–	–	–	4	88	
Liv)	टूर आपरेट्रस	–	–	–	–	–	–	6	133	
योग		**87**	**2,441**	**1,388**	**41,491**	**1,398**	**35,079**	**2,041**	**51,945**	4,914/1,30,956
9.	**उद्यमिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा**	3	45	–	–	–	–	–	–	
योग		3	45	–	–	–	–	–	–	3/45
कुल योग		271	6,698	2,199	64,113	1,468	36,337	2,129	53,953	6,067/1,61,101

* इसमें महिलाओं के लिए एक उद्यमिता विकास कार्यक्रम शामिल हैं (34 लाभग्राही)

** इसमें महिलाओं के लिए दो आई.ई.डी.एम.पी. कार्यक्रम शामिल हैं (57 लाभग्राही)

परिशिष्ट 'ख' संगठनात्मक चार्ट

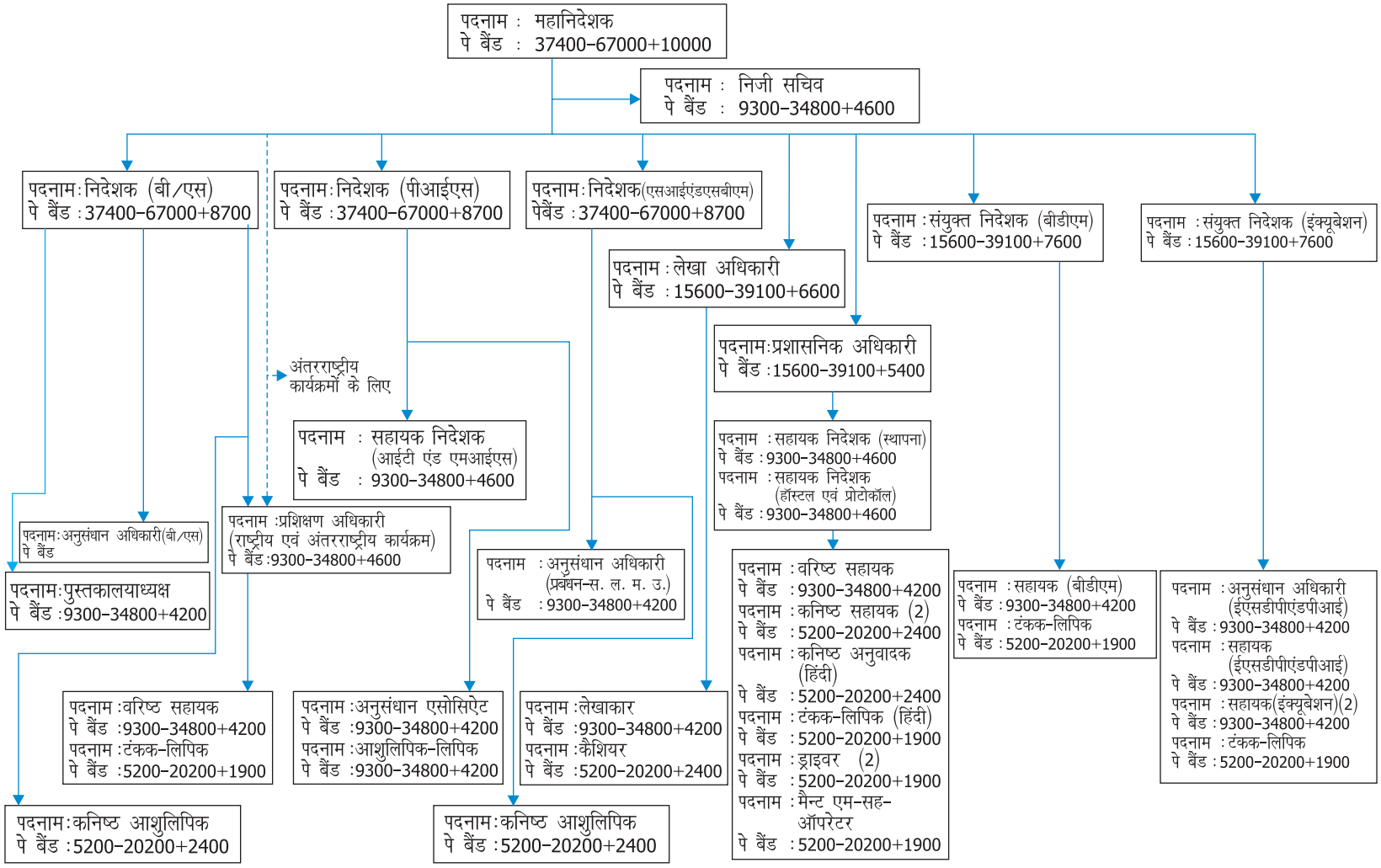

इसके अलावा, संस्थान में 06 एम.टी.एस. हैं। संस्थान विभिन्न विशेषज्ञों की सेवाएं जब भी जरूरत हो, कॉन्ट्रेक्ट आधार पर करता है।

प्रदर्शक-1 पिछले तीन वर्षों में राज्य-वार प्रशिक्षण कार्यक्रम

क. 2010-11

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
उत्तर प्रदेश	496	14401
उत्तराखंड	62	1686
राजस्थान	31	774
ओडिसा	62	1550
दिल्ली	103	2755
बिहार	30	746
मध्य प्रदेश	68	1811
पश्चिम बंगाल	30	750
पंजाब	16	400
झारखंड	8	200
गोवा	1	14
महाराष्ट्र	1	27
हरियाणा	12	300
तमिलनाडु	6	150
गुजरात	8	200
हिमाचल प्रदेश	4	100
योग	**938**	**25864**

ख. 2011-12

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
उत्तर प्रदेश	693	16968
हरियाणा	98	2424
छत्तीसगढ़	2	50
पंजाब	56	1400
उत्तराखंड	60	1516
गुजरात	38	950
मध्य प्रदेश	39	987
हिमाचल प्रदेश	27	670
पश्चिम बंगाल	126	3125
दिल्ली	74	1852
राजस्थान	45	1132
झारखंड	115	2879
बिहार	87	2184
जम्मू एवं कश्मीर	8	200
योग	**1468**	**36337**

ग. 2012-13

राज्य	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
राजस्थान	89	2630
ओडिसा	91	3100
दिल्ली	81	1950
बिहार	218	6820
मध्य प्रदेश	104	3200
पश्चिम बंगाल	186	4249
पंजाब	84	2100
झारखंड	253	6815
हिमाचल प्रदेश	48	1200
हरियाणा	125	3620
उत्तर प्रदेश	692	13559
गुजरात	101	3210
चंडीगढ़	21	300
छत्तीसगढ़	36	1200
योग	**2129**	**53953**

निसबड : 50 कंपनियां देंगी नौकरियां

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु कारोबार विकास संस्थान (निसबड) द्वारा प्रशिक्षित किए गए छात्रों को 50 से ज्यादा कंपनियां नौकरी देने आएंगी। इसके लिए निसबड द्वारा 14 जून को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो चुके छात्रों के अलावा दिल्ली-एनसीआर के सभी छात्र भाग ले सकते हैं।

निसबड के इस रोजगार मेले के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 10 जून से शुरू होगी। 14 जून को होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद एम. जगन्नाथ और दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव डीएम सपोलिया शामिल होंगे। निसबड के महानिदेशक अरुण कुमार झा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस संबंध में निसबड के संयुक्त निदेशक सुनील भारद्वाज ने बताया कि रोजगार मेले में रिटेल मैनेजमेंट, होटल एंड हॉस्पिटेलिटी, फैशन डिजाइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, ट्रेवल एंड टूरिज्म, कंप्यूटर, हार्डवेयर नेटवर्किंग, डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी), वेब डिजाइनिंग, एसी-वाटर कूलर-रैफ्रीजरेटर रिपेयरिंग, इलैक्ट्रिकल एप्लाइंसेज और मोबाइल रिपेयरिंग जैसे क्षेत्रों से जुड़ी कंपनियां इंटरव्यू के आधार पर चयन करेंगी।

एनआईईएसबीयूडी: रोजगार मेले का आयोजन

निसबड का जॉब पोर्टल दिलाएगा नौकरी

निस्बड की बैठक में पुस्तक का लोकार्पण

लघु उद्योगों का हुनर सीखने पहुंचे विदेशी

स्वरोजगार की राह आसान बनाएंगे

नोएडा(ब्यूरो)। यदि आपने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय वि... संस्थान (निसबड) से प्रशिक्षण लिया है और आपको स्वरोजगार ... स्थापना में मुश्किल आ रही है तो घबराने की जरूरत नहीं। प्रशि... की सहायता के लिए निसबड ने नेहरू युवा केंद्र से हाथ मिलाया ... केंद्र के को-ऑर्डिनेटर्स निसबड से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लोगों ... आसान करने में मदद करेंगे।

NIESBUD national seminar

The National Institute for Entrepreneurship and Small ...

Trends in Social Entrepreneu... Opportunities'. The seminar ... ASEED, was organised with ... effective strategies and avo... creating stable, sustainable ... ventures. The two-day even... participa...

RECRUITERS' MEET

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIEBSUD), engaged in entrepreneurship development and promotion of small businesses through training, research and consultancy interventions and functioning under the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), which organised a recruiters' meet at its campus recently. The day-long meet was attended by the representatives of 54 companies/firms including McDonald's; Pizza Hut; Haldiram's; Pantaloon; Devyani Food Chain; Godrej Kitchen, etc. A total of 618 participants earlier trained by the institute in different skills/trades registered for the event, out of which 237 were provided on-the-spot offer of employment.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

कार्यशाला में मिले युवाओं को नौकरियों के प्रस्ताव

नेशनल दुनिया

रोजगार

- तकरीबन 50 कंपनियों ने लिया हिस्सा
- इंजीनियरिंग क्षेत्र का वेतन आकर्षक

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फार एन्टरप्रिन्योरशिप एंड स्माल बिजनेस डेवलपमेंट (निस्बड) में शुक्रवार को आयोजित रोजगार कार्यशाला में युवाओं की भीड़ जुटी। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों की 50 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कई युवाओं नौकरियों के प्रस्ताव भी दिए ...। जिसके तहत वेतन का रेंज पांच ... से साढ़े सात हजार के बीच रखा गया ..., जबकि इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए ज्यादा आकर्षक वेतन रखा गया था।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल काउंसिल ... स्किल डेवलपमेंट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ...

कार्यशालाएं युवाओं के लिए काफी लाभप्रद होती हैं। इससे युवाओं को प्रशिक्षण के अलावा जाब भी हासिल होती है लिहाजा, संस्थानों द्वारा इस तरह के कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता रहना चाहिए।

निस्बड के डायेक्टर जनरल (महानिदेशक) अरुण कुमार झा ने बताया कि इंस्टीट्यूट द्वारा एन्टरप्रिन्योरशिप को बढ़ावा ... लिए प्रशिक्षण ...

उद्यमिता विकास कार्यक्रम 23 से

सं, नोएडा : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार (निसबड) द्वारा महिलाओं के लिए 15 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम निसबड के सेक्टर-62 स्थित कार्यालय में 23 दिसंबर से छह जनवरी तक चलेगा। इसमें महिलाएं खुद व्यापार कैसे शुरू करें, इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण सीडी के माध्यम से दिया जाएगा। इसमें पहले दिन निजी व्यवसाय शुरू करने के तरीकों के बारे में बताने के साथ बैंक सहायता व जिला उद्योग केंद्र की भूमिका के बारे में जानकारी दी जाएगी। 13 दिन ... 15वें दिन निसबड ...

निसबड दिलाता रोज़गार के मौके

इंजीनियर-प्रबंधक सकेंगे उद्यमिता के ...

'उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ती जा रही चुनौतियां'

स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देगा निसबड

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) नेहरू युवा केंद्र संस्थान के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देगा। ट्रेनिंग 17 से 19 दिसंबर तक दी जाएगी। इसके अंतर्गत स्वयंसेवकों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय की राजीव गांधी उद्यमी मित्र योजना के बारे में बताया जाएगा।

'ब्लू कॉलर जॉब' का दिया प्लेटफार्म : अरुण

नोएडा (ब्यूरो)। 'हमने नोएडा में 'ब्लू कॉलर जॉब' (छोटी व मध्यम दर्जे की नौकरी) के लिए एक नया प्लेटफॉर्म दिया है। यहां बेरोजगारों को सीमित वेतन पर नौकरी मुहैया कराने के लिए आमंत्रित किया गया।' यह कहना है निसबड के महानिदेशक अरुण कुमार झा का। उन्होंने कहा कि इस रोजगार मेले के जरिये लो स्केल जॉब के इच्छुक छात्रों को एक बेहतरीन मार्केट उपलब्ध कराया गया है। यहां पहुंची कंपनियां छह से 15,000 रुपये तक की नौकरी ऑफर करने आईं। छोटे पैकेज पर नौकरी दिलाने की पहले से ही योजना थी। छात्रों ने भी इस ऑफर को हाथों हाथ लिया।

केवल निसबड के प्रशिक्षितों को ही मौका

रोजगार मेले में बेरोजगारों की भीड़ तो जमकर उमड़ी लेकिन यहां सिर्फ निसबड से प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों को ही मौका देने की बात पर गैर प्रशिक्षितों को मायूसी हाथ लगी। आलम यह रहा कि बीटेक और एमबीए डिग्रीधारक भी पहुंचे लेकिन साक्षात्कार का मौका नहीं मिलने पर मायूस हो गए।

रोजगार मेले में उमड़ा युवाओं का रेला

नोएडा (ब्यूरो)। राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान में शुक्रवार को युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। साक्षात्कार के बाद शाम तक इनमें से कई कंपनियों ने जॉब ऑफर किया। निसबड के अधिकारियों के मुताबिक छात्रों के सर्टिफिकेट जांचने के बाद साक्षात्कार के लिए 618 छात्रों का रजिस्ट्रेशन किया गया। पहले सत्र में 28 कंपनियों के प्रतिनिधि कैंपस में पहुंचे।

महिलाओं को उद्यमी बनाएगा निसबड

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) की ओर से महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका मकसद गृहणियों को अपने निजी व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करना है। 15 दिवसीय इस कार्यक्रम में महिलाओं ...

NIESBUD holds two-day seminar

THE NATIONAL Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD) organised a two-day national seminar on 'Emerging trends in social entrepreneurship : challenges and opportunities' at its Noida Campus on April 12-13. Held in association with the Asian Society for Entrepreneurship Education and Development, the seminar had Shyam S. Dubey, Chief Controller of Accounts, Ministry of Commerce and Industry as one of its key speakers.

CONTENTS

69 Introduction

71 Entrepreneurial and Skill Training

73 Training Activities (2012-13)

85 Other Activities (2012-13)

91 Initiatives (2012-13)

95 Organisation and Management

101 Services and Information

105 Financial Position

106 Auditors' Report and Annual Accounts (2012-13)

122 *Appendix 'A'* : Statement of Number of Programmes and Beneficiaries

130 *Appendix 'B'* : Organisational Chart

The Campus

Chapter - 1 INTRODUCTION

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD); registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860) and set-up by the then Ministry of Industry (now Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises), Government of India, started its operations from 6th July, 1983. The basic objectives of the Institute are to create entrepreneurial culture amongst the youth and to act as an apex organization for supporting similar Institutes in the Government and private sector as well. The Institute also provides support for sustenance to MSMEs through building/strengthening their capabilities in the era of liberalization, privatization and globalization.

1.1 The major activities of the Institute include :

- Assessing training needs as well as gaps therein and accordingly facilitating organizing of training programmes.
- Orienting youth towards entrepreneurship.
- Offering advice and consultancy to other Institutes engaged in entrepreneurial training either in Government or in Private Sector.
- Promoting research and development activities in the area of entrepreneurship and in MSME sector.
- Advising Government (both Central & State) and foreign Governments in the area of entrepreneurship and MSMEs.
- Conceptualizing, designing and standardizing course curriculum for entrepreneurship and skill development programmes.
- Offering consultancy services in the area of entrepreneurship and MSMEs.
- Undertaking documentation and disseminating information related to entrepreneurship/ enterprise development;
- Preparing and publishing literature and information material related to entrepreneurship/ enterprise development/MSMEs.
- Providing forum for interaction and exchange of views/experiences for different groups mainly through seminars, workshops, conferences etc;
- Studying problems and conducting researches/ review studies etc. for generating knowledge for accelerating the process of entrepreneurship development culminating into establishment of new economic ventures;
- Evolving, designing and helping use of various media for promoting the culture of entrepreneurship among different strata of society.
- NIESBUD plays a supportive and catalytic role by helping organizations which are directly or indirectly engaged in developing and promoting entrepreneurship and self employment in the country.

The Institute's training activities are focused on areas of stimulating, supporting and sustaining entrepreneurship development. The programmes initiated/sponsored by NIESBUD are constantly evaluated and revised to enable it to adapt to the changing needs for entrepreneurship and small business development. The Institute is engaged in creating an environment conducive to the development of entrepreneurship and in creating a favourable attitude amongst the general public in support of those who opt for an entrepreneurial career by removing the prevalent misconceptions.

1.2 The announcement of various employment generation schemes by the Government, aimed at creating employment opportunities for the unemployed youth both in rural as well as urban areas, has thrown up new challenges to the Institute to demonstrate its crucial role in propagating self-employment by bringing out Model Syllabi, Manuals for Beneficiaries and Instructors, preparation of innovative training aids, organizing Training of Trainers etc.

1.3 The programmes of the Institute were largely Government funded, as entrepreneurship and skill development is a promotional and industrial extension activity. However, keeping in tune with the changing times and in consonance with the Government's policy, the Institute through concerted efforts, has been able to achieve and sustain financial self-sufficiency through organizing more programmes; enhancing the conduct of market driven fee-based training activities; increasing sales of training materials and reducing relative administrative expenditure.

1.4 The direction and guidance to the Institute is provided by its Governing Council whose Chairman is the Hon'ble Minister of Micro, Small & Medium Enterprises and Vice-Chairman is the Secretary to the Government of India, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises. The Executive Committee consists of nine Members including three Nominated Members with the Secretary (MSME) as Chairman, Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) as its Vice-chairman and the Director General of the Institute as its Member-Secretary. The policies and decisions of the Governing Council are executed through the Executive Committee.

1.5 The Institute has provision of faculties who have to be senior and experienced professionals with specialization in the areas of Entrepreneurial Competency & Motivation; Project Identification & Formulation; Finance and Credit; Small Enterprise Management; Women Entrepreneurship; Intellectual Property Rights; Marketing Management and Entrepreneurial Education. The Institute is taking steps for appointing the faculties at an early date. The faculty members are ably assisted by a panel of guest faculty/ specialists.

1.6 The Institute is operating from an integrated Campus in Sector-62, NOIDA, NCR, Delhi.

Our aspirations are limited
only by our imaginations

Chapter - 2 ENTREPRENEURIAL AND SKILL TRAINING

The Micro, Small and Medium Enterprises play a crucial and decisive role in the economic development of a country whether developed or developing. In view of different socio-economic roles played by the units in these sectors, these have been appropriately termed as "*Engine of Growth*" of an economy. Their role has become more pronounced in the present turbulent times. It would be no exaggeration to state that almost all the economies of the world are looking towards these sectors for succor and emancipation.

And India is not an exception. An almost stagnant agricultural production; low growth in manufacturing sector coupled with almost negligible employment generation and the service sector not registering the desired growth rates, all make the Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Sector, the best bet in the prevalent difficult economic situation.

2.1 The MSME Sector has been truly described as the backbone for inclusive growth and sustainable development of our country. The Sector, also correctly perceived as, the *"nursery of entrepreneurship"*, contributes 8% to the country's GDP, 45% to the manufacturing output and more than 36% towards exports. It also provides employment to over 80 million persons through around 36 million enterprises producing over 6,000 products.

2.2 Besides, the demographic dividend being enjoyed by the nation at present, needs to be suitably harnessed into a "*blessing*". 653 million workforce by 2031 with more than 200 million youth entering the labour force by 2025 could be an envious position for any progressing economy giving it a unique structural advantage/edge over the others.

2.3 The paramount necessity, as of today, undoubtedly, is *"enterprise creation"* and *"skill training"*, the latter besides creating jobs for the growing battery of unemployed also supplementing the MSME Sector through providing skilled force. There could not be any other best form of "*inclusion*".

2.4 Accordingly, the Government of the day, has been laying due emphasis upon setting up of micro and small units by unemployed persons and providing enabling environment to the units in MSME Sector by extending comprehensive package of services ranging from training and hand-holding support followed by credit, marketing and technological support. The allocation of funds to the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), the nodal agency for accelerating entrepreneurial efforts and sustenance of the Sector, has been doubled from around Rs. 11,000 crore in 11th Plan to around Rs. 24,000 crore during 12th Plan. The Ministry, through its flagship Scheme, Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) Scheme has set a target of establishing over 100 new enterprises per district every year in all the more than 650 districts of the country.

2.5 The past experience has shown that it is quite possible to develop self-employment, income-generation and economic ventures through planned efforts. The need of appropriate training for ensuring a higher success rate among prospective beneficiaries has also been demonstrated repeatedly. This requires specialized competencies on the part of promotional change agents which can be developed through training interventions.

2.6 In view of the vital role played by skill training both in "Enterprise Creation" and improving "Employability", the Government evolved and is implementing Skill India Mission with a target of skilling/up-skilling 500 million youth by 2022. Establishing the National Skill Development Corporation (NSDC), setting up of National Council on Skill Development (NCSD), efforts for establishing a National Skill Development Authority as an attached office of the Planning Commission for boosting skill training programmes across India with the help of private sector, evolving the National Skill Qualifications Framework (NSQF); operationalization of Sector Skill Councils and launching of National Skill Certification and Monetary Reward Scheme aiming at training a million youth every year and providing for a maximum reward of Rs. 10,000/- subject to conditions etc., will definitely prove to be milestones in achieving the stipulated target of skill training.

The Practical Orientation

2.7 The Ministry of MSME through its specialized institutions and field organizations is to provide training to 15 million persons by 2022 with about 4.2 million being trained during 12th Plan.

Skill Training

Chapter - 3 TRAINING ACTIVITIES (2012-13)

The Institute being an apex body in the area of promotion of entrepreneurship and small business development, offers innovative training packages for different target groups – entrepreneurs, trainers, promoters, development functionaries etc. In order to maintain their effectiveness, the training programmes of the Institute are so designed as to meet the specific training requirements of each target group. The course contents of the programmes are continually revised to keep them in tune with the changing environment. The Institute also periodically reviews the emerging economic/entrepreneurial scenario for introduction of relevant and beneficial training programmes having contemporary values.

Besides its regular training activities, the Institute also conducts tailor-made training programmes as per the requests received from various organizations/ agencies designed to cater to their specific training requirements.

3.1 The training programmes organized by the Institute during the year stood at 2,129 which benefitted 53,953 persons. This was 45% higher in terms of the number of the programmes and 49% as regards the number of the beneficiaries. There was an overall increase in activities across all categories.

Box 3.1 Number of Training Programmes

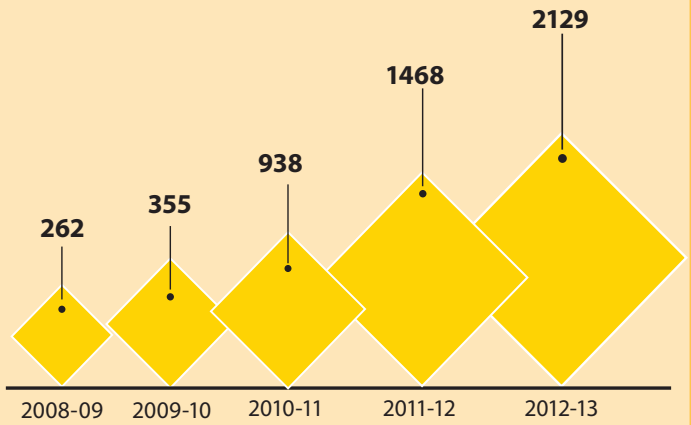

The Institute has conducted 2129 training programmes during 2012-13 in comparison to 1468 activities organised during 2011-12.

3.2 This impressive performance during the year had been made possible by adoption of progressive and innovative policies by the Management of the Institute aimed at expansion and diversification of its multifarious activities also drawing upon the strength of collaborative organizations at times. While majority of the training programmes were organized by the Institute itself in different States/U.T., 184 activities were organized through Partner Institutions (PIs) of the Institute under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme.

3.3 Continuing with its emphasis on providing training/ orientation to trainers/promoters/officials of support organizations/heads of departments/ senior faculty etc., the Institute organized 32 training programmes for 653 participants during the year. While majority of these training activities were sponsored, organized at the request of the concerned organizations, many of the programmes were market-driven self-paid programmes.

3.4 Commencing operations under its Memorandum of Understanding with the International Finance Corporation (IFC), a Member of the World Bank Group, the Institute organized a series of 04 Trainers' Capacity Building Programmes at NOIDA, Pune, Guwahati and Ahmedabad, during the year. The four programmes attended by 69 trainers/promoters/consultants aimed at improving the competencies of the participants so that they could discharge their roles in an effective manner. Besides, an Alumni Meet for the participants of the first batch was also organized during the year. Similarly, the Institute organized two training activities for office bearers of the identified Business Membership Organizations (BMOs) under its Memorandum of Understanding with GIZ. While the first of the two activities was a 2-days' Workshop, attended by officials of Industry Associations from across the country, the second was a 5-days' Capsule Programme for the Secretariat of these Associations under the guidance of an International Expert from Germany.

3.5 The training programmes (05) for Udyami Mitras under the Rajiv Gandhi Udyami Mitra Yojana (RGUMY); Officials/Functionaries of the Sericulture Department (03), Hosangabad, Madhya Pradesh and Capacity Building of Principals and Senior Faculty of Industrial Training Institutes (ITIs), were attended by a total of 224 persons.

Besides, the Institute organized a series of 03 Trainers' Training Programmes (TTP) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of Ministry of MSME for providing orientation to 87 Coordinators/Faculty of its Partner Institutions and Infrastructure Providers so that they could execute the programmes under the Scheme effectively.

3.6 In order to provide momentum to the entrepreneurial movement, the Institute developed an E-Learning Module of Entrepreneurship Development Programme for the larger benefit of persons especially students who, for variety of reasons, are not in a position to attend full time EDP Course in formal settings. The Module launched in the states of Gujarat, Uttar Pradesh and Rajasthan during the year, saw 457 persons being enrolled and certified under the Module. The Institute also launched its specially designed Project Management Training and Certification Module suitable for Indian conditions during the year. It is a universal

truth that majority of the time and cost overruns can be eliminated through orientation of the persons responsible for planning/execution of different Projects being rolled out by Government Agencies, Corporates and Not-for Profit Organizations.

3.7 The year saw a series of 03 Pilot Orientation Workshops being organized for 73 teachers from different schools affiliated with the Central Board of Secondary Education (CBSE) under the Assistance to Training Institutions (ATIs) Scheme of the Ministry of MSME. Besides, the Institute organized a series of 10 Awareness Workshops on Intellectual Property Rights (IPRs) in different Industrial Clusters under the auspices of O/o the DC (MSME).

3.8 The efforts of the Institute to increase supply of skilled manpower to industry saw commencement of Skill Training Programmes of Swarna Jayanti Shahri Rojgar Yojana (SJSRY) under the auspices of Samajik Suvidha Sangam : Mission Convergence, Government of NCT of Delhi. The 17 programmes, each of three months duration in different trades/skills, are being attended by 425 participants from the identified categories. Besides, the Institute organized a Pilot Entrepreneurship Development Programme (EDP), as a part of initiative of the State Bank of India to conduct demand oriented EDPs across the country, which was attended by 24 persons. The participants of the programme were inter-alia briefed by the officials from SBI about the Bank's Schemes, Products etc. aimed at SMEs. The Directorate General of Resettlement's (DGR) sponsored Entrepreneurship Development Programme during the year, saw participation by 15 retiring personnel from the three wings of the armed forces.

3.9 Continuing with its emphasis on designing and conducting market driven fee-based Skill Training Programmes, the Institute organized a total of 96 such Entrepreneurship-cum-Skill Development Programme (ESDPs) during the year which were attended by 1924 persons. The programmes on Food Processing, Computer Accounting with TALLY, Computer Hardware & Networking and Desk Top Publishing, elicited the maximum response.

3.10 The programmes for existing/prospective entrepreneurs and their executives under the Institute's Small Enterprise Continuing Education Programme (SECEP) for Sustaining Entrepreneurship saw a series of 18 training programmes on Export Procedure and Documentation and 04 programmes on Organizational Growth Through Creativity and Innovation which were attended by 165 and 30 persons respectively.

3.11 The Institute during the year organized 1,923 Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME which were attended by 49,469 persons. The programmes ranging from 100 hours to 300 hours covered a total of 64 different trades including 23 vocations in which the programmes were organized for the first time during the year. The majority of the Programmes were organized by the Institute itself in the States of Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal. As majority of these activities were off-campus programmes, these were regularly monitored for maintaining their effectiveness. A notable feature of these activities was following a standardized course curriculum as recommended by the Core Group on Standardization.

Graph 3.1 Number of Persons Trained

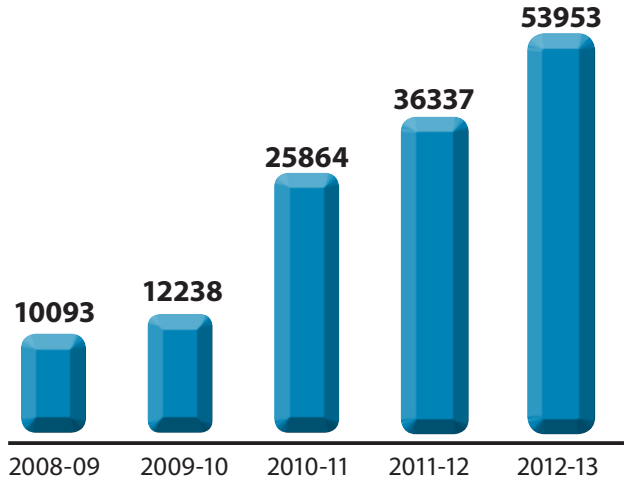

3.12 The 12 International Training Programmes organized by the Institute during the year were attended by 245 participants hailing from 54 different countries. The programmes conducted inter-alia included one Request Programme on Small Business Planning and Promotion (SBPP) for 09 Officials of the Colombo Plan Secretariat and 03 programmes on Total Quality Management for Lead Auditors & Consultants (TQM-LAC); International Marketing & Global Competitiveness (IMGC) and Cluster Development – Emerging Strategy for MS&ME/ Entrepreneurship (CDES-MSME) which were introduced by the Institute, during the year.

3.13 The succinct details of the training activities organized by the Institute during 2012-13, are presented below: -

3.13.1 TRAINING OF TRAINERS/PROMOTERS

The Institute being a national level entrepreneurial body, has been doing its might in augmenting availability of trained trainers/promoters in the country who in turn impart training to the beneficiaries directly or are responsible for providing support services. In this manner, the objective is to have a cascading effect of the activities of the Institute. The

requirement of such trainers/promoters has, of late, been growing for obvious reasons : the increasing number of persons opting for entrepreneurial careers and the entrepreneurial training being insisted upon as a pre-requisite for grant of benefits under different Government Schemes. The primary objective of these training activities is to develop/strengthen the capabilities of the trainers/promoters in different aspects so that they could perform their respective roles effectively.

In pursuance of the Memorandum of Understanding earlier signed with the International Finance Corporation (IFC), a Member of the World Bank Group, the Institute organized a series of 04 Trainers' Capacity Building Programmes at different locations during the year. The 69 participants of these activities earlier went through a rigorous selection process. The training programmes at NOIDA; Pune: Guwahati and Ahmedabad organized with the basic objective of building entrepreneurial and business skills of MSMEs/Trainers in India, were based upon Business Edge™ Programme of IFC which has so far been used to upgrade the skills and certify more than 1,000 business skill trainers in over 30 countries. An Alumni Meet for the first batch of the trainers was also organized during the year which dwelt upon the issues being faced by 13 trainers and assessors and provided refresher training on assessment to both the trainers and assessors.

The Participants of NIESBUD-IFC ToT Programme organised at Dehradun with Ms. Poonam Sinha, Head, Regional Centre, Dehradun and Ms. Shrawani Srivastava, Sr. Consultant

The Institute organized 02 Accreditation Programmes for Entrepreneurial Motivation Trainers during the year. The programmes one each of the First and Final Phase were attended by 25 participants. The successful completion of the Final Phase of the Programme saw 08 participants being accredited as Trainers by the Institute. A one-week training programme on Innovative Leadership for Organization Growth & Excellence was organized with the primary objective of acquainting the participants with the basic roles/techniques of leadership and their application in the growth and expansion of an organization. The programme was attended by 20 participants including a group of 12 Officials of O/o the DC (MSME). The other participants of the programme were drawn from NSIC, KVIC, Canara Bank and STC.

In order to provide orientation to the trainers/promoters, senior executives etc. as how to optimize the available time; prioritize different items of the work and avoid work related stress for achieving optimum results, the Institute designed and conducted two batches of training programme on "Stress and Time Management". The two programmes organized at Dwarka, Gujarat and Goa were attended by 33 participants. While the 11 participants of the first batch and 9 of the second were the officials sponsored by O/o the DC (MSME), the second programme also saw participation by 13 senior officials from different PSUs and Corporates.

Following its Memorandum of Understanding (MOU) with GIZ aimed at Capacity Building of Business Membership Organizations (BMOs) in India under the MSME Umbrella Programme, the Institute, in association with GIZ, organized a 5- days' training programme for the Secretariat of the BMOs. The 20 participants of the programme were provided orientation in the areas of association management; revenue generation; access to public support schemes; advocacy and business responsibility.

The Institute specially designed and organized a 2-days' Orientation Programme on Export Procedure and Documentation for 70 members of various Industry Associations registered with the District Industry Centre (DIC), Gautam Budh Nagar, U.P.

In accordance with an understanding reached with the Directorate General of Resettlement (DGR), Ministry of Defence, the Institute, in active association with the Dream Whistlerz Entertainment Pvt. Ltd., organized a training programme on Small/Rural Entrepreneurship at its Campus during the year. The 16 weeks' programme attended by 15 personnel, sponsored by the DGR representing all the three wings of the armed forces – Air Force, Army and Navy, turned out to be very intense. The programme was organized with the objective of bridging the gap between the temperament and consciousness of the participants and the practical requirements for establishing and running an economic venture.

3.13.2 ORIENTATION PROGRAMMES FOR DEVELOPMENT OFFICERS

The importance of providing continuous orientation to functionaries of Support Organizations, in different facets of promotion of entrepreneurship cannot be over-emphasized. The role of these change agents in promoting entrepreneurial culture among the desired target groups, becomes crucial owing to their direct first interaction with the prospective beneficiaries.

The Institute has been conducting different Orientation/Refresher training activities for these functionaries so as to enhance their capabilities in accomplishing the assigned jobs in an effective and efficient manner. The year 2012-13 saw a total of 10 such activities being organized with a combined participation of 178 persons.

The Institute organized 05 Training Programmes for 73 Udyami Mitras under the Rajiv Gandhi Udyami Mitra Yojana (RGUMY) of the Ministry of MSME. The programmes sponsored by the Ministry of MSME were organized with a view to provide an overview of the Scheme, Roles & Responsibilities etc. to the participants so that they are in a better position to discharge their functions effectively.

A series of three Orientation Programmes for 55 Officials/Functionaries of the Sericulture Department, Hoshangabad, Madhya Pradesh was organized during the year. The programmes aimed at capacity building of the participants to bridge the gaps on people's perspectives so as to enable them to perform their respective roles effectively.

A section of the participants of the MDP on Export-Import Procedures & Documentation, at the Institute

The Institute, in association with the Central Board of Secondary Education (CBSE) and GIZ organized a 3-days' Induction Training Programme in New Delhi for officials of CBSE-NIESBUD-GIZ Sanitation and Knowledge Development Cell. The programme organized with the basic objective of making the participants aware of the importance and techniques of sanitation and health/ hygiene especially in the Schools across the country, was attended by 30 persons drawn from CBSE, NIESBUD, GIZ, ESF, Disaster Management, Delhi University, Delhi Jal Board and teachers from different Schools.

Besides a specially designed programme on Employability Skills was organized which inter-alia covered the areas of English Language, Entrepreneurship, Communication Skills, Quality Tools and Occupational Safety.

3.13.3 SMALL ENTERPRISE CONTINUING EDUCATION PROGRAMME (SECEP) FOR SUSTAINING ENTREPRENEURSHIP

For providing sustenance to micro and small enterprises and to make such units a viable entity, the Institute has been conducting training programmes for practicing entrepreneurs through its Small Enterprise Continuing Education Programme (SECEP). Under this category, short duration programmes are offered so as to build in-depth knowledge and acquire working skills in critical functional areas of management of the enterprises. Besides 04 training programmes on Project Management Training and Certification for 71 persons as explained subsequently, the Institute organized 26 training programmes for 414 persons under the category, during the year.

The year saw a series of 18 training programmes on Export-Import Procedure & Documentation being organized by the Institute which were attended by 165 existing/prospective entrepreneurs, senior executives of MSMEs, consultants, etc. The one-week training programmes inter-alia included the topics of Formation of Export Organization, Foreign Trade Policy & International Environment, Selection of Product & Country, Incoterms 2010, Terms of Payment & Letter of Credit, Export Finance & FEMA, Documentation, Internet Marketing & E-Commerce etc.

A series of 04 training programmes on Organizational Growth Through Creativity and Innovation was attended by 30 participants. The programme on Personality Development & Communication Skills saw participation by 09 school students/pass-outs. The day-long orientation programme on "How to Raise Finance" for MSMEs saw participation by 17 MSME owners/ executives/consultants. The training programme on Leadership was attended by 25 officials who were

impressed upon the crucial role of leadership and aimed at strengthening the leadership qualities of the participants for ensuring development of their respective organizations.

The Institute organized a one-day orientation programme on Creativity and Innovative Strategies for Overcoming Blocks to Creativity. The programme was organized at Dehradun for the fresh recruitees of the Oil & Natural Gas Commission (ONGC). It aimed at understanding creative process for innovation & excellence and helped the participants to identify their respective blocks which prevented them from being creative and innovative. During course of the orientation, the participants were able to identify their blocks and work out strategy for overcoming them through group exercise(s). The event was found quite enriching by the 168 participants who were about to enter a new phase of life through joining their respective duties in various parts of the country.

3.13.4 ORIENTATION PROGRAMMES FOR HODs/ SENIOR FACULTY/ EXECUTIVES

The Institute has been providing orientation to the Head of Departments and Senior Faculty/Executives of different organizations, both in Governmental and Non-governmental Sectors. The objective of these activities is to update/upgrade the knowledge/ understanding of the participants in their respective areas of functioning to imbibe a sense of confidence and impart effectiveness to their operations.

The Institute during the period organized a series of 05 Capacity Building Programmes for 96 Principals and Senior Faculty of ITIs which were earlier identified by the Ministry of Labour & Employment, Government of India, under the Scheme of "Upgradation of 1396 Government ITIs Through Public Private Partnership". The participants of these programmes hailed from the States of Jammu & Kashmir, Uttar Pradesh, Haryana and Arunachal Pradesh. The Principal of an ITI being a focal point where the entire range of activities relating to the Scheme converge, there is a paramount need of the Principals alongwith the Senior Faculty Members of these ITIs being familiarized with the novel features of the Scheme through conduct of capacity building/ orientation programmes.

The Institute organized a series of 03 Orientation Programmes for Programme Directors/Faculty of the Partner Institutions (PIs) and Infrastructure Providers of the Institute. The programmes organized under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME, provided orientation to 87 persons on different facets of organizing training activities under the Scheme including the objectives, different Schemes for entrepreneurship development and as to how to motivate students to take up entrepreneurial career.

Besides, an orientation programme on Teaching Methodologies was organized for 27 principal Faculty of the Partner Institutions of the Institute. The 3-days' Programme was organized with the basic objective of apprising the participants with contemporary teaching techniques; handling of aids/tools in rural/far-flung areas; administering different post-training Assistance Schemes effectively like RGUMY, PMEGP etc. so that they are in a better position to motivate/guide the participants to self-employment.

3.13.5 CONFERENCES, SEMINARS AND WORKSHOPS

During the year, 14 events with 625 participants were organized by the Institute under the category. The Institute, in association with the Central Board of Secondary Education (CBSE), organized a series of three 3-days' each Pilot Orientation Workshops for Teachers which were attended by 73 teachers from 40 different schools affiliated with the Board. The Workshops under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME, were organized with the basic objective of providing orientation to the Teachers in making the teaching of Entrepreneurship as a subject to the students, effective and meaningful. The course curriculum of these specially designed events inter-alia included topics like virtues of entrepreneurship; qualities of an entrepreneur and how to set-up an enterprise. Based upon the outcome of the Pilot Orientation Workshops, more such programmes are expected to be organized in near future.

The Institute, in association with GIZ, organized a two-days' Workshop for 25 officials of 15 Industry Associations from across the country. The BMOs/ Industry Associations serve as a critical link between entrepreneurs, Government and other stakeholders in an economic environment. They can be very effective facilitators and delivery channels to meet the needs of the enterprises such as Credit, Business Development Services (BDS), Public Support Schemes etc.

The Institute organized a series of 10 Awareness Workshops on Intellectual Property Rights (IPRs) in different Industrial Clusters for the benefit of units operating in these Clusters. These Workshops under the auspices of O/o the DC (MSME) organized at Meerut, Saharanpur, Ahmedabad, Panipat, Varanasi, Agra, Jaipur, Lucknow, Ambala and Ferozabad, were attended by a total of 527 cluster actors. These were organized with the basic objective of creating an awareness among the participants about the crucial importance of different IPR tools in expansion and sustenance of the business operations.

Afghanistan

Armenia

Argentina

Bangladesh

Bhutan

Botswana

Colombia

D R Congo

Ethiopia

Fiji Islands

Ghana

Guinea Bissau

Guinea

Indonesia

3.13.6 INTERNATIONAL TRAINING PROGRAMMES

The Institute is empanelled with the Ministry of External Affairs, Government of India for conducting International training programmes under the India Technical & Economic Cooperation (ITEC) and other Fellowship Schemes of the Ministry. The Institute generally organizes 10-12 International Training Programmes in a year.

Generally, the 8–weeks' training programmes are aimed at equipping the participants with the necessary techniques, methodologies etc. to enable them to perform their duties of training/promotion of promoters/ small business effectively in their respective countries. The nominations to these training programmes are received from the Ministry of External Affairs, Government of India under ITEC/SCAAP and Colombo Plan Fellowships.

Besides its announced training programmes, the Institute also conducts tailor-made training programmes on requests received from different International organizations/agencies, sovereign Governments etc. One such special programme on Small Business Planning and Promotion (SBPP), was organized by the Institute during the year for 09 participants from the Colombo Plan Secretariat.

During the year 2012-13, the Institute conducted 12 International training programmes with 245 persons drawn from 54 countries which also provided a unique opportunity of sharing the varied Indian experiences in development of entrepreneurship among different sections of the society.

Continuing with its tradition of designing and organizing training programmes in upcoming and contemporary areas, the Institute introduced three new training programmes during the year on TQM-LAC; IMGC and CDES-MSME which saw participation by a total of 41 participants.

A brief description of the twelve programmes conducted during the year, is given below:-

3.13.6 (a) Business Advisors' Training (BAT)

The Institute's seventeenth training programme on BAT was attended by 12 enterprising persons from Bhutan, Ethiopia, Iraq, Laos, Malawi, Mauritius, Myanmar, Nigeria and Zimbabwe. The 8-week long training programme was conducted with the objectives of providing insights into diagnosing the critical issues of enterprise management; strengthening the awareness about policies and programmes for small enterprises;

Malawi

Iran

Iraq

Ivory Coast

Jamaica

Kenya

Kyrgyzstan

Kazakhstan

Lao PDR

Lesotho

Lithuania

Madagascar

Maldives

sharpening the skills of business counselling etc. In order to supplement the classroom teaching, the participants were taken on study visits to different small scale units and support organizations in the cities of Agra, Delhi, Jaipur and Chandigarh.

3.13.6 (b) Human Resource Development and Entrepreneurship Education (HRDEE)

The Institute organized its seventh International training programme on HRDEE, during the year. The 8-weeks' training programme meant for Senior Officials, Executives and Consultants engaged in entrepreneurial and managerial education, was conducted with the basic objectives of making the participants understand the process of human resource development and its relationship with entrepreneurship; stimulating entrepreneurial qualities and motivation for innovations; developing capabilities and abilities for creating and managing ventures/ organizations and formulating action plan for HRD intervention through entrepreneurship. The programme was attended by 24 participants from Ghana, Iraq, Kyrgyzstan, Laos, Lithuania, Malawi, Mauritius, Nigeria, Sierra Leone, Sri Lanka, Tanzania, Uzbekistan and Zimbabwe.

3.13.6 (c) Small Business Planning and Promotion (SBPP)

The twenty-second International training programme on SBPP conducted by the Institute during the year, was keenly attended by 28 participants from Argentina, Bangladesh, Laos, Lithuania, Malawi, Mauritius, Myanmar, Namibia, Nigeria, Papua New Guinea, Russia, Sierra Leone, Sri Lanka, Sudan, Tajikistan, Tanzania, Togo, Uganda and Zimbabwe. In order to provide comprehensive coverage to the programme, the entire course content was divided into seven major modules - Small Business Creation, Small Business Planning, Appraising Small Business Opportunity, Entrepreneurial Qualities for Small Business Entrepreneurs, Small Business Management Skills, Small Business Promoters' Role & Functions and Field Visits to a number of small business enterprises and industrial ventures besides visits to a variety of support organizations in the States of Rajasthan, Uttar Pradesh and Haryana in addition to Delhi.

3.13.6 (d) Formation, Growth and Sustenance of SHGs (SHGFGS)

Sri Lanka

Realizing the growing importance of establishing Self-Help Groups (SHGs) in the promotion of entrepreneurship and economic activities among different strata of the society especially women, the Institute organized its sixth International Trainers' Training Programme on

Mauritius

Mongolia

Myanmar

Namibia

Nepal

Nigeria

Niger

Oman

Papua New Guinea

Russia

Serbia

Sierra Leone

Slovakia

South Africa

Sudan

Syria

Tajikistan

Tanzania

Togo

Tunisia

Uganda

Uzbekistan

Vietnam

Yemen

Zambia

Zimbabwe

SHGFGS. The 8-weeks' programme was conducted with the basic objective of acquainting the participants with the process of group formation and techniques for sustenance and growth of SHGs. The training programme was enthusiastically attended by 18 participants hailing from 13 different countries of Bangladesh, Botswana, Ethiopia, Jamaica, Laos, Mauritius, Myanmar, Papua New Guinea, Russia, Sri Lanka, Sudan, Tajikistan and Zimbabwe. During the course of the programme, the participants were given an opportunity of learning from the Indian experiences and the approaches being deployed for development of SHGs and SMEs.

3.13.6 (e) Request Programme for Colombo Plan Secretariat : Small Business Planning and Promotion (SBPP)

The 4-weeks' International training programme on SBPP was organized at the request received from the Colombo Plan Secretariat. The programme was attended by 09 officials of the Secretariat drawn from 06 different countries : Fiji, Indonesia, Iran, Maldives, Nepal and Sri Lanka. The programme was organized with the basic objective of developing the capability of the participants in guiding/assisting the potential young entrepreneurs to set up their respective micro/small units and advising the existing ones to expand, modernize or diversify their economic operations for growth and development. The Indian experiences in developing the micro and small business were extensively shared with the participants who hailed from similar socio-economic backgrounds.

3.13.6 (f) Entrepreneurship and Promotion of Income Generation Activities (EPIGA)

The training programme on EPIGA was attended by 20 participants coming from 11 countries namely Bangladesh, Botswana, Ethiopia, Guinea Bissau, Ivory Coast, Kenya, Malawi, Russia, Sri Lanka, Uganda and Zimbabwe. The programme was conducted with the objectives of developing insights into the process of entrepreneurship development for income generation; developing abilities for identification and selection of appropriate micro enterprises and imparting knowledge/skills for designing/planning techniques for identifying, creating, developing and running micro enterprises.

3.13.6 (g) Women and Enterprise Development (WED)

The training programme on WED was attended by 16 participants from D.R. Congo, Fiji, Guinea Bissau, Ivory Coast, Myanmar, South Africa, Sri Lanka,

One of the International Participants receiving the Certificate after successful completion of the Programme

Uzbekistan and Zimbabwe. The 8-weeks' programme was designed to help the participants become effective trainers/promoters/ counsellors in the area of women entrepreneurship development for encouraging more and more women to take up economic activities in their respective countries. The programme largely focused on women entrepreneurship development with special reference to creating and sustaining small enterprises being run by women, coming from different economic strata of the society. The curriculum of the programme paid special attention to Gender Issues in Enterprise Building; Micro Credit; Formation of Self Help Groups for Rural Women, Rural Marketing etc.

3.13.6 (h) Entrepreneurship for Small Business Trainers/ Promoters (ESB-TP)

The training programme on ESB-TP, was attended by 37 participants representing Bhutan, Ethiopia, Ghana, Guinea Bissau, Guinea, Indonesia, Ivory Coast, Lao PDR, Lithuania, Malawi, Mauritius, Myanmar, Niger, Nigeria, Sri Lanka, Tajikistan, Tanzania, Vietnam, Yemen, Zambia and Zimbabwe. The programme was designed to enable trainers and promoters from developing countries to acquire an understanding of the entrepreneurship development process, learn designing and conducting EMT (Entrepreneurship Motivational Training) for prospective entrepreneurs, acquire skills for identification of potential entrepreneurs and use appropriate selection techniques/tools for locating them, understand the dynamics of enterprise launching; scanning of opportunity; project

formulation; appraisal and mobilizing resources, gain capability of guiding the beneficiaries in managing their enterprises successfully and develop insights into planning and extending support to them in setting up their enterprises. The curriculum of the programme inter-alia included topics of Emotional Intelligence, BPR and IT Applications.

3.13.6 (i) Innovative Leadership for Organization Growth and Excellence (ILOGE)

The Institute organized its second 8-weeks' International training programme on ILOGE during the year. The programme was enthusiastically attended by a total of 40 participants coming from 23 different countries of Afghanistan, Bangladesh, Bhutan, Colombia, Ethiopia, Indonesia, Kazakhstan, Kenya, Lesotho, Lithuania, Madagascar, Mauritius, Myanmar, Niger, Nigeria, Oman, South Africa, Sri Lanka, Tajikistan, Tunisia, Uganda, Uzbekistan and Zimbabwe. The programme was designed with the basic objective of developing the participants as leaders/innovators with regard to generation of ideas; art of understanding problems and designing, formulating and implementing the development schemes and programmes for different target groups. The programme inter-alia focused upon developing positive orientation and professional skills for ensuring growth, excellence and sustenance of the organizations.

3.13.6 (j) Total Quality Management for Lead Auditors & Consultants (TQM-LAC)

The Institute designed and successfully organized its first 4-weeks' International training programme on TQM-LAC. The programme was attended by 08 officials from 05 different countries : Mongolia, Tanzania, Uzbekistan, Yemen and Zimbabwe. The programme was organized with the basic objective of providing a complete picture of the ISO : 9000 certification process at the international level; developing understanding and applying relevant international quality management standards; applying the quality management systems principles, methodologies and techniques; planning and conducting an audit in accordance with the international guidelines; gathering objective evidence via various methods and learning various quality standard concepts such as Statistical Techniques, 5 S, Business Process Re-engineering (BPR), CMM, Six Sigma and other TQM interventions.

3.13.6 (k) International Marketing & Global Competitiveness (IMGC)

The 5-weeks' first International training programme on IMGC was attended by 24 officials from 15 different countries : Afghanistan, Bhutan, Ethiopia, Fiji, Lithuania, Mauritius, Mongolia, Serbia, Sierra Leone, Slovak, Sudan, Syria, Tanzania, Uzbekistan and Zimbabwe. The programme was organized with the basic objective of sharing Indian and International experiences on competitiveness; acquiring knowledge and skills for export marketing; understanding the policies and planning for facilitating international marketing and formulating action plan for global competitiveness.

3.13.6 (l) Cluster Development – Emerging Strategy for MS&ME/ Entrepreneurship (CDES-MSME)

The Institute's first 5-weeks' International training programme on CDES-MSME saw participation by 09 participants hailing from Armenia, Ghana, Mauritius, Oman, Serbia, Tanzania and Zimbabwe. During the course of the programme, the participants besides being introduced to the basic concepts were also familiarized with diverse Indian experiences in cluster development, cluster strategies for developing small businesses, process of cluster development and different stake- holders involved in the process. In order to provide practical orientation, the participants were taken on visit to different industrial clusters. Towards the end of the programme, each of the participants could prepare an Action Plan for cluster development in their respective countries.

3.13.7 ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAMMES (EDPs)

In order to promote entrepreneurial culture among different target groups especially the students, the Institute has been organizing Entrepreneurship Development Programmes (EDPs). These activities

are also able to introduce different nuances of Entrepreneurship among the participants.

Apart from enrolling 457 students under 18 different programmes of its newly introduced E-Learning Module on EDP, as explained subsequently, the Institute organized the State Bank of India's Pilot Entrepreneurship Development Programme (EDP) in NOIDA which was attended by 24 residents of Delhi and NOIDA. The programme was organized as a part of an initiative by the Bank to conduct industry specific EDPs based on demand across country. Such programmes will be organized as a part of the Bank's developmental activities aimed at promotion of micro and small enterprises in the concerned Regions. After successful completion of the programme, the participants were also hand-held towards providing support for setting up their own enterprises.

Besides, 03 capsule programmes on Entrepreneurship and Exports were organized during the year for 71 students. While the two 2-days' each, programmes were organized for 50 final year students of Master of Business Administration (MBA) of Vidya Business School; Meerut, a 4-days' capsule programme on Entrepreneurship and Scope of Exports from Bihar was organized for 21 students of Master of Science, Central University of Bihar, Patna.

3.13.8 ENTREPRENEURSHIP – CUM – SKILL DEVELOPMENT PROGRAMMES (ESDPs)

The Institute has been organizing Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME. These training activities ranging from 100 hours to 300 hours are organized in small towns and rural areas all over the northern region.

During the year, the Institute organized 1,923 ESDPs for 49,469 beneficiaries under the Scheme. This included 538 training programmes with 11,841 participants which were commenced during the last fiscal but completed during the year 2012-13. The training programmes spread over 13 States of Bihar, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand and West Bengal were predominantly organized by the Institute itself.

The training programmes covered more than 60 different trades/vocations with the chief ones being AC Refrigerator & Water Cooler Repair (71); C, C++ & OOPs (83); CAD/CAM (58); Computer Accounting with TALLY (137); Computer Hardware & Networking (158); Diesel Fuel Injection Technician (93); Electrical Gadget Repair (100); Fashion Designing (71); Food Processing (86); Housekeeping and Hospitality (50); Mobile Repairing (99); Plumbing and Sanitary Fittings (68); Repair and

The participants of one of the ESDPs

Maintenance of Power Supply, Inverter and UPS (163); Retail Management (89) and Web Designing (156). In order to ensure effective mobility of the trained persons across different geographical locations, the training programmes followed a Standardized Course Curriculum at all the places.

In consonance with the Government's Policy, the Institute laid due emphasis on training of the persons from different disadvantaged sections of the society. Accordingly, 3,550 Women; 10,683 SCs; 8,132 STs; 680 Minorities and 3,053 OBCs were provided training under the Scheme, during the year.

The existing monitoring mechanism for ensuring effectiveness of these off- campus training activities was further strengthened during the year through adoption of the additional measures. Besides, the Executives of the MSME Call Centre also periodically called up the participants for getting their feedback on the activities.

After completion of the training, the participants of the programmes were duly assisted in setting up of micro enterprises and/or in finding gainful wage-employment across different industrial sectors as explained subsequently.

Besides the ESDPs under the ATI Scheme, the Institute has been organizing such paid market-driven programmes with high-employability potential. Such programmes are generally organized for new pass-outs from schools/colleges who are on look-out for appropriate employment opportunities. The Institute organized 96 such training activities for 1,924 participants during the year. The majority of the programmes were organized in different places in collaboration with associates of the Institute.

3.14 A statement showing the total number of training programmes organized by the Institute since inception and the total number of beneficiaries under different categories, is at *APPENDIX – A*.

Foreign Delegations at the Institute

The Institute played host to the following delegations/visits to its Campus during the year: -

- A high level 17 member delegation from Malawi (April 11,2012) for exploring the possibility of collaboration for promotion of entrepreneurship and development of MSMEs in Malawi.
- A team of 10 Senior Officials from Kandahar Provincial Governorate, Afghanistan (April 12, 2012) on an exploratory visit to India, evinces keen interest in utilizing the services of the Institute in carrying out the Industrial Potential Survey of Kandahar and establishment of an Entrepreneurship Development Centre in the Province.
- A three-member study team from the Empowerment and Enterprise Development Division of the DTI (EEDD), Government of South Africa, (May 22, 2012) holds discussions on a wide range of subjects/issues covering policy framework for the informal sector; the regulatory environment; support programme including marketing, incentives and training etc; federal Government support to provincial agencies and private sectors etc.; technology, economic intelligence and incentives etc.; chambers support; support of exclusive financial institutions and support mechanism.
- A two-member team from Social Development Unit of the World Bank (July 20, 2012) seeks assistance of the Institute in identifying probable areas/projects relating to women entrepreneurship which could be financed by it under the auspices of the Government of India.
- A nine member delegation of the officials of Kenyan Institute of Business Training (KIBT); Export Promotion Council (EPC) of Kenya and MSMEs and LSEs (September 13, 2012) discusses organizing of orientation programmes for faculty and senior officials of the KIBT; development of course curriculum for different categories and faculty exchange programme between the two.
- A high-level team from South Africa headed by the Deputy Minister of Trade and Industry (DTI) (November 15, 2012) solicits advice of the Institute in promoting skill development in South Africa.
- A two-Member delegation from the Kenya Export Promotion Council accompanied by the First Secretary (Political), Kenya High Commission, New Delhi (February 25, 2013) is advised about different measures which could be taken by the Council for increasing exports from Kenya including setting up of trade/ industry specific Export Promotion Council(s) in Kenya.

The multi-farious activities

4.0 CLUSTER INTERVENTIONS

The Cluster Approach for development of MSME Sector has been found to be very cost effective, the world over. The Institute has been actively involved in undertaking developmental programmes (Soft and Hard Interventions) in Clusters in different capacities. The Institute has so far handled a total of 24 Industrial Clusters.

The year witnessed the Institute, as an Implementing Agency, again inviting tenders for setting up of Common Facility Centre (CFC) at Scissors Cluster, Meerut. After conclusion of the process, work of providing/installing Plant and Machinery on turn-key basis, for the Centre, was awarded to M/s. Oriental Collection, Kanpur. The Institute also approached O/o the DC (MSME) for release of Government's share towards setting up of the Centre.

The Institute, as a part of its marketing initiatives for different Clusters, participated in the India International Trade Fair (IITF), 2012. The products of the four Clusters : Scissors Cluster, Meerut; Brassware Cluster, Moradabad; Bonecraft Cluster, Loni and Textile Printing Cluster, Pilakhuwa were showcased during the Fair. This provided an opportunity to the Cluster Actors to have direct interaction with the prospective buyers and develop market linkages. It also provided an opportunity to the artisans to familiarize themselves with the marketing trends/expectations of the clients especially the international ones. It also orientated the cluster actors towards product diversification in consonance with the contemporary practices.

The Institute held an interactive session in the Plastic Packaging Material Cluster, Ghaziabad as a part of the Impact Assessment Study of MSE CDP by Price Water Cooper. The Institute with a view to optimize and maximize the benefits of the Cluster Website *(www.craftvilla.co.in),* transferred its operations and maintenance to the Answer Welfare Society, Moradabad. The Website was earlier developed by the Institute under the auspices of O/o the DC (MSME).

The Detailed Project Reports (DPRs) prepared by the Institute for the Textile Printing Cluster, Pilakhua and Ingot Making Brass Cluster, Moradabad were considered and approved by the Steering Committee of MSE-CDP with some minor observations. With regard to DPR for Setting up of Tool Room Facilities in Brass Cluster, Moradabad, the Committee felt that the Project needs to be revised to include Rapid Proto-type Machines and Design Facility.

4.1 RESEARCH

The year saw the Reports being finalized and submitted under Impact Evaluation Study of the Schemes - Term Loan and Micro Finance of the National Minorities Development & Finance Corporation (NMDFC), Ministry of Minority Affairs and Evaluation of the Dairy Project of Kripal Shikshan Sansthan, Haridwar, Uttarakhand under the Support to Training and Employment Programme (STEP) for Women, Ministry of Women and Child Development.

Shri K.H. Muniyappa, the Hon'ble Minister of State (Independent Charge), MSME being received at the Stalls of the Institute by one of the Cluster Actors during IITF, 2012

The Office of Development Commissioner (MSME), through the process of competitive bidding, awarded to the Institute the work of evaluating its different Schemes with basic purpose of ascertaining their effectiveness for their continuation during the 12th Five Year Plan. The Institute finalized and submitted the Draft Reports of the evaluation of these Schemes during

the year : Design Clinic for Design Expertise to MSME Sector; National Awards ; Building Awareness on IPRs for MSMEs; MSME-Technology Development Centre (TDC) : Central Footwear Training Institutes (CFTIs) : Agra and Chennai; MSME – TDC : Process-cum-Product Development Centre (PPDC), Meerut and Trade Related Entrepreneurship and Development (TREAD).

The Ministry of Women and Child Development, Government of India awarded to the Institute the work of evaluation of another two projects under STEP, during the year. The work of evaluation was completed and Draft Reports of the two projects: Dairy Project being implemented by Jan Kalyan Sansthan, Nagaon, Assam and Handicraft Project of Venus Vikas Sansthan, Lucknow, U.P. were submitted by the Institute. Similarly, the Institute completed the work of Verification of Beneficiaries assisted under different Schemes (2010-11) of the National Minorities Development & Finance Corporation and submitted the Report of Verification to the Corporation, during the year.

The year saw the Institute being appointed as the Third Party Assessment Agency (TPAA) by the Department of Public Enterprises, Ministry of Heavy Industries & Public Enterprises, Government of India, for evaluation of the performance of the Nodal Agencies under Scheme of Counseling, Retraining and Redeployment (CRR) for Separated Employees of CPSEs.

The Institute has also been awarded by the National Buildings Organization, Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation, the work of evaluation of its ongoing Scheme of Urban Statistics for HR & Assessments (USHA) for continuation of the Scheme during 12th Five Year Plan. The Institute is to also evaluate ISO-9000/ISO-14001/HACCP Certification Reimbursement Scheme as being operated by O/o the DC (MSME).

The Institute initiated discussions with the Delhi Mumbai Industrial Corridor (DMIC) Development Corporation Limited towards engagement as Technical Service Provider towards Establishment of Skill Development Institutions (SDIs) in the DMIC Region as the Institute emerged as the lowest Bidder for the purpose in the competitive bidding process.

4.2 SCHEME OF ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CENTRES THROUGH PARTNER INSTITUTIONS

The Institute with a view to increase the outreach of its training activities, empanels grass-root level organizations, engaged in educational

activities including those pertaining to entrepreneurial education/development and have adequate infrastructure, competent/experienced faculty and financial viability for conduct of different training activities, as its Partner Institutions under the Scheme of Entrepreneurship Development Centres through Partner Institutions.

The Executive Committee of the Institute, during the year, advised the Institute to exercise care in empanelling its Partner Institutions in order to ensure quality of the programmes being organized through them and also to do due diligence to ensure that only credible institutions are taken on board as Partner Institutions. Further, the Institute was advised by the Committee to explore possibilities of enlisting reputed organizations like IIT and such institutes/organizations as Partner Institutions.

The Institute empanelled the following two organizations as its Partner Institutions under the Scheme, during the year: -

- Sharda Educational Trust (Sharda University), Agra, Uttar Pradesh
- Dash Infotech, Bharatpur, Rajasthan

Besides, the Indian Institute of Management (IIM), Ranchi, was taken as the Institute's deemed Partner

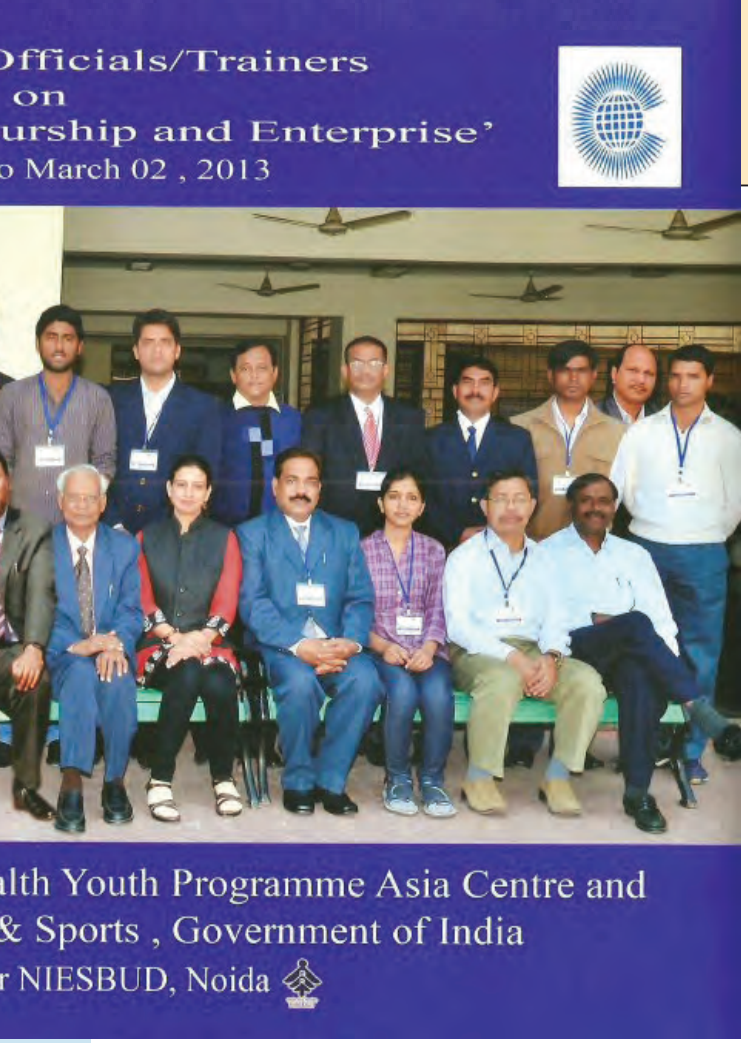

Institution. The year also saw Rattan Singh Charitable & Education Society being allowed, at its request, to withdraw from the Scheme. Thus the Institute has a total of 41 Partner Institutions under the Scheme as on March 31, 2013.

The Institute, during the year, organized 184 Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) for 4,750 beneficiaries through the Partner Institutions (PIs) under the Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme of the Ministry of MSME.

4.3 CAPACITY BUILDING

In order to strengthen the capabilities of other institutions, both Governmental and NGOs for effectively undertaking different entrepreneurial activities thus boosting the entrepreneurial culture across different sections of the society and also to enlarge the outreach of its own activities, the Institute collaborated with following institutions, during the period, for assisting them in their respective entrepreneurship education programmes: -

- Co-operation Agreement with the International Finance Corporation (IFC), a member of the World Bank Group, as a sequel to MOU earlier executed with it, detailing the modalities for organizing Training of Trainers (TOT) Programmes for strengthening the training skills of MSME Trainers so that they are in a better position to impart training and thus facilitate sustenance of this vital sector of the Indian Economy.
- An Understanding with the Innovative Training & Management Services (ITMS), New Delhi, a management consultancy, training, education and research organization for conducting collaborative training activities in different emerging areas.
- Joining hands with Deutsche Gesellschaft fur Internationale Zusammenarbeit GmbH (GIZ) for building capacity of Business Membership Organizations (BMOs) especially of MSME Industry Associations in the country which is one of the focus areas under the Umbrella Programme for Promotion of MSME in India (MSME UP) being implemented by SEQUA gGmbH in association with O/o the DC (MSME), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Small Industries Development Bank of India (SIDBI).
- Memorandum of Understanding with the Sun Online Learning India Pvt. Ltd. (Career Strokes), a brain-child of Shri Kris Srikkanth, former Indian Cricket Captain and a Member of the 1983 World Cup Winning Team, for popularizing its e-learning initiative for career planning, career enhancement and success in life, among the beneficiaries of the training activities of the Institute and the Faculty/other staff of its Partner Institutions/Local Associates.
- Memorandum of Understanding (MOU) with the Central Board of Secondary Education (CBSE) for assisting the Board in undertaking the following activities aimed at promotion of entrepreneurship among school students and effective teaching of the subject in the schools under the control of the CBSE: -
  - Finalizing and reviewing Course Curriculum of the Entrepreneurship Module;
  - Developing tailor made programmes for the schools;
  - Designing country-specific vocational training curricula for CBSE's international schools;
  - Undertaking faculty development through development of materials etc. and
  - Organising Refresher Course(s) and facilitating and supporting the identified schools in organizing entrepreneurship development programmes/ campaigns /workshops etc.

- Memorandum of Understanding with the Need Based Technology Institute for Human Resource Pvt. Ltd., Delhi for taking its assistance through its arm : *TodaysJob.org,* in extending hand holding support to the persons trained by the Institute and/or its Associates in the State of Bihar for either setting-up micro enterprises and/or obtaining gainful wage employment.
- An Understanding with the Asia Pacific Institute of Management, New Delhi for undertaking collaborative activities with the larger objective of accelerating the process of entrepreneurship development and improving the concerned success rates.

4.4 ASSISTANCE FOR ENTERPRISE CREATION

The primary objective of organizing Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) by the Institute is promotion of entrepreneurial culture among the trained participants so that maximum of them opt for self-employment. The Institute also supports these trained persons through different services in their respective endeavours. The range of the hand-holding services by the Institute include project preparation to obtaining credit and subsequent operationalization of the units in association with local authorities, if required.

Being an Udyami Mitra under the Rajiv Gandhi Udyami Mitra Yojana (RGUMY) of the Ministry of MSME, the Institute registers almost all the self-employment optees of its training activities under the Scheme for extending hand-holding facilities.

The achievement of the Institute, under the Scheme, during the year, is as follows: -

Sl. No.	Stage(s)	Particulars	No. of Beneficia-ries
1.	I	Selection of Enterprise to Filing of EM-I	509
2.	II	Statutory Compliances to satisfactory running of the Machinery/ Enterprise	2,456

The Institute was able to assist 2.44% of the persons trained by it under ATI Scheme during the year, towards setting up of enterprises. The percentage is expected to go up once the entire exercise for all the registered persons under RGUMY Scheme, is completed. The units established by the assisted persons are in the areas of : Apparel, IT and Light Engineering Sector.

4.5 EMPLOYMENT ASSISTANCE

It is not that all the participants being trained by the Institute through its Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes (ESDPs) necessarily go in for self-employment. On account of a variety of reasons, the social and economic background of the concerned participants being the principal ones, many of the trainees opt for wage-employment after training. The attendance at these training programmes, needless to add, greatly improves their employability.

The Institute makes systematic attempts to provide assistance to its trained persons in finding gainful wage-employment after training. The different measures taken by the Institute for the purpose inter-alia include interaction with Industry Associations/Bodies for making course curriculum of the programmes, responsive to the requirements of the industry and absorption of the trained persons by their constituent-members; involvement of placement agencies etc. with organizing of training activities; uploading the details of the trained persons on Website of the Institute and all plausible avenues for reference of the prospective employers etc.

During the year, the Institute also embarked upon organizing Job/Placement Fairs for the larger benefit of its trained persons which provided the trained persons/ the Institute, a unique opportunity of interaction with prospective employers, placement agencies and other stakeholders. The Institute also benefits from such events as it comes to know about the expectations of the companies from the trained persons so that its future activities could be modified accordingly.

The first of such Fairs was organized at the Campus of the Institute on April 04, 2012 in active association with MITCON. A total of 31 companies including M/s. Walmart, M/s. K.S. Enterprises, M/s. Unitone Media Pvt. Ltd., M/s. Intec Infonet, M/s. Naukri.com and M/s. Razzak Enterprises participated in the Event which saw about 100 participants being given employment by these companies.

The second Job Fair was organized by the Institute on December 15, 2012 in Patna with active involvement of its Partner Institutions and Local Associates in the State of Bihar. A total of 1,700 students, who were provided training during the last two years in Patna, Siwan, Muzaffarpur, West Champaran and Bhagalpur, were screened at the event. A total of 23 companies including Aviva; ICICI Prudential; TCS; Big Bazar; Living Spaces; TVS and Whirlpool offered job opportunities to 632 trained persons. The Fair which was inaugurated by the legendary Cricketer, Sri Kris Srikkanth generated warm and positive response.

Interacting with the Employers at the opening of the Meet are (L to R): Shri Arun Kumar Jha, Director General, NIESBUD; Shri Anurag Mishra, Director & GM-cum-Chief Editor, Employment News; Mrs. Rita Sangupta, former Director (B/S), NIESBUD

Besides, the Institute sponsored the Recruiters' Meet organized by Invertis Sewa Sansthan on October 16, 2012 in NOIDA. A total of 500 participants who had earlier received training from the Institute were screened by 15 companies which participated in the Meet.

The Institute was in a position to provide gainful employment to about 27% of the participants trained by it during the year under the ATI Scheme. This figure is likely to go up once the ongoing process of seeking employment for all the persons who were provided training during the year, is completed.

4.6 ACADEMIC ASSISTANCE

The Institute assisted *Intuit Inc.* in carrying out the Study "Understanding and Overcoming Barriers to Technology Adoption among India's Micro, Small and Medium Enterprises : Building a Roadmap to Bridge the Digital Divide". The Findings of the Study were released during the year.

The Institute assisted the pilot testing of the Behaviour Module of the revised Manual on Entrepreneurship, brought out by the Commonwealth Youth Programme (Asia Centre) in association with the Department of Youth Affairs, Government of India.

The original Manual developed in 1990s in association with the Institute was earlier revised during February 2012 through an Expert Group inter-alia having the Institute's representation thereon.

4.7 POLICY ASSISTANCE

• Convergence under PMEGP

The Director General of the Institute headed a Committee constituted by the Ministry of MSME with the mandate of increasing collaboration between the organizations like NSIC, NIESBUD etc. in implementation of the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) Scheme. The other members of the Committee included representatives of O/o the DC (MSME), KVIC and NSIC.

The Committee, through a series of meetings worked out the Detailed Modalities (based upon the draft of NSIC) and submitted its Recommendations to KVIC for issuing suitable instructions to its field institutions for the purpose.

• Facilitating Core Group on Standardization

The Institute continued to proactively assist the Core Group on Standardization of the Common Courses being run by different organizations of the Ministry of MSME. The Core Group under the chairmanship of the Director General of the Institute met on 03 different occasions during the year.

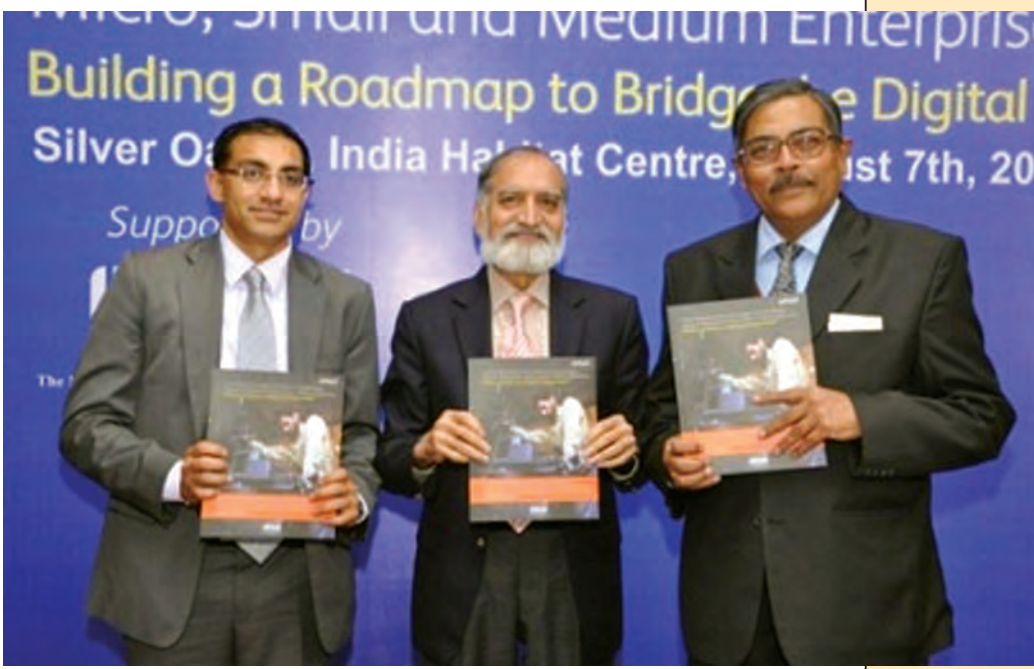

Shri Amarendra Sinha, AS&DC (MSME) (extreme right) at the Release Function of the Findings of Intuit Inc. Study

• Revision of Guidelines under ATI Scheme

The Institute assisted the Ministry of MSME, during the year, to revise the Operational Guidelines of its Assistance to Training Institutions (ATI) Scheme in light of the findings of an independent Review of the Scheme earlier carried out by the Ministry.

Looking towards a brighter future

5.0 TRAINING

• Introduction of E-Learning Module of EDP

Continuing with its initiatives of popularizing the entrepreneurial culture among different strata of the society, the Institute, during the year, developed and introduced an E-learning Module *(Hindi and English)* for Entrepreneurship Development Programme (EDP). The course material of the Module has been incorporated in a C.D. which is moderately priced. The Module is especially useful for the persons who are not in a position to devote full time in formal classroom environment.

The Module involves one-day introductory classroom training followed by 7 days' of on-line training. After an on-line examination/assessment, the participant is awarded Certificate on line. The Module is very popular among students of management and technical institutions of higher learning.

The Module was launched in the States of Gujarat, Uttar Pradesh and Rajasthan during the year. A total of 457 persons were enrolled for the Module and certified during the period through 18 programmes.

• Launching Project Management Training and Certification Module

In line with its tradition of designing and launching newer formats of training programmes in consonance with the emerging requirements, the Institute, during the year, designed and launched 5-days' *(full time)* Project Management Training and Certification Module, suitable for Indian conditions.

The Module has been developed in close collaboration with industry experts and project management specialists, for meeting requirements of the existing companies in private and public sector, Government, NGOs, entrepreneurial and small industry community and also the student community.

The Module basically aims at filling the gaps that the major Global Certifying Bodies have left unaddressed and makes available Project Management Certification at less than one fifth the cost that international agencies charge for the purpose. Also the aim is to cater to the student community as well as NGOs, who were, for all practical purposes, left out of such certifications earlier. The Module involves 35 hours of faculty contact spread over 5 days followed by an examination at the end of the fifth day.

During the year, the Institute successfully completed 04 batches of the Module with 71 participants. While the 28 participants of the first two batches were drawn from NGOs, Corporates, Government Organizations, Centre for Railway Information Systems, Students etc., those of the third and fourth batches comprised of 43 Officials largely drawn from different field offices of O/o the DC (MSME), ranging from students to executives of the Government/NGOs, corporate sectors involved in planning and execution of different plans/schemes/ social measures etc.

• Commencing Digital Literacy Programme with Microsoft

The Institute, in association with Microsoft, has introduced the Microsoft Digital Literacy Curriculum (DLC). The Programme consisting of five Modules is being offered with the basic objective of enabling the persons to use computer technology in day-to-day life for developing new social and economic avenues for themselves, their families and community at large.

• Skill Training under SJSRY

The Institute has been empanelled as Programme Implementation Agency by Samajik Suvidha Sangam

Shri Arun Kumar Jha, Director General (second from left) and Shri Sunil Bhardwaj, Joint Director (Incubation) (second from right) among others at the Launch Function of E-learning Module of EDP

: Mission Convergence, Government of NCT of Delhi for organizing skill training programmes and providing assured placement opportunities to the trained persons.

Accordingly, the Institute commenced 17 training programmes under Swarna Jayanti Shahri Rozgar Yojana (SJSRY) with 425 Delhi youth resident participants belonging to BPL/AAY Category/ surveyed as vulnerable, or most vulnerable, during the year.

The training programmes of 03 months' duration each are in the trades of Web Designing, Life Style, Education & Health, Electrical Gadget Repairs, Retail Management, Media & Entertainment and Food Processing. After completion of the training, atleast 70% of the participants are expected to be gainfully employed as per norms of the Scheme.

5.1 ACADEMIC

• Formation of Academic Council

In consonance with the advice of its Executive Committee and with a view to continually review its training and other academic activities so as to maintain their effectiveness/ relevance in the changing/emerging scenario, the Institute formed an Academic Council consisting of serving/retired academicians, experts in the field of entrepreneurship and small business development, policy makers etc. The Council consisting of 08 outside experts besides the Core Faculty of the Institute, is also to assist it in "Trend Spotting" and "Trend Analysis".

The year saw two meetings of the Council being held.

• Launching "Waves of Change"

"Waves of Change", a joint initiative of the Central Board of Secondary Education (CBSE), GIZ and the Institute was launched on November 28, 2012 at New Delhi. The Waves of Change *(Education Beyond Books)* consists of five thematic areas and aims at making the country aware of the quality and kind of educational and institutional reforms as well as the entire gamut of educational initiatives taken up by CBSE in recent times at the behest of the Ministry of Human Resource Development, Government of India.

The Institute is actively associated with different activities under the 5th Thematic Area, "Ideas & Innovations" of Waves of Change. The Institute also actively participated in different brainstorming sessions organized before the launch of the programme, one of which was also held at the Campus of the Institute and was attended inter-alia by the representatives of CBSE, GIZ, Principals/Teachers from CBSE Schools in NCR of Delhi.

• Discussions with BBOSE

The Institute held discussions with the Bihar Board of Open Schooling and Examination (BBOSE) for extending vocational and skill up-gradation training programmes all over the State. The possibility of the trainees of the Institute being assessed by the Board, was also discussed. The Institute offered help to the Board for skill and vocational training programmes in the State.

5.2 OTHERS

5.2.1 Faculty at Different Forums

- **UNDP Consultation on Urban Poverty**

  Two of the faculty members of the Institute viz; Dr. Rishi Raj Singh and Shri A. Mishra attended

A Section of the Audience at the Launch Ceremony of "Waves of Change"

the Consultation organized by United Nations Development Programme (UNDP) in New Delhi on July 19, 2012 as a part of finalizing the Country Programme Action Plan for the next five years (2013-2017).

- **Asia Entrepreneurship Summit**

  Smt. Rita Sengupta of the Institute was one of the panelists of the Session "Social Innovation and Entrepreneurship : The Social Track" organized as an integral part of the two days' Asia Entrepreneurship Summit organized at Bengaluru on August 8-9, 2012 by the Department of Science & Technology, Government of India, Intel and Asia Pacific Incubation Network (APIN).

- **National Skill Conference**

  Smt. Rita Sengupta, also participated as one of the panelists on the Session "Intervention Through Training and Mentoring for Entrepreneurship Development" at the 6th National Skill Conference organized by FVTRS at Thiruvananthapuram, Kerala during September 20-25, 2012.

- **UN ESCAP Consultative Workshop**

  Smt. Sarita Chauhan of the Institute addressed the Thematic Session : Partnership and Cooperation to Enhance Women Entrepreneurship, about the policies and schemes of the Ministry of MSME. The Session was organized as a part of the Consultative Workshop on "Creating Enabling Environment for Women's Economic Empowerment Through Entrepreneurship in India" jointly organized by the United Nations ESCAP (Economic and Social Commission for Asia and the Pacific) and FICCI at New Delhi on February 19, 2013.

5.2.2 Web-based Training Database

The Institute developed a Web-based training database. The database is in use at the Institute w.e.f January 01, 2013 as a replacement of the existing manual/Microsoft based database. While at present, all the basic information pertaining to the course, the participant, his/her interest area etc. is being maintained in the new database, the information pertaining to the post-training activities of the participants shall also be duly assimilated in the new database in due course of time.

5.2.3 Database for U.P. Government

The Institute assisted the State Government of Uttar Pradesh in developing a Database of the persons trained by it.

Faculty Visits

- Shri Arun Kumar Jha, Director General, at the invitation of the Republic of Uzbekistan, attended the International Conference on "Role and Importance of Small Business and Entrepreneurship in Implementation of Socio-economic Policy in Uzbekistan", organized at Tashkent during September 12-14, 2012.

The Conference was attended inter-alia by the representatives of a number of prominent international organizations and multi-lateral financial institutions including the United Nations, the World Bank, the International Finance Corporation, the Asian Development Bank, the Islamic Development Bank and the leading experts and business people from more than 45 countries viz.; United States of America, China, South Korea, Japan, Great Britain, France, Germany, Canada, India etc.

Shri Jha utilized the opportunity of the Conference for sharing the varied Indian experience in promotion of economic enterprises and different Governmental initiatives/ schemes for development of this vital constituent of every economy the world over.

During the course of the discussions with the representatives of the Uzbek Government and those of the support organizations, the areas where the institutions like NIESBUD could assist the Uzbek authorities in organizing training of trainers programmes; designing of course curriculum for different courses; development of training aids; setting up of National & Regional level EDIs and formulation of policies conducive to promotion of private entrepreneurship in Uzbekistan, were also delineated.

- Smt. Rita Sengupta, Director (B/S) was deputed to participate in the Conference "India-UK Skills and Training Partnership" organized by the High Commission of India, London on May 28, 2012. The Conference which was organized with the basic objective of providing a joint platform to Indian Universities and Skills Providing Institutions to meet the Universities and Educational Institutions in UK to discuss and identify possible partnerships with UK institutions, was attended by more than 150 Delegates both from India and UK.

The opportunity was also utilized by Director (B/S) for holding one-to-one meetings with the pre-identified local (UK) institutions with an objective of developing linkages with them for mutual benefits.

Leadership & Direction

SHRI K.H. MUNIYAPPA
Hon'ble Minister of State (Independent Charge)
Micro, Small and Medium Enterprises
&
Chairman, Governing Council

SHRI MADHAV LAL
Secretary
Micro, Small and Medium Enterprises
&
Vice-chairman, Governing Council

6.0 MEETINGS OF VARIOUS BODIES

A: Governing Council : Deliberations & Decisions

The twenty-ninth Meeting of the Governing Council of the Institute was held on November 26, 2012 at Udyog Bhawan, New Delhi. The Meeting was chaired by Shri K.H. Muniyappa, the Hon'ble Minister of State (Independent Charge), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME).

The Hon'ble Minister in his inaugural address advocated imparting of training in certain skills after taking into account the requirements of the local industries, availability of local resources, the aspirations of people of the area etc. The Hon'ble Minister enquired about the benchmark of success of the training programmes in terms of enterprise creation and employment generation, which could be followed by all the organizations of the Ministry. The quality of training and ability of the trained persons to work anywhere in the world were also emphasized upon by the Hon'ble Minister. In this regard, the Secretary (MSME) and the Vice-chairman of the Council advised that the Institutions should strive for achieving 30% of self-employment and 20% of wage-employment which should progressively go up. The Council felt that enterprise creation will have a cascading effect. The Council was of the unanimous opinion that the synergy among different organizations of the Ministry for implementation of PMEGP would result into greater success.

The Council noted and appreciated the performance of the Institute with respect to the training programmes, other activities and its recent initiatives. The Council considered and adopted the Draft Annual Report including audited Books of Accounts of the Institute for the year 2011-12. The Council also considered and approved the appointment of M/s. D. Bhatia & Company, New Delhi for auditing the Books of Accounts of the Institute for the year 2012-13 at a remuneration of Rs. 16,500/- besides the service tax and other admissible charges.

The Council considered and noted the decisions and recommendations of the Executive Committee made at its different meetings. The Council also considered and approved the merger, alongwith the existing incumbent, of the Indian Institute of Entrepreneurship (IIE), Guwahati's Regional Branch, Dehradun with the Institute with effect from April 01, 2013.

B: Executive Committee : Discussions & Decisions

(a) The 65th Meeting of the Committee was held on April 25, 2012 at Udyog Bhawan, New Delhi. Shri R.K. Mathur, the then Secretary (MSME) chaired the Meeting. The Chairman advised that the Core Group

Present at the Meeting of the Governing Council (from left to right) are: Shri Amarendra Sinha, Additional Secretary and Development Commissioner (MSME); Shri Vijay S. Madan, former Additional Secretary and Financial Advisor (MSME); Shri Dinesh Singh, former Joint Secretary (ARI) and Dr. Dinesh N. Awasthi, Director, EDII

on Standardization should work out an assessment/ examination system for all the training courses. The Chairman also directed that all the standardized courses must have a component of entrepreneurship so that the objective of the Ministry for creation of new enterprises, is achieved.

While reiterating the underlined objective of promotion of micro enterprises, the Chairman desired that the Institute should also try to achieve a higher level of standards wherein it works towards promoting potential entrepreneurs in setting up their own enterprises. The Institute was also advised to continue promoting skill upgradation and entrepreneurship among the unemployed people.

The Committee advised the Institute to develop expertise in its domain areas in order to position itself as a leader in the next three to four years. The Committee was informed that the recently constituted Academic Council of the Institute would also assist it in undertaking "Trend Spotting" and "Trend Analysis". The Committee approved the creation of a Corpus Fund with an initial Corpus of Rs. 25 crore for the Institute.

While appreciating the efforts in imparting training to 36,325 persons during 2011-12 and also conducting 50 paid programmes during the year, the Committee advised the Institute to network with international agencies like CISCO, Microsoft etc. in conducting training programmes.

The Committee considered and approved the Training Programmes, Other Activities and the Budget Estimate of the Institute, for the year 2012-13. However, the Institute was advised to impart training to 40,000 persons during the year. The Institute was also advised to develop more linkages with Institutions like NIFT; IIT; NIT; Department of Science & Technology etc. for organizing Capsule Entrepreneurship Modules.

While advising the Institute to explore possibilities of enlisting reputed organizations like IIT and such institutes/organizations as Partner Institutions, the Committee emphasized that the Institute should exercise care in empanelling its Partner Institutions in order to ensure the quality of the programmes. The Committee also emphasized that the existing manpower strength of the Institute should be strengthened. The Institute was advised to utilize the surplus fund of the ATI Scheme only on training activities under the Scheme.

(b) The 66th Meeting of the Committee held on August 31, 2012 at Udyog Bhawan, was chaired by Shri R.K. Mathur, the then Secretary (MSME). The Committee while complementing the Institute in conducting increasing number of paid programmes, advised it to maintain focus on such programmes as these reflect the competency/ability to attract participants from the open market. The Institute should also strive to develop linkages/partnerships with the best institutions in India and abroad to enhance its stature and exposure.

After thorough consideration, the Committee decided that the Institute may renovate/redesign the existing 7 suites/rooms into 16 hostel rooms on its own keeping in view the growing demand for hostel. While noting the efforts of the Institute in undertaking research/evaluation studies and other activities, the Committee advised it to focus on training and related areas. The Committee was of the opinion that training in soft skills is required for enhancing the employability of common people and therefore should be taken up by the Institute. The Committee advised the Institute to fill its vacant sanctioned posts on contract basis for a period of five years in case of direct recruitment.

The Committee considered and approved condemnation of the Mini Bus (Tata 407) bearing number DL IV 3181, and its disposal through localized Auction/Disposal. The Committee also ratified the decision of not extending the contractual appointment of Shri Y.P. Khubbar, Director (SI&SBM).

(c) The 67th Meeting of the Committee was held on November 19, 2012 at Udyog Bhawan, New Delhi. Shri Vivek Rae, the then Secretary (MSME) chaired the Meeting. While expressing satisfaction on the training programmes being organized, the Committee desired that the Institute should maintain focus on its basic mandate/objective while undertaking different activities and the quality of the programmes. The Committee advised the Institute to tie-up with one-two good foreign institutions after exercising due diligence about their credibility. The Institute was advised to appoint a Consultant, of the level of Assistant Engineer retired from CPWD etc., for undertaking works in the Hostel Block and for maintenance of the premises. The Institute should explore the possibility of imparting training in the field of Civil Aviation and Airport related Services, which is a growing area.

The Recruitment Rules of different posts of the Institute may be reviewed in light of the appointments being made on contractual basis for five years whereafter the concerned incumbent(s) could be appointed on regular basis subject to satisfactory performance. The Institute was advised by the Committee to invariably charge different agencies for its consultancy services/ guidance/advice. While stating that The Payment of Gratuity Act, 1972 is applicable to all the employees of the Institute *(past and present),* the Committee advised the Institute to explore the possibility of getting covered under a Group Gratuity Scheme of agencies like Life Insurance Corporation of India.

The Committee considered and approved the Draft Annual Report including Audited Books of Accounts

of the Institute for the year 2011-12. The Committee also considered and approved the appointment of M/s. D. Bhatia & Company, New Delhi for auditing the Books of Accounts of the Institute for the year 2012-13 at a remuneration of Rs. 16,500/- besides the service tax etc. While appreciating the necessity for adequately strengthening the manpower base of the Institute, the Committee was of the opinion that organization structure of the Institute should be flat.

The Committee considered and approved the merger of the Indian Institute of Entrepreneurship, Guwahati's Regional Branch, Dehradun with the Institute. The Committee also approved different purposes for utilization of interest of the Corpus Fund of the Institute.

Shri Arun Kumar Jha, Director General giving the prize money to one of the Winners of the Hindi Competitions. Shri Mukesh Kumar Gupta, Joint Director (BD&M) and Hindi Officer (left) is also seen in the picture

6.1 STAFF POSITION

Smt. Rita Sengupta, Director (Behavioural Science) retired from the services of the Institute on October 31, 2012 after attaining the age of superannuation and serving the Institute for about 26 years. The services of Smt. Sengupta were, however, retained as an Advisor. Similarly, Shri Bansi Lal Bijlani, Accounts Officer also superannuated on March 31, 2013. Shri Bijlani had been serving the Institute since November 06, 1984. Shri Y.P. Khubbar, Director (SI&SBM) was relieved w.e.f. August 28, 2012 after completing his tenure in the Institute.

The year saw the recruitment being made to the two newly created posts of the Joint Director (Incubation Cell) (Shri Sunil Bhardwaj) and Assistant Director (Hostel & Protocol) (Shri Mahender Kumar) on contract basis. Besides, on the recommendations of a duly constituted Departmental Promotion Committee, Shri Kailash Chandra, MTS, was promoted to the post of Typist-Clerk (Hindi).

The Recruitment Rules for the three positions of the Directors at the Institute were approved by the parent Ministry and the process of making recruitment to these posts, was initiated during the year. The year also saw the Institute taking steps for filling up its other vacant posts.

While following up with the parent Ministry the matter of creation of posts during the year, the Institute continued to engage Consultants, Research Associates, Coordinators, etc. on contract basis co-terminus with the concerned project or assignment for completing work under different Schemes, Research Studies, etc.

The Institute took effective steps for improving the working environment for all the employees especially the women incumbents who constitute about 30% of the total personnel.

As on March 31, 2013, the effective regular staff strength at the Institute was 26 in different categories.

The Organizational Chart of the Institute is at *APPENDIX – B*.

6.2 USE OF OFFICIAL LANGUAGE

In accordance with the Government Policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work, were made. The Annual Report of the Institute for the year 2011-12 was printed bilingually. The Institute also undertook proactive measures for increasing the official correspondence in Hindi to different regions of the country in accordance with the targets assigned. The directions issued by the Department of Official Language, Government of India regarding discharge of constitutional, legal and administrative responsibilities pertaining to Official Language, were circulated among all the employees for ensuring appropriate action thereon.

The Institute made attempts to hold the meetings of its Official Language Implementation Committee on regular basis, during the year. The week starting from September 14, 2012 was organized as Hindi Week. On this occasion, the Director General of the Institute,

in his address to the employees, motivated them to increasingly use Hindi in official correspondence, internal notings and at all other possible places. Besides organizing a Workshop on "Rajbhasha Neeti Tatha Prashasinik Shabdawali", the Competitions on Noting and Drafting, Essay Writing, Debate and General Awareness about Official Language Policy were organized during the week which were participated by a total of 36 employees of the Institute.

The Institute took effective steps during the year to fill its two Hindi posts : Junior Translator and Typist-Clerk. While no suitable candidate was found for the former, the latter was filled up through promotion in accordance with the recommendations of duly constituted Departmental Promotion Committee. Three employees of the Institute appeared in examination of Pragya Course held in May 2012.

The prescribed reports/information relating to progress in implementing the Official Language by the Institute, were regularly and timely submitted to the Ministry.

6.3 HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

During the year, the Institute continued to lay emphasis upon the development of its human resources and enhancement of their knowledge base in current changing economic scenario. The faculty/officials and employees of the Institute were deputed for various Conferences, Seminars and Workshops from time to time for updating their knowledge in the respective fields. Two Faculty Members from the Institute were deputed to attend the Training of Trainers (TOTs) organized by GIZ for functioning as the Master Trainer and Alternate Trainer for imparting training to the officials of the Business Membership Organizations (BMOs).

In order to increase the capabilities of junior faculty of the Institute in realm of Project Formulation, a special Orientation Programme was designed and organized for 04 days which benefitted 17 incumbents. The Institute organized three Special Sessions for its employees during the year with a view to make them aware about different facets of their personality and functioning. The first on Leadership and Team Building was delivered by Co-founder of Creativity Foundation of South Africa. The second and third Sessions on the Value of Team Work/ Knowing Yourself and Managing Stress & Time and Unleashing Human Potential Through Ancient Wisdom were delivered by an Overseas Expert from South Africa and Vice-chancellor of Sridhar University, Rajasthan.

With a view to effect improvement in their functioning and update their knowledge/orientation on a continuous basis, the Institute designed a mechanism of monthly Capacity Building Sessions for all employees of the Institute. The Sessions are conducted by the Faculty/Officials of the Institute themselves. Thus the year saw conduct of 04 such sessions in the areas of Ministry of MSME: Programmes and Policies; Financial Procedures; Project Financing and Administrative Procedures : Importance and Kind of Communication.

6.4 RESULTS FRAMEWORK DOCUMENT (RFD)

The Institute signed its Results Framework Document (RFD) for the year 2012-13 with the Ministry. In terms of the Document, the Institute was assigned the targets for different activities for the year. With its relentless efforts, the Institute generally exceeded the targets of providing training to different target groups set for the year, as per the details given below: -

Sl. No.	Objective/Activity	Targets	Achievements
1.	Entrepreneurship and Skill Development *(No. of trained persons)*	38,000	49,564
2.	Fee-based market-driven training programmes *(No. of programmes)*	50	149
3.	Improving the efficiency of Trainers/ Promoters from different countries *(No. of participants)*	220	245
4.	Orientation of Udyami Mitras under RGUMY *(No. of Udyami Mitras)*	100	73

Besides, the Institute continued Hard Intervention in the Scissors Cluster, Meerut. The Institute also took effective steps for ensuring different Statutory Compliances; Improving Internal Efficiency/Service Delivery; Efficient Functioning of the RFD System and Improving Internal Efficiency/Responsiveness/Service Delivery. The year also saw the Institute preparing the ISO : 9001 Action Plan and taking steps for its implementation as per the target dates assigned in RFD. An Orientation Workshop, as a part of process of acquisition of the Certification, was also organized for the employees of the Institute. Besides, the Administrative Officer of the Institute was also nominated to function as Management Representative for the purpose.

6.5 VIGILANT AND TRANSPARENT MANAGEMENT

Consequent upon superannuation of the existing Chief Vigilance Officer *(part time)* of the Institute, Shri Arun Kumar Jha, Director General was appointed to

discharge the role and functions of Chief Vigilance Officer of the Institute.

The Monitoring Mechanism earlier designed by the Institute for assessing the conduct and ensuring effective supervision of the off-campus training activities, was further strengthened through introduction of the system of sending four SMSs to each participant during the currency of the programme, for obtaining their feedback on certain identified aspects of organizing the training programmes and effecting the desired modifications after analyzing the responses received from the participants; introduction of Web-based Video Conferencing through 'SKYPE' etc. Besides, the Institute took effective steps for making the process of soliciting the services of Infrastructure Providers in different States for providing training facilities, more transparent. The Institute also took further initiatives to make its decision making process on different academic/administrative issues more consultative and transparent.

The Institute observed Vigilance Awareness Week from October 29 to November 03, 2012. In order to mark the occasion, the employees of the Institute were administered the Vigilance Pledge. The occasion was also utilized for deliberating the virtues of transparency etc. in functioning of the Institute and ways and means through which the functioning could be made more transparent.

During the year, the requisite information/reports on the Status of Pending Disciplinary Cases and other Vigilance Matters, were regularly and timely sent to the Ministry.

6.6 RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

With a view to streamline procedure for making information available to the Citizens under the Right to Information Act, 2005 relating to specific activities, the Institute appointed two more Public Information Officers during the year. While one was made responsible for all the training related matters, the other was made responsible for accounts related matters. The Director General of the Institute discharged the functions of the Appellate Authority (First), under the Act consequent upon superannuation of the concerned official during the year.

The year saw the Institute making information available under the Act in respect of all the 16 applications received by it for the purpose.

6.7 PERSONS WITH DISABILITIES (EQUAL OPPORTUNITIES, PROTECTION OF RIGHTS AND FULL PARTICIPATION), ACT 1995

In accordance with the recommendations of Report of the Working Group on Empowerment of Persons with Disabilities (PWDs) for formulation of XII Five Year Plan, the Institute, in order to effectively enforce provisions of the Act, took the following initiatives during the year : -

- Attempt to cover atleast 3% persons with different disabilities under the training programmes being organized under the ATI Scheme of the Ministry of MSME including those being organized through the Partner Institutions (PIs) of the Institute.
- Matter of re-designing Website of the Institute so as to make it PWD friendly being taken up with NIC and
- Designation of an orthopaedically handicapped employee of the Institute, as Disability Advisor for advising the Institute on all the matters relating to disability schemes and their effective execution.

The Institute is also undertaking an exercise to identify the posts which could be filled up through persons with disabilities.

Interactive Meet with Ambassadors/High Commissioners

In order to apprise the representatives of the foreign fraternity based in the Capital about entrepreneurial initiatives of the Institute in general and its International Training Programmes in particular and to appreciate their requirements in this regard, the Institute organized an Interactive Meet with Ambassadors/High Commissioners on April 26, 2012 at its Campus.

The Meet which represented a unique conglomeration of the representatives of different continents, was attended by 15 Ambassadors/High Commissioners/Representatives of the Missions based in Delhi. The opportunity was also utilized for presenting the Institute's bouquet of Consultancy Services. The Institute acted promptly on all the suggestions put forward by the dignitaries for further improving the international training programmes.

Study Material Series on Desktop Publishing
Desktop Publishing
Study Material Series on Food Processing
Food Processing
Published by NIESBUD, MSME, Govt. of India
In association with
JITM SKILLS, Jalandhar

उद्यमी लभते सिद्धिम्
niesbud
उद्यमिता विकास कार्यक्रम
पाठ्य सामग्री
राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान
(सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
www.niesbud.nic.in / www.niesbud.org / www.niesbud.net

7.0 PUBLICATIONS

Being a pioneer national level entrepreneurial organization, the Institute has been bringing out publications etc. in the field of entrepreneurship and allied fields, for making teaching and learning purposeful and effective. The efforts of the Institute are also directed towards supplementing the publications and other training aids available in the area. The majority of the existing publications of the Institute are the outcome of research, survey etc. undertaken by the Institute itself.

Renewing its efforts in this regard, the Institute, during the year, brought out a Booklet – Learn to Earn – an Introduction to Entrepreneurship for School Students. The Booklet published under Theme 5 : Ideas and Innovations of the "Waves of Change" aims at arousing interest about entrepreneurship among the middle level school students.

In order to provide both the trainers and trainees simple and practical text books in different trades/ skills, the Institute, in active association with the Jahanvi Institute of Technology and Management, Delhi, brought out a series of Text Books on Computer Hardware and Networking; Food Processing; Desk Top Publishing and Entrepreneurship Development, during the year.

Besides, the Institute commenced the work of revising the Texts Books on Entrepreneurship for Class XI and Class XII of the Central Board of Secondary Education. The exercise, in active association with the representatives of the CBSE Schools, is being undertaken by the Institute as a part of its MOU with the Board.

The Institute is in the process of bringing out a Compilation of Success Stories in respect of the participants trained by it primarily under the ATI Scheme of the Ministry of MSME.

The Institute participated in the World Book Fair, 2013 organized by the National Book Trust, India in association with the India Trade Promotion Organization at Pragati Maidan from February 4-10, 2013. Besides displaying its recent Publications and other Training Aids, the visitors to the Stall(s) of the Institute were briefed about the virtues of going in for an entrepreneurial career besides the multi-farious activities of the Institute.

7.1 NEWSLETTER

During the year, the Institute revived publication of its discontinued Newsletter. The Newsletter has been made a quarterly publication and its three Issues were brought out during the year. The Newsletter provides information about the training programmes, academic/other activities, forth-coming training programmes and other activities of the Institute. Through beautifully designed segments, it makes available useful information about different schemes,

The Stall of the Institute at the World Book Fair, 2013

events, news etc. of the MSME and allied sectors. The Newsletter besides highlighting the contribution of different prominent personalities/organizations working in the field also informs about viable career options for the young readers. The Newsletter is sent free of cost to different organizations, associations and individuals interested in the Sector.

While the Editorial Board of the Newsletter is headed by Shri Arun Kumar Jha, Director General of the Institute as its Chairman, the Editorial Team is led by Shri Mukesh Kumar Gupta, Joint Director (Business Development & Management) as Principal Editor.

7.2 INTELLECTUAL PROPERTY FACILITATION CENTRE

The Intellectual Property Rights (IPRs) have been found to be a major and crucial area in the functioning of the units and development of the MSME Sector.

During the year, the Institute set up an Intellectual Property Facilitation Centre (IPFC) at its Campus under the auspices of O/o the DC (MSME). The Centre assists the MSMEs and prospective entrepreneurs in having access to the best practices for identification, protection and management of IPRs as a business tool. The Centre also provides facilities for searching/ mapping with respect to patent, industrial design etc.; filing an application for grant of patent, industrial design, registration of geographical indication & trademark etc. and enabling successful transfer and commercialization of technologies by MSMEs.

A nine member Steering Committee consisting of representatives of Academia; Experts (IPR); Management Association (NOIDA); Entrepreneurs and Directorate of Industry, Uttar Pradesh has also been constituted for aiding/advising the activities of the Centre.

The year also saw the Institute organizing a series of 10 Awareness Sensitization Workshops on Intellectual Property Rights (IPRs). The Workshops under the auspices of the O/o DC (MSME) were organized at different industrial clusters at Meerut, Saharanpur, Ahmedabad, Panipat, Varanasi, Agra, Jaipur, Lucknow, Ambala and Ferozabad primarily for units operating in the concerned clusters.

7.3 ENTREPRENEURIAL MOTIVATION TRAINING (EMT) KIT

The Entrepreneurial Motivation Training Kit has been assembled by the Institute and is a collection of six games and exercises. It is a tested aid for developing entrepreneurial behaviour and motivation. During the course of a programme, these exercises/ tools are important in generating useful data which is of immense importance to the trainers not only for identifying and selecting entrepreneurs/trainers for any EDP but also strengthening entrepreneurial competencies. The Kit is being increasingly used for imparting training by HR practitioners of Training Institutions and Corporates for motivation development.

7.4 DOCUMENTATION

During the year, the services of the Documentation Centre viz.; Current Awareness Service, SDI and Press Clipping Services etc. were regularly made available. The Institute has computerized different operations of its Library having nearly 5,300 volumes pertaining to entrepreneurship, project, finance, human resource, marketing, behavioural sciences and related subjects with fairly large number of National and International journals and periodicals.

7.5 CONSULTANCY/ADVICE TO ENTREPRENEURS

The Institute has been providing advice and consultancy to existing and potential entrepreneurs and EDP organizations in their multi-faceted activities. It thus helps the cause of promotion/development of entrepreneurship in the society. The year saw more than five hundred existing/potential entrepreneurs, development organizations/institutes being benefited from the guidance provided by the Institute. The majority of the potential entrepreneurs guided, evinced keen interest in commencing their own economic ventures.

7.6 WEBSITE

The Website of the Institute has been given a facelift by designing a new screen in-house, in order to make it more informative and user friendly. The Website (*www.niesbud.nic.in, www.niesbud.org, www.niesbud.net*) besides giving valuable information about the various activities of the Institute also informs about its forthcoming activities for increased participation. The Website is hyper-linked with the Websites of the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Office of the DC (MSME), KVIC, Coir Board and NSIC.

In accordance with the Government's Guidelines, the Website is hosted at National Informatics Centre (NIC) domain. However, the Website is updated as well as maintained by the Institute itself.

Secretary (MSME) Visits the Institute

Shri Vivek Rae, the then Secretary (MSME), visited Campus of the Institute on November 09, 2012. Shri C.K. Mishra, the then Joint Secretary (SME) accompanied the Secretary during the visit. A presentation about the multi-farious activities of the Institute and its recent initiatives towards expanding and diversifying activities, was made for the benefit of the dignitaries. Both the dignitaries also interacted with the participants of the then on-going International Training Programmes at Campus of the Institute.

During the course of interaction with the Faculty/ Officials, the dignitaries put forward a number of suggestions for improving the quality of training being imparted by different organizations of the Ministry of MSME and also for post-training Support Services for the trained persons.

Vaishali Action Plan

In accordance with a decision taken by the Ministry of MSME, the Institute adopted Vaishali District of Bihar for preparing and implementing a Village Level Action Plan. Apart from the Baseline Survey of the District carried out in association with the Local Administration/NGOs, the other activities under the Plan included: Development of profile of the district and its constituent villages; Scanning of the available resources both natural and human, for being tapped for the purpose; Organization of entrepreneurship-cum-skill development programme at the village level; Setting up of enterprises by the trained persons and provision of hand holding support to start-ups for about 6 months; Making available the benefits to the entrepreneurs as available under different Schemes of the Ministry of MSME and/or State Government; Provision of adequate credit, technology and marketing support to the start-ups.

The implementation of the Action Plan started with an Inaugural Ceremony held on December 17, 2012 in Hazipur presided over by the District Magistrate, Vaishali which was attended inter-alia by Senior Programme Officer, UNICEF; DDC, Vaishali; GM, District Industry Centre; representatives of KVIC besides the Director General of the Institute.

The Institute, in the first instance, provided training to 500 youth in the District in the trades which were earlier identified under the Action Plan in view of the socio-economic circumstances of the Region.

International Women's Day

The Institute celebrated International Women Day on March 08, 2013 through holding a special function for all the employees. The two-hour function inter-alia discussed contemporary issues pertaining to women specially the working women. The function which was attended by 65 persons, both female and male, also saw a differently abled *(visually impaired)* female incumbent working at the Institute, sharing her experiences of association with the Institute.

Shri Rae and Shri Mishra, (right) interacting with the officials of the Institute

Sadbhavana Diwas

The birth anniversary of the former Prime Minister, Late Shri Rajiv Gandhi was celebrated as Sadbhavana Diwas with the objective of eschewing violence and promoting goodwill among the people. On the occasion, the employees of the Institute were also administered the Sadbhavana Pledge.

Anti-Terrorism Day

The Institute observed Anti-Terrorism Day on May 21, 2012. The employees of the Institute were administered the Anti-Terrorism Pledge on the occasion by the Director General of the Institute.

Assistance to SC appointed Panel on Rehabilitation of Sex Workers

The Institute assisted a Panel constituted by the Hon'ble Supreme Court of India to make recommendations regarding rehabilitation of Sex Workers, in identifying economically viable alternative : self-employment and wage employment, for such workers after they switch on to the new life.

Activities of Women Cell

The Cell operational at the Institute, organized 03 meetings of the Members during the year for discussing women-centric issues. The Cell, besides organizing the International Women's Day was also instrumental in creating an awareness among female incumbents working at the Institute, about their rights and desirability of maintaining a balance between working and family life. The Cell, since its inception, has also been responsible for improving the infrastructure/facilities for women employees of the Institute.

The Fiscal Consolidation

ROBUST NUMBERS

Revenue rose by 101% in 2012-13

- Total Revenue of ₹ 47.51 crore as against ₹ 23.66 crore for 2011-12
- More than 50% jump in the Revenue from Announced (Open) Programmes
- Revenue from International Training Programmes rose to ₹ 3.56 crore registering a growth of 20 %
- ₹ 7.39 crore to be transferred to the Corpus Fund for long term sustenance

Diversification of Sources of Revenue

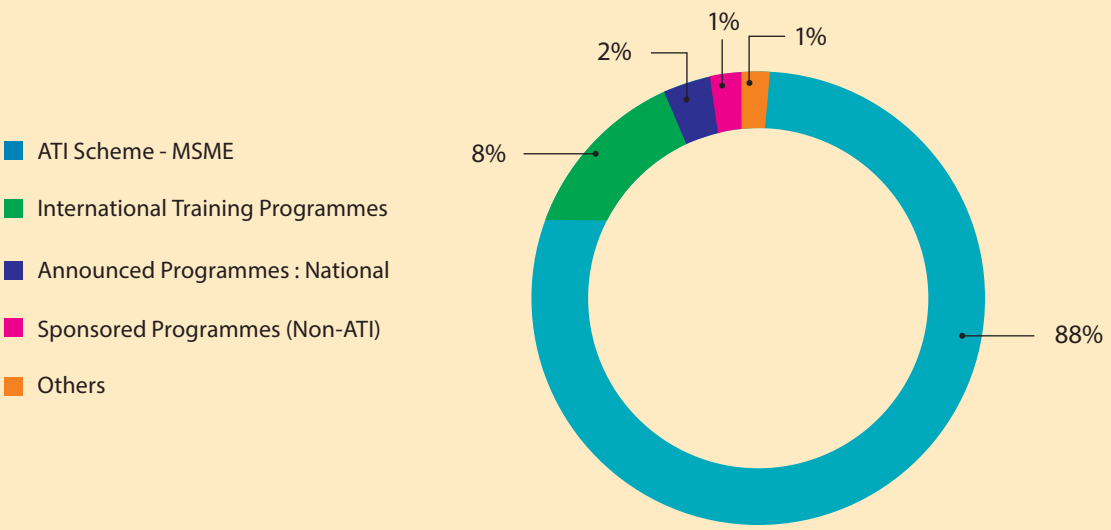

The year 2012-13 proved to be yet another period of fiscal consolidation and prosperity during which the revenue of the Institute galloped and more than doubled to Rs. 47.51 crore whereas the figure stood at Rs. 23.66 crore in the previous year (2011-12). This was the outcome of the carefully crafted and deftly executed strategies aimed at diversification and consolidation of multi-faceted activities of the Institute. The efforts of the Institute also led to diversifying and broad-basing the sources of revenue during the year thus reducing dependence upon sponsored activities.

Graph 8.1 **Revenue Generation** (In ₹ Lakh)

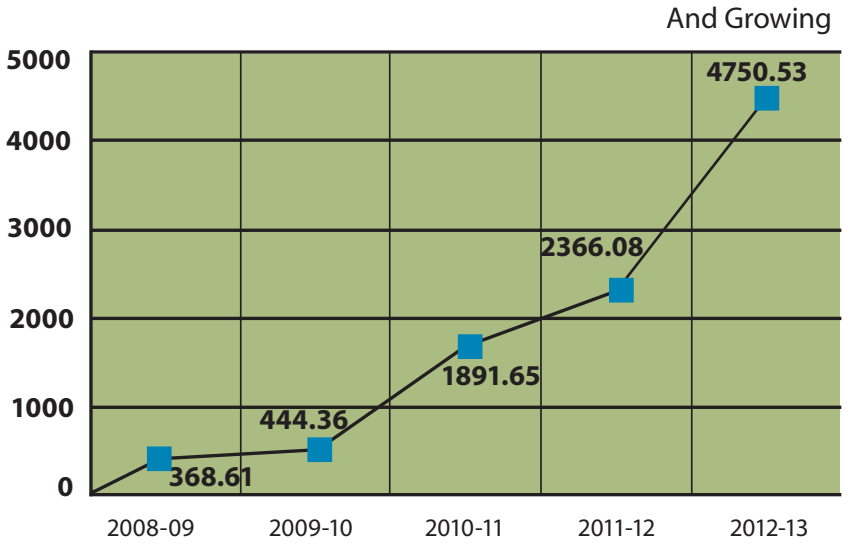

8.1 As the expenditure of the Institute stood at Rs. 40.11 crore for the year, the Institute was able to meet its entire expenditure out of its own resources registering a Recovery Ratio of 118% for the year. In this manner, a surplus of Rs. 7.39 crore was created during the year which will be transferred to the Corpus Fund of the Institute which otherwise has a balance of Rs. 3.64 crore as at March 31, 2013 *(including accrued interest)*.

8.2 The Institute incurred an expenditure of Rs. 0.58 crore against the Set Apart Fund 2010-11 thus reducing the balance in the Fund to Nil. In view of the earnings of the Institute for the year 2012-13, a sum of Rs. 7.13 crore has again been Set Apart to be spent on the Institute's purposes during the next 5 years.

8.3 The Institute received an amount of Rs. 22.78 crore from the Ministry of MSME during the year for organizing training activities under the Scheme of Assistance to Training Institutions (ATI). After adjusting an amount of Rs. 9.04 crore during the year representing unspent balance for the previous year(s) and interest earned thereon, the Institute is to receive an amount of Rs. 10.24 crore from the Ministry in respect of training activities completed under the Scheme during the year.

Table 8.1 **Comparative Revenue Generation (In ₹ Lakh)**

Year	Amount	Growth %
2008-09	368.61	-
2009-10	444.36	21
2010-11	1,891.65	326
2011-12	2,366.08	25
2012-13	4,750.53	101

8.4 In order to further strengthen the existing system of checks and balances, the Institute engaged the services of M/s. S.K. Handa & Associates, Chartered Accountants, as an Internal Auditor, during the year, for periodical and continuous monitoring/examination of all the major transactions of the Institute. The Firm was also requested to recommend further measures for the purpose which were also duly introduced during the year.

8.5 The relations between the management and employees of the Institute were very cordial, during the year. As a result, the productivity of the employees increased to Rs. 62.50 lakh during the year as compared to Rs. 35.34 lakh during 2011-12.

8.6 Upon the position being clarified by the Executive Committee of the Institute about The Payment of Gratuity Act, 1972 being applicable to all its present and past employees, the Institute took steps for releasing the benefit to its eligible former employees. The Institute also explored the possibility of being covered under the Group Gratuity Scheme of the Life Insurance Corporation. This was as per the advice of its Executive Committee so as to ensure that sufficient funds are available for the purpose, at the relevant time.

D. BHATIA & CO.
Chartered Accountants

25, Lakshmi Insurance Building
Asaf Ali Road, New Delhi-110002
Website: *www.dbhatia.net*

Phone : 91-11-23238686,23233508, 23230780
Fax : 91-11-23239702
E-mail : *dbcoca@gmail.com*

AUDITORS' REPORT TO THE MEMBERS OF THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT, NOIDA

We have audited the Balance Sheet of The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, NOIDA as at 31st March, 2013, signed by us under reference to this Report and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with Auditing Standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidence supporting the accounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that:

1) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of audit.

2) In our opinion proper books of account as required by law, have been kept by the Institute so far as appears from our examination of those books.

3) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this Report are, in agreement with the books of account.

4) In our opinion, the Balance Sheet and Income and Expenditure Account comply with the Accounting Standards (AS) as notified by ICAI to the extent considered applicable.

5) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements subject to and read together with the Notes appearing in Schedule 15 of Significant Accounting Policies and Notes, give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

D. BHATIA & CO.
Chartered Accountants

(i) In the case of the Balance Sheet, of the State of Affairs of the Institute as at 31st March, 2013 and

(ii) In the case of Income and Expenditure Account, of the excess of income over expenditure for the year ended on 31st March, 2013.

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

Balance Sheet as at 31st march 2013

(₹)

		Schedule Reference		As at 31.3.2013		As at 31.3.2012
	SOURCES OF FUNDS					
A.	**Accumulated Surplus:**					
	Opening Balance		3,83,88,628.00		5,82,48,244.00	
	Add: Surplus/ (Deficit) for the year		7,24,23,792.00		3,32,75,725.00	
	Less: Transferred to Set Apart Fund 2010-2011		-		(1,98,59,616.00)	
	Balance Accumulated Surplus			11,08,12,420.00		7,16,64,353.00
	Corpus Fund		3,32,75,725.00			
	Interest on Corpus Fund		31,66,936.00			
				3,64,42,661.00		
	Set Apart Fund 2010-11		58,06,243.00	-		1,98,59,616.00
	Less: Spent during the year		58,06,243.00	-		(1,40,53,373.00)
						58,06,243.00
	TOTAL			**14,72,55,081.00**		**7,74,70,596.00**
	APPLICATION OF FUNDS					
B.	**Fixed Assets:**					
	Gross Block	1	65,99,883.00		59,89,187.00	
	Less: Depreciation to date		27,94,650.00		29,84,868.00	
	Net Block			**38,05,233.00**		**30,04,319.00**
C.	**Current Assets, Loans and Advances:**					
	Inventories	2	2,17,342.00		2,53,889.00	
	Sundry Debtors	3	12,40,14,574.00		2,04,59,519.00	
	Cash & Bank Balances	4	7,46,13,685.00		16,52,32,232.00	
	Security Deposits	5	30,64,155.00		10,89,155.00	
	Loans and Advances	6	45,52,309.00		60,29,102.00	
	Total : Current Assets		**20,64,62,065.00**		**19,30,63,897.00**	
D.	*Less:* **Current Liabilities**	7	**6,30,12,217.00**		**11,85,97,620.00**	
E.	**Net Current Assets (C-D)**			**14,34,49,848.00**		**7,44,66,277.00**
	TOTAL			**14,72,55,081.00**		**7,74,70,596.00**
	Accounting Policies and Notes on Accounts	15				

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

Income and Expenditure Account for the year ended 31 march 2013

(₹)

		Schedule Reference	Year Ended 31.03.2013	Year Ended 31.03.2012
A.	**Income**			
	Training Income	8	47,04,38,376.00	23,23,49,068.00
	Other Income	9	46,15,210.00	42,58,117.00
	TOTAL		**47,50,53,586.00**	**23,66,07,185.00**
B.	**Expenditure**			
	Employees' Remuneration and Benefits	10	2,64,28,909.00	1,81,48,526.00
	Training Expenses	11	35,88,86,752.00	17,50,99,661.00
	Research and Publication Expenses	12	19,89,303.00	4,94,052.00
	Administration Expenses	13	1,33,90,268.00	1,01,32,215.00
	Depreciation		4,34,089.00	3,32,944.00
	TOTAL		**40,11,29,321.00**	**20,42,07,398.00**
C.	Surplus (Deficit) for the Year before Grant (A-B)		7,39,24,265.00	3,23,99,787.00
D.	*Add:* Grant in aid		–	–
E.	Surplus (Deficit) after Grant in Aid (C-D)		7,39,24,265.00	3,23,99,787.00
F.	Prior Period Adjustments	14	(15,00,473.00)	8,75,938.00
G.	**Net Surplus (Deficit) carried over to Balance Sheet (E+F)**		**7,24,23,792.00**	**3,32,75,725.00**
	Accounting Policies and Notes on Accounts	15		

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

Schedule 1 fixed assets as at 31st march 2013

A. Assets Acquired out of Recurring Grants :

Description of Assets	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	As on 31.03.12	Additions During the Year	Sale/ Adj. during the year	Total As on 31.3.2013	Upto 31.3.2012	For the Year	Adjustment during the year	Upto 31.3.2013	As on 31.3.2013	As on 31.3.2012
Library Books	13,39,032.00	38,780.00	–	13,77,812.00	11,28,967.00	30,858.00	–	11,59,825.00	2,17,987.00	2,10,065.00
Furniture & Fixtures	3,47,761.00	56,850.00	73,400.00	3,31,211.00	77,302.00	27,283.00	60,874.00	43,711.00	2,87,500.00	2,70,459.00
Office Equipment	7,03,241.00	1,99,416.00	–	9,02,657.00	2,47,068.00	53,469.00	–	3,00,537.00	6,02,120.00	4,56,173.00
Training Equipment	2,65,205.00	3,52,310.00	–	6,17,515.00	2,51,942.00	25,754.00	–	2,77,696.00	3,39,819.00	13,263.00
Electricals	8,79,574.00	3,06,200.00	–	11,85,774.00	2,52,798.00	72,062.00	–	3,24,860.00	8,60,914.00	6,26,776.00
Computers	11,68,169.00	3,23,627.00	–	14,91,796.00	3,72,021.00	1,43,911.00	–	5,15,932.00	9,75,864.00	7,96,148.00
Vehicles	12,83,833.00	-	5,93,087.00	6,90,746.00	6,54,770.00	80,752.00	5,63,433.00	1,72,089.00	5,18,657.00	6,29,063.00
Total (₹) (A)	**59,86,815.00**	**12,77,183.000**	**6,66,487.00**	**65,97,511.00**	**29,84,868.00**	**4,34,089.00**	**6,24,307.00**	**27,94,650.00**	**38,02,861.00**	**30,01,947.00**

B. Assets Acquired out of Specific Grants :

Description of Assets	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK	
	As on 01-04-12	Additions During the Year	Total As on 31.3.2013	Upto 31.3.2012	For the Year	Upto 31.3.2013	As on 31.3.2013	As on 31.3.2012
Building A/c	7,28,88,109.00		7,28,88,109.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	7,28,88,108.00	–	7,28,88,108.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
Leasehold Land	3,57,89,768.00	–	3,57,89,768.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	3,57,89,767.00	–	3,57,89,767.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
Library Books	1,20,103.00	-	1,20,103.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	1,19,904.00	-	1,19,904.00	–	–	–	–	–
	199.00	-	199.00	–	–	–	199.00	199.00
Furniture & Fixture	33,58,721.00	-	33,58,721.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	33,57,764.00	-	33,57,764.00	–	–	–	–	–
	957.00	-	957.00	–	–	–	957.00	957.00
Office Equipment	1,01,05,466.00	-	1,01,05,466.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	1,01,04,599.00	-	1,01,04,599.00	–	–	–	–	–
	867.00	-	867.00	–	–	–	867.00	867.00
Training Equipment	8,43,106.00	–	8,43,106.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	8,43,101.00	–	8,43,101.00	–	–	–	–	–
	5.00	–	5.00	–	–	–	5.00	5.00

Schedule 1 fixed assets as at 31st march 2013

B. Assets Acquired out of Specific Grants *(Contd.)* **:**

(₹)

Description of Assets	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK	
	As on 01.04.12	Additions During the Year	Total As on 31.3.2013	Upto 31.3.2012	For the Year	Upto 31.3.2013	As on 31.3.2013	As on 31.3.2012
Electricals	22,76,653.00	–	22,76,653.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	22,76,465.00	–	22,76,465.00	–	–	–	–	–
	188.00	–	188.00	–	–	–	188.00	188.00
Computer Items	32,52,006.00	–	32,52,006.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	32,51,853.00	–	32,51,853.00	–	–	–	–	–
	153.00	–	153.00	–	–	–	153.00	153.00
Vehicles	4,33,715.00	–	4,33,715.00	–	–	–	–	–
Less : Grants from GOI	4,33,714.00	-	4,33,714.00	–	–	–	–	–
	1.00	–	1.00	–	–	–	1.00	1.00
Total (₹) (B)	**2,372.00**	**–**	**2,372.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**2,372.00**	**2,372.00**
Total (₹) (A+B)	**59,89,187.00**	**12,77,183.00**	**65,99,883.00**	**29,84,868.00**	**4,34,089.00**	**27,94,650.00**	**38,05,233.00**	**30,04,319.00**
Previous year (₹)	**44,71,083.00**	**15,18,104.00**	**59,89,187.00**	**26,51,924.00**	**3,32,944.00**	**29,84,868.00**	**30,04,319.00**	**18,19,159.00**

Note : *Assets acquired out of Government Grants are shown at ₹ 1.00 per item.*

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

(₹)

	As at 31.3.2013	As at 31.3.2012
SCHEDULE '2' INVENTORIES		
EMT Kits	70,434.00	1,02,297.00
Stock of Publications	8,199.00	6,714.00
Stock of Course Material	81,905.00	34,052.00
Stock of Stationery Items	56,804.00	1,10,826.00
TOTAL	**2,17,342.00**	**2,53,889.00**
SCHEDULE '3' SUNDRY DEBTORS		
Outstanding for More Than Six Months:		
- Considered Good*	57,04,273.00	45,98,165.00
- Considered Doubtful	–	–
	57,04,273.00	**45,98,165.00**
Others - Outstanding for Less Than Six Months**	11,83,10,301.00	1,58,61,354.00
TOTAL	**12,40,14,574.00**	**2,04,59,519.00**
**Outstanding for More Than Six Months - Considered Good*		
- BECIL	12,000.00	–
- KVIC Mumbai	8,02,500.00	–
- Ministry of External Affairs	22,18,388.00	45,98,165.00
- Ministry of Finance	1,85,091.00	–
- Ministry of Rural Development	10,00,000.00	–
- Ministry of Social Justice & Empowerment	6,07,500.00	–
- NBCFDC	23,200.00	–
- NSIC	1,05,499.00	–
- Parry & Co.	16,000.00	–
- Zila Panchayat, Sheopur	7,34,095.00	–
TOTAL	**57,04,273.00**	**45,98,165.00**
***Others-Outstanding for Less Than Six Months*		
- All India Board of Education	7,500.00	–
- C Tech Cura	9,100.00	–
- IMS Ghaziabad	5,700.00	–
- Kamla Nehru Sewa Sansthan	4,050.00	–
- Ministry of External Affairs	1,53,99,860.00	1,17,07,786.00
- Ministry of MSME	10,23,54,381.00	–
- NIOS	27,005.00	–
- Sign World Inc	4,000.00	–
- State Bank of India	1,50,000.00	–
- Army Institute of Management & Technology	2,40,975.00	–
- Central Railway Information Systems	1,07,730.00	–
- BECIL	–	12,000.00
- KVIC Mumbai	–	14,02,500.00
- Ministry of Finance	–	1,85,091.00
- Ministry of Rural Development	–	10,00,000.00
- Ministry of Social Justice & Empowerment	–	6,07,500.00
- NBCFDC	–	23,200.00
- NSIC	–	1,73,182.00
- Parry & Co.	–	16,000.00
- Zila Panchayat Sheopur	–	7,34,095.00
TOTAL	**11,83,10,301.00**	**1,58,61,354.00**
SCHEDULE '4' CASH & BANK BALANCES		
Cash in Hand	5,42,920.00	1,83,352.00
OBC RGUMY	54,421.00	5,40,762.00
Commercial Internationl Bank (Egypt) *(Eq. USD 776)*	42,152.00	42,152.00
OBC Savings Fund Account 2654	1,62,80,205.00	21,94,352.00
OBC Savings Fund (Ozone)	18,472.00	17,753.00
OBC Saving Fund Account 2982	54,65,929.00	8,20,48,335.00
HDFC Saving Fund Account	2,09,586.00	2,05,526.00
FDR with HDFC	-	5,00,00,000.00
FDR with OBC	5,20,00,000.00	3,00,00,000.00
TOTAL	**7,46,13,685.00**	**16,52,32,232.00**

(₹)

	As at 31.3.2013	As at 31.3.2012
SCHEDULE '5' SECURITY DEPOSITS		
Telephone	6,500.00	6,500.00
Water	89,425.00	89,425.00
Electricity	2,73,230.00	2,73,230.00
DGE&T	50,000.00	50,000.00
NIFTEM	-	5,20,000.00
NMFDC	-	1,50,000.00
Security Deposit (Tender)	22,45,000.00	-
Security-Printer	20,000.00	-
Security Deposit (SSS Delhi)	3,50,000.00	-
Security - Washing Machine	30,000.00	-
TOTAL	**30,64,155.00**	**10,89,155.00**
SCHEDULE '6' LOANS AND ADVANCES		
Advances to Others	–	71,628.00
Advances to Staff	–	24,500.00
Festival Advance - Staff	9,000.00	10,800.00
Pre-paid Expenses	2,85,630.00	1,71,515.00
TA Advance	6,000.00	55,660.00
TDS Refundable/Recoverable	30,35,716.00	23,87,857.00
Amount Recoverable - Sh. Vinesh Chhabra	74,825.00	74,825.00
Accrued Interest Payable - MSME	11,41,138.00	32,32,317.00
TOTAL	**45,52,309.00**	**60,29,102.00**
SCHEDULE '7' CURRENT LIABILITIES		
Sundry Creditors	2,03,09,200.00	81,00,014.00
Amount Payable	41,18,312.00	27,47,636.00
Salary Payable	73,622.00	–
TOTAL	**2,45,01,134.00**	**1,08,47,650.00**
Advances from Government Sector:		
Advance for CRR Programme	7,20,000.00	–
Advance for Partnership Institutions	–	7,46,00,687.00
Advance for Evaluation Study of the Scheme	3,11,000.00	–
Advance for Ministry of Minority Affairs	10,75,000.00	–
Advance for RGUMY	–	5,00,000.00
Advance for Skill Development Programmes	–	1,55,105.00
Advance for SJSRY Programmes	13,50,000.00	–
Advances for TREAD Programmes	1,80,000.00	–
Advances for HUPA	4,35,000.00	–
Advance for Programme on IPFC	23,23,331.00	–
Grants for Capital Assets	51,619.00	51,619.00
Interest on IPFC Programme Advance	1,05,205.00	–
Interest on RGUMY Advance	96,477.00	–
Interest for Partnership Institutes - MSME	–	1,10,39,111.00
TOTAL	**66,47,632.00**	**8,63,46,522.00**
Amount Payable to Others:		
Security Deposit Payable	2,06,90,698.00	1,44,43,818.00
TOTAL	**2,06,90,698.00**	**1,44,43,818.00**
Provisions:		
Provision for Retirement Benefits	1,11,04,075.00	68,30,952.00
Provision for Doubtful Debts	68,678.00	68,678.00
Provision for Expenses	–	60,000.00
TOTAL	**1,11,72,753.00**	**69,59,630.00**
GRAND TOTAL	**6,30,12,217.00**	**11,85,97,620.00**

(₹)

	Year Ended 31.3.2013	Year Ended 31.3.2012
SCHEDULE '8' TRAINING INCOME		
Course Fee	98,70,572.00	61,24,850.00
International Training Programme Fee	3,56,29,286.00	2,97,65,853.00
Receipts from Ministry of Labour & Emplyoment	4,10,400.00	11,80,000.00
Receipts from Ministry of MSME	42,06,79,741.00	18,87,14,313.00
Receipts for TREAD Programme	–	4,68,750.00
Receipts from IPFC	1,76,669.00	–
Receipts from Cluster	–	39,38,000.00
Receipts from Sericulture, MP	–	4,25,896.00
Receipts from SJSRY	–	10,45,501.00
Receipts from KVIC	–	1,75,000.00
Reimbursement for Evaluation Study, MP	–	1,91,000.00
Receipts from Evaluation Study	9,24,000.00	–
Receipts from IPR Training Programme	5,00,000.00	–
Receipts of Skill Development Programme (M.P.)	1,55,105.00	–
Receipts from RGUMY	20,19,000.00	–
Sale of Publication/EMT Kits	43,603.00	1,24,905.00
EDC Income	30,000.00	1,95,000.00
TOTAL	**47,04,38,376.00**	**23,23,49,068.00**
SCHEDULE '9' OTHER INCOME		
Membership Fee	–	55,000.00
Hostel Income	15,55,477.00	9,05,990.00
Interest on Advance	14,736.00	3,876.00
Interest on Saving	19,14,827.00	32,16,946.00
Office Rental Income	10,44,100.00	73,105.00
Recruitment Fee	42,250.00	700.00
Sale of Tender Documents	–	2,500.00
Surplus on Sale of Fixed Assets	43,820.00	–
TOTAL	**46,15,210.00**	**42,58,117.00**
SCHEDULE '10' EMPLOYEES' REMUNERATION & BENEFITS		
ACP Arrears (Staff)	5,21,273.00	1,50,940.00
Basic Pay (Officers)	36,97,491.00	30,82,295.00
Basic Pay (Staff)	18,95,656.00	25,73,170.00
Bonus to Staff	69,080.00	72,222.00
Dearness Allowance (Officers)	31,77,188.00	20,67,205.00
Dearness Allowance (Staff)	16,76,290.00	17,65,864.00
Deputation Allowance-DG	37,067.00	–
DA Arrears	1,21,844.00	2,13,561.00
Employer's Contribution to Provident Fund	17,12,221.00	17,02,488.00
Grade Pay (Officers)	8,34,048.00	6,49,133.00
Grade Pay (Staff)	5,00,961.00	7,04,400.00
Honorarium to Staff	90,500.00	16,000.00
House Rent Allowance (Officers)	13,94,690.00	11,19,429.00
House Rent Allowance (Staff)	7,16,033.00	9,80,181.00
Leave Encashment to Staff	23,18,704.00	15,605.00
Leave Travel Concession Expenses	1,46,257.00	13,743.00
Medical Benefit Expenses	21,60,493.00	4,42,349.00
Overtime Expenses	6,225.00	23,496.00
Salary and Allowances	2,99,032.00	13,73,920.00
Special Allowance	7,500.00	7,875.00
Staff and Faculty Development Expenses	1,300.00	67,700.00
Staff Welfare Expenses	1,06,657.00	1,22,300.00
Transport Allowance (DA)	2,77,355.00	3,57,320.00
Transport Allowance (Officers)	1,83,148.00	2,24,000.00
Transport Allowance (Staff)	2,04,773.00	4,03,330.00
Gratuity Benefit	42,73,123.00	–
TOTAL	**2,64,28,909.00**	**1,81,48,526.00**

(₹)

	Year Ended 31.3.2013	Year Ended 31.3.2012
SCHEDULE '11' TRAINING EXPENSES		
Boarding & Lodging Expenses - Training	1,36,35,421.00	1,25,83,420.00
Brochure Expenses	–	67,000.00
Business Promotion Expenses	9,35,155.00	9,26,740.00
Cluster Development Programme Expenses	3,56,657.00	4,57,664.00
Consultants Fee & Expenses	3,47,000.00	36,500.00
Course Material	7,94,207.00	9,31,014.00
Coordinator Fee & Expenses	2,13,000.00	–
DGR Programme Expenses	1,60,178.00	–
EDP - SBI Programme Expenses	20,000.00	–
EMT Kit Expenses	31,863.00	46,551.00
Evaluation Study MSME	6,38,750.00	–
Evaluation Study NMDFC	3,90,000.00	–
Foreign Travel Expenses	1,30,116,00	1,57,235,00
IFC Programme Expenses	77,548.00	–
IPFC Programme Expenses	5,24,061.00	–
IPR Programme Expenses	4,71,240.00	–
Outside Faculty Expenses	10,77,150.00	8,10,268.00
Publicity Expenses - Training	15,31,491.00	9,07,219.00
RGUMY Programe Expenses	–	72,459.00
Skill Development Programme Expenses	75,000.00	–
Study Tour Expenses	61,22,699.00	56,09,450.00
TREAD Programme Expenses	–	1,68,000.00
Vehicle Hiring Expenses	3,52,286.00	5,34,518.00
Faculty Traveling Expenses	6,11,488.00	2,09,820.00
MP Programme Expenses	–	32,603.00
MSME Coordinator/Miscellaneous Expenses	6,07,83,467,00	4,36,85,674,00
MSME Faculty Expenses	6,68,13,900.00	3,03,29,940.00
MSME PI Programme Expenses	7,46,10,264.00	1,12,09,000.00
MSME Programme Expenses	1,06,03,550.00	40,17,786.00
MSME Rent Expenses	11,74,61,000.00	6,00,85,652.00
PI (168) Programme Expenses	–	9,45,000.00
PI (39575) Programme Expenses	–	12,66,148.00
Tender Charges	1,14,500.00	10,000.00
Sundry Debtors Written Off (MEA)	4,761.00	–
TOTAL	**35,88,86,752.00**	**17,50,99,661.00**
SCHEDULE '12' RESEARCH & PUBLICATION EXPENSES		
Newsletter Expenses	1,79,000.00	–
Research / Publication Expenses	18,10,303.00	4,94,052.00
TOTAL	**19,89,303.00**	**4,94,052.00**
SCHEDULE '13' ADMINISTRATION EXPENSES		
Advertisement Expenses	16,728.00	–
Annual Membership Fee	22,060.00	22,060.00
Audit Fee	18,539.00	18,539.00
Bank Charges	833.00	1,189.00

(₹)

	Year Ended 31.3.2013	Year Ended 31.3.2012
SCHEDULE '13' ADMINISTRATION EXPENSES *(Contd.)*		
Consumable Items	8,876.00	20,571.00
Conveyance Expenses	2,30,469.00	2,19,509.00
Electric Maintenance Expenses	94,933.00	69,200.00
Electricity & Water Expenses	25,28,063.00	19,12,878.00
Generator Expenses	4,94,793.00	2,97,644.00
Horticulture Expenses	7,82,842.00	5,79,297.00
Hostel Expenses	94,815.00	1,57,091.00
House-keeping Expenses	10,63,171.00	6,80,598.00
Insurance Expenses	45,014.00	57,339.00
Journals for Library	13,056.00	425.00
Legal & Professional Expenses	39,356.00	1,06,930.00
Meeting Expenses	38,169.00	50,565.00
Newspaper & Periodicals	93,315.00	66,199.00
Postage & Telegram	1,61,905.00	1,13,617.00
Petrol, Oils & Lubricants	2,73,992.00	1,62,481.00
Recruitment Expenses	2,31,563.00	57,499.00
Repairs & Maintenance - Fixed Assets	8,99,700.00	6,24,078.00
Repairs & Maintenance - Office	29,15,958.00	20,31,765.00
Security Expenses (Office)	5,11,402.00	4,96,656.00
Stationery & Printing Expenses	17,49,553.00	15,19,434.00
Telephone Expenses	9,12,242.00	6,90,100.00
Vehicle Running & Maintenance Expenses	57,771.00	78,769.00
Washing Expenses	91,150.00	97,782.00
TOTAL	**1,33,90,268.00**	**1,01,32,215.00**
SCHEDULE '14' PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		
Prior Period Income:		
Expenses Recovered Account	12,020.00	1,53,489.00
Prior Period Income	3,54,117.00	9,76,088.00
TOTAL (A)	**3,66,137.00**	**11,29,577.00**
Prior Period Expenses:		
Prior Period Expenses	18,66,610.00	2,53,639.00
TOTAL (B)	**18,66,610.00**	**2,53,639.00**
Net Prior Period Adjustments (A-B)	**(15,00,473.00)**	**8,75,938.00**

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

A. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Basis of Preparation of Financial Statements

The financial statements have been prepared on going concern assumption and under historical cost convention basis.

The generally accepted accounting standards & principles as notified by the Institute of Chartered Accountants of India have been adopted by the Institute.

The Institute generally follows the mercantile system of accounting and recognizes income and expenditure on accrual basis except those with significant uncertainties.

2. Fixed Assets

i) Fixed Assets are stated at cost of acquisition and subsequent improvements thereof including taxes, duties, freight and other incidental expenses (including cost of specific borrowings) related to acquisition and installation.

ii) Depreciation on the assets has been provided on Straight Line Method (SLM) on the basis of the life of the assets estimated by the Management.

iii) No amortization of leasehold land has been made as the same is for a very long period (99 years) and the value is on increasing trend.

3. Inventories

Course materials are valued at cost or net realizable value whichever is lower. Cost includes all the direct expenses but excludes administrative, financial and selling expenses.

4. Recognition of Income and Expenditure

Income and Expenditure are recognised on accrual basis.

5. Government Grants

a) Government Grants related to specific fixed assets are presented in the Balance Sheet by showing the Grants as deduction from the gross value of the assets concerned in arriving at their book value. Where such Grants equal the whole value of the cost of the assets, the asset is shown in the Balance Sheet at a nominal value of Re. 1/- each.

b) Government Grants related to revenue are recognized in the Income and Expenditure Account separately.

6. Contingent Liabilities

Contingent Liabilities which are not provided for in the Accounts, are disclosed separately in Notes on Accounts.

7. Prior Period Adjustments

All prior period adjustments including those ascertained and determined during the year, have been accounted for under the respective heads of accounts.

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. The Institute is carrying on its activities from the present premises since April 2004. A compounding fee of Rs. 7,33,581/- has been deposited with NOIDA Authority on 6th September 2012 towards grant of building completion certificate.

2. Sundry Debtors, exceeding six months largely representing government sector, amount to ₹ 57,04,273/- are subject to confirmation.

3. Balance of ₹ 42,152/- is lying in the Commercial International Bank, Egypt. The management has requested the bank for closure of the account.

4. As per information available with the Institute, there is no Amount Payable to suppliers covered under Micro, Small & Medium Enterprise Development Act, 2006. As a result, no interest provision/payment has been made.

5. Balance of Debtors, Loans and Advances, Creditors/ Expenses Payable is subject to confirmation and reconciliation.

6. Contingent Liabilities : Legal case filed by one of the employees of the Institute is pending in

Delhi High Court, in which the liabilities could not be quantified, on account of higher post/ higher emoluments demanded.

7. All known liabilities have been provided for in the books of account for the year ended 31st March, 2013.

8. The Institute is recognizing membership fees on cash basis.

9. In the opinion of the Institute's Management and to the best of their knowledge and belief, the value of realization of Current Assets, Loan & Advances, except those which are stated in Notes to Accounts, in the ordinary course of business will not be less than the amount at which they are stated in the Balance Sheet.

10. Prior Period Adjustments consist of :

		2012-13	2011-12
a)	Income of previous year booked in current year	3,66,137/-	11,29,577/-
b)	Amount Treated as Expenses	(-) 18,66,610/-	(-) 2,53,639/-
	Net :	(-) 15,00,473/-	8,75,938/-

11.

Auditors' Remuneration	Current Year (₹)	Previous Year (₹)
Audit Fees (*including Service Tax*)	18,539/-	18,539/-

12. Figures for the previous year have been regrouped and / or rearranged wherever necessary. Paise have been rounded off to the nearest rupee.

13. Schedules 1 to 8 form part of the Balance Sheet as at 31st March, 2013, Schedules 15 Notes and Accounting Policies and Schedules 9 to 14 form part of the Income and Expenditure Account.

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Receipts and Payment Account for the year ended 31st march 2013

RECEIPTS	AMOUNT (₹)	PAYMENT	AMOUNT (₹)
Opening Balance		CPF Payable	12,784.00
Commercial International Bank, Egypt	42,152.00	Income Tax Payable (Others)	2,21,53,030.00
Fixed Deposit A/c - HDFC	5,00,00,000.00	Income Tax Payable (Salary)	4,494.00
Fixed Deposit A/c - OBC	3,00,00,000.00	Provisions for Doubtful Debts	1,713.00
HDFC S/F - A/c No. 03941450000114	2,05,526.00	VCPF Payable	1,235.00
O.B.C. (OZONE) S/F - A/c No. 09312011002678	17,753.00	Amount Payable	40,42,824.00
O.B.C. PI S/F - 09312011002982	8,20,48,335.00	Security Deposits Payable	82,88,640.00
O.B.C. S/F - 09312011002654	21,94,352.00	Sundry Creditors	28,90,85,503.00
O.B.C. RGUMY S/F - 09312151009476	5,40,762.00	Fixed Assets Computers	80,625.00
Cash in Hand	1,83,352.00	Fixed Assets Electricals	2,66,850.00
Advance for ATI (Non PI)	8,79,52,500.00	Fixed Assets Furniture and Fixture	49,350.00
Advance for ATI (PI)	1,29,77,500.00	Fixed Assets Library Books	38,780.00
Advance for CRR Programme	7,20,000.00	Fixed Assets Office Equipments	85,416.00
Advance for Evaluation Study of the Scheme	3,11,000.00	Fixed Assets Training Equipments	3,52,310.00
Advance for HUPA	4,35,000.00	Prepaid Expenses	1,67,278.00
Advance for Ministry of Minority Affairs	10,75,000.00	TDS Recoverable/Refundable	4,12,693.00
Advance for P.I. Programme Exp.	5,76,02,250.00	Advance to Staff	4,63,834.00
Advance for Programme on (IPFC)	25,00,000.00	Advance to others	39,43,377.00
Advance for Programme on (IPR)	5,00,000.00	Security Deposits	17,94,000.00
Advance for SJSRY	13,50,000.00	TA Advance Staff	2,66,440.00
Advance for TREAD Programme	1,80,000.00	Boarding & Lodging Expenses	90,31,517.00
Interest for Partnership Instt-MSME	21,61,249.00	Business Promotion Expenses	8,61,354.00
Salary Payable	81,247.00	Cluster Programme Expenses	2,88,849.00
Accrued Interest	32,32,317.00	Course Material (Training) Expenses	7,76,595.00
Festival Advance	1,800.00	Evaluation Study MSME	96,250.00
Sundry Debtors	7,92,77,025.00	Evaluation Study NMDFC	3,90,000.00
Course Fee	93,02,017.00	Faculty Travelling Expenses	5,37,562.00
EDC Income	30,000.00	Foreign Travel Expenses	7,012.00
International Training Programme Fee	2,49,09,586.00	IFC Programme Expenses	14,635.00
Receipt From Evaluation Study	8,96,280.00	IPFC Programme Expenses	87,579.00
Receipt From Ministry of Labour & Employment	4,10,400.00	IPR Programme Expenses	11,240.00
Receipt From RGUMY	15,19,000.00	MSME-PI Programme Expenses	82,11,229.00
Sale of Furniture & Fixture	12,526.00	Outside Faculty Expenses	1,04,500.00
Sale of Vehicles	29,654.00	Publicity Expenses (Trg.)	48,020.00
Sale of EMT Kits	24,900.00	Research and Publication Expenses	2,89,546.00
		Skill Dev. PI Expenses	75,000.00
		Study Tour Expenses	30,03,527.00

Receipts and Payment Account

for the year ended 31st march 2013

RECEIPTS	AMOUNT (₹)	PAYMENT	AMOUNT (₹)
Sale of Publications	1,400.00	Tender Charges	1,00,000.00
Hostel Income	15,55,477.00	Vehicle Hiring Expenses	1,17,169.00
Interest Against Advance	14,330.00	Advertisement	14,562.00
Interest on Savings	50,48,236.00	Bank Charges	1,733.00
Office Rental Income	10,44,100.00	Consumable Items	6,445.00
Profit on Sale of Fixed Assets	43,820.00	Conveyance Expenses	2,30,039.00
Recruitment Fee	42,250.00	Electicity & Water Expenses	25,13,003.00
Expenses Recovered Account	12,020.00	Electric Maintenance Expenses	94,933.00
Prior Period Income	1,20,272.00	Generator Expenses	4,42,123.00
		Horticulture Expenses	21,000.00
		Hostel Expenses	94,815.00
		House Keeping Expenses	67,247.00
		Insurance Expenses	21,505.00
		Journals for Library	13,056.00
		Legal and Professional Expenses	39,356.00
		Meeting Expenses	38,169.00
		Newspapers and Periodicals	93,315.00
		Petrol, Oil and Lubricants	2,70,138.00
		Postage Expenses	93,079.00
		Printing and Stationery Expenses	9,12,397.00
		Recruitment Expenses	91,291.00
		Repairs and Maintenance (Office)	19,18,558.00
		Repairs and Mainte6nance (Vehicles)	38,560.00
		Repairs and Maintenance (Fixed Assets)	3,79,378.00
		Telephone Expenses	8,35,946.00
		Washing Expenses	96,120.00
		ACP (Arrears Staff)	5,21,273.00
		Basic Pay - Officers	36,97,491.00
		Basic Pay - Staff	18,95,656.00
		Bonus (Staff)	69,080.00
		Contribution to CPF	17,05,829.00
		DA (Arrears)	1,21,844.00
		DA - Officers	31,77,188.00
		DA - Staff	16,76,290.00
		Deputation Allowance - DG	37,067.00
		Grade Pay (Officers)	8,34,048.00
		Grade Pay (Staff)	5,00,961.00

Receipts and Payment Account for the year ended 31st march 2013

RECEIPTS	AMOUNT (₹)	PAYMENT	AMOUNT (₹)
		Honorarium to Staff	90,500.00
		HRA - Officers	13,94,690.00
		HRA - Staff	7,16,033.00
		Leave Encashment to Staff	23,18,704.00
		L.T.C. Expenses	1,46,257.00
		Medical Benefits Expenses	21,60,493.00
		Overtime Expenses	5,313.00
		Salary & Allowances Expenses	3,00,532.00
		Special Allawance	7,500.00
		Staff and Faculty Development Expenses	1,300.00
		Staff Welfare Expenses	58,850.00
		TA (Officers)	1,83,148.00
		TA (Staff)	2,04,773.00
		Transport Allowance (DA)	2,77,355.00
		Closing Balance	
		Commercial International Bank, Egypt	42,152.00
		Fixed Deposit A/c - OBC 2654	5,20,00,000.00
		HDFC S/ F -A/c No. 03941450000114	2,09,586.00
		OBC (OZONE) S/F -A/c No. 09312011002678	18,472.00
		OBC (PI) S/F - A/c No. 09312011002982	54,65,929.00
		OBC S/F - A/c No. 09312011002654	1,62,80,205.00
		OBC (RGUMY) S/F - A/c No. 09312151009476	54,421.00
		Cash-in-hand	5,42,920.00
TOTAL	**46,06,05,388.00**	**TOTAL**	**46,06,05,388.00**

As per our report of even date attached

Sd./-
Sunil Bhatia
Partner
M. No. 16495
For and on behalf of
D. Bhatia & Co.
Chartered Accountants
Registration No. 000971N

For **THE NATIONAL INSTITUTE FOR ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS DEVELOPMENT**

Sd./-
(VINOD KUMAR SHARMA)
ACCOUNTS OFFICER (I/C)

Sd./-
(ARUN KUMAR JHA)
DIRECTOR GENERAL

Place : New Delhi
Date : 27 September, 2013

Appendix 'A' statement of number of programmes and beneficiaries

Programme Categories	1983-1992		1992-2011		2011-2012		2012-2013		Total
	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog.	No. of Benef.	No. of Prog./ Benef.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. TRAINERS' TRAINING PROGRAMME									
a) Accreditation Programme:									
i) First Phase	14	228	33	472	3	58	1	17	
ii) Final Phase	11	130	21	252	2	31	1	08	
b) Enterprise Launching and Management	10	160	7	106	–	–	–	–	
c) Training of Trainers for Small Enterprise Mgt. Asstt.	–	–	3	40	–	–	–	–	
d) Orientation Programme on Micro Enterprise Dev. for Project Officers of Voluntary organisations	–	–	3	37	–	–	–	–	
e) Training of Trainers for Self-Employment (PMRY)/ Income Generation	–	–	17	299	–	–	–	–	
f) Project Identification, Formulation & Appraisal	–	–	13	186	3	45	–	–	
g) Planning & Organising EDP	–	–	10	189	1	13	–	–	
h) TTP for SRDT Faculty/Trainers	–	–	3	47	–	–	–	–	
i) Small Business Planning & Promotion	–	–	4	57	–	–	–	_	
j) Business Advisors Training	–	–	1	07	–	–	–	–	
k) Human Resource Development Through Entrepreneurship	–	–	2	44	–	–	–	–	
l) Capacity Building in Entrepreneurship Development	_	_	4	49	–	–	–	–	
m) Capacity Building Programme (NIESBUD-IFC)	_	_	_	_	–	–	5	82	
n) Innovative Leadership for Organisation Growth & Excellence	_	_	_	_	–	–	1	20	
TOTAL	**35**	**518**	**121**	**1,785**	**9**	**147**	**8**	**127**	**173/2,577**
2. TRAINERS'/PROMOTERS' ORIENTATION PROGRAMME									
a) DICs and Other Middle Management	20	443	8	173	–	–	1	70	
b) SIDO Officers	12	181	4	63	2	35	–	–	
c) Trainers' Training Programmes for Officials of Voluntary Organisations	1	12	1	17	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
d) Women Trainers' Training Programme/Promotion of Income Generation Activities	4	81	7	100	–	–	–	–	
e) Orientation Programme for IIT Professors	1	8	–	–	–	–	–	–	
f) Trainers' Orientation/Planning & Organizing EDPs	11	390	3	87	–	–	–	–	
g) Course on Assessing and Monitoring Industrial Health	1	8	–	–	–	–	–	–	
h) Techniques for Identification & Selection for Potential Entrepreneurs	2	33	–	–	–	–	–	–	
i) TTP on Industrial/Business Project Appraisal Techniques	–	–	4	49	–	–	–	–	
j) Entrepreneurship Orientation Training for KVIC/Retiring Employees/ILFS/BECIL/DGR	–	–	10	189	–	–	1	15	
k) Developing Personal Effectiveness/Capacity Building for Improved Performance	–	–	10	167	2	30	–	–	
l) Faculty Dev. Prog. on Entrepreneurship Motivation	–	–	13	225	–	–	–	–	
m) SMEs Mgt. Development Programme/Stress & Time Mgt.	–	–	9	210	–	–	2	33	
n) Proj. Identifiction, Selection, Planning, Scheduling & Monitoring	–	–	6	91	–	–	–	–	
o) Intellectual Property Rights (IPRs)	–	–	7	209	–	–	–	–	
p) Sustenance & Growth of SHGs	–	–	2	50	–	–	–	–	
q) Training Programme (SFURTI)/Lean Manufacturing Competitiveness	–	–	3	50	–	–	–	–	
r) Working Capital Assessment & Management	–	–	1	13	–	–	–	–	
s) Training Programme for Business Dev. Service Providers/BMOs	–	–	1	25	–	–	1	20	
TOTAL	**52**	**1,156**	**89**	**1,718**	**4**	**65**	**5**	**138**	**150/3,077**
3. SMALL BUSINESS PROMOTERS' PROGRAMME									
a) Small Business Promoters/ Women Empowerment Through Enterprise Development / Employability Skills	4	66	17	464	–	–	1	20	
b) TRYSEM & ISB Beneficiaries/Call Centre Executives/Udymi Mitras	3	64	11	317	5	135	5	73	
c) Training Programme on Entrepreneurship Development for SC/ST Trainers/Promoters	3	45	–	–	–	–	–	–	
d) Self Employment Trainers' Training Programme	1	22	–	–	–	–	–	–	
e) Orientation Programme on Entrepreneurship Development Projects of V.O.	1	6	9	233	1	16	–	–	
f) Entrepreneurship Orientation Programme for DWACRA Functionaries/Weaker Section/SHGs/IGP/Micro Enterprise Dev.	–	–	44	1,062	4	78	3	55	
g) Training of Enterprise Support Teams/Grassroot Management Training (GMT) - WEMTOP Project	–	–	36	814	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
h) Micro-Credit Programme/Innovative Business Opportunities	–	–	2	41	–	–	–	–	
i) Gender Equity Through Enterprise Development	–	–	2	120	–	–	–	–	
j) Induction Programme for Promoters (CBSE-NIESBUD-GIZ)	–	–	–	–	–	–	1	30	
TOTAL	**12**	**203**	**121**	**3,051**	**10**	**229**	**10**	**178**	**153/3,661**
4. SMALL ENTERPRISE CONTINUING EDUCATION (SECEP) FOR SUSTAINING ENTREPRENEURSHIP									
a) General Management Course for Small Entrepreneurs	2	48	–	–	–	–	–	–	
b) Small Enterprise Management Programme Formulation/ Implementation	1	20	–	–	–	–	–	–	
c) Assessment & Management of Working Capital	3	22	6	90	–	–	–	–	
d) Orientation Prog. for Mktg. (Export)/Web Promotion for Exports	1	27	17	337	17	214	18	165	
e) Industrial/Commercial Law Appreciation Programme for Small Entrepreneurs/ Computer for Small Entrepreneurs	15	445	1	9	–	–	–	–	
f) Creativity & Innovative Strategies for Overcoming Creative Block	–	–	–	–	–	–	1	168	
g) Financial Planning & Control for SSI/How to Raise Finance	4	49	6	63	–	–	1	17	
h) Opportunity and Support for Expansion, Diversification & Modernising Small Enterprises	4	91	1	12	–	–	–	–	
i) Enhancing Productivity, Improving Quality & Effectiveness	1	28	2	14					
j) Small Enterprise Management Assistant Programme (Barefoot Managers)	–	–	2	35					
k) Total Quality Management (Small Business & Industry)	–	–	5	61					
l) Marketing for Small Industries & Business	–	–	10	106					
m) Managing & Controlling Small Business Accounts	–	–	4	46					
n) Opportunity Identification & Guidance	–	–	5	68					
o) Marketing Research for Management Decisions / Creative Selling & Effective Advertising/Effective Salesmanship	–	–	10	115					
p) Market Assessment Methods for Launching a Business	–	–	2	19					
q) Strategic Management for Small Business	–	–	3	19					
r) Effective Business Communication for Small & Medium Entreprises	–	–	5	79					
s) Project Management/Project Mgt. Trg. & Certification	–	–	1	10	–	–	4	71	
t) Trg. Prog. on Appraisal of Credit Proposals in NSIC	–	–	2	63	–	–	–	–	
u) Effective Marketing Strategies for Improved Business Performance	–	–	4	57	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
v) Leadership & Team Building Skills for Improved Enterprise Growth & Development	–	–	3	40	5	98	1	25	
w) Induction Training for Fresh Recruits of HCL (NIIT)/Personality Development and Communication Skills	–	–	2	59	–	–	1	9	
x) The 8 x 8 Beyonder Leadership/Beyonder-I Wisdow/Whole Brain Thinking	–	–	–		3	29	–	–	
y) Video Editing & Sound Recording/Film Production & Direction/TV Journalism		–	–		3	19	–	–	
z) Buyer-Seller Meet/ Organisational Growth Through Creativity & Innovation	–	–	–		1	25	4	30	
TOTAL	**31**	**730**	**91**	**1,302**	**29**	**385**	**30**	**485**	**181/2,902**
5. ENTREPRENEURSHIP ORIENTATION PROGRAMME FOR HEAD OF DEPARTMENTS & SENIOR EXECUTIVES									
a) Workshop on Emerging Trends in Entrepreneurship for SISI Directors	1	14	–	–					
b) State-level Top/Middle Executive Entrepreneurship Orientation Programme	3	102	1	42					
c) Employment Exchange Directors/Shramik Vidyapeeth Officials	3	41	–	–					
d) Diagnostic & Counselling Skills for Senior Officers	1	15	–	–					
e) Regional Convention on Sharing Experiences in Developing Entrepreneurship and Self-Employment in North-Eastern Region	3	128	–	–					
f) Entrepreneurship Orientation Programme for School Principals/ Trainers/Teachers of U.P./P.I.s	1	16	1	17	–	–	4	114	
g) Annual Conference of Heads of Institutions & Senior Officers - Ministry of SSI	–	–	2	215					
h) Innovative Leadership & Emotional Intelligence/ Enhancement of Entrepreneurial Performance	–	–	16	288					
i) Capacity/Competency Building for IIT Principal/Sr. Faculty	4	125	20	323	5	93	5	96	
TOTAL	**16**	**441**	**40**	**885**	**5**	**93**	**9**	**210**	**70/1,629**
6. CONFERENCES, SEMINARS & WORKSHOPS									
a) National Seminars/ Workshops on different topics/trades	17	950	201	10,741	1	35	1	25	
b) Programme on Entrepreneurship Development for IIT, Delhi	1	41	–	–	–	–	–	–	
c) WTO: Issues & Implications on SSI	–	–	1	55	–	–	–	–	
d) Sensitization Workshop on WTO & IPR/SFURTI/Cluster	–	–	25	1,050	2	55	10	527	
e) Trainers' Meet/ CBSE Brainstorm Meet/CBSE Teachers Workshops	–	–	1	68	1	31	3	73	
f) International Conference	–	–	1	150	-	-	–	–	
TOTAL	**18**	**991**	**229**	**12,064**	**4**	**121**	**14**	**625**	**265/13,801**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
7. INTERNATIONAL PROGRAMME, WORKSHOP, SEMINAR AND TRAINING									
a) International Seminar for Women Entrepreneurs	1	42	1	43	–	–	–	–	
b) One month Individual Training in the Area of Entrepreneurship Development	1	1	2	21	–	–	–	–	
c) International Programme on Small Business Creation & Development for Women Entrepreneurship/WED	5	46	21	264	1	38	1	16	
d) Overseas Entrepreneurship Development Policies & Programmes	1	2	1	22	–	–	–	–	
e) Training Programme on Development of Entrepreneurship & Entrepreneurial Skill for Participants from Commonwealth Countries	2	11	–	–	–	–	–	–	
f) International Programme on Entrepreneurship for Small Business Trainers/Promoters (ESB-TP)	5	49	21	391	1	33	1	37	
g) International Programme for Entrepreneurship Development for Business Entrants. (UNIDO Programme)	1	14	–	–	–	–	–	–	
h) International Programme on Small Business Planning & Promotion (SBPP)	1	8	20	336	2	37	2	37	
i) Request Programme on Micro Enterprise Development in India	–	–	5	36	–	–	–	–	
j) International Programme on Case Development	–	–	1	1	–	–	–	–	
k) International Programme on Curriculum Development	–	–	1	1	–	–	–	–	
l) Entrepreneurship Development & Promotion of Income Generation Activities (ED-PIGA)	–	–	22	396	1	24	1	20	
m) Business Advisors' Training Programme (BATP)	–	–	16	180	1	11	1	12	
n) HRD Through Entrepreneurship Education (HRD-EE)	–	–	5	64	1	28	1	24	
o) Sustenance & Growth of SHGs (SHGFGS)	–	–	4	62	1	13	1	18	
p) Innovative Leadership for Organisation Growth & Execellence (ILOGE)	–	–	–	–	1	34	1	40	
	–	–	–	–	–	–	–	–	
q) Total Quality Management for Lead Auditors & Consultants (TQM-LAC)	–	–	–	–	–	–	1	8	
r) International Marketing & Global Competitiveness (IMGC)	–	–	–	–	–	–	1	24	
s) Cluster Development - Emerging Strategy for MSME / Entrepreneurship (CDES-MSME)	–	–	–	–	–	–	1	9	
TOTAL	17	173	120	1,817	9	218	12	245	158/2,453
8. EDPS/ESDPS									
a) General Catagory / E-Learning Module	27	731	45	1,225	64	1,764	18	457	
b) Women Entrepreneurs	9	262	4	103	–	–	–	–	
c) Science & Technology Youth/ Exports	5	107	1	40	–	–	3	71	
d) SEEUY/SEEP/REDP	2	58	14	360	–	–	–	–	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
e) Ex-Servicemen/VRS Employees	6	158	8	129	–	–	–	–	
f) School Leavers/Students	1	24	4	132	–	–	–	–	
g) SC/ST/OBC Youth	4	103	2	41	–	–	–	–	
h) Food/Product/Process Oriented E.D.P.	7*	228	110	2,778	–	–	–	–	
i) Integrated Entrepreneurship Development	26*	770	191	4,775	–	–	–	–	
j) Information Technology/Computer Hardware	–	–	39	1,128	–	–	–	–	
k) Career Guidance Workshop/ Entrepreneurship/Skill Awareness Programme	–	–	140	9,643	–	–	–	–	
l) EDP for Students of Apeejay Institute of Design/ GGSIP University / SBI	–	–	3	147	–	–	1	24	
m) Sales/Showroom Management/Mall Management/Retail Managment	–	–	14	345	44	1,089	89	2,326	
n) Marketing Linkage	–	–	51	1,249	–	–	–	–	
o) Accountancy & Material Management/ Computerised Accountancy	–	–	37	940	–	–	1	25	
p) Sewing Machine Operations/Cutting & Tailoring	–	–	350	9,487	–	–	3	50	
q) Mobile Repairing	–	–	149	3,463	237	5,947	99	2,584	
r) Artificial Gems & Jewellery/Designing & Manufacturing of Artificial Jewellery	–	–	19	478	12	254	10	272	
s) Bio-Technology	–	–	20	500	8	200	6	150	
t) Welding Process & Quality Control/ Elect. Appliances Repairs etc.	–	–	32	796	46	1,150	139	3,469	
u) Animation/CDI / Android/Des. & Assm. of Electronic Devices	–	–	12	289	–	–	12	305	
v) Hospitality/Receptionist/House Keeping	–	–	113	2,680	29	725	56	1,375	
w) Room Boys	–	–	8	200	–	–	–	–	
x) Waste Utilization/Mushroom Cultivation	–	–	12	323	2	50	10	265	
y) Desk Top Publishing	–	–	4	100	238	5,933	52	1,454	
z) Tractor/Two Wheeler Repairs	–	–	6	140	4	100	26	667	
i) Garment Drafting & Construction	–	–	–	–	8	196	2	35	
ii) Beauty & Health Care/ Cosmetology & Beautician	–	–	–	–	22	533	21	525	
iii) Web Designing	–	–	–	–	53	1,406	156	4,067	
iv) Fashion Designing	–	–	–	–	123	3,079	71	1,863	
v) Leather Products / Footwear Designing	–	–	–	–	18	450	4	84	
vi) CAD with Pro-Engineers	–	–	–	–	32	800	–	–	

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10
vii)	Electroplating / Electronic Mechanic	–	–	–	–	4	100	7	157	
viii)	Computer Accounting with TALLY	–	–	–	–	89	2,225	137	3,610	
ix)	Sports Goods	–	–	–	–	4	100	–	–	
x)	Rep. & Main : Power Supply, Inverter & UPS/Batteries	–	–	–	–	24	603	163	4,070	
xi)	Plumbing & Saintory Fittings	–	–	–	–	6	150	68	1,703	
xii)	TIG/MIG Welding	–	–	–	–	5	125	6	133	
xiii)	Moulding & Pattern Cutting/Making	–	–	–	–	2	50	7	157	
xiv)	Food Processing	–	–	–	–	38	953	106	2,552	
xv)	Engineering Drawing with CAD	–	–	–	–	4	102	–	–	
xvi)	T.V. Repairing	–	–	–	–	2	50	25	549	
xvii)	Wireman Training	–	–	–	–	2	50	6	134	
xviii)	CAD/CAM/CNC Programming	–	–	–	–	24	600	61	1,584	
xix)	Fitter Fabrication/Fitter Maintenance General	–	–	–	–	4	100	34	789	
xx)	Interior Designing	–	–	–	–	3	75	7	156	
xxi)	Security Guards	–	–	–	–	4	100	10	276	
xxii)	Computer Hardware & Networking	–	–	–	–	233	5,829	158	4,157	
xxiii)	CNC Lathe Wire Cut Milling	–	–	–	–	4	100	2	50	
xxiv)	Apparel Manufacturing & Merchandising	–	–	–	–	1	5	2	50	
xxv)	Computers-Basic	–	–	–	–	2	11	4	78	
xxvi)	Computerised Embroidery Process	–	–	–	–	3	75	–	–	
xxvii)	A.C. Refrigerator & Water Cooler Repair	–	–	–	–	–	–	71	1,826	
xxviii)	Auto Body Painting	–	–	–	–	–	–	4	120	
xxix)	Bakery Products	–	–	–	–	–	–	4	101	
xxx)	C, C^{++} & oops	–	–	–	–	–	–	83	2,207	
xxxi)	Carpentry	–	–	–	–	–	–	2	42	
xxxii)	Core Java / Java & J2EE / OOPs Through Java	–	–	–	–	–	–	19	557	
xxxiii)	Dairy	–	–	–	–	–	–	2	46	
xxxiv)	Diesel Fuel Injection	–	–	–	–	–	–	93	2,295	

1		2	3	4	5	6	7	8	9	10
xxxv)	Digital Marketing/Micro-Strip Patch Antena Design & Techniques	–	–	–	–	–	–	3	44	
xxxvi)	.NET Technology / Embedded Systems	–	–	–	–	–	–	2	43	
xxxvii)	Draughtsmanship	–	–	–	–	–	–	44	1,136	
xxxviii)	Finishing & Packing Supervisor	–	–	–	–	–	–	3	64	
xxxix)	Glass Cutting & Polishing	–	–	–	–	–	–	4	90	
xl)	Hosiery & Woolen Garments	–	–	–	–	–	–	4	89	
xli)	Linux Administration	–	–	–	–	–	–	2	43	
xlii)	MCP and CCNA	–	–	–	–	–	–	4	104	
xliii)	Mehandi	–	–	–	–	–	–	2	30	
xliv)	Motor & Transformer Rewinding/ Motor Winding	–	–	–	–	–	–	6	135	
xlv)	Motor Winding & Pumpset Repair	–	–	–	–	–	–	45	1,153	
xlvi)	MS Office & Internet/MS Office & Internet-cum-Kiosk Operator/MS Office & Net/ MS Office App. & Internet	–	–	–	–	–	–	6	152	
xlvii)	Multimedia and Annimation	–	–	–	–	–	–	18	502	
xlviii)	Office Communication / Office Management	–	–	–	–	–	–	3	45	
xlxix)	Oracle / PCB / PLC / VHDL	–	–	–	–	–	–	4	76	
L)	Routing Technology CCNA	–	–	–	–	–	–	6	150	
Li)	Screen Painting and Hand Painting on Glass	–	–	–	–	–	–	1	21	
Lii)	SQL Server Database Administration	–	–	–	–	–	–	14	380	
Liii)	Tool & Die Making	–	–	–	–	–	–	4	88	
Liv)	Tour Operators	–	–	–	–	–	–	6	133	
	TOTAL	**87**	**2,441**	**1,388**	**41,491**	**1,398**	**35,079**	**2,041**	**51,945**	4,914/1,30,956
9.	**POST GRADUATE DIPLOMA IN ENTREPRENEURSHIP (PGDE)**	3	45	–	–	–	–	–	–	
	TOTAL	3	45	–	–	–	–	–	–	3/45
	GRAND TOTAL	271	6,698	2,199	64,113	1,468	36,337	2,129	53,953	6,067/1,61,101

* Includes 1 EDP for Women (34 beneficiaries)

** Includes 2 IEDMPs for Women (57 beneficiaries)

Appendix 'B' organisational chart

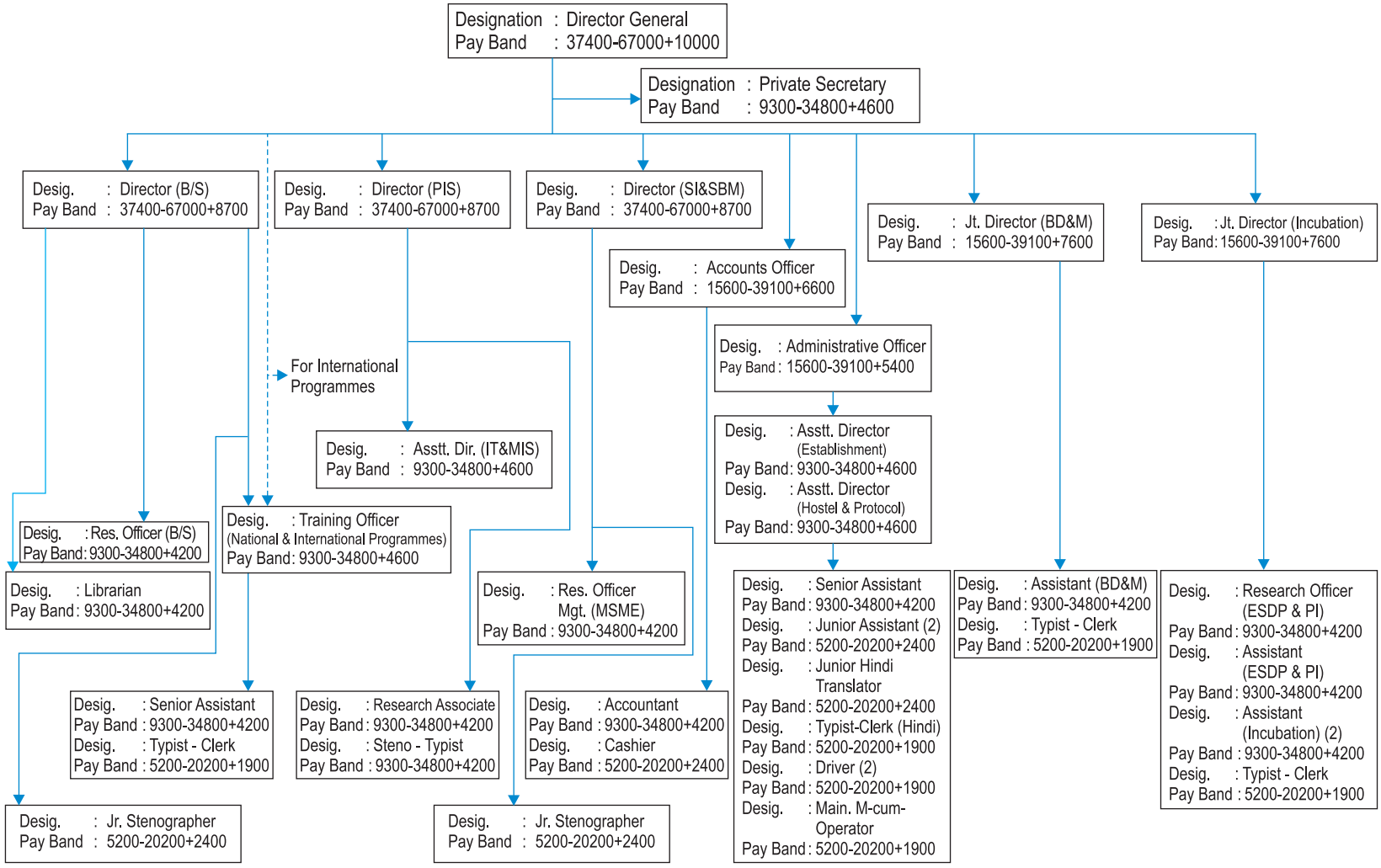

Besides, there are six MTS in the Institute. The Institute also hires the Services of different experts on contract basis as and when requied.

Exhibit-3 state-wise training programmes during the last three years

A. 2010-11

State	No. of Programmes	No. of Participants
Uttar Pradesh	496	14401
Uttarakhand	62	1686
Rajasthan	31	774
Odisha	62	1550
Delhi	103	2755
Bihar	30	746
Madhya Pradesh	68	1811
West Bengal	30	750
Punjab	16	400
Jharkhand	8	200
Goa	1	14
Maharashtra	1	27
Haryana	12	300
Tamil Nadu	6	150
Gujarat	8	200
Himachal Pradesh	4	100
TOTAL	**938**	**25864**

B. 2011-12

State	No. of Programmes	No. of Participants
Uttar Pradesh	693	16968
Haryana	98	2424
Chattissgarh	2	50
Punjab	56	1400
Uttarakhand	60	1516
Gujarat	38	950
Madhya Pradesh	39	987
Himachal Pradesh	27	670
West Bengal	126	3125
Delhi	74	1852
Rajasthan	45	1132
Jharkhand	115	2879
Bihar	87	2184
Jammu & Kashmir	8	200
TOTAL	**1468**	**36337**

C. 2012-13

State	No. of Programmes	No. of Participants
Rajasthan	89	2630
Odisha	91	3100
Delhi	81	1950
Bihar	218	6820
Madhya Pradesh	104	3200
West Bengal	186	4249
Punjab	84	2100
Jharkhand	253	6815
Himachal Pradesh	48	1200
Haryana	125	3620
Uttar Pradesh	692	13559
Gujarat	101	3210
Chandigrah	21	300
Chhattisgarh	36	1200
Total	**2129**	**53953**

निसबड : 50 कंपनियां देंगी नौकरियां

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु कारोबार विकास संस्थान (निसबड) द्वारा प्रशिक्षित किए गए छात्रों को 50 से ज्यादा कंपनियां नौकरी देने आएंगी। इसके लिए निसबड द्वारा 14 जून को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो चुके छात्रों के अलावा दिल्ली-एनसीआर के सभी छात्र भाग ले सकते हैं।

निसबड के इस रोजगार मेले के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 10 जून से शुरू होगी। 14 जून को होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा सांसद एम. जगन्नाथ और दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव डीएम सपोलिया शामिल होंगे। निसबड के महानिदेशक अरुण कुमार झा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इस संबंध में निसबड के संयुक्त निदेशक सुनील भारद्वाज ने बताया कि रोजगार मेले में रिटेल मैनेजमेंट, होटल एंड हॉस्पिटेलिटी, फैशन डिजाइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, ट्रैवल एंड टूरिज्म, कंप्यूटर, हार्डवेयर नेटवर्किंग, डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी), वेब डिजाइनिंग, एसी-वाटर कूलर-रैफ्रीजरेटर रिपेयरिंग, इलैक्ट्रिकल एप्लाइंसेज और मोबाइल रिपेयरिंग जैसे क्षेत्रों से जुड़ी कंपनियां इंटरव्यू के आधार पर चयन करेंगी।

निसबड का जॉब पोर्टल दिलाएगा नौकरी

स्वरोजगार की राह आसान बनाएंगे

नोएडा(ब्यूरो)। यदि आपने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) से प्रशिक्षण लिया है और आपको स्वरोजगार स्थापना में मुश्किल आ रही है तो घबराने की जरूरत नहीं। प्रशिक्षितों की सहायता के लिए निसबड ने नेहरू युवा केंद्र से हाथ मिलाया है। केंद्र के को-ऑर्डिनेटर्स निसबड से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लोगों की राह आसान करने में मदद करेंगे।

निस्बड की बैठक में पुस्तक का लोकार्पण

NIESBUD national seminar

The National Institute for Entrepreneurship and Small ...

Trends in Social Entrepreneurship: Challenges and Opportunities'. The seminar ... ASEED, was organised with ... effective strategies and avo... creating stable, sustainable ventures. The two-day event ... participa...

कार्यशाला में मिले युवाओं को नौकरियों के प्रस्ताव

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फार एन्टरप्रेन्योरशिप एंड स्माल बिजनेस डेवलपमेंट (निसबड) में शुक्रवार को आयोजित रोजगार कार्यशाला में युवाओं की भीड़ जुटी। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों की 50 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ...

रोजगार
- तकरीबन 50 कंपनियों ने लिया हिस्सा
- इंजीनियरिंग क्षेत्र का वेतन आकर्षक

RECRUITERS' MEET

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD), engaged in entrepreneurship development and promotion of small businesses through training, research and consultancy interventions and functioning under the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME), which organised a recruiters' meet at its campus recently. The day-long meet was attended by the representatives of 54 companies/firms including McDonald's; Pizza Hut; Haldiram's; Pantaloon; Devyani Food Chain; Godrej Kitchen, etc. A total of 618 participants earlier trained by the institute in different skills/trades registered for the event, out of which 237 were provided on-the-spot offer of employment.

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

उद्यमिता विकास कार्यक्रम 23 से

निसबड दिलाता रोज़गार के मौके

उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ती जा रही चुनौतियां

स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देगा निसबड

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) नेहरू युवा केंद्र संस्थान के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण देगा। ट्रेनिंग 17 से 19 दिसंबर तक दी जाएगी। इसके अंतर्गत स्वयंसेवकों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय की राजीव गांधी उद्यमी मित्र योजना के बारे में बताया जाएगा।

'ब्लू कॉलर जॉब' का दिया प्लेटफार्म

नोएडा (ब्यूरो)। 'हमने नोएडा में 'ब्लू कॉलर जॉब' (छोटी व मध्यम दर्जे की नौकरी) के लिए एक नया प्लेटफॉर्म दिया है। यहां बेरोजगारों को सीमित वेतन पर नौकरी मुहैया कराने के लिए आमंत्रित किया गया।' यह कहना है निसबड के महानिदेशक अरुण कुमार झा का। उन्होंने कहा कि इस रोजगार मेले के जरिये लो स्केल जॉब के इच्छुक छात्रों को एक बेहतरीन मार्केट उपलब्ध कराया गया है। यहां पहुंची कंपनियां छह से 15,000 रुपये तक की नौकरी ऑफर करने आईं। छोटे पैकेज पर नौकरी दिलाने की पहले ...

केवल निसबड के प्रशिक्षितों को ही मौका

रोजगार मेले में बेरोजगारों की भीड़ तो जमकर उमड़ी लेकिन यहां सिर्फ निसबड से प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों को ही मौका देने की बात पर गैर प्रशिक्षितों को मायूसी हाथ लगी। आलम यह रहा कि बीटेक और एमबीए डिग्रीधारक भी पहुंचे लेकिन साक्षात्कार का मौका नहीं मिलने पर मायूस हो गए।

से ही योजना थी। छात्रों ने भी इस ऑफर को हाथों हाथ लिया।

रोजगार मेले में उमड़ा युवाओं का रेला

नोएडा (ब्यूरो)। राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान में शुक्रवार को युवाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। साक्षात्कार के बाद शाम तक इनमें से कई कंपनियों ने जॉब ऑफर किया। निसबड के अधिकारियों के मुताबिक छात्रों के सर्टिफिकेट जांचने के बाद साक्षात्कार के लिए 618 छात्रों का रजिस्ट्रेशन किया गया। पहले सत्र में 28 कंपनियों के प्रतिनिधि कैंपस में पहुंचे।

महिलाओं को उद्यमी बनाएगा निसबड

नोएडा (ब्यूरो)। सेक्टर-62 स्थित राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) की ओर से महिलाओं को उद्यमी बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसका मकसद गृहणियों को अपने निजी व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करना है। 15 दिवसीय इस कार्यक्रम में महिलाओं ...

NIESBUD holds two-day seminar

THE NATIONAL Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD) organised a two-day national seminar on 'Emerging trends in social entrepreneurship : challenges and opportunities' at its Noida Campus on April 12-13. Held in association with the Asian Society for Entrepreneurship Education and Development, the seminar had Shyam S. Dubey, Chief Controller of Accounts, Ministry of Commerce and Industry as one of its key speakers.

सत्यमेव जयते

Udyami Helpline
1800-180-6763 (Toll Free)
(M S M E)

Providing Information About

MARKETING ASSISTANCE

CREDIT SUPPORT

CLUSTER DEVELOPMENT

TECHNOLOGY UPGRADATION

SKILL DEVELOPMENT

SETTING UP ENTERPRISE

SCHEMES OF MINISTRY OF MSME

Assistance and Guidance to prospective as well as existing entrepreneurs about opportunities and facilities available under various Schemes of the Government

Udyami Helpline 1800-180-6763 (Toll Free)

Timings: 7.00 am to 9.00 p.m. (Hindi / English)

MSME
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES

www.msme.gov.in GOVERNMENT OF INDIA *www.dcmsme.gov.in*

The Institute

उद्यमी लभते सिद्धिम्
niesbud

The National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development (NIESBUD) was set up on 6th July 1983, by the then Ministry of Industry (now Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises), Government of India. The basic objectives of the Institute are promotion and development of micro, small and medium enterprises including enhancement of their competitiveness through different interventions. One focus area of the activities is to promote entrepreneurship through training and other interventions.

The major activities of the Institute include organising different training activities for various target groups viz; Training of Trainers for trainers/promoters; Management Development Programmes for existing /prospective entrepreneurs and practicing consultants; Entrepreneurship-cum-Skill Development Programmes for prospective entrepreneurs and unemployed youth ; Orientation Programmes for Development Functionaries and Officials of Support Organisations etc, undertaking research and review of different Schemes/Projects, standardizing and developing courses and course material, bringing out publications, manuals and training aids for effective learning, rendering assistance in formulation of appropriate policies and their effective implementation, facilitating the entrepreneurial and related activities of other organizations both Governmental and Non- Governmental, providing consultancy services for promoting entrepreneurship and undertaking all other related activities for promoting and sustaining entrepreneurial culture and small businesses.

The direction and guidance to the Institute is provided by its Governing Council whose Chairman is the Hon'ble Minister of Micro, Small and Medium Enterprises (M/o MSME) and Vice-chairman is the Secretary, M/o MSME . The Executive Committee, consists of nine members and includes the Secretary, M/o MSME as Chairman, Additional Secretary & Development Commissioner (MSME) as its Vice-chairman and the Director General of the Institute acts as Member Secretary of both the Governing Council and Executive Committee. The policies and decisions of the Governing Council are executed through the Executive Committee.

The Institute is functioning from its integrated Campus in Sector 62, NOIDA, NCR; Delhi, India.

निसबड

ए–23, सैक्टर–62, नौएडा–201309 एन.सी.आर. दिल्ली, भारत
फोनः 0120 / 4017001 / 4017039 / 4017043
ई–मेलः dg@niesbud.gov.in/sbhardwaj@niesbud.gov.in/rrsingh@niesbud.gov.in

Printed at: Chandu Press Ph: 22526936